

वार्षिक प्रतिवेदन Annual Report

सत्र 2018-19



पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
North Eastern Regional Institute of Science and Technology
(मानक विश्वविद्यालय)
(Deemed to be University u/s 3 of UGC Act, 1956)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत
Under the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India

निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश - 791 109
Nirjuli, Arunachal Pradesh

अनुक्रमणिका

अनुभाग	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	निदेशक महोदय की कलम से	1
2	संस्थान का परिचय	2-3
3	शैक्षिक कार्यक्रम	4-16
4	विभाग	17-140
5	केन्द्रीय सुविधायें, सेवायें तथा गतिविधियाँ	141-153
6	मानव संसाधन	154-155
7	परिसर जीवन तथा अन्य पाठ्यतर गतिविधियाँ	156-166
8	वित्त एवं लेखा	167

परिशिष्ट	विवरण	पृष्ठ संख्या
i	नेरिस्ट समिति के सदस्यों की सूची	168-169
ii	प्रबन्धन मण्डल के सदस्यों की सूची	170-171
iii	वित्त समिति के सदस्यों की सूची	172
iv	शैक्षिक समिति के सदस्यों की सूची	173-175
v	भवन व कार्य समिति के सदस्यों की सूची	176
vi	संस्थान प्रशासन	177-179
vii	पुस्तकालय समिति के सदस्यों की सूची	180
viii	प्रवेश परीक्षा समिति के सदस्यों की सूची	181
ix	छात्रावास प्रबन्ध परिषद के सदस्यों की सूची	182
x	नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा - 2018	183-188
xi	संकाय सदस्यों की सूची	189-193
xii	लेखा परीक्षा प्रतिवेदन, 2018-19	195

निदेशक महोदय की कलम से.....

मुझे संस्थान के 32 वें वार्षिक प्रतिवेदन, 2018-19 को आपको समर्पित करने का गौरव प्राप्त हुआ है, जिसमें संस्थान के पिछले वर्ष की विविध गतिविधियों का वर्णन प्रस्तुत किया जा रहा है। वर्ष के दौरान हम सभी ने संस्थान के संसाधनों में बढ़ोतरी करने तथा स्वच्छ प्रशासन प्रदान करने का गहन प्रयास किया।

यह संस्थान नेरिस्ट समिति के अध्यक्ष ब्रिगेडियर (से.नि.) डॉ. बी. डी. मिश्रा, अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल व नेरिस्ट समिति के अध्यक्ष के प्रति वर्ष 2018-19 के दौरान प्राप्त मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता है। प्रबंधन मंडल के अध्यक्ष आचार्य उमेश चन्द्र राय दिनांक 18 मई, 2017 से संस्थान के लिए निरन्तर प्रेरणा एवं मार्ग दर्शन के स्रोत रहे हैं, संस्थान उनका भी आभारी है। इस संदर्भ में, यह संस्थान तकनीकी ब्यूरो, आई.एफ.डी. तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधिकारियों को भी उनसे समय समय पर मिलने वाले समर्थन एवं सहायता के लिए आभार व्यक्त करता है।

वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान में सभी से प्राप्त व्यापक सहयोग के साथ नए शैक्षणिक पहल एवं आधारभूत ढांचों के विकास कार्य किए गए। विश्व बैंक के वित्तीय सहयोग से टीईक्यूआईपी गतिविधियों का संचालन पूर्ण प्रशासनिक पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। तथापि अभी भी बहुत कुछ किया जाना है और अधिक उच्च मानक स्थापित करने तथा संस्थान अपनी अपेक्षाओं में खरा उतरने और उससे भी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार कठिन परिश्रम करता रहेगा।

संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्त, अभिप्रेरित एवं अपेक्षित रूप से युवा संकाय सदस्य तथा गैर शिक्षण वर्ग के लगनशील कर्मचारी निष्ठा पूर्वक अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। संस्थान के छात्र अनुशासित, अभिप्रेरित तथा निष्ठावान हैं, तथा देश के प्रसिद्ध संस्थानों के विद्यार्थियों के साथ विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में अपने क्षेत्र में सफलता पाने में सक्षम हुए हैं। संस्थान के छात्रों ने अपने तथा संस्थान के लिए देश तथा विदेश में ख्याति अर्जित की है। संस्थान में कई प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं सफलता पूर्वक पूरी हुई हैं, जिनका वित्त पोषण बाह्य फंडिंग एजेंसियों द्वारा किया गया है।

संस्थान में नियोजन आंकड़ों की स्थिति संतोषजनक है, परन्तु इसमें और सुधार लाए जाने की आवश्यकता है। संस्थान के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ का वर्तमान दल हमारे विद्यार्थियों के नियोजन हेतु साक्षात्कार आयोजन करने के लिए देश के विभिन्न सरकारी/गैर सरकारी/ सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों को आमंत्रित करने के लिए यथा संभव प्रयास कर रहा है।

निदेशक

अनुभाग - 2 संस्थान का परिचय

2.1 संस्थान

अद्भुत प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण, सूर्योदय की भूमि अरुणाचल प्रदेश में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (नेरिस्ट) की स्थापना भारत सरकार द्वारा आरम्भ में उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की प्रायोगिक परियोजना के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का उद्देश्य इस क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न चुनौतियों का सामना करने हेतु तकनीकी मानव संसाधन की आवश्यकता को पूरा करना था। संस्थान का परिसर अरुणाचल प्रदेश के राजधानी क्षेत्र ईटानगर में निर्जुली में स्थित है, तथा यह गुवाहाटी से सड़क, हवाई तथा रेलमार्ग से जुड़ा हुआ है।

यह संस्थान दिनांक 1 अप्रैल, 1994 से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के प्रत्यक्ष नियंत्रण में कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत, एम.एच.आर.डी. द्वारा संस्थान को 31 मई, 2005 को "मानक विश्वविद्यालय" का स्तर प्रदान किया गया था।

यह संस्थान प्रवेश और निकास की बहुविध प्रणालियों के साथ शिक्षा की माँडयूलर पद्धति का अनुकरण करता है, और नवोन्मेषी शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा तथा डिग्री के विभिन्न स्तरों पर कुशल श्रम शक्ति तैयार कर रहा रहा है। नेरिस्ट में अपनाई जा रही विशिष्ट शिक्षा पद्धति का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, सिक्किम तथा त्रिपुरा को तकनीकी स्तर पर अन्य राज्यों के समकक्ष सबल बनाते हुए प्रौद्योगिकी अन्तर को समाप्त करना तथा इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देना है। सिक्किम राज्य को इसका लाभ प्राप्त करने वाले राज्य के रूप में वर्ष 2006 में शामिल किया गया।

यह संस्थान शिक्षा की माँडयूलर पद्धति का सफलता पूर्वक संचालन कर रहा है, जिसके माध्यम से संस्थान विभिन्न विभागों कृषि अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, वानिकी, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, मानव विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान तथा अन्य सहायक विभागों के सहयोग से नौ प्रमाण पत्र कार्यक्रमों, छह डिप्लोमा कार्यक्रमों तथा सात डिग्री कार्यक्रमों का अध्यापन कार्य कर रहा है। हांलाकि यह संस्थान छात्रों को कम उम्र (कक्षा 10 के पश्चात) में प्रवेश प्रदान करता है, तथापि इसके प्रभावशाली शैक्षिक तथा प्रशासनिक ढांचे ने शिक्षा का उच्च स्तर एवं व्यक्तित्व विकास के उच्च मूल्यों को बनाये रखने में सफलता प्राप्त की है।

संस्थान में वर्ष 1996-97 से दो स्नातकोत्तर कार्यक्रमों यथा: सूचना प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक. डिग्री कार्यक्रमों का संचालन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुमोदन से किया गया था। संस्थान को 2005 में मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त होने के पश्चात सभी अभियांत्रिकी विभागों में अंशकालिक और नियमित आधार पर पीजी और पीएचडी कार्यक्रम, वर्ष 2007-08 से वानिकी में एमएससी, वर्ष 2009-10 से भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में एमएससी आरंभ किए गए। एमबीए सहित संस्थान के सभी ग्यारह विभागों में वर्ष 2006 से पूर्णकालिक और अंशकालिक पीएचडी कार्यक्रम आरंभ किए गए। अरुणाचल प्रदेश राज्य में एम.टेक. तथा एम.बी.ए. कार्यक्रमों की शिक्षा सर्वप्रथम आरम्भ करने का गौरव संस्थान को प्राप्त है।

संस्थान का दृष्टिकोण

वैश्विक आवश्यकताओं और बहु-सांस्कृतिक परिवेशगत मानकों को पूरा करते हुए समाज को विशेष सेवा प्रदान करने हेतु नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्वबोध के साथ विज्ञान व प्रौद्योगिकी शिक्षा, शोध और उद्यमिता में श्रेष्ठता प्राप्त करने की योग्यता युक्त श्रमशक्ति का निष्पादन करना ।

संस्थान का उद्देश्य

1. मौलिक मॉड्यूलर प्रणाली के माध्यम से विज्ञान व प्रौद्योगिकी शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में एक मानक निर्मित करना।
2. पूर्वोत्तर क्षेत्र के विशेष संदर्भ में उच्च नैतिक मूल्यों के साथ विभिन्न विषयों में वैश्विक स्तर पर सक्षम तकनीकी तथा वैज्ञानिक श्रमशक्ति तैयार करना।
3. अभियंताओं/ प्रौद्योगिकीविदों/ प्रशिक्षुओं को श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए हितधारकों, जवाबदेही, पर्यावरण और समाज को ध्यान में रखते हुए सृजनात्मकता के लिए प्रेरित करना।
4. शिक्षण, शोध एवं परामर्शी कार्यों में श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए भारत तथा विदेशों के विश्व स्तर के शोध एवं विकास संस्थान, उद्योग और शैक्षिक संस्थानों के साथ सहयोगिता विकसित करना।

2.2 प्रशासनिक ढांचा

यह संस्थान समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक पंजीकृत समिति है। वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल नेरिस्ट समिति के पदेन अध्यक्ष हैं। श्री प्रणब कुमार बरबोरा, एअर मार्शल (से.नि.), प.वि.से.प., वि.से.प संस्थान के प्रबन्धन मण्डल के अध्यक्ष हैं।

2.3 प्रमुख विशेषताएँ

- मॉड्यूलर प्रौद्योगिकी शिक्षा प्रणाली
- विविध स्तरीय प्रवेश एवं निकास प्रणाली
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए तकनीकी श्रमशक्ति के सृजन के लिए गैर-परम्परागत एवं विशिष्ट कार्यक्रमों का संचालन
- ज्ञान, कौशल एवं उच्च गुणवत्ता विकास के लिए मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली
- उच्च शिक्षित संकाय सदस्य तथा समर्पित कर्मचारी
- स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. कार्यक्रम
- उपकरणों से सज्जित प्रयोगशालाएं एवं कार्यशालाएं
- पूर्ण आवासीय संस्थान
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित संस्थान

अनुभाग - 3

शैक्षिक कार्यक्रम

3.1 परिचय

किसी भी विश्वविद्यालय/संस्थान का शैक्षिक विभाग उसका सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है। सुचारु और सफल संचालन के लिए वर्तमान शैक्षिक विभाग को तीन अनुभागों, क्रमशः स्नातक शिक्षा अनुभाग, स्नातकोत्तर शिक्षा अनुभाग तथा अनुसंधान शिक्षा (पीएच.डी.) अनुभाग में विभाजित किया गया है। स्नातक शिक्षा अनुभाग प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति/आधार के अन्य शैक्षणिक मामले, डिप्लोमा और डिग्री मॉड्यूल आदि के मामले देखता है; स्नातकोत्तर शिक्षा अनुभाग एम.टेक., एम.बी.ए., एवं एम.एससी. कार्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया एवं सम्बन्धित गतिविधियों का संचालन करता है। अनुसंधान शिक्षा अनुभाग विभागीय अनुसंधान समिति बैठकों के आयोजन, पीएच.डी. छात्रों को प्रवेश सम्बन्धी पत्राचार, परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उनको डिग्री एवं छात्रवृत्ति आदि के आबंटन के कार्य का निष्पादन करता है। दीक्षांत समारोह, शैक्षिक समिति बैठक, सूचना के अधिकार, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से पत्राचार तथा अन्य विविध शैक्षिक संबन्धित मामलों को भी देखता है। इस शाखा के प्रभारी सहायक कुल सचिव (शैक्षणिक) हैं। जुलाई-दिसंबर, 2018-19 को संस्थान में 1246 स्नातक विद्यार्थी, 341 स्नातकोत्तर विद्यार्थी तथा 273 पंजीकृत पीएच.डी. छात्र थे। संस्थान में वर्तमान विद्यार्थी संख्या 1860 है।

संस्थान के सभी स्नातक कार्यक्रमों को राष्ट्रीय मान्यता बोर्ड (एन.बी.ए.) की मान्यता प्राप्त है। संस्थान के सभी स्नातक कार्यक्रमों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की भी मान्यता प्राप्त है। संस्थान के सभी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की मान्यता प्राप्त है।

3.2 गतिविधियों का विवरण

संस्थान के पाठ्यक्रम के मॉड्यूलर संरचना में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी शाखा में तीन स्वतंत्र मॉड्यूल और वानिकी में एक स्वतंत्र मॉड्यूल है, जो निम्नवत हैं :

क) अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा

1. प्रमाण पत्र कार्यक्रम
2. डिप्लोमा कार्यक्रम
3. उपाधि कार्यक्रम

ख) वानिकी शाखा

उपाधि कार्यक्रम

यह संस्थान अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा में तीन कार्यक्रमों प्रमाण-पत्र (कक्षा 10 के पश्चात प्रवेश), डिप्लोमा (कक्षा 10+2 / या नेरिस्ट प्रमाण पत्र के पश्चात प्रवेश) तथा डिग्री कार्यक्रम (आवश्यक सी.जी.पी.ए. के साथ डिप्लोमा/ प्रथम श्रेणी में पोलेटेक्नीक डिप्लोमा के पश्चात प्रवेश) का संचालन कर रहा है। नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा-III के माध्यम से प्रवेश वाले डिग्री कार्यक्रम के सेतु पाठ्यक्रमों, जिसकी अवधि तीन वर्ष है के अलावा अन्य सभी कार्यक्रमों की अवधि दो वर्ष की है।

छात्र वृत्ति

संस्थान के छात्रों को विविध प्रकार की छात्रवृत्तियां जैसे ईशान उदय छात्रवृत्ति, राज्य सरकारो द्वारा प्रदत्त वजिफे तथा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से विविध छात्रवृत्तियां प्राप्त हो रही हैं। गेट में सफल विद्यार्थियों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सौजन्य से वित्त उपलब्ध होने से छात्रवृत्तियाँ दी जा रही हैं। इसके अतिरिक्त पीएच.डी. के शोध छात्रों को भारत सरकार के नियमानुसार छात्रवृत्तियाँ दी जा रही हैं।

किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए छात्र की उपस्थिति 75 प्रतिशत होना आवश्यक है, अन्यथा छात्रवृत्ति बन्द की जा सकती है।

3.3 पूर्व स्नातक कार्यक्रमों के तहत चलाए जा रहे पाठ्यक्रम

वर्ष 2018-19 के दौरान निम्नलिखित पूर्व स्नातक पाठ्यक्रमों का संचालन किया गया -

प्रमाण पत्र कार्यक्रम

क्र. सं.	प्रमाणपत्र कार्यक्रम	व्ययवसाय
1.	कृषि अभियांत्रिकी	ट्रेक्टर मिस्त्री खाद्य प्रसंस्करण तकनीशियन
2.	निर्माण प्रौद्योगिकी	नक्सानविस सर्वेक्षक
3.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (विद्युत)	विद्युतकार
4.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रॉनिकी)	इलेक्ट्रानिक तकनीशियन
5.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (यांत्रिक)	यांत्रिक शिल्पकार शीतलन एवं वातानुकूलन तकनीशियन

डिप्लोमा कार्यक्रम (अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा)

- क. कृषि अभियांत्रिकी
- ख. भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- ग. कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- घ. विद्युत अभियांत्रिकी
- ङ. इलेक्ट्रानिकी एवं विद्युत संचार अभियांत्रिकी
- च. यांत्रिक अभियांत्रिकी

उपाधि कार्यक्रम (अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी)

- क. कृषि अभियांत्रिकी
- ख. भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- ग. कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- घ. विद्युत अभियांत्रिकी
- ङ. इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
- च. यांत्रिक अभियांत्रिकी

उपाधि कार्यक्रम (वानिकी)

वानिकी में चार वर्षीय उपाधि कार्यक्रम

3.4 संस्थान द्वारा संचालित स्नातकोत्तर कार्यक्रम

संस्थान ने स्नातकोत्तर कार्यक्रम आरम्भ कर दिया है और वर्ष 2018-19 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है -

एम.टेक. (पूर्णकालिक)

- (क) कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी में एम.टेक.
- (ख) कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (ग) भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (घ) भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत भू-तकनीक अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (ङ) विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (च) यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन में एम.टेक.
- (छ) यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत उष्मा-द्रव अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (ज) इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत वीएलएसआई में एम.टेक.
- (झ) कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कृषि यंत्र एवं ऊर्जा में एम.टेक.
- (ञ) कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी में एम.टेक.

एम.एससी.

- (क) वानिकी विभाग के अंतर्गत वानिकी में एम.एससी.
- (ख) भौतिक विज्ञान विभाग के अंतर्गत भौतिकी में एम.एससी.
- (ग) रसायन विज्ञान विभाग के अंतर्गत रसायन विज्ञान में एम.एससी.
- (घ) गणित विभाग के अंतर्गत गणित में एम.एससी.

एम बी ए

प्रबंधन अध्ययन केंद्र के अंतर्गत वाणिज्य प्रशासन में स्नातकोत्तर

पीएच.डी. (अंशकालिक) एवं पीएच.डी. (पूर्णकालिक)

अभियांत्रिकी शाखाएं

- कृषि अभियांत्रिकी
- भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विद्युत अभियांत्रिकी
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी

विज्ञान, मानविकी एवं प्रबंधन शाखाएं

- वानिकी
- भौतिकी
- रसायन विज्ञान
- गणित
- मानविकी एवं समाज विज्ञान

3.5 अन्य कोई संगत सूचना/आंकड़ा

जुलाई-दिसम्बर, 2017-18 सत्र के दौरान पंजीकृत छात्रों का विवरण निम्नलिखित है।

(क) पूर्व स्नातक कार्यक्रम

तालिका - 1 प्रथम वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या (कार्यक्रम अनुसार)

कार्यक्रम	प्रमाण-पत्र	डिप्लोमा	उपाधि
कृषि अभियांत्रिकी	36	23	22
सिविल अभियांत्रिकी	40	40	50
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	0	23	19
विद्युत अभियांत्रिकी	40	46	44
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	40	28	31
यांत्रिक अभियांत्रिकी	40	34	44
कुल संख्या	196	194	210

तालिका - 2 द्वितीय वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या (कार्यक्रम अनुसार)

कार्यक्रम	प्रमाण-पत्र	डिप्लोमा	उपाधि
कृषि अभियांत्रिकी	16	28	20
सिविल अभियांत्रिकी	30	45	48
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	0	16	16
विद्युत अभियांत्रिकी	37	38	43
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	20	14	26
यांत्रिक अभियांत्रिकी	28	32	34
कुल संख्या	131	173	187

तालिका - 3 उपाधि (वानिकी) कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों की संख्या

वर्ष	छात्रों की संख्या
प्रथम वर्ष	17
द्वितीय वर्ष	13
तृतीय वर्ष	15
चतुर्थ वर्ष	14
कुल संख्या	59

तालिका - 4 उपाधि सेतु वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	4
सिविल अभियांत्रिकी	14
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	11
विद्युत अभियांत्रिकी	13
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	12
यांत्रिक अभियांत्रिकी	12
कुल संख्या	66

तालिका - 5 : पुनरावृत्ति पंजीकृत छात्रों की संख्या

कार्यक्रम	प्रमाण-पत्र	डिप्लोमा	उपाधि
कृषि अभियांत्रिकी	7	1	2
सिविल अभियांत्रिकी	6	1	4
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	0	0	0
विद्युत अभियांत्रिकी	4	8	0
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	3	1	3
यांत्रिक अभियांत्रिकी	2	1	0
वानिकी	0	0	0
कुल संख्या	22	12	9

तालिका - 6 पंजीकृत छात्रों की लिंगानुसार संख्या (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभियांत्रिकी	27	9	9	7	6	1	59
सिविल अभियांत्रिकी	28	12	25	5	4	2	76
विद्युत अभियांत्रिकी	25	15	29	8	3	1	81
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	30	10	16	4	2	1	63
यांत्रिक अभियांत्रिकी	36	4	23	5	1	1	70
कुल	146	50	102	29	16	6	349

तालिका - 7 पंजीकृत छात्रों की लिंगानुसार संख्या (डिप्लोमा कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभियांत्रिकी	13	10	23	5	1	0	52
सिविल अभियांत्रिकी	30	10	24	12	0	0	76
कम्प्युटर अभियांत्रिकी	17	6	12	4	0	0	39
विद्युत अभियांत्रिकी	35	11	24	14	4	1	89
इलेक्ट्रानिकी अभि.	20	8	9	5	1	0	43
यांत्रिक अभियांत्रिकी	29	5	29	3	1	0	67
कुल	144	50	121	43	7	1	366

तालिका - 8 छात्रों का लिंगानुसार विवरण (उपाधि कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		सेतु वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभियांत्रिकी	15	7	6	14	3	1	1	1	48
सिविल अभियांत्रिकी	35	15	33	15	11	3	3	1	116
कम्प्युटर अभियांत्रिकी	15	4	11	5	8	3	0	0	46
विद्युत अभियांत्रिकी	31	13	36	7	9	4	0	0	100
इलेक्ट्रानिकी अभि.	23	8	17	9	10	2	3	0	72
यांत्रिक अभियांत्रिकी	39	5	31	3	10	2	0	0	90
कुल	158	52	134	53	51	15	7	2	472

तालिका - 9 छात्रों का लिंगानुसार विवरण (उपाधि)

शाखा	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		तृतीय वर्ष		चतुर्थ वर्ष एवं पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
वानिकी	6	11	8	5	6	9	6	8	59

तालिका - 10 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	8	7	3	41	59
सिविल अभियांत्रिकी	12	12	1	51	59
विद्युत अभियांत्रिकी	15	14	7	45	81
इलेक्ट्रानिकी अभि.	24	14	3	22	63
यांत्रिक अभियांत्रिकी	33	9	7	21	70
कुल	92	56	21	180	332

तालिका - 11 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (डिप्लोमा कार्यक्रम)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	6	2	1	43	52
सिविल अभियांत्रिकी	18	13	5	40	76
कम्प्युटर अभियांत्रिकी	16	5	3	15	39
विद्युत अभियांत्रिकी	34	7	3	45	89
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	12	9	2	20	43
यांत्रिक अभियांत्रिकी	35	16	3	13	67
कुल	121	52	17	176	366

तालिका - 12 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (उपाधि कार्यक्रम)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	4	8	1	35	48
सिविल अभियांत्रिकी	27	16	7	66	116
कम्प्युटर अभियांत्रिकी	10	14	5	17	46
विद्युत अभियांत्रिकी	28	21	6	45	100
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	28	13	3	28	72
यांत्रिक अभियांत्रिकी	40	13	8	29	90
वानिकी	13	7	4	35	59
कुल	150	92	34	255	531

तालिका - 13 छात्रों का राज्य-वार विवरण (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजो-रम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	2	21	4	9	10	0	12	0	1	59
सिविल अभि.	5	25	7	8	9	5	10	0	7	76
विद्युत अभि.	9	22	11	8	9	4	9	1	8	81
इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	14	8	14	6	8	0	7	0	6	63
यांत्रिक अभि.	8	13	16	6	7	3	6	0	11	70
कुल	38	89	52	37	43	12	44	1	33	349

तालिका - 14 छात्रों का राज्य अनुसार विवरण (डिप्लोमा कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजोरम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	1	25	1	4	8	2	8	2	1	52
सिविल अभि.	9	19	9	7	9	3	6	7	7	76
कम्प्यूटर अभि.	9	3	7	5	5	1	4	2	3	39
विद्युत अभि.	8	25	12	9	11	2	6	6	10	89
इलेक्ट्रानिकी अभियांत्रिकी	6	5	9	5	11	1	2	0	4	43
यांत्रिक अभि.	8	16	17	3	11	0	3	2	7	67
कुल	41	93	55	33	55	9	29	19	32	366

तालिका - 15 छात्रों का राज्य अनुसार विवरण (उपाधि कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजोरम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	2	17	7	4	5	2	6	3	2	48
सिविल अभि.	9	25	25	7	9	7	14	9	11	116
कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	3	6	9	6	8	3	4	4	3	46
विद्युत अभि.	10	21	16	9	10	3	12	6	13	100
इलेक्ट्रानिकी अभियांत्रिकी	7	9	18	6	7	2	7	4	12	72
यांत्रिक अभि.	11	13	29	7	8	1	7	4	10	90
वानिकी	2	6	10	7	7	6	6	7	8	59
कुल	44	97	114	46	54	24	56	37	59	531

(ख) स्नातकोत्तर कार्यक्रम

तालिका - 16 एम.टेक. (नियमित) में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		कुल	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1	कृषि अभियांत्रिकी	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	4	6	1	2	5	8
		कृषि यंत्र एवं शक्ति	2	2	3	1	5	3
2	सिविल अभियांत्रिकी	पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	14	4	9	4	23	8
		भू तकनीक अभियांत्रिकी	12	6	13	2	25	8
3	कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	4	2	4	5	8	7
		सूचना प्रौद्योगिकी	1	3	0	0	1	3
4	विद्युत अभियांत्रिकी	विद्युत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी	8	7	3	6	11	13

5	इलेक्ट्रानिकी अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	2	7	4	10	6	17
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन	7	0	8	0	15	0
		उष्मा द्रव अभियांत्रिकी	7	0	4	0	11	0
कुल पंजीकृत छात्र			61	37	49	30	110	67

तालिका - 17 एम.टेक. (नियमित) में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (प्रथम वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	कृषि अभियांत्रिकी	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	1	0	1	8	10
		कृषि यंत्र एवं शक्ति	1	0	3	0	4
2	सिविल अभियांत्रिकी	पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	4	0	2	12	18
		भू तकनीक अभियांत्रिकी	2	3	6	7	18
3	कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	0	1	2	3	6
		सूचना प्रौद्योगिकी	3	1	0	0	4
4	विद्युत अभियांत्रिकी	विद्युत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी	1	2	4	8	15
5	इलेक्ट्रानिकी अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	4	0	4	1	9
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन	2	0	2	3	7
		उष्मा द्रव अभियांत्रिकी	0	0	4	3	7
कुल पंजीकृत छात्र			18	7	28	45	98

तालिका - 18 एम.टेक. (नियमित) में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (द्वितीय वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	कृषि अभियांत्रिकी	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	0	0	0	3	3
		कृषि यंत्र एवं शक्ति	1	0	1	2	4

2	सिविल अभियांत्रिकी	पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	1	0	0	12	13
		भू तकनीक अभियांत्रिकी	2	1	2	10	15
3	कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	4	0	3	2	9
		सूचना प्रौद्योगिकी	0	0	0	0	0
4	विद्युत अभियांत्रिकी	विद्युत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी	1	2	1	5	9
5	इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	4	0	6	4	14
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन	2	0	3	3	8
		उष्मा द्रव अभियांत्रिकी	1	0	1	2	4
कुल कुल पंजीकृत छात्र			16	03	17	43	79

तालिका - 19 एम.एससी. कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	पंजीकृत छात्रों की संख्या					
			प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		कुल संख्या	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1	भौतिकी	एम. एससी. (भौतिकी)	5	7	8	4	13	11
2	रसायन	एम. एसस. (रसायन विज्ञान)	7	3	4	4	11	7
3	गणित	एम. एससी. (गणित)	12	6	2	8	14	14
4	वानिकी	एम. एससी. (वानिकी)	8	10	5	12	13	22
कुल			32	26	19	28	51	54

तालिका - 20 एम.एससी. कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (प्रथम वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	भौतिकी	एम. एससी. (भौतिकी)	0	2	6	4	12
2	रसायन	एम. एसस. (रसायन विज्ञान)	4	1	4	1	10
3	गणित	एम. एससी. (गणित)	3	0	4	11	18
4	वानिकी	एम. एससी. (वानिकी)	1	1	3	13	18
कुल			8	4	17	29	58

तालिका - 21 एम.एससी. कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (द्वितीय वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	भौतिकी	एम. एससी. (भौतिकी)	3	1	5	3	12
2	रसायन	एम. एसस. (रसायन विज्ञान)	2	0	6	0	8
3	गणित	एम. एससी. (गणित)	0	0	3	7	10
4	वानिकी	एम. एससी. (वानिकी)	1	1	1	14	17
कुल			6	2	15	24	47

तालिका - 22 एम.बी.ए. में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	केंद्र	कार्यक्रम	पंजीकृत छात्रों की संख्या				कुल	
			प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		पुरुष	महिला
1	प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	एम.बी.ए.	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला		
			13	12	20	14		

तालिका - 23 एम.बी.ए. में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (प्रथम वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	एम.बी.ए.	6	0	4	15	25

तालिका - 24 एम.बी.ए. में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (द्वितीय वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	एम.बी.ए.	6	4	3	21	34

तालिका - 25 पीएच.डी. (अंशकालिक व पूर्णकालिक) में पंजीकृत छात्रों की संख्या

अभियांत्रिकी शाखा (क)							
क्र.सं.	विभाग का नाम	सामायिक		पूर्ण कालिक		कुल संख्या	
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1	कृषि अभियांत्रिकी	1	0	13	6	14	6
2	सिविल अभियांत्रिकी	6	6	9	5	15	11
3	कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	1	0	4	1	5	1
4	विद्युत अभियांत्रिकी	13	3	18	6	31	9
5	इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	16	4	10	6	26	10
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	16	0	19	5	35	5
कुल (क)		53	13	73	29	126	42

विज्ञान, मानविकि एवं प्रबंधन अध्ययन शाखा (ख)							
क्र.सं	विभाग का नाम	सामायिक		पूर्ण कालिक		कुल संख्या	
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
7	भौतिक विज्ञान	5	0	11	5	16	5
8	रसायन विज्ञान	2	1	3	6	5	7
9	गणित	8	0	2	6	10	6
10	वानिकी	4	1	18	9	22	10
11	मानविकि एवं समाज विज्ञान	7	3	1	2	8	5
12	प्रबंधन अध्ययन	4	3	1	3	5	6
कुल (ख)		30	8	36	31	66	39

कुल (क) + (ख)	पुरुष	महिला	कुल संख्या
		192	81

तालिका - 26 पीएच.डी. (अंशकालिक व पूर्णकालिक) में पंजीकृत का श्रेणी अनुसार विवरण

अभियांत्रिकी शाखा (क)						
क्र.सं	विभाग का नाम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	कृषि अभियांत्रिकी	6	0	7	7	20
2	सिविल अभियांत्रिकी	5	2	4	15	26
3	कम्प्युटर अभियांत्रिकी	3	0	2	1	6
4	विद्युत अभियांत्रिकी	17	3	13	7	40
5	इलेक्ट्रानिकी अभियांत्रिकी	19	1	14	2	36
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	23	3	9	5	40
कुल (क)		73	9	49	37	168
विज्ञान, मानविकि एवं प्रबंधन अध्ययन शाखा (ख)						
7	भौतिक विज्ञान	7	0	9	5	21
8	रसायन विज्ञान	5	1	3	3	12
9	गणित	6	0	9	1	16
10	वानिकी	9	1	8	14	32
11	मानविकि एवं समाज विज्ञान	4	2	1	6	13
12	प्रबंधन अध्ययन	3	0	5	3	11
कुल (ख)		34	4	35	32	105

3.6 विविध सूचना

शैक्षिक अनुभाग तथा परीक्षा कक्ष का स्वचालन अर्ध सत्र जुलाई-दिसम्बर, 2016 से आरम्भ कर दिया गया था। शैक्षिक अनुभाग तथा परीक्षा कक्ष के सभी शुल्कों का भुगतान ऑन लाईन किया जा रहा है।

संस्थान के सभी स्नातक, स्नातकोत्तर (अभियंत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी) व एम.बीए. कार्यक्रम संस्थान में राष्ट्रीय संस्थागत गुणवत्ता मानदंड क्रमबद्धता फ्रेमवर्क (एन आई आर एफ) में भाग लिया था, जिसमें संस्थान का स्थान 173 था।

संस्थान के वर्ष 2018-19 के आंकड़ों को अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण में सफलता पूर्वक अपलोड कर दिया गया था।

संस्थान में जुलाई, 2016 से ऑन लाईन रेंगिंग रोधी अनुबंध का प्रवधान किया गया था। संस्थान के सभी छात्रों के लिए प्रति वर्ष जुलाई में पंजीकरण के साथ ऑन लाईन रेंगिंग रोधी अनुबंध भरना अनिवार्य है।

संस्थान में 7वें दीक्षान्त समारोह का आयोजन 19 नवम्बर, 2018 को किया गया था। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता ब्रिगेडीयर (से.नि.) डॉ. बी. डी. मिश्रा, अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल एवं नेरिस्ट समिति के अध्यक्ष ने की थी। समारोह को आचार्य ए. डी. शहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनिकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित किया था।

अनुभाग - 4

विभाग

4.1 वानिकी विभाग

संस्थान के उद्गम के साथ ही वानिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1986 में पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के विद्यार्थियों को वानिकी की उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह विभाग इस समय चार वर्ष के वानिकी में उपाधि, दो वर्ष की एम.एससी. तथा पी.एच. डी कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। विभाग को इस तरह सुविधायुक्त बनाया गया है कि वानिकी के क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों की सामना करने के लिए योग्य पेशेवर यहाँ से निकल सकें जो प्रबंधन में भी दक्षता रखते हों। वानिकी के क्षेत्र में पाठ्यक्रमों का निर्धारण राष्ट्रीय वन नीति, 1986 के अनुरूप की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश में वनों का संरक्षण करना है। हमारे देश का पूर्वोत्तर क्षेत्र सघन वनों से अच्छादित है, जिनके संरक्षण एवं समुचित प्रबंधन के लिए बौद्धिक मानव संसाधन की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है जो न केवल जैव विविधता का धनी है बल्कि यहाँ कई दुर्लभ, लूप्तप्राय प्रजाति के मूल्यवान प्रजाति के पेड़ पौधे पाए जाते हैं। अगर मानव का उचित साथ और संरक्षण नहीं मिला तो इनमें से कुछ प्रजातियों के निकट भविष्य में लुप्त होने का भी खतरा है। यहां के छात्र अपने उच्च कोटि के अध्ययन के बल पर वनों के संरक्षण, उनके उपयोग में तालमेल एवं उनके निरन्तर विकास के कार्य को निष्पादन करने में सफल होंगे। विभाग के छात्रों को ग्रीष्मकालिन परियोजनाओं एवं प्रायोगिक अध्ययन द्वारा प्रशिक्षण के माध्यम से वानिकी की विभिन्न विधाओं से अवगत कराया जा रहा है।

विभाग के शैक्षिक कार्यों के सफल निष्पादन का पूर्ण श्रेय संकाय सदस्यों को जाता है, जिन्हें वानिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे वन वातावरण, काष्ठ विज्ञान, वन भू-सूचना, काष्ठ विज्ञान व प्रौद्योगिकी, उद्यान कला, पौध संरक्षण, नैतिक पौध विकास, वन वर्धन, जैव विविधता संरक्षण, वन्य जीव प्रबन्धन, जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, वन संरचना, वन्य अर्थनीति एवं प्रबन्धन में विशेषज्ञता प्राप्त है। अध्यापन कार्य के अलावा, संकाय सदस्य अनुसंधान कार्यों में भी सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, तथा अपने क्षेत्र विशेष में पीएच. डी. छात्रों का मार्ग दर्शन कर रहे हैं। इस विभाग ने पीएच. डी. उपाधि के 41 शोध ग्रन्थों को पूरा कर लिया है।

सकाय सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता
1.	डॉ. बी सिंह	आचार्य	उद्यान कला एवं कृषि वानिकी
2.	डॉ. सी.एल. शर्मा	आचार्य	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
3.	डॉ. (श्रीमती) एम शर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	काष्ठ विज्ञान एवं वन्य उत्पाद
4.	डॉ.(श्रीमती) के श्रीवास्तव	आचार्य	सूक्ष्म जीव आणविक जीव विज्ञान
5.	डॉ. पी.आर. गुजराल	सह आचार्य	परम्परागत उद्यान पौध विज्ञान एवं औषधी पौधे
6.	डॉ. एस. सुरेश कुमार सिंह	सह आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव वातावरण एवं जैव सूचना प्रणाली
7.	डॉ. ए. कुमार	सह आचार्य	वन्य प्राणी प्रबन्धन

8.	डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी	सह आचार्य	वन्य वातावरण जैव विविधता संरक्षण एवं दूर संवेदी
9.	डॉ. एल .बी. सिंघा	सह आचार्य	वन्य वातावरण जैव रसायन एवं तनाव प्रबन्धन
10	श्री जी. पांगिग	सहायक आचार्य	वन अर्थ शास्त्र एवं प्रबन्ध
11	डॉ. आसिष पाल	सहायक आचार्य	वातावरण व जैव-विविधता संरक्षण
12	डॉ. प्रदीप कुमार	सहायक आचार्य	जैव-प्रौद्योगिकी, पौध चिकित्सा व जैव नियंत्रण
13	डॉ. मधु कामले	सहायक आचार्य	पौध जैव-प्रौद्योगिकी, फंगस व पौध संचार

4.1.2 शैक्षणिक गतिविधियां

यह संस्थान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में स्थित है, जो कि जैव विविधता का एक प्रमुख स्थान है। प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता को तथा उसपर मंडराते विविध खतरों को देखते हुए संस्थान द्वारा प्रदान की जा रही शिक्षा इस विश्व जैव विविधता क्षेत्र के संरक्षण में बहुमूल्य है। इस तरह हमारे द्वारा चलाये जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों से निष्पादित जनशक्ति वन्य उपयोग, प्रबन्ध, नीति निर्धारण, उत्पादन-सह-उपयोग करने में तथा राष्ट्र का सामाजिक आर्थिक विकास करने में सक्षम है। विभाग का मुख्य उद्देश्य वानिकी एवं इससे संबन्धित विषयों में शिक्षा प्रदान करना तथा अनुसंधान करना है। विभाग द्वारा वानिकी में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

क्र.सं.	कार्यक्रम	अवधि
1	बी.एस सी. (वानिकी)	04 वर्ष
2	एम. एससी.	02 वर्ष
3	पी एच. डी.	न्यूनतम 03 वर्ष सह 01 वर्ष पठन कार्य

वानिकी की समस्त प्रमुख विधाओं जैसे वन प्रबन्धन, संरक्षण, रक्षा एवं उपयोगिता, वन नीति एवं योजना, वन्य जीवविज्ञान, वन्य जीव प्रबंधन, वन वर्धन, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दूर संवेदी उपयोग से भू-सर्वेक्षण, मृदा जीव विज्ञान एवं प्रबन्धन, सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी तथा अन्य संबन्धित विषयों जैसे जैव रसायन, जैव सांख्यिकी, सर्वेक्षण, वाणिज्य आदि की शिक्षा बी.एससी के छात्रों को प्रदान की जा रही है। विभाग में वानिकी की उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान करने का सामर्थ्य है। बी.एससी. के पाठ्यक्रम में छात्रों को गहन ग्रीष्मकालिन प्रशिक्षण का प्रावधान है, जिनके लिए इनको विविध उद्यानों, अनुसंधान संस्थाओं, गैरशासकीय संगठनों जैसे एम.एस. स्वामीनाथन अनुसंधान संस्थान, डब्लू.डब्लू.एफ., विमको, प्रदान आदि में भेजा जाता है। प्रशिक्षण में विशेष रूप से प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन, वन्य जीव प्रबन्धन, चाय उत्पादन सह प्रबन्धन, ग्रामीण प्रबन्धन, दूर संवेदी एवं वन्य वातावरण विषयों पर कार्य किया जाता है।

विभाग ने अब तक 60 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य पूरा कर लिया है, तथा 14 पर कार्य प्रगति पर है। परियोजनाओं में कार्य करने वाले छात्रों को पीएच.डी. उपाधि के लिए पंजीकरण करवाया जाता है, जिससे अब तक विभाग ने 73 छात्रों को पीएच. डी. उपाधियाँ प्रदान की है। संकाय सदस्यों का इन कार्यों में विशेष योगदान

रहा है, तथा विभाग के संकाय सदस्य राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध लेखों का प्रकाशन कर रहे हैं। यह विभाग राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विविध संगठनों के साथ आपसी सहयोग से कार्य कर रहा है।

4.1.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

विभाग में प्रायोगिक कक्षाओं, अनुसंधान एवं विकास के लिए सात प्रयोगशालायें तथा तीन क्षेत्र प्रयोगशालायें कार्य कर रही हैं। विभाग की प्रयोगशालायें उपकरणों से सुसज्जित है जो शोध कार्यों के लिए आवश्यक मांगों को पूरा करती है। विभाग की अनुसंधान प्रयोगशाला शोध कार्य करने के लिए उपयुक्त है। अब तक विभाग ने प्रायोजित संगठनों मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, युनिस्को, जी. बी. पन्त संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आइसीफेरे, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, इसरो, एफ एन डी पी के 65 से अधिक परियोजनाओं पर कार्य निष्पादन किया है, जिनमें कुछ पूरे हो गए हैं, तथा कुछ पर कार्य प्रगति पर है। विभाग की प्रयोगशालाओं में परम्परागत उपकरणों के अलावा, विशिष्ट उपकरण जैसे बीज अंकुरण यंत्र, आक्सीकरण यंत्र, पत्ती क्षेत्रफल मापी यंत्र, परत-सह-परत हवा वहन मापी यंत्र, रोटरी मिश्रक, शितलक एकाग्र यंत्र फ्रिज, गर्म हवा भट्टी, स्पेक्ट्रम मापी, चिंगारी प्रकाश मापी, इलेक्ट्रॉनिक तुला, गोलाकार छिलन यंत्र, शूक्ष्मदर्शी, काष्ठ गुणवत्ता यंत्र, स्वचालित मौसम यंत्र, पी सी आर प्रणाली, गैस यंत्र एवं कैल्पलस यंत्र आदि विभिन्न प्रायोगिक अध्ययन के लिए उपलब्ध है। विभाग में एक उन्नत कम्प्यूटर केन्द्र तथा पुस्तकालय है। विभाग में अनेक कम्प्यूटरों पर स्थानीय नेटवर्क सहित इन्टरनेट और प्रिंटिंग की सुविधा उपलब्ध है।

मौजूदा प्रयोगशालाएं:

प्रयोगशाला संख्या	प्रयोगशाला का नाम और सुविधाएं	प्रभारी
1	काष्ठ विज्ञान एवं वन उत्पाद	डॉ. एम. शर्मा
2	पौध सुक्ष्म जैव विचरण एवं सुक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी	डॉ. के. श्रीवास्तव
3	वन्य प्रणाली पौध विज्ञान एवं उधान कला	डॉ. पी. आर. गुजरेल
4	पर्यावरण एवं वातावरण एवं विविधता	श्री जी. पेंगिंग
5	पौधशाला वन्य वातावरण एवं जैव विविधता	डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी
6	वन्य प्राणी संरक्षण	डॉ. ए. कुमार
7	दूर संवेदी तथा भू-सूचना प्रणाली	डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी
सुविधाएं 1	कम्प्यूटर सूविधा	डॉ. ए. कुमार
सुविधाएं 2	विभागीय पुस्तकालय	डॉ. ए. कुमार
सुविधाएं 3	वन संग्रहालय	डॉ. पी. आर. गुजरेल
सुविधाएं 4	वानिकी वनस्पति संग्रहालय	डॉ. पी. आर. गुजरेल
सुविधाएं 5	जैव सूचना प्रणाली केन्द्र	डॉ. एस एस सिंह

4.1.4 स्नातकोत्तर/पीएच.डी. छात्रों द्वारा प्रस्तुत परियोजनायें/ शोध ग्रन्थ

(i) पीएच.डी. शोध ग्रन्थ (उपाधियाँ प्रदान की गईं)

नाम और रोल नंबर	पर्यवेक्षक	स्थिति	पीएच.डी. शोध ग्रन्थ का शीर्षक
श्री रॉबर्ट पैन्मी पीएच.डी.(एफटी)/13/एफओ/05	बी. सिंह पी. आर. गजुरेल	निर्णयित	मणिपुर के ज़ेलियानग्रोंग जनजाति की परस्पर सांस्कृतिक नृवंश पौध विज्ञान
श्री कबुक लेगो पीएच.डी.(पीटी)/12/एफओ/03	सी. एल. शर्मा एम. बी. शर्मा	निर्णयित	पीनस मर्कसुनी जंघ और डी व्रीसे, अरुणाचल प्रदेश, भारत की काष्ठ घनत्व भिन्नता पर अध्ययन
श्री गोविंदा पैंगिंग, पीएचडी(पीटी)/14/एफओ/01	सी. एल. शर्मा एम. बी. शर्मा	निर्णयित	असम के चयनित जनजातियों द्वारा मजिको धार्मिक प्रथाओं में प्रयुक्त पौधों का नृवंश विज्ञान संबंधी अध्ययन
सुश्री उलमान यशमिता नितिन पीएच.डी.(एफटी)/13/एफओ/03	अवधेश कुमार, एम. बी. शर्मा	निर्णयित	उत्तरी असम, भारत में पारंपरिक कृषि प्रणालियों में जैविक विविधता और इसके खतरे का आकलन
गुरुमयं रानीबाला पीएच.डी. (पीटी)/51107	एस. एस. सिंह	निर्णयित	उत्तर पूर्वी भारत में होने वाली चुनिंदा मूसा प्रजातियों में डी एन ए बारकोड के विकास के लिए परमाणु और क्लोरोप्लास्ट जीनोम अनुक्रम का मूल्यांकन
वेहेंगबम रॉबिन्द्रो सिंह पीएच.डी.(पीटी)/10/एफओ/02 51006/2010	एस. एस. सिंह करुणा श्रीवास्तव	निर्णयित	मणिपुर, भारत के वन्य और सुसंस्कृत केले (<i>मुस एसपीपी</i>) का जीनोम लक्षण वर्णन और फ़िलाओलेनेटिक विश्लेषण
एच. बोबॉय सिंह पीएच.डी.(पीटी)/10/एफओ/03	एस. एस. सिंह	निर्णयित	मणिपुर के चुनिंदा औषधीय पौधों के साथ जुड़े एंडोमाइकोरिज़ल फंगस की घटना और विविधता पर अध्ययन
सुश्री डायना एथेल अर्मेज पीएच.डी.(पीटी)/11/एफओ/02	अवधेश कुमार, एम. बी. शर्मा	प्रस्तुत	ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, भारत के संरक्षण प्रजनन केंद्र में पूर्वी हिलेब गिबबन (होलोक लुकुनडेस) के प्रजनन और व्यवहार पारिस्थितिकी पर अध्ययन
श्री बिस्वजीत प्रमाणिक पीएचडी(एफटी)/13/एफओ/01	करुणा श्रीवास्तव	प्रस्तुत	उत्तर पूर्वी राज्यों (अरुणाचल प्रदेश और असम) के दूषित जल के पानी में आर्सेनिक की गतिशीलता में सूक्ष्म कण विविधता और उनकी भूमिका पर अनुसंधान

(ii) स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा पूरा किया गया परियोजना कार्य:

नाम और रोल नंबर	पर्यवेक्षक	स्थिति
सुश्री हॉबी डाबी (एमएस/16/एफओ/01)	पूर्वी सियांग जिले, अरुणाचल प्रदेश के नारी सर्कल में बायोमास और कार्बन पूल प्लांटेशन	डॉ. आशीष पॉल
श्री टैचिन सिडिसो, एमएस/16/एफओ/02	डिप्टेरोकार्पस मैक्रोकार्पस और टेट्रामेलिस नुडिफ्लोरा की शारीरिक विशेषताओं पर औद्योगिक उत्सर्जन का प्रभाव	डॉ. सी. एल. शर्मा
सुश्री डी.एम. उलमांग एमएस/16/एफओ/03	मेघालय के पूर्व खासी हिल्स जिले में 'टाइरा' बांस और इसके आवासों के पारिस्थितिक विश्लेषण का वर्गीकरण	डॉ. एल. बी. सिंहा
श्री आर लोवरंग एमएस/16/एफओ/04	कुछ औषधीय पौधों की अति-संवेदी गतिविधियों की जांच	डॉ. एस. एस. सिंह
श्री सौरव बरुआ एमएस/एफओ/16/05	भूस्खलन ओएलआई ऑकड़ों का उपयोग करके मेघालय के पूर्वी खासी पहाड़ी जिले में जैव पदार्थ और कार्बन भण्डारण क्षमता में भू-परिवर्तन का प्रभाव	डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी
जेवांग कोन्याक एमएस/16/एफओ/06	बैसिलस एसपीपी, उनके जैव-नियंत्रित पौधों बढ़ावा देने वाले टर्मैरियम के रहने का अलगाव, लक्षण वर्णन और मूल्यांकन	डॉ. प्रदीप कुमार
श्री स्टीफन मारिंग एमएस/16/एफओ/07	मिजोरम में कृषि वानिकी प्रणाली पर अध्ययन	डॉ. बी. सिंह
भूमिका गुरुंग एमएस/16/एफओ/08	नारंगी (मंदारिन) के कुल माइक्रोफ्लोरा की पहचान और आवश्यक तेलों का उपयोग करके इसका फसल प्रबंधन	डॉ. मधु कामले
सौरभ तमगान एमएस/16/एफओ/09	भारत के असम के बिश्वनाथ जिले में उड़ने वाली लोमड़ी के संरक्षण में गृह कृषि वानिकी प्रणाली की भूमिका	डॉ. अवधेश कुमार
श्री डी टेकर सुश्री/16/एफओ/10	अरुणाचल प्रदेश में ज़ीरो घाटी के वृक्ष वनस्पतियों की विविधता और वर्गीकरण	डॉ. पी. आर. गजुरेल
श्री नारंग टाडो, एमएस/16/एफओ/11	फाइलोस्टेसिस बम्बुसोडस तथा जुक के भौतिक गुणों में भिन्नता	डॉ. एम. बी. शर्मा

4.1.5 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

नाम	शीर्षक	अनुदान	स्थान	अवधि
डॉ. एस.एस. सिंह, डॉ. करुणा श्रीवास्तव और डॉ. पी. आर. गजुरेल	तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला केला वर्गीकरण के संदर्भ में उच्च पौधों की वर्गीकरण	डी.बी.टी.	नेरिस्ट	27-29 मार्च 2019

4.1.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की उपस्थिति

प्रो. बी. सिंह	नवम्बर, 14-15, 2018 को मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया में 13 ^{वीं} विश्व कांग्रेस औषधि एवं विष विज्ञान पर में भाग लिया।
डॉ. करुणा श्रीवास्तव	जुलाई 16-21, 2018 को सान जुआन, प्यूर्टो रिको, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित भाग लिया और 11 ^{वीं} अंतर्राष्ट्रीय कवक विज्ञान कांग्रेस में एक आलेख प्रस्तुत किया।
डॉ. पी. आर. गजुरेल	नवम्बर, 14-15, 2018 को मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया में 13 ^{वीं} विश्व कांग्रेस औषधि एवं विष विज्ञान पर में भाग लिया।
डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी	<p>भू-स्थानिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए जीरो घाटी, अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न भू-क्षेत्रों में कार्बन भण्डारण का आकलन "सामाजिक लाभ के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में प्रगति" सैक, अहमदाबाद, 03/12/2018</p> <p>पूर्वी खासी पहाड़ियों के उपोष्ण कटिबंधीय जंगलों के कार्बन भण्डारण पर भू-परिवर्तन का आकलन, मेघालय "सामाजिक लाभ के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में उन्नति" एसएसी, अहमदाबाद, 04/12/2018</p> <p>अरुणाचल प्रदेश के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में <i>साइटस साइनेंसिस</i> की कार्बन क्षमता का अनुमान । "6^{वां} अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन, पौधे और पर्यावरण, एनबीआरआई, लखनऊ "27.11.2018</p> <p>असम पूर्वोत्तर भारत के कामरूप जिले के उष्णकटिबंधीय पर्णपाती सेवाओं के संरक्षण में समुदाय भूमिका। पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं आकलन और "6^{वां} अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन, पौधे और पर्यावरण, एनबीआरआई, लखनऊ" 29.11.2018</p>
डॉ. एल. बी. सिंह	<p>अन्तराष्ट्रीय पौध वैज्ञानिक समिति, सीएसआरआई-एनबीआरआई, लखनऊ द्वारा "6^{वां} अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन, 27-30 नवंबर 2018.</p> <p>फरवरी, 4-8, 2019 के दौरान सीटी कन्वेंशन सेंटर, इम्फाल, मणिपुर, भारत में विश्व बांस संगठन, यू.एस.ए. द्वारा आयोजित, बांस कार्यशाला बेहतर भविष्य के लिए बांस की चुनौतियों का समाधान।</p>
श्री जी. पैंगिंग	मार्च, 8-9, 2018 को नेहू व ईहसट के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी हिमालयन पौध विविधता: वर्गीकरण संरक्षण और टिकाऊ उपयोग, बीएसआई, शिलॉन्ग, मेघालय।
डॉ. ए. पॉल	24-25 नवंबर, 2018 को आर्ट ऑफ लिविंग, जोलांग, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में पूर्वोत्तर बौद्धिक फोरम द्वारा आयोजित की गई राष्ट्रीय संगोष्ठी, <i>अरुणाचल प्रदेश: ज्ञान को अज्ञात।</i>
डॉ. प्रदीप कुमार	<p>दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्थायी भविष्य के लिए कृषि, जैविक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में अग्रिम, 20-22 अक्टूबर 2018 में उपस्थिति और मौखिक प्रस्तुति।</p> <p>23-24 फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय संगोष्ठी "कृषि, स्वास्थ्य और उद्योग में जैव</p>

<p>प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप" में शामिल और आमंत्रित वार्ता। 06-08 मार्च, 2019 के दौरान एमिटी यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़, (रायपुर), भारत में छठे बायोपेस्टीसाइड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस-2019 में व्याख्यान प्रस्तुत किया।</p> <p>ई एंड आईसीटी अकादमी और आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित दो ऑनलाइन एफडीपी कार्यक्रमों में भाग लिया।</p>
--

4.1.7 संकाय सदस्यों को पुरस्कार/सम्मान व सदस्यता

प्रो सी एल शर्मा	पूर्व हिमालयी स्पर्मेटोफीट वर्गीकरण सोसाइटी, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, पीओ उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी 734013, भारत के जीवन पर्यन्त सदस्य
प्रो एम शर्मा	इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वुड एनाटॉमिस्ट्स (आईएडब्ल्यूए, नेदरलैंड) की सदस्यता
डॉ करुणा श्रीवास्तव	जीवन पर्यन्त सदस्य, भारत शुक्ष्म जैव वैज्ञानिक एसोसिएशन
डॉ एस सुरेश कुमार सिंह	जीवन पर्यन्त सदस्य, भारत शुक्ष्म जैव वैज्ञानिक एसोसिएशन
डॉ ए पॉल	राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (जीवन सदस्य) प्राकृतिक क्षेत्र एसोसिएशन (सदस्य)
डॉ. एम. कामले	जीवन पर्यन्त सदस्य, शुक्ष्म अणु समिति जीवन पर्यन्त सदस्य, अमेरिकी शुक्ष्म जीव विज्ञान समिति
डॉ. पी. कुमार	जीवन पर्यन्त सदस्य, शुक्ष्म अणु समिति जीवन पर्यन्त सदस्य, कृषि प्रौद्योगिकी विकास समिति

4.1.8 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित उपलब्धि, पुरस्कार, मान्यता:

डॉ. पी.आर. गजुरेल	सिंगापुर नेशनल पार्क बोर्ड (2019) द्वारा सिंगापुर फ्लोरा फेलोशिप से सम्मानित
डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी	संपादकीय बोर्ड: जर्नल ऑफ प्लांट साइंसेस - 2018-2021 (आईएसएसएन: 2331-0723) शैक्षणिक संपादक: अनुसंधान में प्रगति, 2018-21 अकादमिक संपादक: अन्तरराष्ट्रीय जर्नल पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन 2019 - 2023 इंटरनेशनल सोसायटी फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट, (एफ 3140900141) सह सम्पादक: एशियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज (मैक्सवेल) सह सम्पादक: रिसर्च जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल एंड अर्थ साइंस इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एनवायर्नमेंटल बोटनिस्ट, लखनऊ (आजीवन सदस्य)
डॉ. एम. कामले	संपादक- एचिव्स ऑफ फाइटोपैथोलॉजी एण्ड प्लान्ट प्रोटक्सन
डॉ. पी. कुमार	प्रथम पुरस्कार-सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति। 2वाँ अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन"कृषि,

	<p>जैविक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में भविष्य के लिए अग्रिम। एटीडीएस, गाजियाबाद और काहिरा विश्वविद्यालय, मिस्र द्वारा आयोजित।</p> <p>विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग-सर्व, भारत सरकार (2018) से प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान पुरस्कार</p> <p>एटीडीएस सोसायटी, गाजियाबाद (2018) द्वारा उभरते वैज्ञानिक पुरस्कार - 2018</p> <p>शैक्षणिक संपादक: प्लस वन (आई एफ- 2.77)</p> <p>सह सम्पादक, बीएमसी: पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा (आई एफ -2.28), स्प्रिंगर नेचर</p> <p>अतिथि सम्पादक - एविडेंस-बेस्ड कॉम्प्लिमेंट्री एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन - एंडोक्राइनल डिसऑर्डर में उपयोगी पौधों के बायोटेक्नोलॉजिकल और चिकित्सीय अनुप्रयोग: (आई एफ- 2.28) - हिन्डवी</p> <p>संपादक मंडल- फूड एंड फार्मा इंटरनेशनल - टेलर एंड फ्रांसिस-एचकेबी</p> <p>संपादक- प्लांट सेल बायोटेक्नोलॉजी और आणविक जीवविज्ञान (पीसीबीएमबी) (आईएसएसएन: 0972-2025)</p> <p>संपादक मंडल- एग्रीका-एन इंटरनेशनल जर्नल (आईएसएसएन: 2320-1193)</p>
--	--

4.8 बाह्य निकायो. द्वारा प्रदान अनुसंधान परियोजनायें

अनुसंधान कर्ता	परियोजना	वित्त निकाय	अवधि	धनराशि (लाख)
डॉ बी सिंह डॉ पीआर गजुरेल	अरुणाचल प्रदेश में जंगली खाद्य पौधों के प्रबंधन और विपणन में ग्रामीण जनजातीय महिलाओं की क्षमता निर्माण	डीएसटी	2018-2020	30.90
डॉ बी सिंह डॉ पीआर गजुरेल	वंचित पारिस्थितिक तंत्र में बागवानी फसलों को बढ़ावा देने और अरुणाचल प्रदेश में आजीविका सुधार के लिए झुम कृषि छोड़ने का प्रचार।	जीबीपीएनआईएचईएसडी, भारत सरकार	2018-2020	11.65
डॉ करुणा श्रीवास्तव डॉ एस एस सिंह	उत्तर पूर्वी क्षेत्र से केले के आनुवंशिक संसाधनों का संग्रह, मूल्यांकन, प्रलेखन और संरक्षण	डीबीटी "डीबीटी-एनईआर/एग्री / 33 / 2016	2018-2021	23.19
डॉ पी आर गजुरेल डॉ बी सिंह	पूर्वोत्तर भारत में जैव संसाधन और स्थायी आजीविका	डीबीटी	2018-2020	76.00
डॉ पी आर गजुरेल डॉ बी सिंह डॉ एस एस सिंह	नलिका प्रजातियों का व्यापक औषधीय अध्ययन: औषधियों में एक प्राकृतिक संवर्धक	डीबीटी	2019-21	46.00

डॉ पी आर गजूरल डॉ बी सिंह	भारत में अपनी जैव विशेषताओं सहित जीनोम पाइपर एल का टैक्सोनोमिक आकलन	डीबीटी	2019-21	23.00
डॉ एस एस सिंह डॉ करुणा श्रीवास्तव	भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक संस्कृति संग्रह केंद्र की स्थापना, द्वितीय चरण	डीबीटी, नई दिल्ली बीटी /पीआर12956 / एनबीटी/ 39/504/2015	2017- 2020	27.104
डॉ करुणा श्रीवास्तव डॉ एस एस सिंह	उत्तर पूर्वी क्षेत्र से केले के आनुवंशिक संसाधनों का संग्रह, मूल्यांकन, प्रलेखन और संरक्षण	डीबीटी "डीबीटी-एनईआर/एग्री / 33/ 20/ 2016	2018- 2021	84.95
डॉ एस एस सिंह डॉ करुणा श्रीवास्तव	भारतीय केले आनुवंशिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए कंसोर्टियम	डीबीटी	2018-21	26.80
डॉ एस एस सिंह	विपरीत जीनोटाइप में <i>फुसरम</i> विल्ट प्रतिरोध और आणविक लक्षण वर्णन के लिए पूर्वोत्तर से केले के जर्मप्लाज्म का परीक्षण	डीबीटी	2018-21	14.55
डॉ पी आर गजूरल डॉ बी सिंह	उत्तर पूर्व भारत में जैव संसाधन और टिकाऊ आजीविका	डीबीटी, नई दिल्ली,	2017- 2020	73.0
डॉ ए कुमार	पूर्वी हिमालय, अरुणाचल प्रदेश में संरक्षित क्षेत्रों में और आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों के लिए संभावित आजीविका विकल्प के रूप में वन्यजीवन और प्रकृति-आधारित पर्यटन की खोज: जैव विविधता संरक्षण के लिए एक सतत दृष्टिकोण	एनएमएचएस- जीबीपीएनआईएचईएसडी,	2018- 2020	45.002
डॉ ए कुमार	संकट ग्रस्त <i>बुडकोस टैक्सिकलर</i> की स्थिति सर्वेक्षण और संभावित खतरे और पूर्वी अरुणाचल प्रदेश, भारत में स्थानीय समुदायों के संवेदीकरण के माध्यम से इसका संरक्षण	आईईआरपी- जीबीपीएनआईएचईएसडी,	2018-21	9.97
डॉ. ओ पी त्रिपाठी डॉ. मधुसूदन मिश्रा और डॉ. आशीष पॉल	अरुणाचल प्रदेश के लिए विशेष संदर्भ में भारतीय हिमालय में अल्पाइन पारिस्थितिकी तंत्र के पैटर्न और प्रक्रिया की विशेषता	एसएसी-ईसरो अहमदाबाद	2018-21	24.01

डॉ एल बी सिंघा, प्रोफेसर एच एस यादव, डॉ ओ पी त्रिपाठी	हिमालय में आक्रामक विदेशी पौधे: स्थिति, पारिस्थितिक प्रभाव और प्रबंधन	पर्यावरण व वन मंत्रालय स्वीकृति संख्या एनएमएचएस- 2017/ एलजी-01 / 475।	2017-20	64.17
डॉ जी. पैंगिंग	अरुणाचल प्रदेश के चयनित प्रमुख जनजातियों के स्वदेशी ज्ञान प्रणाली का दस्तावेजीकरण के लिए बौद्धिक संपदा की प्रासंगिकता	एनएमएचएस, भारत सरकार	2018-21	48.33
डॉ आशीष पॉल, डॉ ओ पी त्रिपाठी, डॉ एल बी सिंघा,	अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय लोगों की जीवनी और जीविका पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव	डीएसटी-एचआईसीएबी, नयी दिल्ली	2018-21	56.91
डॉ आशीष पॉल, डॉ ओ पी त्रिपाठी, डॉ एल बी सिंघा,	पूर्वी हिमालय और पश्चिमी घाटों में <i>रोडोडेंड्रॉन अबॉरियम</i> की विविधता, जनसंख्या स्थिति, रोडोडेंड्रॉन प्रजातियों की निष्कर्षण तीव्रता और आनुवांशिक विविधता ।	डीबीटी, नई दिल्ली	2018-21	31.97
डॉ मधु कमले डॉ प्रदीप कुमार	लिस्टीया कुबेबा(लुर) पर्स का सूक्ष्म विस्तार - उत्तर पूर्व भारत के एक स्वदेशी पौधे का अनुवांशिक संरक्षण	जीबीपीएनआईएचईएसडी,: स्वीकृति संख्या जीबीपीआई / आईईआरपी / 17-18 / 58 / दिनांक 28.03.2018	2018- 2021	4.0
डॉ प्रदीप कुमार	उत्तर-पूर्व (अरुणाचल प्रदेश) भारत से कृषि की महत्वपूर्ण कीटों का मुकाबला करने के लिए एंटी- कोलोप्टेरान, एंटी-लेपिडोप्टेरॉन विशिष्ट क्राय जीन के साथ <i>बैसिलस थुरिंगिएन्सिस</i> जेनेटिक विविधता की खोज करना।	डीएसटी-सर्ब/ईसीआर / 2017 / 001,143	2017- 2020	42.93
डॉ प्रदीप कुमार डॉ मधु कमले	अरुणाचल प्रदेश, भारत के कुछ चयनित स्वदेशी औषधीय पौधों से मानव रोगजनक बैक्टीरिया के खिलाफ फाइटोकेमिकल और बायोएक्टिव यौगिकों की खोज करना।	डीबीटी, नई दिल्ली (ट्विनिंग)	2017-18	54.0

4.1.9 आलेखों का प्रकाशन

संदर्भ पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

संदर्भ पत्रिका लेख	
1.	रोनाल्ड, के, गजुरेल, पी आर एवं सिंह, बी (2019) <i>होमालोमेना एरोमैटिक</i> (स्प्रेंग) की पर्यावरण-विविधता की स्थिति का <i>आकलन</i> एवं भारतीय पूर्वी हिमालय के उष्णकटिबंधीय वन में इसका निवास स्थान। <i>प्लांट साइंस टुडे</i> , 6 (2): 71-83, डीओआई: https://doi.org/10.14719/pst.2019.6.2.435
2.	शर्मा, एम, शर्मा, सी एल, बागे, एम, गोगोई, बी आर एवं पैंगिंग जी (2018) अरुणाचल प्रदेश की कुछ घास प्रजातियों के शारीरिक लक्षण व फाइबर आयाम और पल्प पेपर के लिए उनकी क्षमता। <i>जर्नल ऑफ बायोरसोर्स</i> 5 (1): 41-48
3.	पनेमी, आर, गजुरेल, पी आर एवं सिंह, बी (2019) पूर्वोत्तर भारत के राज्य मणिपुर में जेलियानगॉन्ग जातीय समूह द्वारा प्रयुक्त सांस्कृतिक पौधो के औषधीय गुण। <i>जर्नल ऑफ एथनोफार्माकोलॉजी</i> , 235: 164-182 डीओआई: https://doi.org/10.1016/j.jep.2019.02.009 [IF 3.49]
4.	काशंग, एस, गजुरेल, पी आर एवं सिंह, बी (2019) पूर्वी हिमालय अरुणाचल प्रदेश के <i>इपोमिया</i> एल प्रजाति की रूपात्मक विविधता। <i>इंट. जे ऑफ प्लांट रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी</i> , 11 (1): 91-97 DOI: https://doi.org/10.14787/ijprb.2019.11.1
5.	पनेमी, आर, गजुरेल, पी आर एवं सिंह, बी (2018) मणिपुर, भारत के <i>प्लीयोन</i> 12 (1) के वन्यजीव अभयारण्य के नृवंशविज्ञान संबंधी पौधे। 1-10 डीओआई: https://doi.org/10.26679/Pleione.30.6.2018.001-010
6.	काशंग, एस, गजुरेल, पी आर एवं सिंह, बी (2018) अरुणाचल प्रदेश, भारत प्लियोयोन के दो पर्वतारोही प्रजातियों <i>इपोमिया केयरिका</i> (एल) मीठा और <i>इपोमिया त्रिलोबा</i> एल (कॉन्वोल्वुलेसी) का अभिलेख - 12 (2): 341-346 डीओआई: https://doi.org/10.26679/Pleione.12.2.2018.341-346
7.	बावरी, ए, गजुरेल, पी आर एवं खान, एम एल (2018) <i>प्रिम्युला</i> प्रजातियों लेक्टो (प्रमिलेस) में से पांच के नाम। <i>क्यू बुलेटिन</i> 73:29 डीओआई: https://doi.org/10.1007/S12225-018-9750-9 यूजीसी सं 6508 आईआईएसएन 00,755,974
8.	देवी, डब्ल्यूडी, गजुरेल, पी आर एवं रेथी, पी (2018) उत्तर पूर्व भारत में होने वाली औषधीय रूप से महत्वपूर्ण प्रजाति <i>नलिका युक्त</i> सिल्वेटिकम रोकसब (पिप्पेरेसी) का व्यवहार। <i>जे. प्लांट रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी</i> , 10 (1): 84-89 डीओआई: https://doi.org/10.14787/ijprb.2018.10.1.84-89
9.	पांडा, पी सी, कुमार, एस, सिंह, जे पी, गजुरेल, पी, आदि (2018) खतरे वाली प्रजातियों के संरक्षण के लिए शुष्म विस्तार और बीज अंकुरण तकनीकों में सुधार। <i>करन्ट साइंन्स</i> , 114, (3), 562, यूजीसी नंबर 14405 (आईआईएसएन 00113891)
10.	शर्मा, एम, शर्मा सी एल और हाओकिप, डी। 2018। कुछ रतन प्रजातियों की शारीरिक और शारीरिक विशेषताएं। <i>जे। भारतीय एकाद। लकड़ी का विज्ञान।</i> 15 (2): 132-139।

11.	लेगो, के, शर्मा सीएल एवं शर्मा एम (2018) पिनस मरकुसी जंग तथा डे वीरसे का काष्ठ घनत्व की अक्षीय भिन्नता। जर्नल ऑफ ट्री साइंन्स। 37(1): 1-10 (डीओआई: 10.5958 / 2455-7129.2018.00001.8)
12.	पेंगिंग जी, शर्मा सी एल एवं शर्मा एम (2018) खम्पट्टी जनजाति के संदर्भ में मजिको-धार्मिक पौधों का नृवंशविज्ञान संबंधी अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंसेज रिसर्च, अंक 6 (2): 196-202
13.	लेगो, के, शर्मा सी एल एवं शर्मा एम (2018) अरुणाचल प्रदेश का एक स्थानिकमारी वाला देवदार <i>पिनस मर्कुसिनी</i> जून्ग तथा डी वीरसे में रिंग की चौड़ाई भिन्नता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजी रिसर्च 3 (1): 372-379
14.	गोगोई, बी आर, शर्मा एम एवं शर्मा, सी. एल. (2018) पिनस केसिया रोले एक्स गॉर्ड में तने की लंबाई भिन्नता पर उम्र, पिट से दूरी, विकास दर और रिंग की चौड़ाई का प्रभाव। जर्नल ऑफ ट्री साइंसेस, खंड 37 (2): 55-61 डीओआई: 10.5958 / 2455-7129.2018.00017.1
15.	डी पारिया, एस कुंडू, ख. कैनेडी सिंह, एस सुरेशकुमार सिंह एवं के सुरजीत सिंह (2018) कुछ जल में घुलनशील Zn(II) सह (E)-N-(थायोफिन-2 यलमेथिलीन) एनिलिन्स मिश्रणों का संश्लेषण, विशेषता और मधुमेह रौंधी गतिविधों। (पृष्ठ 1115-1116), <i>एशियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री</i> (मार्च, 2018) आईआईएसएन: 0970-7077
16.	जी रानीबाला, एस सुरेशकुमार सिंह एवं एम लतीफ़ खान (2018) उत्तर पूर्व भारत से <i>मूसा</i> की छह सजावटी प्रजातियों में डीएनए पहचान के लिए परमाणु और क्लोरोप्लास्ट जीनोम अनुक्रम का मूल्यांकन। 7वीं संगोष्ठी, डीएनए सोसाइटी ऑफ इंडिया, 17-18 नवंबर, 2017.
17	महापात्र जे, सिंह सी पी, त्रिपाठी ओ पी एवं पंड्या एच ए (2019) अरुणाचल प्रदेश हिमालय में अल्पाइन ट्रेलाइन इकोटोन गतिकी और फेनोलॉजी का दूर संवेदन। <i>इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिमोट सेंसिंग</i> https://doi.org/10.1080/01431161.2019.1608383
18	मुरली सी के, कुमार ए, त्रिपाठी ओ पी (2019) <i>नमदाफा</i> नेशनल पार्क, भारत के एक उष्णकटिबंधीय वन में लाल विशाल उड़न गिलहरी (<i>पेटौरिस्ता पेटौरिस्ता</i>) के पेड़ों में घोंसले के लक्षण। जर्नल ऑफ थ्रैटेड टैक्सा, 11: 13720-13726 https://doi/10.11609/jott.4384.11.6.13720-13726
19.	कुमार ए, किशोर बीएसपीसी, सैकिया पी, डेका जे, भाराली एस, सिंहा एल बी, त्रिपाठी ओ पी, खान एम एल (2018) पेड़ों की विविधता का आकलन और वन्य जमीन के ऊपर के जैव पदार्थ का अनुमान एसएआर दूर संवेदन: पूर्वोत्तर भारत के उच्च ऊंचाई वाली वनस्पतियों पर एक अध्ययन। <i>फिजिक्स एण्ड केमिस्ट्री ऑफ अर्थ</i> । doi.org/10.1016/ j.pce.2019.03.007
20.	नाथ ए एन, तिवारी बी के, सिलेशी जी डब्ल्यू, साहू यू के, ब्रह्मा बी, देब एस, निंगथौम, दास ए के, रीनग डी, चतुर्वेदी एस एस, त्रिपाठी ओ पी, दास डी जे, गुप्ता ए (2019)। उत्तर पूर्व भारत में वन जैव पदार्थ के आकलन के लिए मजबूत मॉडल का विकास। <i>फॉरेस्ट्स</i> , 10, 103; डीओआई: 10.3390/f10020103
21.	यम जी एवं त्रिपाठी ओ पी (2018) वन चंदवा ढाल के साथ मिट्टी कार्बन अनुक्रम: जलवायु परिवर्तन को कम करने का एक उपाय। जर्नल ऑफ बायोरसोर्स, 5(1): 28-33

22.	डेका एस, त्रिपाठी ओ पी एवं पॉल ए (2018) पूर्वोत्तर भारत, असम के घाघरा वन के पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का धारणा-आधारित मूल्यांकन। जियोलोजी, ईकोलोजी एण्ड लैंडस्केप। डीओआई: 10.1080 / 24749508.2018.1553020
23.	बोरदोलोई आर, दास बी, यम जी, पांडे पी के, त्रिपाठी ओ पी (2018) आसानी से उपलब्ध मिट्टी की विशेषताओं का उपयोग करते हुए जल धारण क्षमता का प्रतिमान। एग्रीकल्चर रिसर्च https://doi.org/10.1007/s40003-018-0376-9
24.	काशंग वाई, दास बी, डेका एस, बोरदोलोई आर, पॉल ए एवं त्रिपाठी ओ पी (2018) अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले की वुडी प्रजातियों का भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी आधारित विविधता और जमीन पर जैव पदार्थ का मूल्यांकन। फॉरेस्ट साइंन्स एण्ड टेक्नोलोजी 14 (2): 84-90
25	डायना एटहेल अमेंज एवं अवधेश कुमार (2018) बायोटा के संरक्षण में सुगंधित वनों की भूमिका: बालीपारा आरक्षी वन, सोनितपुर जिला, असम (भारत) पर एक अध्ययन। जर्नल ऑफ बायोरसोर्स, 5 (1): 18-27
26	मृगक्षी बोराह, आशालता देवी एवं अवधेश कुमार (2018) पूर्वोत्तर भारत के एक उष्णकटिबंधीय वन क्षेत्र में पश्चिमी होलॉक गिबबन का आहार और भोजन पारिस्थितिकी। <i>प्राइमेट्स</i> , 59: 31-44 डीओआई 10.1007 / s10329-017-0627-6
27	यशमिता-उलमान, मधुबाला शर्मा एवं अवधेश कुमार (2018) एवियन प्रजातियों के आवास के रूप में कृषि वानिकी प्रणाली: संरक्षण में इसकी भूमिका का आकलन। <i>प्राणि समिति की कार्यवाही</i> , 71(2), 127-145 https://doi.org/10.1007/s12595-016-0198-3 [आईएफ 1.96]
28	कुमार, ए, किशोर, बीएसपीसी, सैकिया, पी, डेका, जे भाराली, एस, सिंघा, एल बी, त्रिपाठी, ओ पी, खान, एम एल, (2019) एसएआर दूर संवेदी का उपयोग करते हुए वृक्ष विविधता आकलन और उपरी वन जैव पदार्थ अनुमान: उत्तर-पूर्वी हिमालय, भारत के उच्च ऊंचाई वाली सब्जियों का पर एक अध्ययन। <i>फिजिक्स एण्ड केमेस्ट्री ऑफ अर्थ</i> https://doi.org/10.1016/j.pce.2019.03.007 (प्रेस में) (आईएफ: 1.923)
29.	सिंहा, एल बी, निरी, पी, देवी, आर, (2018) स्टेप्लीटोना रिगोइन्स (पोईसेई), एक नई बांस प्रजाति जो अरुणाचल प्रदेश, भारत से बहुत लंबे <i>इंटर्नॉइस</i> को वहन करती है। <i>फाइटोटैक्सा</i> /350 (1): 079-085 (आईएफ: 1.185)
30.	स्टेफनी, एस, डेविस, टी जे, सैकिया, पी, डेका, जे, भाराली, एस, त्रिपाठी, ओ पी, सिंहा, एल बी, खान, एम एल, दयानंदन, एस (2018) हिमालय के जंगलों में होने वाली अलग-अलग वंशावली व पर्यावरणीय परिवर्तन की परिलक्ष्यता। <i>इकोस्पेयर</i> , 9(5): 1-13, आईएसएसएन: 2150-8925, डीओआई: 10.1002 / ecs2.2157 (आईएफ - 2.49)
31.	मेडक, बी एवं सिंघा, एल बी, 2018 अरुणाचल प्रदेश, भारत के जातीय जनजातियों द्वारा व्यापक रूप से उपभोग किए जाने वाले छह जंगली खाद्य पौधों के तत्वों और आक्सीकरण रोधी गतिविधि। <i>इंण्डियन जे. एग्रीक. रिसर्च</i> /52(1): 85-88 (आईएफ: 0.162)
32.	पैंगिंग, जी एवं अरुणाचलम, ए (2018) भारत में वनों के सतत विकास में वन नीति की भूमिका। सम्पादक: के के सूद एवं वी महाजन। वन, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता। कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

33.	पेंगिंग, जी, शर्मा, सी एल एवं शर्मा, एम (2018) खम्पट्टी जनजाति के संदर्भ में मजिको-धार्मिक पौधों के नृवंशविज्ञान संबंधी अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंस रिसर्च। 6 (2): 196-202
34.	पेंगिंग, जी, शर्मा, सी एल एवं शर्मा, एम (2019) असम, भारत में देवरी जनजाति के मैंगिको-धार्मिक प्रथाओं में प्रयुक्त पौधों पर नृवंशविज्ञान संबंधी अध्ययन। पौध अभिलेखागार, 19 (1) (स्वीकार किया गया)
35.	पॉल, ए, खान, एम एल एवं दास, ए के (2018) अरुणाचल हिमालय, भारत के समशीतोष्ण मिश्रित व्यापक-वनों में <i>रोडोडेंड्रोन</i> प्रजातियों की जैविक विशेषताएं। <i>जर्नल ऑफ फॉरेस्ट एण्ड इन्वायरमेंटल साइंन्स</i> , 34 (6): 435-450
36.	पॉल, ए, खान, एम एल एवं दास, ए के (2018) भारत के पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश के समशीतोष्ण मिश्रित व्यापक-वनों में जनसंख्या संरचना और पुनर्जनन की स्थिति। <i>भूविज्ञान, पारिस्थितिकी, और परिदृश्य</i> (ऑनलाइन प्रकाशित)। आईएसएसएन: (मुद्रण) 2474-9508 (ऑनलाइन)
37.	सालेही, बी, एम कमले, पी कुमार*, एन मार्टिन, जे एस रेड (2019) लाभकारी प्रभाव और मानव स्वास्थ्य के लिए टमाटर की खपत के संभावित जोखिम: एक अवलोकन। <i>न्युट्रिशन</i> , 10.1016 / j.nut.2019.01.012 (आईएफ:-3.75)
38.	एच बराक, पी कुमार, ए ज़ारिट्स्की, जेड मेंडेल, डी मेंट, ए कुशमारो, ई बेन-डोव (2019) <i>कैपेनोडिस टेनेब्रियोनिस</i> (कोपोप्टेरा : <i>बुप्रिएस्टिडे</i>) लार्वा में जिवाणु बायोटा की विविधता। <i>पेथोजेन्स</i> , 8 (1), 4 (एससीआईई)
39.	बी सलेही, पी कुमार, जे एस रेड (2018) आकसीकरण रोधी: सकारात्मक या नकारात्मक अभिकर्ता। <i>बायोमोलेक्यूलस</i> 8 (4), 124 (एससीआईई)
40.	बाजपेई वी के, कमले एम, शुक्ला एस, महतो डी के, चंद्र पी, हवांग एस के, कुमार पी, हुआ वाई एस, हान वाई के (2018) खाद्य संरक्षण एवं सुरक्षा के लिए नैनो तकनीकी का उपयोग करने की संभावनाएं। <i>जर्नल ऑफ फुड डर्ग एनेलेसिस</i> https://doi.org/10.1016/j.jfda.2018.06.011 (आईएफ-3.048)
41.	बरनवाल ए, श्रीवास्तव ए, कुमार पी, बाजपेयी वी के, मौर्य पी के एवं चंद्र पी (2018) नैनोसंरचना सामग्री की संभावनाएं और एंटीमाइक्रोबियल एजेंट के रूप में उनके कंपोजिट। <i>फ्रन्ट माईक्रो बायोल</i> 9: 422 डीओआई: 10.3389 / fmicb.2018.00422 (आईएफ-4.07)
42.	बाजपेई वी के, वी चंद्रा, एन एच किम, आर राय, कुमार पी, के किम, ए एरोन, ए ससी कांग, डी के माहेश्वरी, एम के ना, आई ए राथर, वाई एच पार्क (2018) एक संयुक्त आहार के साथ घोट्ट जैवतकनिक: एक उभरती हुई दुनिया के खतरे जीका वायरस के खिलाफ आदर्श उपचार दृष्टिकोण। <i>जैव प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण समीक्षा</i> । 38 (3): 438-454 (आईएफ-6.542)
43.	खान , बहुगुणा ए, कुमार पी, बाजपेयी वी के, कांग एस सी (2018) इन विट्रो और विवो कार्वेकरोल नैनोएमल्शन में मानव फेफड़ों की ट्यूमर रोधी माइटोकॉन्ड्रियल ए5494 सैल मध्यस्थता सह ट्यूमर निवारण। <i>वैज्ञानिक प्रतिवेदन-नेचर</i> , 8 (1): 144 (आईएफ-4.259)

44.	कुमार एस, दास जी, शिन एच, कुमार पी, एवं पात्रा, जे. के. (2018) भारत के पूर्वी घाट से एक कम ज्ञात पौध जिम्नोपेटालम चिर्नेस (लौर) के औषधीय मूल्यों का मूल्यांकन। जीव विज्ञान और प्रौद्योगिकी में ब्राजील का अभिलेखागार, 60, e17160580 डीओआई 10.1590 / 1678-4324-2017160580 (आईएफ - 0.66)
-----	--

सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

1.	करुणा श्रीवास्तव एवं कर्म ताशी शेरपा (2018) "असम, पूर्वोत्तर भारत के कामरूप जिले के वन्य खाद्य कवक का वितरण, नृवंशविज्ञान और पोषण अध्ययन"। 11वीं अंतर्राष्ट्रीय कवकविज्ञान कांग्रेस में प्रस्तुत किया गया, जुलाई 16 से 21, 2018 सैन जुआन, प्यूर्तो रिको, यूएसए।
2.	सिंहा एल बी, त्रिपाठी, ओ पी, खान, एम एल एवं त्रिपाठी, आर एस (2018) जन साधारण की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए पूर्वोत्तर भारत में उपलब्ध बांस संसाधनों की संभावनाएँ। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पौधों और पर्यावरण प्रदूषण-6, 27-30 नवंबर 2018, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनवायरनमेंटल बोटनिस्ट, सीएसआरआई-एनबीआरआई लखनऊ।
3.	जेड कोन्याक, एम कमले, पी कुमार (2018) <i>अल्टरनेरिया अल्टरनेटा</i> के खिलाफ दीमक हिल बैक्टीरियल बायोकंट्रोल का अलगवाव और लक्षण वर्णन। 2वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कृषि, जैविक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में अग्रिम भविष्य। दिनांक 20-22 अक्टूबर 2018 एटीआरडीएस, गाजियाबाद और काहिरा विश्वविद्यालय, मिस्र द्वारा आयोजित, शुभारंभ विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी, भारत।
4.	कोन्याक जेड, कमले एम, कुमार पी(2019) <i>अल्टरनेटा</i> से टर्मिलरी इनहाइटिंग बेसिलस सपा का अलगवाव एव उसकी <i>अल्टरनेरिया</i> के विरुद्ध जैव नियंत्रण गतिविधि। विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी कृषि, स्वास्थ्य और उद्योग में जैव प्रौद्योगिकी का हस्तक्षेप। 23-24 फरवरी 2019 गोरखपुर विवि। [आमंत्रित व्याख्यान]
5.	बराक एच, कुमार पी, ज़ारिट्स्की ए, मेंडल जेड, मेंट डी, कुशमारो ए, बेन-डो ई (2019) कपनोडीस टेनीबेरोनिस (कोलीपेट्रा:बुप्रेटेडेई) में बैक्टीरियल बायोटा की विविधता। बर्शावा, इज़राइल में जैव प्रौद्योगिकी और जैव-उद्यमिता सम्मेलन, (बाँयोक्स सम्मेलन) 1-05 मार्च 2019
6.	प्रदीप कुमार (2019) <i>बेसिलस</i> प्रजाति के पौधे रोगजनकों और कीट प्रबंधन के लिए इनका उपयोग। एमिटी यूनिवर्सिटी रायपुर, भारत, 06-08 मार्च 2019, छठा अन्तर्राष्ट्रीय जैव कीटनाशक सम्मेलन - 2019) आईएसबीएन: 978-93-85525-7 [पूर्ण व्याख्यान]
7.	यार्न सिट्रीट , सतीश लक्ककुला, एरियल कुशमारो, मधु कमले, एफ्रैम लेविनोसन, इनाट बार, वर्दा कगन-ज़ूर, नुरित रोथ-बेजेरानो, जीव बराक, एली ज़ाएडी (2019) पूर्व-सिम्बायोटिक संकेत हार्मोन, उनका आदान-प्रदान और रेगिस्तानी गिलहरी ट्रफल <i>टेरेफेजिया बाँउडिएरी</i> । अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पौधे एवं आणविक जीव विज्ञान। वालेंसिया, स्पेन, 18-19 फरवरी, 2019
8.	एल सतीश, वाई गालित, मधु कामले, सी डी पाटिल, एरियल कुशमारो, वर्दा कगन-ज़ूर, नुरित रोथ-बेजेरानो, जीव बराक, यारोन सिट्रीट (2018) <i>एग्रोबैक्टीरियम टूमफैसिएन</i> में एक्टेन्डो माइकोरिसल फंगस <i>टेरेफेजिया बाँडीरी</i> के आनुवंशिक परिवर्तन की मध्यस्थता। इजरायल सोसाइटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी की वार्षिक बैठक-2018, 3-4 जुलाई 2018

पुस्तकें / पुस्तक अध्याय:

पुस्तकें	
1.	शुक्ष्मजीव जैव-तकनीकी में प्रगति: वर्तमान रुझान और भविष्य की संभावनाएं (सम्पादक- पी कुमार, जे के पात्रा, और पी चंद्रा) प्रकाशक: एपल अकादमिक प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस समूह) आईएसबीएन: 9781771886673 [2018] - अन्तरराष्ट्रीय पुस्तक
2.	वहनिय फसल उत्पादन के लिए पौध फिजियोलॉजी के उभरते रुझान (सम्पादक-जेड अब्बास, ए तिवारी और पी कुमार) प्रकाशक: एपल अकादमिक प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस समूह) आईएसबीएन: 9781771886369 [2018] - अन्तरराष्ट्रीय पुस्तक
पुस्तक अध्याय	
3.	कुलदीप सरमा, अवधेश कुमार और आशालता देवी (2018) अरुणाचल प्रदेश, भारत के संरक्षित और गैर-संरक्षित वन में <i>हूलाँक ल्यूकोनाइड्स</i> की निवास संरचना। पुस्तक: <i>जैव विविधता मूल्यांकन, निगरानी और उपयोग</i> , (गुप्ता, ए सम्पादक), पृष्ठ 12-30, आविस्कार पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, जयपुर, भारत, आईएसबीएन 978-81-7910-568-9
4.	मुरली कृष्ण एवं अवधेश कुमार (2018) पूर्वी अरुणाचल प्रदेश, भारत में छोटी मांसाहारी प्रजातियों की विविधता और उनपर संकट। पुस्तक: <i>जैव विविधता और संरक्षण- रणनीतियाँ और अनुप्रयोग</i> । (सोलंकी, जीएस, सम्पादक)। पृष्ठ 95-105, दक्षिण-पूर्वी पुस्तक एजेंसी, कुहीराम पथ, अंबिकगिरी नगर, चिड़ियाघर रोड, गुवाहाटी। आईएसबीएन नंबर 978-81-937-3-274-8
5.	परिमल चंद्र रे एवं अवधेश कुमार (2018) नामदाफा नेशनल पार्क, अरुणाचल प्रदेश, भारत में संबद्ध फ्रुजीवोर प्रजातियों के संरक्षण में संभावित फलदार वृक्षों की भूमिका: एक मॉडल आधारित अध्ययन। पुस्तक: <i>जैव विविधता और संरक्षण- रणनीतियाँ और अनुप्रयोगों</i> । (सोलंकी, जीएस, एड) पृष्ठ 178-197, दक्षिण-पूर्वी पुस्तक एजेंसी, कुहीराम पथ, अंबिकगिरी नगर, चिड़ियाघर रोड, गुवाहाटी। आईएसबीएन नंबर 978-81-937-3-274-8
6.	आर कुमार एवं पी कुमार (2018) अपशिष्ट जल उपचार, जैव औषधि और जैव उर्जा उत्पादन के लिए शुक्ष्मजैव ईंधन। पुस्तक: <i>शुक्ष्मजैव जैव प्रौद्योगिकी के वर्तमान रुझान और भविष्य की संभावनाएं</i> । सम्पादक पी कुमार, जे के पात्रा और पी चंद्रा प्रकाशक: एपल अकादमिक प्रेस (सी आर सी प्रेस) पृष्ठ 247-269।
7.	पी कुमार, एम कामले, पी के मोर्य एवं रविकांत सिंह (2019) स्थायी कृषि में रहजो जिवाणु (पीजीपीआर) को बढ़ावा देने वाले पादप विकास के लाभकारी उपयोग और अनुप्रयोग। अध्याय-2 पुस्तक: <i>माइक्रोबायोलॉजी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, सॉयल हेल्थ एंड इनवायरलमेंटल प्रोटक्सन</i> । सम्पादक डी के वर्मा। एपल अकादमिक प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस जीआरपी), यूएसए, पृष्ठ 81-104
8.	जे के पात्रा, डी के महतो, पी कुमार* (2019) जैव संवेदी तकनीकी-उन्नत वैज्ञानिक औजार, शुक्ष्म जैव संवेदी और पौध-सह-खाद्य आधारित संवेदन के विशेष संदर्भ में। पुस्तक: <i>पौधों, शैवाल और सूक्ष्मजीवों में शुक्ष्म पदार्थ</i> । संपादक: दुर्गेश कुमार त्रिपाठी, परवेज अहमद, शिवेश शर्मा, देवेंद्र चौहान, नवल किशोर दुबे। एल्सेवियर: अकादमिक प्रेस डीओआई: 10.1016 / B978-0-12-811488-9.00014-7

4.1.11 विभाग के संकाय सदस्यों का बाह्य निकायों से सम्पर्क

वानिकी विभाग के संकाय सदस्यों का निम्नलिखित बाह्य निकायों से शैक्षिक व विकास कार्यों के लिए के लिए सम्पर्क रहता है।

- भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकता, शिलांग एवं ईटानगर
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली
- विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली
- रसायन विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला के साथ जीव विज्ञान गतिविधियों व मिश्रणों के विश्लेषण हेतु।
- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून
- भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून
- स्थानिय स्वास्थ्य परम्परायें संगठन, बैंगलूर
- भारतीय दूर संवेदी संस्थान, देहरादून
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, अहमदाबाद
- उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग
- बहु-कौशल अनुसंधान ईकाई, भारतीय औषधि अनुसंधान परिषद, नाहारलागुन अरुणाचल प्रदेश शासन।
- उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय। परियोजनाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं व प्रायोगिक परीक्षाओं में विशेषज्ञ सेंवायें
- एटीआरईई (बैंगलोर)
- जेएनटीबीजीआरआई (त्रिवेंद्रम)
- सिंगापुर हर्बेरियम
- सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ
- गुवाहाटी विश्वविद्यालय।
- मिजोरम विश्वविद्यालय
- नागालैंड विश्वविद्यालय
- एनबीपीजीआर-आईसीएआर, नई दिल्ली
- टीईआरआई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- एनआरसीबी, तिरुचिनापल्ली, तमिलनाडु
- आई.आई.टी. खड़गपुर

4.1.12 परामर्श परियोजना शुरू की गई: शुन्य

4.1.13 छात्रों की उपलब्धियां

- सुश्री धनश्री लेशराम (पीएच.डी./एफटी/16/एफओ/05) ने पीएच.डी के लिए डीएसटी-इन्सपायर से पुरस्कृत किया।
- श्री नीलम गैप को यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा एसटी छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप और छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

- सुश्री याखरी काशंग को यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा एसटी छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप और छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।
- राँकी शर्मा ने आईसीएआर नेट व स्लेट में सफलता प्राप्त की।
- सुश्री डायना एटहेल अमेंज [पीएच.डी.(पीटी)/11/एफओ/02 और पंजी. सं.0817] (पीएच.डी. छात्र): उत्तर पूर्व इकाई, इटानगर, अरुणाचल प्रदेश में प्रति माह जीबी पंत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट में "प्रोजेक्ट समन्वयक" पद पर नियुक्त हुई।
- श्री परिमल चंद्र रे (पीएचडी छात्र): क्षेत्रीय केंद्र, बिश्वनाथ चारीयाली, असम में 45,000/- प्रति माह कछुआ संरक्षण गठबंधन में "परियोजना समन्वयक" के नियुक्त हुये।
- सुश्री उलमान यस्मिता नितिन [पीएच।डी (एफटी)/13/एफओ/03 और पंजी. सं.51304] (पीएचडी छात्र): नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत (स्थायी) में एगोफोरेस्ट्री में "सहायक प्रोफेसर" के रूप नियुक्त हुये।
- श्री डैनियल देबबर्मा ने यूजीसी से जेआरएफ फेलोशिप प्राप्त की।
- जनजातीय मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा श्री जेयांग कोन्याक को एसटी छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप और छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।
- बिकाश बिस्वकर्मा (बीएससी फॉरेस्ट्री), पर्यावरण सहायक, सिंधम रेंज, वन विभाग, सिक्किम।
- श्री समर देब, (बीएससी फॉरेस्ट्री), डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया, नई दिल्ली।

4.1.14 कोई अन्य सूचना:

- विभिन्न प्रयोगशालाओं में बाहरी वित्त पोषित परियोजनाओं के माध्यम से प्रयोगशाला सुविधाओं में वृद्धि
- वन नर्सरी में वृक्षारोपण और प्रबंधन के माध्यम से विकास गतिविधियों।
- तकनीकी ज्ञान साझा करना खेती और वृक्षारोपण प्रबंधन में रुचि रखने वाले विभिन्न किसानों को कैसे।
- विभिन्न वन क्षेत्रों, संस्थान आदि में छात्रों के भ्रमण।

4.2 कृषि अभियांत्रिकी विभाग

4.2.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

कृषि अभियांत्रिकी मूलतः कृषि में अभियांत्रिकी सिद्धांतों का अनुप्रयोग है। कृषि अभियांत्रिकी कृषि उपभोक्ता शृंखला के साथ साथ फसल उत्पादन, फसल के रखरखाव और प्रसंस्करण समस्याओं के लिए उचित समाधान प्रस्तुत करता है। यह विभाग राष्ट्र निर्माण एवं किसानों के कल्याण के लिए सुरक्षित वातावरण में बहु-आयामी गतिविधियों का भी संचालन करता है।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग ने बी. टेक. कार्यक्रम का शुभारम्भ वर्ष 1986 में किया था। यह विभाग डिग्री स्तर की शिक्षा मॉड्यूलर पद्धति द्वारा प्रदान कर रहा है। जिसमें तीन मोड्यूलस हैं : प्रमाण पत्र (i) खाद्य

प्रसंस्करण और ii) ट्रेक्टर मेकानिक के दो पृथक व्यवसाय), डिप्लोमा और उपाधि। तदनुसार प्रत्येक कार्यक्रम प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा एवं उपाधि में शिक्षा समाप्ति एवं उच्च मॉड्यूल में प्रौन्नति का प्रावधान है। बी.टेक. डिग्री के पश्चात छात्र एम. टेक. कार्यक्रमों में भी प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं तथा पीएच.डी. भी कर सकते हैं।

विभाग में इस समय 14 संकाय सदस्य अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। जिनमें से 01 ग्रहणाधिकार पर हैं। यह विभाग कृषि अभियांत्रिकी के उभरते क्षेत्रों में 5 प्रायोजित शोध परियोजनाओं (एस.ए.सी., आई.एस.आर.ओ, एम.ओ.ई.एफ., सी.एस.आई.आर.) का संचालन कर रहा है। वर्तमान विभाग में मानव अभियांत्रिकी में ए.आई.सी.आर.पी. और कृषि में सुरक्षा पर समन्वयक शोध परियोजना पर काम चल रहा है जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है।

4.2.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

(क) वर्तमान पाठ्यक्रमों में संशोधन	: नहीं
(ख) नये वैकल्पिक विषयों का समावेश	: नहीं
(ग) प्रयोगशाला वर्क शीट डिजाइन	: नहीं
(घ) पाठ्यक्रम में ढाचागत परिवर्तन	: नहीं

4.2.3 विभाग की प्रयोगशालायें

- कृषि शक्ति प्रयोगशाला
- कृषि यंत्र प्रयोगशाला
- खाद्य प्रशसकरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- दुग्ध एवं खाद्य अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- सिंचाई एवं जल निस्कासन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

प्रयोगशाला विकास

प्रयोगशालाओं के लिए निम्नलिखित उपकरण खरीदे गए थे:

क्र.सं.	उपकरण का नाम	प्राप्ति तिथि	संख्या
1	मॉनिटर-इंटेली5-7400 / 8 जीबी के साथ डेस्कटॉप कम्प्युटर, 1 टीबी एचडीडी	09/03/2019	16
2	मॉनिटर-इंटेली5-7400 / 8 जीबी के साथ डेस्कटॉप कम्प्युटर, 2 टीबी एचडीडी	09/03/2019	10
3	एचपी रंगीन लेजरजेट मुद्रक- एम254dडब्लू	09/03/2019	01

3.2.4 पीएच.डी, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों द्वारा पूर्ण परियोजनायें

क. पीएच.डी.

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	परामर्शदाता का नाम	छात्र का नाम
1.	असम के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में मौसम संबंधी सूखे की पहचान और लक्षण वर्णन	डॉ पी पी डबराल	लामनेथेम हैंगशिंंग
2.	अनुमानित जलवायु परिदृश्य के तहत एक पूर्वी हिमालयी जलप्रपात में एक स्थानिक रूप से वितरित बर्फ पिघलने का मॉडल और उसके अनुप्रयोग का विकास	डॉ ए भद्र डॉ ए बंद्योपाध्याय	शेलिना राजकुमारी
3.	श्रमिकों के स्वास्थ्य पर धूल का प्रभाव और असम के चावल मिल्स में इसकी न्यूनता	डॉ पी के प्रणव	मृण्मय बिस्वास

ख. स्नातकोत्तर, एम टेक (मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी/ कृषि यंत्र एवं शक्ति) परियोजना

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	परामर्शदाता का नाम	छात्र का नाम
1	सरीमा मॉडल का उपयोग करके नागालैंड के चयनित स्थानों के लिए मासिक वर्षा का समय श्रृंखला विश्लेषण	डॉ पी पी डबराल	अनलु पुरो
2	स्वाट का उपयोग करके मिट्टी के कटाव के आकलन पर डीईएम के स्थानिक संकल्प के प्रभाव का मूल्यांकन	डॉ ए भद्रा डॉ ए बंद्योपाध्याय	वेथितो न्येखा
3	विभिन्न भूमि उपयोगों के तहत मृदा मैट्रिक्स घुसपैठ की माप और मॉडलिंग।	डॉ पी के पांडे	ततुंग टका सीकर
4	क्षेत्र कार्य के दौरान पावर टिलर का दूर नियंत्रण प्रशिक्षण तंत्र	डॉ पी के प्रणव श्री अनुभा पाल	मयांगकबा अयर
5	शेरपा मोड में भार धारण क्षमता पर श्रमदक्षता हस्तक्षेप का प्रभाव	डॉ टी पटेल	पका मिसो
6	सिक्किम के पूर्वी जिले में वार्षिक संदर्भ वाष्पोत्सर्जन के अस्थायी रूपांतरों पर जलवायु और रेखिक और अस्वाभाविक रुझानों को हटाने का प्रभाव	श्रीमती वनिता पांडे	इंदिरा तलोह

ग. स्नातक (बी.टेक) परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	परामर्शदाता का नाम	छात्र का नाम
1	मार्कोव चेन मॉडल का उपयोग करके वर्षा की संभाव्यता विश्लेषण और सूखे और गीले का विश्लेषण	डॉ पी पी डबराल	मितु दादा निबु ओडी
2	ट्रेक्टर के कार्यस्थल लेआउट पर जांच	डॉ के एन देवांगन	आनी रिलो ताके रोबिन
3	भारत के उत्तर पूर्व में आर्द्र अधिकतम संभावित वर्षा का अनुमान	डॉ एस के श्रीवास्तव	नेटिलो वच वनलालुमानपुरा
4	विभिन्न नमी की मात्रा और अलग-अलग सुखाने की स्थिति में धान की फिशिंग विशेषताओं का अध्ययन करना	श्री डी. के. स्यामल श्री ए के चौधरी	नारंग त्सांग ऋचीक केम्पराय

5	दूर संवेदी और जीआईएस का उपयोग करके एक नदी बेसिन का मात्रात्मक रूपमितीय विश्लेषण	डॉ ए भद्रा	लिजुम निरिन, तारक गोलोम
6	अरुणाचल प्रदेश पर देखे गए आंकड़ों के साथ स्वतंत्र रूप से उपलब्ध दैनिक ग्रील्ड वर्षा आंकड़ों की तुलना	डॉ ए बंद्योपाध्याय	पेनिमा आर मारक, कोज कुरु
7	विभिन्न भूमि उपयोग के तहत संचयी घुसपैठ मॉडल का मूल्यांकन	डॉ पी के पांडे	अमन वेनिया
8	टी प्लकिंग के दौरान कार्यकर्ता की शारीरिक और शारीरिक तनाव की माप	डॉ टी पटेल डॉ पी के प्रणव	नानी कानी कागो नानू
9	हाथ के डिजाइन संकल्पना के लिए आभासी श्रमदक्षता का मूल्यांकन मक्का शेलर संचालित	डॉ टी पटेल	नचुम्बेनी एम ओड्यो रोजेलिना डेका
10	सरल सतह प्लेट सौर जल हीटर का मूल्यांकन	श्री एम यू सिंह	मिल्टन नगसेपाम इमो इचें
11	नाहर (मेसुआ फेरिया) के बीज के अभियांत्रिकी गुण	श्री ए के चौधरी	म्हारोनी वाई एजुंग अरीशिरो लोंगकुमर
12	वैश्विक सौर विकिरण के आकलन के लिए सापेक्ष धूप की अवधि आधारित मॉडल का मूल्यांकन और अंशांकन	श्रीमती वनिता पांडे	रोनी दु लिकी ईटे
13	2-डब्ल्यू ड्रैक्टर के गुरुत्वाकर्षण के केंद्र का 3-आयामी विश्लेषण	श्री तगे तपंग	गौरव कुमार राहुल कुमार ठाकुर

घ. डिप्लोमा परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	परामर्शदाता का नाम	छात्र का नाम
1	ऑफ-रोड वाहनों के नियंत्रण के स्थान की जांच	डॉ के एन देवांगन	चिम्बी लोम्बी सिल्विया खारकोंगर
2	अरुणाचल प्रदेश के मैगो बेसिन के लिए ड्यूरनल तापमान सीमा में मौसमी बदलावों का विश्लेषण	डॉ ए भद्रा	थुआनबलुंग बी गुमानी, कुपुतो के चिशी
3	मागो बेसिन के लिए बहु-वर्ष गिडिड अनुमानों में विसंगतियों का विश्लेषण	डॉ ए बंद्योपाध्याय	पुन्वांग लोवांग, सुलिका अस्सुमि
4	शेरपा मोड में मादा के झुकने का प्रभाव	डॉ पी के प्रणव	यापोंग सिंगिंग मेबरीना के संगमा

5	इंफाल पश्चिम जिले, मणिपुर के आर्द्र उप उष्णकटिबंधीय जलवायु के तहत विभिन्न प्रकार के हरग्रेव समीकरणों का प्रदर्शन सह मूल्यांकन	डॉ पी के पांडे	उपानंद बर्मन एस रोखू
6	भारत के पुरुष कृषि श्रमिकों के लिए मानवविज्ञान आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ टी पटेल	किपा नुका करकें रलेन
7	स्वत जीवन बढ़ाने के लिए ब्रोकोली की बन्धीकरण	ए के चौधरी	सुभब्रत बसु लतीफ़र वानिंग
8	विभिन्न नमी सामग्री और विभिन्न सुखाने की स्थिति में धान की फिसलन विशेषताओं का अध्ययन करना	डी के स्यामल ए के चौधरी	नारंग त्सांग ऋचीक केम्पराय
9	इंफाल, मणिपुर की जलवायु स्थिति के तहत हरग्रेव्स समीकरण के वायु प्रवाह आधारित अंशांकन	वनिता पांडे	रुक्ना सिकोम अदिति कुमारी गुप्ता
10	गर्म और आर्द्र स्थिति में ऑटो नियंत्रित ग्रीनहाउस का विकास	तगे तपंग	संजीव चक्रवर्ती श्रेष्ठ मुर्मम

4.2.5 अल्पकालिक पाठ्यक्रमों/ कार्यशालाओं/ सम्मेलनोंका आयोजन:

डॉ के एन देवांगन एसोचेम के सौजन्य से नेरिस्ट, निर्जुली में 18 जनवरी 2019 को आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन "स्टार्टअप और खाद्य प्रसंस्करण में एमएसएमई" के समन्वयक थे। श्री ए के चौधरी इस कार्यक्रम के सह-समन्वयक थे।

4.2.6 संकाय सदस्यों की अल्पकालिक पाठ्यक्रमों/ कार्यशालाओं/ सम्मेलनोंमें सहभागिता

1	डॉ के एन देवांगन एवं श्री टी तमांग ने, 53वें भारतीय कृषि अभियन्ता समिति वार्षिक सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जलवायु स्मार्ट कृषि के लिए कृषि प्रौद्योगिकी में भाग लिया था। बनारस हिंदू पर विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत, जनवरी, 28-30, 2019.
2	डॉ के एन देवांगन ने 16 ^{वें} अंतर्राष्ट्रीय श्रमदक्षता सम्मेलन "मानव कार्य एवं कार्य वातावरण-2018 में कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग त्रिवेन्द्रम, तिरुवंतपुरम, भारत में 14-16 दिसंबर 2018 को भाग लिया था।
3	डॉ के एन देवांगन ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, भारत में 27-28 नवंबर, 2018 को आयोजित अखिल भारतीय अनुसंधान परियोजना कृषि में श्रमदक्षता एवं सुरक्षा के संयोजकों की 10वीं कार्यशाला में भाग लिया था।
4	डॉ ए भद्रा ने 2-4 मई, 2018 को भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड, भारत-यूके वॉटर सेंटर में आयोजित कार्यशाला "हिमालय में बेसिन-स्केल हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग के साथ वर्षा के पूर्वानुमान और जलवायु की एकीकृत भविष्यवाणियाँ" में भाग लिया था।

5	डॉ ए भद्र एवं डॉ ए बंद्योपाध्याय ने 13वें अन्तराष्ट्रीय जल सूचना सम्मेलनमें भाग लिया। (एचआईसी 2018), पलेर्मो, इटली, 1-6 जुलाई, 2018.
6	डॉ ए बंद्योपाध्याय ने 01-02 नवंबर 2018 के दौरान एनआईएच, रुड़की में "इंटीग्रेटेड हाइड्रोलॉजिकल मॉडल के विकास" पर मंथन कार्यशाला में भाग लिया।
7	डॉ पी के पांडे, डॉ टी पटेल, श्री ए के चौधरी एवं श्री ए पाल ने 14-16 मार्च 2019 को पेरिस, फ्रांस में 13 ^{वें} अंतराष्ट्रीय सम्मेलन कृषि और खाद्य इंजीनियरिंग -19 में भाग लिया था।
8	डॉ टी पटेल ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, भारत में 27-28 नवंबर, 2018 को आयोजित अखिल भारतीय अनुसंधान परियोजना कृषि में श्रमदक्षता एवं सुरक्षा के संयोजकों की 10वीं कार्यशाला में भाग लिया था।
9	डॉ टी पटेल ने 1-30 नवंबर, 2018 के दौरान निरम, हैदराबाद में शिक्षण की गतिशीलता कार्यक्रम में भाग लिया था।
10	डॉ टी पटेल और श्रीमती वी पांडे ने 17 - 21 दिसंबर 2018 को नेरिस्ट में आयोजित कार्यक्रम कृत्रिम बुद्धिमत्त और मशीन में भाग लिया था।
11	श्री एम यू सिंह एवं श्री टी तमांग ने आईसीएआर ग्रीष्मकालीन स्कूल जलवायु शमन परिवर्तन के लिए ऊर्जा कुशल कृषि तकनीकी का अनुकूलन में 4-24 जून, 2018 को कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रानीपुल, सिक्किम में भाग लिया था।

4.2.7 संकाय द्वारा प्राप्त नई उपाधियाँ/ व्यावसायिक सदस्यता

1.	श्री ए पाल ने 26/05/2018 से इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट की आजीवन सदस्यता प्राप्त की। सदस्यता संख्या एम4150905843
2.	श्री ए पाल ने इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्सकी आजीवन सदस्यता 09/05/2018 से प्राप्त की। सदस्यता संख्या 214184
3.	श्री टी तपांग ने नई दिल्ली में भारतीय कृषि अभियन्ता समिति की आजीवन सदस्यता प्राप्त की।

4.2.8 संकाय की उपलब्धियां / पुरस्कार / मान्यता आदि

1	डॉ के एन देवांगन ने कृषि अभियांत्रिकी विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर में अतिथि संकाय की भर्ती के लिए एक बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में काम किया।
2	डॉ के एन देवांगन ने एक बाह्य विशेषज्ञ, कॉलेज विस्तार सलाहकार समिति, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग और पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी, रानीपोल, सिक्किम में काम किया।
3	डॉ के एन देवांगन ने सदस्य, वैज्ञानिक समिति, कृषि विज्ञान केंद्र, पापुम पारे, अरुणाचल प्रदेश में कार्य किया।
4	डॉ के एन देवांगन, 28-12 जनवरी, 2019 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के भारतीय कृषि अभियन्ता (आईएसई) के 53 ^{वें} वार्षिक अधिवेशन के सह अध्यक्ष थे ।
5	डॉ के एन देवांगन ने 16 ^{वें} अंतराष्ट्रीय श्रमदक्षता सम्मेलन "मानव कार्य एवं कार्य वातावरण-2018 में कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग त्रिवेंद्रम, तिरुवंतपुरम, भारत, 14-16 दिसंबर 2018 के सत्र अध्यक्ष थे ।

6	डॉ अदिति भद्रा को जुलाई 2018 में जर्नल ऑफ हाइड्रोलॉजी, एल्सेवियर से समीक्षा करने में उत्कृष्ट योगदान का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।
7	मई 2018 में डॉ अर्नब बंद्योपाध्याय ने कृषि जल प्रबंधन, एलेवियर से समीक्षा में उत्कृष्ट योगदान का प्रमाण पत्र प्राप्त किया।
8	डॉ पी के पांडे आईआईएफएम भोपाल और वानिकी विभाग, नेरिस्ट द्वारा 15 - 19 जनवरी 2018 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम "प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के जलवायु परिवर्तन अनुकूलन" में एक संसाधन व्यक्ति थे।
9	डॉ पी के पांडेय को आईसीआरएएच, सीएयू, गंगटोक में आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा 5 जून, 2018 को आयोजित ग्रिष्मकालिन प्रशिक्षण कार्यक्रम "जलवायु परिवर्तन शमन के लिए ऊर्जा कुशल कृषि प्रौद्योगिकी का अनुकूलन" में एक संसाधन व्यक्ति थे।
10	डॉ। टी। पटेल ने इंट के बोर्ड मेंबर के रूप में नामांकन किया। एप्लाइड मानव कारक और एर्गोनॉमिक्स 2018 पर सम्मेलन - लॉस एंजिल्स, यूएसए
11	डॉ टी पटेल को अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन मानव-कंप्यूटर इंटरैक्शन 2018 में बोर्ड सदस्य के रूप में नामांकन किया गया था। वैंकूवर, कनाडा।
12	श्रीमती वी पांडेय आईसीआरएएच, सीएयू, गंगटोक में आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा 5 जून, 2018 को आयोजित ग्रिष्मकालिन प्रशिक्षण कार्यक्रम "जलवायु परिवर्तन शमन के लिए ऊर्जा कुशल कृषि प्रौद्योगिकी का अनुकूलन" में एक संसाधन व्यक्ति थी।

4.2.9 बाह्य वित्त निकायों द्वारा प्रदत्त परियोजनायें

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रधान अनुसंधान कर्ता, सह-अनुसंधान कर्ता	वित्त संस्थान	अनुदान स्वीकृत (₹)	अवधि	
1.	अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, कृषि श्रम दक्षता एव सुरक्षा, नेरिस्ट केन्द्र	डॉ के एन देवांगन डॉ टी पटेल	आईसीएआर, नई दिल्ली	₹. 36.08 लाख	2019	2020
2.	भू-सूचना विज्ञान का उपयोग करते हुए अरुणाचल प्रदेश के एक हिमाच्छादित और अधूरे नदी सतह पर स्थानिक रूप से कटाव का अनुमान और द्रव प्रतिमान	डॉ ए भद्र डॉ अर्नब बंद्योपाध्याय	एसईआरबी, नई दिल्ली -	₹. 63.05 लाख	जुलाई 2018	जून 2021

3.	कम हिमालयी क्षेत्र- अरुणाचल प्रदेश में ग्रामीण जल सुरक्षा के लिए प्राकृतिक वसंत की विश्वसनीयता का आकलन।	डॉ पी के पांडे श्रीमती वनिता पांडे डॉ ओ पी त्रिपाठी	वन पर्यावरण मंत्रालय जीबीपीआईएचई और एसडी, अल्मोड़ा	रु.46.06 लाख	दिसंबर, 2018	दिसंबर, 2021
4.	बदलते जलवायु विज्ञान में चयनित प्राकृतिक संसाधनों की प्रतिक्रिया और अरुणाचल हिमालय की सामाजिक-अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव: एक अपच और तकनीकी दृष्टिकोण	लीगी ताजो पी के पांडे विष्णु दत्त	डीएसटी, एचआईसीएबी नई दिल्ली	रु.58.07 लाख	2019	2022
5.	अरुणाचल प्रदेश के कृषि कार्यकर्ता के लिए कार्य क्षमता और आजीविका स्थिरता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव	डॉ टी पटेल डॉ पी के प्रणव	डीएसटी	Rs.51.68 लाख	मार्च, 2019	मार्च, 2022
6.	अनुसंधान संवर्धन योजना- पूर्वोत्तर पहाड़ी कृषि के लिए उपयुक्त स्व-प्रस्तावित बहुउद्देशीय यंत्र का श्रमदक्ष डिजाइन और प्रदर्शन मूल्यांकन	डॉ टी पटेल	एआईसीटीई	रु.2.23 लाख	मार्च, 2019	मार्च, 2022

4.2.10 प्रकाशन

(ए) संदर्भ जर्नलों में प्रकाशित आलेख

1	राखेजा, एस, देवांगन, के एन, डोंग, आर जी एवं मार्कोटे, पी (2019) पूरे शरीर में कंपनी जैवगतिकी - एक महत्वपूर्ण समीक्षा-I, प्रायोगिक जैवगतिकी। <i>इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ विहकल परफोरमेंन्स</i> (प्रेस में)
2	राखेजा, एस, देवांगन, के एन, डोंग, आर जी, मार्कोटे, पी एवं प्राणेश, पी (2019) पूरे शरीर में कंपनी जैवगतिकी - एक महत्वपूर्ण समीक्षा-II, प्रायोगिक जैवगतिकी। <i>इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ विहकल परफोरमेंन्स</i> (प्रेस में)
3	लालरेमुराता, देवांगन, के एन एवं पटेल, टी (2019) क्षेत्र संचालन में ट्रैक्टर चालकों के लिए शोर का जोखिम। <i>इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ विहकल परफोरमेंन्स</i> (प्रेस में)

4	खेर, एस एम, पटेल, टी एवं देवांगन, के एन (2019) पेडल संचालित धान थ्रूज़िंग प्रतिक्रिया सतह पद्धति के लिए संरचनात्मक डिजाइन अनुकूलन।
5	देवांगन के एन, राखेजा, एस एवं मार्कोटे, पी (2018) बैठे शरीर के पूरे शरीर कंपन शक्ति अवशोषण के लिंग और मानवजनित प्रभाव। <i>जर्नल ऑफ लो फ्रिक्वेन्सी नोयज वाईब्रेशन एण्ड एक्टिव कंट्रोल</i> , 37 (2): 167-190
6	हमौदा, के, रेखाजा, एस, देवांगन, के एन एवं मार्कोटे, पी (2018) उंगलियों के कंपन संचरण और पकड़ शक्ति को कम करने के लिए कंपन के संरक्षण हेतु दस्ताने। <i>एप्लाइड एर्गोनॉमिक्स</i> , 66: 121-13
7	चिपांग, एन, मिश्रा, पी, बंद्योपाध्याय, ए, भद्रा, ए (2018) पूर्वी हिमालयी नदी घाटी के ग्लेशियर अपरी उभारयुक्त क्षेत्र में हिमपात में तापमान विविधताएँ। में: पंत, एन सी, रवींद्र, आर, श्रीवास्तव, डी, थॉम्पसन, एल जी (सम्पादक) हिमालयन क्रायोस्फीयर: पास्ट एंड प्रेजेंट। <i>जियोलाॉजिकल सोसायटी, लंदन, विशेष प्रकाशन</i> , 462: 139-154 डीओआई: 10.1144/SP462.8
8	नेंगजूजम, जी, चिपांग, एन, राजकुमारी, एस, किबा, एलजी, बंद्योपाध्याय ए, भद्रा, ए (2019) पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में जलविहीन जलक्षेत्र के लिए मोडीज अल्बेडो के बराबर बर्फ के पानी का अनुमान। <i>हिमालयन अर्थ साइंस जर्नल</i> , 52 (1): 12-26
9	दास, बी, पॉल, ए, त्रिपाठी, ओ पी, पांडे, पी के(2018) रूसले और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से पहाड़ी इलाकों के मिट्टी के कटाव का जोखिम मूल्यांकन: तिराप जिला, अरुणाचल प्रदेश का एक अध्ययन। <i>अर्थ सिस्टम इन्व्वायरनमेंट</i> 4: 373, डीओआई: 10.1007/s40808-018-0435-z
10	बोरदोलोई, आर, दास, बी, यम, जी, पांडे, पी के, त्रिपाठी, ओ पी, (2018) आसानी से उपलब्ध मृदा विशेषताओं का उपयोग करते हुए जल धारण क्षमता का प्रतिमान। <i>एग्रिक रिसर्च</i> । डीओआई: 10.1007 / s40003-018-0376-9
11	पटेल, टी (2019) प्रतिक्रिया सतह पद्धति का उपयोग कर पेडल संचालित धान थ्रेशर के लिए संरचनात्मक डिजाइन अनुकूलन। <i>एग्री. इंजीनियरिंग इंटरनेशनल: सीआईजीआर जर्नल</i> , 21 (1), 67-73
12	पटेल, टी, प्रणव, पी के, विश्वास, एम (2018) गैर-कृषि कार्य संबंधी चोटें: पूर्वोत्तर भारत का पर एक अध्यय। <i>वर्क</i> , 59 (3), 367-374
13	पटेल, टी, निंगथौजम, बी, कुमार, पी, गुरुंग, एस (2018) हस्त नापन आयामों के लिए दो-आयामी डिजिटल फोटोग्राममेट्री मापन की मान्यता। <i>जे एर्गोनॉमिक्स</i> , 8 (236), 2
14	पांडे, वनिता, पांडे, पी के(2018) पूर्वोत्तर भारत के आर्द्र जलवायु के तहत वैलिएंजस संदर्भ वाष्पीकरणीय समीकरणों का अंशांकन और स्तप। <i>जर्नल ऑफ वाटर एण्ड कलाईमेट चैज</i> । डीओआई:10.2166/wcc.2018.305
15	पांडे, पी के, दास, एल, झाझरिया, डी, पांडे, वनिता(2018) बारिश और तापमान के बीच अंतर पर निर्भरता का उपयोग करना। <i>मॉडलिंग अर्थ सिस्टम एण्ड इन्व्वायरनमेंट</i> , 4 (2):867-879
16	पांडे, पी के एवं पांडे, वनिता।(2018) परती खेती वाली भूमि में आसानी से उपलब्ध मिट्टी के गुणों से रिझाव की दर का अनुमान। <i>वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट, डीओआई: 10.1007/s40899-018-0268-y</i>

17	पटले, जी टी, यादव, एस आर पांडेय, वनिता (2018) सिंचाई के स्तर पर प्रभाव और वृद्धि, उपज और पानी का उपयोग से फूलगोभी और ब्रोकोली की दक्षता। मल्टीलोजिक इन साइन्स, 8(15): 188-191
----	--

(ख) सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

1	खामो, एम एवं देवांगन, के एन (2019) नागालैंड में कृषि दुर्घटनाएँ: एक अध्ययन। 53वाँ वार्षिक सम्मेलन, भारतीय कृषि अभियन्ता, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत।
2	शर्मा, पी टी और देवांगन, के एन (2019) नागालैंड में कृषि दुर्घटनाएँ: एक अध्ययन। 53वाँ वार्षिक सम्मेलन, भारतीय कृषि अभियन्ता, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत।
3	लालरेमुराता, देवांगन, के एन एवं पटेल, टी (2018) ट्रैक्टर चालकों के श्रवण हानि की व्यापकता। 16 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मानविकी कार्य और कार्य पर्यावरण-2018, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग त्रिवेन्द्रम, भारत, पृष्ठ 111
4	बंद्योपाध्याय, ए , ग्रेस, एन, सिंह, डब्ल्यू आर, हैंगिंग, एन, भद्रा, ए (2018) भारत भर में मौसम विज्ञान स्टेशनों से अवलोकन किए गए आंकड़ों के साथ विभिन्न रीनलिस गिड वाले आँकड़ों की तुलना। में: ला लॉजिया, जी फ्रैनी, वी पुलेओ और एम डे मार्चिस (संपादक), प्रक्रिया 13वाँ अन्तर्राष्ट्रीय जल सूचना सम्मेलन-2018), पलेर्मो, इटली, 1-6 जुलाई, 2018 (ईपीआई सीरीज़ इन इंजीनियरिंग, खंड 3): 190-198 डीओआई: 10.29007/c1sf
5	भद्रा, ए , लालरामिंघाकी, एच, किबा, एल जी, बंद्योपाध्याय, ए (2018) दूर संवेदी और जीआईएस का उपयोग करके रूसले मॉडल द्वारा पानी प्रेरित मिट्टी के कटाव में अस्थायी बदलाव। में: ला लॉजिया, जी फ्रैनी, वी पुलेओ और एम डे मार्चिस (संपादक), प्रक्रिया 13वाँ अन्तर्राष्ट्रीय जल सूचना सम्मेलन-2018), पलेर्मो, इटली, 1-6 जुलाई, 2018 (ईपीआई सीरीज़ इन इंजीनियरिंग, खंड 3): 236-244, डीओआई: 10.29007/271सी
6	पांडे, पी के (2019) पूर्वोत्तर भारत की आर्द्र जलवायु परिस्थितियों में पान गुणांक दृष्टिकोण का उपयोग करके संदर्भ फसल वाष्पीकरण का अनुमान। 13 ^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी - 19), पेरिस 14-16 मार्च, 2019
7	पटेल, टी , पोंगेनर, एस एवं खैयर, एस एम (2019) अधिकतम प्रारूप पर आयु और लिंग का प्रभाव। 13 ^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी-19), पेरिस 14-16 मार्च, 2019
8	चौधरी, ए के (2019) नाहर के बीजों के अभियांत्रिकी गुणों को सड़न रोकने वाली मशीन के रूप में विकसित करना। 13 ^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी-19), पेरिस 14-16 मार्च, 2019
9	पाल, ए (2019) इंजन की गति और कृषि ट्रैक्टर में ड्रॉबार पावर की भविष्यवाणी के लिए एक कंप्यूटर प्रोग्राम का विकास। 13 ^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी-19), पेरिस 14-16 मार्च, 2019
10	तपंग, टी (2018) 2डब्ल्यूडी ट्रैक्टर पर सटीक और जलवायु स्मार्ट कृषि के लिए चर अड़चन ऊंचाई का प्रदर्शन मूल्यांकन। 53वाँ वार्षिक सम्मेलन, भारतीय कृषि अभियन्ता, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत।

(सी) पुस्तकों में अध्याय:

1.	झाझरिया डी, पांडे, पी के, आदि (2018) पूर्वोत्तर भारत के आद्र जलवायु में सूर्य प्रकाश अवधि में रुझान: एक अध्ययन। में: सरमा ए, सिंह वी, भट्टाचार्य आर, कार्था एस (सम्पादक) शहरी पारिस्थितिकी, जल गुणवत्ता और जलवायु परिवर्तन। जल विज्ञान और प्रौद्योगिकी पुस्तकालय, अंक 84, स्प्रिंगर, चाम।
2.	खायेर, एस एम, पटेल, टी, एवं निगथूजम, बी (2019) अंकीय मानव मॉडल का उपयोग करते हुए कृषि में श्रमदक्षता और जैव यॉत्रिक विश्लेषण। में। रिसर्च इनटू डिजाइन इन कनेक्टेड वर्ल्ड। (पृष्ठ-451-462) स्प्रिंगर, सिंगापुर।
3.	पटेल, टी, पी के प्रणव, निखिल कुमार, एस चौधुरी (2018) ट्रेक्टर थ्री-पॉइंट लिंकेज सिस्टम: कंप्यूटर-आधारित डिजाइन और सरलीकरण विश्लेषण। गोयल, एम आर (सम्पादक) (2018) सस्टेनेबल बायोलॉजिकल सिस्टम फोर एग्रीकल्चर: इमरजिंग इस् इन नैनोटेक्नोलॉजी, बायोफर्टिलाइजर, वेस्ट वाटर एण्ड फार्म मशीन। सीआरसी प्रेस।
4.	झाझरिया डी, पांडे पी के, पांडे, वनिता एवं अन्य (2018) भारत के अगस्तला (त्रिपुरा) के नम वातावरण में धूप की अवधि में परिवर्तन। में: सिंह वी, यादव एस, यादव आर (सम्पादक) जलवायु परिवर्तन प्रभाव। जल विज्ञान और प्रौद्योगिकी पुस्तकालय, अंक 82, स्प्रिंगर, सिंगापुर।

4.2.11 बाहरी निकायों के साथ संकाय/ विभाग का सम्पर्क

1.	डॉ के एन देवांगन ने असम विश्वविद्यालय, सिलचर में कृषि अभियांत्रिकी विभाग के संकाय सदस्यों के साथ सम्पर्क किया था। डॉ के एन देवांगन ने कृषि महाविद्यालय, रानीपोल, सिक्किम के के संकाय सदस्यों के साथ सम्पर्क किया था।
2.	डॉ ए भद्र ने 2-4 मई, 2018 के दौरान भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड में भारत-यूके वॉटर सेंटर कार्यशाला में भाग लिया। इस पर एक चर्चा: "अनुमानित जलवायु परिदृश्यों के तहत नूरानंग जलसंधि, पूर्वी हिमालयी क्षेत्र, भारत से भविष्य के अपवाह का आकलन" की गई थी।
3.	डॉ ए भद्र ने 19-20 नवंबर 2018 को पोलर एंड ओशन रिसर्च (एनसीपीओआर) के राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित "क्षितिज 2020 में भाग लिया। अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ गोवा में बातचीत की।
4.	डॉ ए भद्र ने हिमालयन क्रायोस्फीयर पर एक प्रमुख समन्वित अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करने और अन्य शोधकर्ताओं के साथ बातचीत करने के लिए 24 अप्रैल, 2018 को डाइचेचा सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज, आईआईएससी बेंगलोर में एक दिवसीय बैठक में भाग लिया।
5.	डॉ ए बंद्योपाध्याय ने 01-02 नवंबर 2018 के दौरान एनआईएच रुड़की में आमंत्रित विशेषज्ञ के रूप में "इंटीग्रेटेड हाइड्रोलॉजिक मॉडल के विकास" पर दो दिवसीय विचार मंथन कार्यशाला में भाग लिया और राष्ट्रीय जल विज्ञान मॉडल विकास पर आईआईटी खड़गपुर और एनआईओएस रुड़की के शोधकर्ताओं के साथ बातचीत की।

6.	डॉ ए बंद्योपाध्याय ने 15 दिसंबर 2018 को एनआईएच रुड़की में "भारत और भविष्य के दिशा-निर्देशों में जल प्रबंधन पर परिप्रेक्ष्य" और 16 अप्रैल 2018 को एनआईएच स्थापना दिवस की 40 ^{वीं} वर्षगांठ पर एक मंथन सत्र में भाग लिया और पूरे भारत के हाइड्रोलॉजिस्टों के साथ बातचीत की।
----	--

4.2.12 सलाहकार परियोजनाओं पर कार्य

-नहीं-

4.2.13 छात्रों की उपलब्धियाँ

विभाग के 5 छात्रों ने गेट- 2018 में सफलता प्राप्त की थी।

4.2.14 कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

डॉ टी पटेल ने 15 फरवरी, 2019 को नेरिस्ट में फार्म टेक्नोलॉजी अवेयरनेस-कम-डिमॉन्स्ट्रेशन मेला आयोजित किया था।

4.3 भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग

4.3.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग का उदगम वर्ष 1985 में संस्थान की स्थापना के साथ ही हुआ था। समय के साथ-साथ यह विभाग विकास करता रहा तथा इसे उत्तर पूर्वी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अभियांत्रिकी विभाग होने का गौरव प्राप्त हुआ। विभाग का मुख्य उद्देश्य उच्च कौशल तकनीकी श्रमशक्ति का निष्पादन अपने प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा, उपाधि तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के माध्यम से करना है। इस तकनीकी श्रमशक्ति का मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र व सामान्यतया राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूरा करना है। विभाग में छात्रों को योग्य शिक्षकों और कर्मचारियों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की क्षमता है।

वर्तमान में, सिविल अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले 14 योग्य संकाय सदस्य कार्यरत हैं।

विभाग में दो तकनीकी अधिकारी, तीन वरिष्ठ अनुदेशक, एक वरिष्ठ तकनीशियन, एक तकनीशियन, पांच प्रयोगशाला परिचर सेवारत हैं। स्टाफ के सदस्यों को अच्छी तरह से प्रशिक्षित है, तथा एक वरिष्ठ अनुदेशक, डॉ. पी. शिवकुमार को नेरिस्ट से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है।

विभाग की प्रयोगशालायें स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए सभी आवश्यक आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। यह विभाग ढाचा अभियांत्रिकी, भू-प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी, ढाचा गतिकी, भू-कंप अभियांत्रिकी, भवन निर्माण में कम्प्यूटर प्रविधियाँ, उच्च ठोस यांत्रिकी, जल शक्ति तथा जल संशाधन अभियांत्रिकी, द्रव यांत्रिकी, पर्यावरण विज्ञान, यातायात अभियांत्रिकी, सर्वेक्षण अभियांत्रिकी, भवन विज्ञान, नगर योजना, मूल्य गणना आदि विषयों की शिक्षा प्रदान कर रहा है। विभाग में डिप्लोमा तथा डिग्री छात्रों को शैक्षिक उत्कृष्टता तथा उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुसार परियोजना कार्य करवाया जा रहा है। विभाग में उच्च कोटि की सलाहकार सेवाओं तथा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करने की क्षमता है। यह विभाग तकनीकी

ज्ञान के विस्तार के लिए कार्यशालाओं एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन विशेष रूप से अरूणाचल प्रदेश शासन के अधिकारियों, अध्यापकों, गैर सरकारी संगठनों एवं ग्रामीण लोगों के लिए आयोजित करता है।

इस समय सिविल अभियांत्रिकी विभाग के प्रमाण पत्र कार्यक्रम में 76, डिप्लोमा कार्यक्रम में 116, उपाधि कार्यक्रम में 268, एम.टेक. कार्यक्रम में 33 व पीएच. डी. में 26 छात्र पंजीकृत हैं।

4.3.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

सिविल अभियांत्रिकी विभाग संस्थान की स्थापना से प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और उपाधि कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त करने के बाद, दो एमटेक कार्यक्रमों, पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (ईएसई) और भू-तकनीकी अभियांत्रिकी (जीटीई) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम आरम्भ किये गये थे। विभाग में पीएच डी कार्यक्रम भी प्रमुख और उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध हैं।

विभाग द्वारा कुछ प्रमुख पाठ्यक्रम ढांचा अभियांत्रिकी, भू-तकनीक अभियांत्रिकी, ढांचा गतिकी, भूकंप अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी में कम्प्यूटरीकरण तरीके, ठोस व उच्च यांत्रिकी, जल शक्ति एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी, द्रव यांत्रिकी, पर्यावरण अभियांत्रिकी, परिवहन अभियांत्रिकी, भूगर्भीय सर्वेक्षण, अभियांत्रिकी ग्राफिक्स, भवन विज्ञान, नगर योजना अनुमान और मूल्यांकन आदि को डिप्लोमा, और डिग्री छात्रों और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रस्तुत किये जा रहे हैं। स्नातक व स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्रों को परियोजनाएं अकादमिक प्रगति, उद्योग की आवश्यकताओं के साथ-साथ स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए की जा रही हैं।

समीक्षाधीन वर्ष में संकाय द्वारा प्रकाशनों की कुल संख्या 09 है, जिनमें 06 संदर्भ पत्रिकाओं में और 03 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की प्रक्रिया में प्रकाशित हैं।

विभाग के अकादमिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए दृष्टि, मिशन, कार्यक्रम शिक्षा उद्देश्यों (पीईओ) और कार्यक्रम के परिणाम (पीओ) तैयार किए गए हैं, जो निम्नानुसार हैं:

दृष्टि

देश के सबसे अच्छे सिविल अभियांत्रिकी विभागों में से एक बनने के लिए और छात्रों को शिक्षा के एक अभिनव मॉड्यूलर प्रणाली के साथ वैश्विक मानकों को पूरा करने और राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने योग्य बनाना।

विभाग का उद्देश्य:

- सिविल अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचागत योजनाओं के नियोजन, विश्लेषण, डिजाइन और कार्यान्वयन में सक्षम तकनीकी ज्ञान और कौशल युक्त अभियन्ताओं का निष्पादन करना।
- विद्यार्थियों में व्यावसायिक नैतिकता के साथ-साथ नेतृत्व गुणों और संचार कौशल को प्रोत्साहित करने के लिए सिविल अभियांत्रिकी के क्षेत्रों में नवीन विचारों को उपलब्ध कराते हुए उन्हें निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने योग्य बनाना।
- समाज के सतत विकास की दिशा में प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी रखने वाले अभियन्ताओं का निष्पादन करना।
- नागरिकों के समग्र विकास और आजीवन शिक्षा के लिए प्रेरणा के लिए सह-पाठ्यचर्या और अध्यापन गतिविधियों के लिए अवसर प्रदान करना।

कार्यक्रम शिक्षा उद्देश्य (पीईओ)

सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक उपाधि प्राप्त छात्र -

- सिविल अभियांत्रिकी में उच्च अध्ययन, अनुसंधान के क्षेत्रों में नवाचारों के साथ सफल तकनीकी पेशेवर बनें।
- नैतिक निर्णय करें और पेशे, समाज और राष्ट्र की सेवा के प्रति प्रतिबद्धता बनाएं।
- आजीवन शिक्षा का अर्जित करें, और अपने चयनित व्यवसाय और अन्य गतिविधियों में दोनों अग्रणी बनें।

कार्यक्रम के परिणाम (पीओ)

सिविल अभियांत्रिकी के स्नातक कार्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्र में निम्नलिखित क्षमताएँ होनी चाहिए:

- सिविल अभियांत्रिकी समस्याओं को हल करने के लिए गणित, विज्ञान और अभियांत्रिकी के बुनियादी सिद्धांतों का ज्ञान लागू करें।
- डिजाइन और आचरण प्रयोगों / सिमुलेशन के साथ ही डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करना।
- आर्थिक, पर्यावरण, सामाजिक, सुरक्षा और स्थिरता जैसी यथार्थवादी बाधाओं के भीतर वांछित जरूरतों को पूरा करने के लिए एक प्रणाली, घटक या प्रक्रिया तैयार करें।
- सिविल अभियांत्रिकी समस्याओं की पहचान और हल।
- अभियांत्रिकी प्रथाओं के लिए आवश्यक तकनीक, कौशल और आधुनिक अभियांत्रिकी उपकरण का उपयोग करें।
- अभियांत्रिकी और प्रबंधन पहलुओं को प्रभावी ढंग से समझें और विविध और बहुआयामी टीमों पर कार्य करने में सक्षम हो।
- समाज के लिए सिविल अभियांत्रिकी परियोजनाओं के लाभ का विस्तार करने के लिए व्यावसायिक नैतिकता और जिम्मेदारी को समझें।
- समकालीन और पर्यावरण के मुद्दों के प्रकाश में वैश्विक, आर्थिक और बहुसांस्कृतिक सामाजिक संदर्भ में अभियांत्रिकी समाधानों के प्रभाव को समझें।
- अभियांत्रिकी समुदाय के भीतर और समाज में लोगों के साथ प्रभावी ढंग से दोनों मौखिक और लिखित रूप से संवाद करें।
- तकनीकी नवाचारों को शामिल करने के लिए आजीवन सीखने की आवश्यकता के लिए, और क्षमता की पहचान करें।

वर्तमान पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम संरचना का संशोधन

विभाग के पाठ्यक्रमों को उनके दृष्टिकोण, मिशन, कार्यक्रम शिक्षा उद्देश्यों (पीईओ), और कार्यक्रम के परिणामों (पीओ) में बताए गए उद्देश्यों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अलावा यह उद्योग और संगठनों, रोजगार, और उम्मीदवारों के समग्र विकास की आवश्यकताओं पर केन्द्रीत है। पाठ्यक्रमों को समय-समय पर हितधारकों से प्रतिक्रिया के आधार पर संशोधित किया जाता है और विभिन्न क्षेत्रों में वर्तमान विकास को प्रतिबिंबित किया जाता है।

4.3.3 प्रयोगशाला विकास

विभाग की प्रयोगशालायें

1. कम्प्यूटर प्रयोगशाला
2. चित्रण अनुभाग सह कम्प्यूटर आद्वारित डिजाइन सुविद्या
3. भू- अभियांत्रिक प्रयोगशाला

4. पर्यावरण अभियांत्रिक प्रयोगशाला -I
5. पर्यावरण अभियांत्रिक प्रयोगशाला -II
6. क्षेत्र अभियांत्रिक प्रयोगशाला
7. भू- प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला -I
8. भू- प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला -II
9. राजमार्ग अभियांत्रिक प्रयोगशाला
10. सामाग्री परीक्षण प्रयोगशाला
11. ढाचा प्रयोगशाला
12. सर्वेक्षण प्रयोगशाला
13. जल संसादन अभियांत्रिक प्रयोगशाला

इसके अतिरिक्त विभाग में सभी सुविधाओं से सम्पन्न एक सभागार है। विभाग की सभी प्रयोगशालायें आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित तथा सलाहकार सेवाओं व प्रयोगों के लिए उपयुक्त है।

क्रस	उपकरण / मशीन	निर्माता	मुल्य(रु)	संख्या	कुल कीमत	टिप्पणियाँ
1	कम्प्यूटर-ऑल-इन-वन डेस्कटॉप	एचपी-प्रो-वन - 200 जी 3	47480.95	14	6,64,733.30	सभी प्रयोगशालाओं के लिए एक
2	मुद्रक	एचपी-प्रो एम1136 एमएफपी	10540.95	14	1,47,573.30	
3	लिक्विड लिमिट डिवाइस कैसग्रेडे टाइप	हिको	13000.00	2	26000.00	जीटीई - 1
4	इलेक्ट्रिक बैलेंस 40 किलो x 2 ग्राम	स्केलेटेक मेक्ट्रोनिक्स	12200.00	1	12200.00	
5	इलेक्ट्रिक बैलेंस 40 किग्रा x 1 ग्राम	स्केलेटेक मेक्ट्रोनिक्स	4600.00	1	4600.00	
6	ऊर्जा नियामक 250 एमएमx300 एमएमx150 मिमी के साथ गर्म प्लेट	सूद स्टील उद्योग	3000.00	2	6000.00	
7	बम कैलोरीमीटर	सूद स्टील उद्योग	79000.00	1	79,000	पर्यावरण अभि.-2

4.3.4 स्नातक छात्रों द्वारा पूर्ण परियोजनाएं (मई 2018)

(ए) डिप्लोमा परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	छात्रों का नाम	परामर्शदाता
1	चिपकने वाली मिट्टी के अलग नमी सामग्री पर तनाव खिंचाव के लक्षण और शक्ति विशिष्टतायें।	श्री एस सरकार सुश्री बी बोराह श्री पी पी बोरुहा सुश्री ए चक्रवर्ती सुश्री वी आर पेघा श्री पी पी सारथी	आचार्य एस बैश्य
2	हाइड्रोलिक जंप के विभिन्न मापदंडों का सत्यापन।	श्री डी राज श्री आर के साहनी सुश्री एस शर्मा सुश्री के ममुंग श्री एस दास, श्री ए कुमार	श्री एस के साहू
3	बीम स्लैब प्रकार और फ्लैट स्लैब प्रकार रफ फाउंडेशन का डिजाइन और लागत विश्लेषण	सुश्री आर राय श्री ए सुब्बा सुश्री टी लामोहिंग श्री एच टके पी के सिंह श्री एस बी सिंह	आचार्य एस मिश्रा
4	जल गुणवत्ता पैरामीटर पर सतह के प्रभाव	श्री सैकत दास श्री बी. के. लोबोम श्री एस वोहलंग श्री सी राय श्री के तार्यंग श्री जी कामकी	सुश्री वाई बी देवी
5	उपनगर फुटपाथ का डिजाइन	श्री डी नालो श्री सी चेन श्री जेड वेसुवह सुश्री टी एन हाओकिप श्री जे के तुंगी सुश्री वाई संगम	श्रीमती यम तमुत
6	घरेलू जल आपूर्ति के लिए जमावट (फिटकिरी उपचार)	के केतन श्री डी मुखर्जी श्री आर लुहौसा श्री एम लैंगस्टैंग श्री आर नोंगरम श्री टी एजुंग	श्री के जे सिंह

7	मानव केस फाइबर द्वारा अपुष्ट मिट्टी ताकत में सुधार	श्री डी टामिन श्री एल तागू श्री ए चंदा	श्री एन जी सोरम
---	--	--	-----------------

(बी) बी.टेक. परियोजनाएं, मई 2018

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	छात्रों का नाम	परामर्शदाता
1	सिंथेटिक फाइबर का उपयोग करके लचीला फुटपाथ का डिजाइन	श्री चरखो एन चाह श्री तिलिंग तसार सुश्री विथुजनो विस्वेन्ट्सो	आचार्य एस के सिंह
2	राख और सीमेंट का उपयोग कर फुटपाथ की डिजाइन विधि पर तुलनात्मक अध्ययन	श्री अंगशुमान दास श्री सौनिमंट्रे पोहलेंग श्री तिलक जमातिया	श्रीमती यम तामुत
3	संपीडित ताकत को निर्धारित करने के लिए सीमेंट, फ्लाई ऐश और ग्लास फाइबर के साथ मिट्टी का स्थिरीकरण	श्री जेमिन श्री रुधिलौली श्री शेखोटो थुल्लतसू	डॉ अजंता कालिता
4	पतली दीवार के लिए संवेदी केंद्र	नूर मोहम्मद मुसा कलीमुल्लाह सुश्री तदार दीप्ति पूनम कुमारी	श्री एस के साहू
5	नेरिस्ट परिसर के लिए जल उपचार संयंत्र का डिजाइन	श्री तौनाजोम आशानंद श्री मोनिष लेशराम श्री आसम ऋकेशचंद्र सिंह	श्रीमती युन्नम बिद्यालक्ष्मी देवी
6	नेरिस्ट में स्वच्छता समस्याओं का अध्ययन करना	अनिल सांगनो लमतार नसी गेली बसर	डॉ अजय भारती
7	पापुम पारे जिले, अरुणाचल प्रदेश में पानी की गुणवत्ता के लोहे और अन्य अधीनस्थ मापदंडों का स्थानिक वितरण	श्री लोयंगम ठुमकोम श्री ब्लासियस पाइनगोपे लखी मेना	श्री के जे सिंह
8	परिमित तत्व विधि का उपयोग करके ढलान का स्थिरता विश्लेषण	सुभंकर कर्मकार श्री तचि तारम श्री परेश लामिचाने	आचार्य सुकुमार बैश्य
9	जल आपूर्ति की स्थिति और नेरिस्ट परिसर में इसकी आवश्यकता	सुश्री मेडोजोनो रूथ केलियो श्री मुकेश कुमार प्रसाद सुश्री अगाची डी अरेंघ	आचार्य आर के प्रसाद

10	उन्नत और परिवेश के तापमान पर ठीक किए गए जियोफोलिमर की संपीड़ित ताकत की भिन्नता का अध्ययन	श्री टाकम नटुंग श्री तव रीजा	आचार्य एस मिश्रा
11	फेम का उपयोग करके भू-वस्त्र प्रबलित पृथ्वी तटबंध का विश्लेषण	श्री अर्बिन ठाकुर श्री अनंत गौतम श्री ताहिर अहमद लस्कर	डॉ दीपिका देवी
12	सगाई मूल्यांकन पद्धति का उपयोग करके लैंडफिल साइट का चयन	मोबया निकंग पार्थ बर्मन मोमी देब	श्रीमती मुडो प्यूमिंग
13	मानव केस का उपयोग करके लचीले फुटपाथ की उप-परत और परतदार सतह का विकास	के लालमंगजिहजुअली सुश्री सी वेनोगोपीपथाई श्री किसानू मोडक	श्री एन जी सोरम
14	हेडवे का वितरण और बिना लेन अनुशासन ट्रेफिक स्ट्रीम की मुक्त प्रवाह गति	सुश्री बर्सा शर्मा सुश्री निशा कुमारी सुश्री तृषा भूटिया	डॉ दिब्येंदु पाल

(सी) एम. टेक. परियोजनाएं (वर्ष-2018)

क्र.सं.	छात्रों का नाम	परियोजना का शीर्षक	परामर्शदाता
1	फुर्बा दोरजी फिले	सीमेंट के साथ मिश्रित मिट्टी, फ्लाई ऐश और प्रबलित ग्लास फाइबर मिश्रण की विशेषता का अध्ययन।	डॉ अजंता कलिता
2	जॉनी तसंग	सीमेंट और जैव-रेसा के साथ मृदा के सीबीआर व्यवहार में सुधार पर तुलनात्मक अध्ययन।	श्रीमती यम तमुत
3	रिबा अरबेला शबांग	पिसी हुई मिट्टी पर अण्डा शैल पाउडर और साँ डस्ट ऐश के प्रभावों पर एक अध्ययन	आचार्य एस के सिंह
4	किरज पेम	राख और चूने का उपयोग कर विस्तार मिट्टी के लक्षणों का अध्ययन	डॉ अजंता कलिता
5	नबज्योति सरकार	फेम का उपयोग कर प्रीकास्ट कैंटीलीवर कंक्रीट शीट के गुण	डॉ दीपिका देवी
6	अनुराग दत्ता	परिवर्तशिल अर्थ प्रेशर का धारण दिवार-बैकफिल-फाउंडेशन मृदा का परिमित तत्व विश्लेषण	डॉ। एस। बैश्य
7	गेंडेन टेरसिंग सेरथिपा	प्राकृतिक अपशिष्ट पदार्थ का उपयोग करके डेयरी अपशिष्ट जल का उपचार	श्रीमती वाई बिद्यालक्ष्मी देवी
8	नगाटर ततो	पश्चिम सियांग जिले में पानी की गुणवत्ता के मापदंडों का स्थानिक वितरण	डॉ अजय भारती

9	जीद गुंजा	लैंडफिल लाइनर की ताकत पर अकार्बनिक साल्ट के प्रभाव पर एक अध्ययन	श्रीमती मुडो प्यूमिंग
10	तिनु लुसी तमिन	सतत विकास के लिए निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन	डॉ सुदीश मिश्रा
11	रशीदुल आलम	पानी में भारी धातु का पता लगाने के लिए फ्लोरोसेंट कार्बन डॉट का विकास	डॉ अजय भारती
12	लांटी काकू	नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर एक अध्ययन	श्रीमती मुडो प्यूमिंग
13	डोली न्याकिरोर	अरुणाचल प्रदेश विशेष संदर्भ डिक्रॉग नदी में नदियों का सतही जल गुणवत्ता विश्लेषण,	डॉ आर के प्रसाद
14	श्री उददीपन दास	अरुणाचल प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्रों से एपीटीआई और जैव-संकेतक और परिवेशी वायु गुणवत्ता का आकलन	डॉ अजय भारती डॉ एस एस सिंह
15	संगे संगमु रतिपति	मृदा मापदंडों पर सर्फैक्टेंट के प्रभाव पर एक अध्ययन	श्रीमती वाई बिद्यालक्ष्मी देवी
16	सुमिता जोंगकी	सीमेंट और भूगर्भीय के साथ संचित मिट्टी की अपरिभाषित संपीड़न शक्ति पर ठंड चक्र का प्रभाव	श्रीमती यम तमुत

(डी) पीएच. डी. उपाधि

क्र.स.	विद्यार्थी का नाम	अनुसंधान का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
1	सुश्री नीलू दास	सिविल अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध ब्राउन अपशिष्ट सामग्री पर एक अध्ययन	आचार्य एस के सिंह
2	श्री किर्की ओरी	उचाई पर स्थित अपार्टमेंट से गिले कार्बनिक कचरे से खाद पर अध्ययन।	डॉ ए भारती डॉ सुनील कुमार
3	श्री अग्निवेश उदय राँय	सियोम नदी बेसिन में जल विद्युत परियोजनाओं का पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन। (शोध ग्रन्थ प्रस्तुत)	डॉ ए भारती और डॉ आर के प्रसाद
4	श्री ताकम नालो	नगरपालिका ठोस अपशिष्ट के अवायवीय पाचन के लिए अध्ययन। (शोध ग्रन्थ प्रस्तुत)	डॉ ए भारती डॉ सुनील कुमार
5	श्री तोमी ईटे	अरुणाचल प्रदेश के चयनित स्वदेशी जनजातियों में पारंपरिक स्वच्छता प्रथाओं पर एक अध्ययन (शोध ग्रन्थ प्रस्तुत)	डॉ ए भारती डॉ आर के प्रसाद

4.3.5 संकाय की संगोष्ठीयो वकार्यशालाओं में सहभागिता

- डॉ दिब्येंदु पाल ने अगस्त-सितम्बर, 2018 के दौरान एनपीटीईएल-अभातशिप द्वारा आयोजित 'प्रबलित कंक्रीट रोड सेतु' पर ऑनलाइन एफडीपी पाठ्यक्रम में भाग लिया और उत्तीर्ण किया।
- डॉ दिब्येंदु पाल ने एनपीटीईएल-अभातशिप द्वारा जुलाई-अक्टूबर, 2018 के दौरान आयोजित 'प्रतिगमन विश्लेषण' पर ऑनलाइन एफडीपी पाठ्यक्रम में भाग लिया और उत्तीर्ण किया।
- डॉ दिब्येंदु पाल ने अगस्त-सितम्बर, 2018 के दौरान एनपीटीईएल-एआईसीटीई द्वारा आयोजित 'टेक्निकल इंग्लिश फॉर इंजीनियर्स' पर ऑनलाइन एफडीपी पाठ्यक्रम में भाग लिया और उत्तीर्ण किया।
- श्रीमती यम तमुत ने जुलाई-अक्टूबर, 2018 के दौरान एनपीटीईएल-एआईसीटीई द्वारा आयोजित 'प्रतिगमन विश्लेषण' पर ऑनलाइन एफडीपी पाठ्यक्रम में भाग लिया और उत्तीर्ण किया।
- श्रीमती यम तमुत अगस्त-सितम्बर, 2018 के दौरान एनपीटीईएल-एआईसीटीई द्वारा आयोजित 'टेक्निकल इंग्लिश फॉर इंजीनियर्स' पर ऑनलाइन एफडीपी पाठ्यक्रम में भाग लिया और उत्तीर्ण किया।
- श्रीमती यम तमुत ने एनपीटीईएल-एआईसीटीई द्वारा अगस्त-सितम्बर, 2018 के दौरान आयोजित 'जियोसिंथेटिक्स टेस्टिंग लेबोरेटरी' पर ऑनलाइन एफडीपी पाठ्यक्रम में भाग लिया और उत्तीर्ण किया।
- डॉ आर के प्रसाद तीन सप्ताह के शिक्षाविदों हेतु नेतृत्व विकास कार्यक्रम, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, हैदराबाद विश्वविद्यालय में दो हफ्ते 11-24 फ़रवरी, 2019 तथा ऑस्ट्रेलिया में 26 फ़रवरी-2 मार्च 2019 को मोनाश विश्वविद्यालय में आयोजित के कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ दिब्येंदु पाल ने 22-25 नवंबर, 2018 को नागपुर, भारत में भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के 79^{वें} वार्षिक अधिवेशन में भाग लिया।
- श्रीमती यम तमुत ने 22-25 नवंबर, 2018 को नागपुर, भारत में भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के 79^{वें} वार्षिक अधिवेशन में भाग लिया।
- डॉ एस मिश्रा ने लिस्बन पुर्तगाल में 3-7 फरवरी, 2019 के दौरान रिसर्च इन इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी एंड साइंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

4.3.6 संकाय के सदस्यों द्वारा प्राप्त नई डिग्री / व्यावसायिक सदस्यता

- डॉ अजय भारती ने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) की फेलो सदस्यता (एफ-124080-5) प्राप्त की थी।

4.3.7 संकाय द्वारा अर्जित उपलब्धियां / पुरस्कार / मान्यता

- डॉ दिब्येंदु पाल ने आईआईटी, खड़गपुर द्वारा आयोजित एनपीटीईएल-स्वयम पाठ्यक्रम के तहत प्रबलित कंक्रीट रोड सेतु पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

4.3.8 बाह्य निकायों द्वारा प्रदत्त परियोजनाएं

अ. क्र.	परियोजना का नाम	प्रधान अनुसंधानकर्ता का नाम	सह-अनुसंधानकर्ता का नाम	से शुरू करें	परियोजना की अवधि	उपयोग में मानव शक्ति की संख्या (पदनाम और वेतनमान के साथ)	परियोजना की राशि
1.	पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश (आठ जिलों अर्थात् तवांग, वेस्ट कामेंग, ईस्ट कामेंग, पापुम्पारे, कुरुंग कुमी, वेस्ट सियांग, अपर सुबानसिरी और लोअर सुबनसिरी में यूरेनियम और संबंधित जल गुणवत्ता मानकों का स्थानिक वितरण	डॉ अजय भारती	1. श्री के. जेम्स सिंह 2 श्री एन. घनश्याम सिंह	06 जनवरी 2017	2 वर्ष	जेआरएफ 01 रु. 25,000/- +10% एचआरए = 27,500/-	रु. 35,66,300 (रुपए पैतिस लाख छियासठ हजार, तीन सौ केवल)

आलेखों का प्रकाशन :

(ए) संदर्भित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख :

1. दास, एन, और सिंह, एस के (2019) ब्राउनित अपशिष्ट और सिंथेटिक फाइबर के साथ लेटरिटिक मृदा का भू-तकनीकी व्यवहार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग, 13 (3), 287-297
2. रिच, एन, भारती, ए, कुमार, एस (2018) वनस्पति अपशिष्ट खाद की गुणवत्ता पर इनोकुलेंट के रूप में बुलिंग एजेंटों और गाय के गोबर का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोरसोर्स टेक्नोलॉजी, 252,83-90
3. ग्यादी, टी, प्यूमिंग, एम (2019) रसोई कचरे और गाय खाद के सह-पाचन से बायोगैस उत्पादन। आईजे टाईम्स, 5(3), 938-946, आईएसएसएन 2455-2585
4. पाल, डी, एवं चुंचु, एम (2019) विषम यातायात स्ट्रीम व्यवहार पर वाहनों के पार्श्व गैप मॉडल का प्रभाव। परिवहन पत्र। (आईएसएसएन: 1942-7875) डीओआई: 10.1080/ 19427867.2019.1611709
5. पाल, डी, एवं चुंचु, एम (2018) माइक्रोस्कोपिक आंकड़े निकालने के लिए विषम ट्रैफिक शर्तों के तहत वाहनों के प्रक्षेपवक्र की चौरसाई। कनाडाई जर्नल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, 45 (6), 423-434 डीओआई: <https://doi.org/10.1139/cjce-2017-0452> (आईएसएसएन: 0315-1468)

(बी) सम्मेलन आलेख:

1. लुसी टी एवं मिश्रा, एस (2019) "विध्वंस अपशिष्ट मिश्रित सीमेंट मोर्टार के संरचनात्मक प्रदर्शन का आकलन" आईसीआरईटीएस-2019, लिस्बन पुर्तगाल।

2. पाल, डी, एवं श्रीनिवासुलु, एस (2019) गैर-लेन अनुशासन ट्रैफिक स्ट्रीम के तहत गति पर वाहनों के पार्श्व स्थानिकरण का प्रभाव। 9^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अनुप्रयुक्त भौतिकी एं गणित (आईसीएपीएम 2019), चुललॉगकोर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड, 21-23 जनवरी, 2019
3. प्रसाद आर के, (2018) आईआईटी बॉम्बे में 30 नवंबर -1 दिसम्बर, 2018 को दौरान आयोजित एनएफआईसीआ- 2018 में भाग लिया तथा आलेख स्थानीय स्तर पर शहरी जल सुरक्षा- इटानगर, अरुणाचल प्रदेश पर एक अध्ययन प्रस्तुत किया।

(ग) पुस्तकें:

क्र.स.	लेखक	शीर्षक	प्रकाशक और प्रकाशन का वर्ष	आईएसबीएन
1	आर. के. प्रसाद	इनवायरनमेंटल सिस्टम मॉडलिंग	स्टैंडर्ड पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली, 2018	798-81-8014-258-1

4.3.10 बाह्य निकायों से विभाग का सम्पर्क

- आचार्य एस. के. सिंह ने अभातशिप, नई दिल्ली के अखिल भारतीय अभियांत्रिकी एवं तकनीकी स्नातक (एआईबी-यूजीईटी) बोर्ड के सदस्य हैं।
- आचार्य एस. के. सिंह नें अध्ययन बोर्ड, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजवाल के सदस्य का कार्यनिष्पादन किया था।
- आचार्य अरुणाचल प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद, इटानगर के भी सदस्य हैं।
- आचार्य एस मिश्रा ने एनईएसआईडीएस, अरुणाचल प्रदेश सरकार के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तकनीकी जांच के लिए नोडल अधिकारी के रूप में काम किया।
- आचार्य एस मिश्रा ने राजीव गांधी विश्वविद्यालय, इटानगर, अरुणाचल प्रदेश में भवन निर्माण समिति के सदस्य के रूप में काम किया।
- अजय भारती जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं जल आपूर्ति विभाग, अरुणाचल प्रदेश शासन की राज्य तकनीकी एजेंसी के नोडल अधिकारी है।
- अजय भारती एस.ई.आई.ए.ए. (राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण), अरुणाचल प्रदेश के सदस्य है।
- अजय भारती राज्य स्तरीय पर्यावरण नियंत्रण बोर्ड, अरुणाचल प्रदेश के सदस्य है।

4.3.11 विभाग द्वारा परामर्शी सेवाओं का निष्पादन

विभाग द्वारा निष्पादित परामर्शी सेवाओं के विवरण इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	संगठन	सलाह विरण	राशि (₹)
1	उप प्रबंधक, कॉम्प स्कीम, पावरग्रिड, एनईआर, ए.पी.	समुच्चय का परीक्षण	96,819.00
2	ए.ई., पीडब्ल्यूडी, नाहरलागुन, डिवि-II, उप डिवि-IV	ईट का परीक्षण	11,328.00

3	ए.ई., पीडब्ल्यूडी, नाहरलागुन, डिवि-II, उप डिवि-IV	ईट का परीक्षण	11,328.00
4	मैसर्स अंगला एंटरप्राइजेज	एवाई टेस्ट	4,956.00
5	मैसर्स एनटी एजेंसी	घन परीक्षण	5,900.00
6	मैसर्स मेपुंग एंटरप्राइजेज	घन परीक्षण	5,900.00
7	ई.ई. (सिविल) जी.आर.ई.एफ.	घन परीक्षण	11,800.00
8	मैसर्स मेपुंग एंटरप्राइजेज	कंक्रीट मिक्स डिजाइन	148,680.00
9	मैसर्स एनटी एजेंसी	घन परीक्षण	5,900.00
10	मैसर्स एनटी एजेंसी	घन परीक्षण	5,900.00
11	मैसर्स मेपुंग एंटरप्राइजेज	घन परीक्षण	5,900.00
12	योजना विभाग, अरुणाचल सरकार	19 डीपीआर की वेटिंग	1,092,500.00
		संपूर्ण योग	1,406,911.00
(रु चौदह लाख छह हजार नौ सौ ग्यारह)			

(ख) एनईएसआईडीएस विस्तृत परियोजना प्रतिवेदनों, अरुणाचल प्रदेश शासन का मुल्यांकन:

क्र.सं.	परियोजनाओं का नाम
1	लोअर सियांग जिले में लेखाबली नगर सड़कों (10 किमी) का सुधार और विस्तार।
2	तवांग जिले में मर्ग ब्रिज पॉइंट से रो-गाँव (15 किमी) तक सड़क का निर्माण।
3	तवांग शहर में कठोर फुटपाथ सड़क का निर्माण
4	चंपकम से मेमसेग गाँव (10 किमी) के मध्य से नामसी जिले में सड़क का निर्माण।
5	तिराप जिले में तेरुंग से सुमिपतिधर तक सड़क का निर्माण।
6	बीआरटीएफ सड़क से पीआईडीआई, पश्चिम सियांग जिले तक सड़क का निर्माण।
7	लॉन्गडिंग जिले (18.00 किमी) से पुल के तहत लॉगखो से पुमाओ तक सड़क का निर्माण।
8	शासकीय विद्यालय कनुबरी, जिला लॉन्गडिंग के लिए अवसंरचना विकास।
9	पूर्वी सियांग जिले के निग्लोक में सैनिक स्कूल के लिए स्थायी संरचना।
10	पश्चिम सियांग जिले में ऐलो शहर में जल आपूर्ति का विस्तार।
11	भालुपोंग शहर में जल आपूर्ति का विस्तार।
12	लोअर सुबनसिरी जिले में हापोली शहर में पानी की आपूर्ति का विस्तार।
13	चंगलांग में रंग फहरा विधान निकेतन विधालय का बुनियादी ढांचा विकास।
14	बॉम्बिकोटो गाँव से निलिंग सर्किल मुख्यालय वाया सिमा-ध (25 किलोमीटर) तक सड़क का निर्माण।

15	एनईएसआईडीएस के तहत मियाओ शहर (3.57 एमएलडी) में पानी की आपूर्ति का विस्तार।
16	रुंगगॉन्ग एडीसी मुख्यालय से कयांग ईएसी मुख्यालय (64.0 किलोमीटर) फेज-1 (मोलोंग से बोगने गांव 23.0 किलोमीटर) को सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश में जोड़ने के लिए सड़क का निर्माण।
17	लिकवा ग्यादी से ग्यावेपुरंग (10.86) किलोमीटर सड़क का निर्माण।
18	तवांग शहर में पानी की आपूर्ति।
19	तवांग शहर में अपशिष्ट जल प्रबंधन।

4.3.12 छात्रों की उपलब्धियाँ

जून 2018 में निम्नलिखित छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था -

क्र.सं.	छात्रों का नाम	अनुक्रमांक	प्रशिक्षक संगठन/संस्थान
1	राजीव रंजन रे	डी/15/सीई/01	आईआईएससी बंगलौर
2	माशी लोंगडो	डी/15/सीई/02	मेईसील उमियाम
3	इज्जोम निनु	डी/15/सीई/03	नीपको पैर
4	कोजीन ग्यति	डी/15/सीई/04	पीएचईडी ईटानगर
5	लिशी तालिन	डी/15/सीई/05	नीपको पैर
6	तेनोद राजी तमिन	डी/15/सीई/06	नीपको पैर
7	तासो तरुण	डी/15/सीई/07	आईओसीएल गुवाहाटी
8	प्रणब ज्योति बोरा	डी/15/सीई/09	मेईसील उमियाम
9	संदीपन गर्ग	डी/15/सीई/10	मेईसील उमियाम
10	केविल्होखो लाहौसा	डी/15/सीई/11	मेईसील उमियाम
11	देवीद ककाती	डी/15/सीई/12	मेईसील उमियाम
12	रमेश कुमार	डी/15/सीई/13	मेईसील उमियाम
13	याजित्सुओ यशु	डी/15/सीई/14	आईओसीएल गुवाहाटी
14	विकास पांडे	डी/15/सीई/15	नीपको पैर
15	मधुरिमा दास	डी/15/सीई/16	पीएचई सिलचर
16	म्हाबनी त्सोपो	डी/15/सीई/17	आईओसीएल गुवाहाटी
17	विवि किसो	डी/15/सीई/18	आईओसीएल गुवाहाटी
18	लिंडा लालमुआनपुई	डी/15/सीई/19	एनसीएस आईजोल
19	भाग्यश्री देउरी	डी/15/सीई/20	मेईसील उमियाम
20	लीजुम सुब्बा	डी/15/सीई/22	एनएचपीसी तीस्ता-वी
21	पेट्टशो यू	डी/15/सीई/25	आईओसीएल गुवाहाटी
22	जयलक्ष्मी नगसेपम	डी/15/सीई/26	स्पार्क इन्टरशिप आईआईटी, रुड़की

23	उत्तम कुमार	डी/15/सीई/27	पीएचईडी ईटानगर
24	प्रकास चौधरी	डी/15/सीई/28	ओएनजीसी पटीयाला
25	चीयरफ्री केटी	डी/15/सीई/29	आईओसीएल गुवाहाटी
26	शाहजहाँ कलाई	डी/15/सीई/30	ओएनजीसी पटीयाला
27	ट्रिपल ग्रेस मावलिन	डी/15/सीई/31	एनसीएस आईजोल
28	श्रीयासी दत्ता	डी/15/सीई/32	पीएचईडी ईटानगर
29	डेविड लालपम्पुइया	डी/15/सीई/33	एनसीएस आईजोल
30	गगन प्रदन	डी/15/सीई/34	आईओसीएल गुवाहाटी
31	सकीमी शायला	डी/15/सीई/35	आईओसीएल गुवाहाटी
32	अनिमेष देब	डी/15/सीई/36	ओएनजीसी पटीयाला
33	बी नोनग्रम	डी/15/सीई/37	आईओसीएल गुवाहाटी
34	ओइंटो मेंगू	डी/15/सीई/101	पीएचईडी ईटानगर
35	ख. बिद्या देवी	डी/15/सीई/102	आईओसीएल गुवाहाटी
36	सी ज़ोननुसीमा	डी/15/सीई/104	पीएचईडी ईटानगर
37	अलोनिका चोपि	डी/15/सीई/105	आईओसीएल गुवाहाटी
38	समदुप लाचुंगपा	डी/15/सीई/106	आईओसीएल गुवाहाटी
39	दीक्षिता बैश्य	डी/15/सीई/201	सेट्पा नोयडा
40	बैशाली बुरगोहिन	डी/15/सीई/202	सेट्पा नोयडा
41	अभिजीत बसफोरे	डी/15/सीई/203	पीएचईडी ईटानगर
42	देबजीत बर्मन	डी/15/सीई/204	नीपको पैर
43	लालकृष्णिया	डी/15/सीई/207	एनसीएस आईजोल
44	खेलोउखेरीटो	डी/15/सीई/208	पीएचईडी ईटानगर
45	सत्यब्रत नाग	डी/15/सीई/210	पीएचईडी ईटानगर
46	परमीष्मिता दास	डी/15/सीई/211	सेट्पा नोयडा
47	के. अहमद बारबुइया	डी/15/सीई/212	मेईसील उमियाम
48	राजा ग्यादी	डी/15/सीई/216	पीएचईडी ईटानगर
49	संजुराज पेगू	डी/15/सीई/001	आईओसीएल गुवाहाटी
50	हेमंत लकड़ा	डीई/17/सीई/002	आईओसीएल गुवाहाटी
51	ऑनमिनल गुइटे	डीई/17/सीई/003	पीएचईडी ईटानगर
52	आर लालबिक्काजूली	डीई/17/सीई/004	एनसीएस आईजोल

परिसर नियोजन - अप्रैल 1,2018 से मार्च 31, 2019 तक

क्र.सं.	नाम	रोल क्रमांक	कंपनी
1	मधुरिमा दास	डी / 15 / सीई / 16	टाटा प्रोजेक्ट्स
2	भाग्यश्री देउरी	डी / 15 / सीई / 20	टाटा प्रोजेक्ट्स
3	बनिएंगस्केम डी नोंगराम	डी / 15 / सीई/ 37	फाईलिटीटी
4	डेविड काकती	डी / 15 / सीई / 12	ऋषीश्वर कस्ट्रक्सन
5	प्रणब ज्योति बोरा	डी / 15 / सीई / 09	ऋषीश्वर कस्ट्रक्सन
6	रमेश कुमार	डी / 15 / सीई / 13	ऋषीश्वर कस्ट्रक्सन
7	संदीपन गर्ग	डी / 15 / सीई / 10	ऋषीश्वर कस्ट्रक्सन

गेट - 2019 के सफल छात्रों का विवरण

क्र.सं.	नाम	रोल क्रमांक	गेट स्कोर
1	सामदुओ लाचुंगपा	डी / 15 / सीई / 106	35.38
2	अनिमेष देब	डी / 15 / सीई / 036	33.64
3	माशी लोंगडो	डी / 15 / सीई / 002	29.89
4	लिशी तालिन	डी / 15 / सीई / 005	28.41
5	इज्जोम निनु	डी / 15 / सीई / 003	28.36
6	संजुराज पेगू	डे / 17 / सीई / 001	24.93
7	तासो तरुण	डी / 15 / सीई / 008	24.93
8	बनिएंगस्केम नोंग्रम	डी / 15 / सीई / 037	22.84
9	तेनोद राजी तमिन	डे / 15 / सीई / 006	24.52

4.3.13 कोई अन्य सूचना

- आचार्य एस वैश्या नें टीईक्यूआईपी प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम "सिविल अभियांत्रिकी के वर्तमान आयाम", में दो व्याख्यान दिए थे। 27-28 अगस्त, 2018

4.4 कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

4.4.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग का उद्गम संस्थान के अस्तित्व में आने के साथ ही वर्ष 1986 में हुआ था। यह विभाग अपने छात्रों को पाठ्यक्रमों एवं परियोजनाओं के माध्यम से कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह विभाग मॉड्यूलर पद्धति से कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में डिप्लोमा व बी. टेक. कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक कार्यक्रम 2008-09 में आरम्भ किया गया था,

सूचना प्रौद्योगिकी में एम.टेक. कार्यक्रम 2011-12 में आरम्भ किया गया था,

और 2017-18 में पीएच.डी. कार्यक्रम आरम्भ किया गया था।

यह विभाग कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के पाठ्यक्रमों कम्प्यूटर संगठन, अनुपयोग सॉफ्टवेयर, प्रचालन प्रणाली, गणित, अंकीय इलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रोप्रोसेसर, डाटाबेस प्रबन्धन प्रणाली, कंपाइलर डिजाइन, आंकडा संचार, कम्प्यूटर नेटवर्क, एल्गोरिदम का डिजाइन एवं विश्लेषण आदि पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। इन नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कुछ विशिष्ट विषयों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वीएलएसआई डिजाइन, इमेज प्रोसेसिंग, ऋटि वहनिय कम्प्युटरीकरण, सूचना सिद्धान्त, आदि की भी शिक्षा विभाग द्वारा प्रदान की जा रही है।

विभाग के संकाय सदस्य औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उत्तर पूर्वी परिषद, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग जैसे एजेंसियों द्वारा प्रायोजित विभिन्न अन्तर विष -यी अनुसंधान परियोजनाओं में कार्य कर रहे हैं।

विभाग में अत्याधुनिक मशीनों के साथ लेन के माध्यम से आपस में जुड़ी हुई प्रणाली है, जिनमें सिस्टम प्रयोगशाला, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, शूक्ष्म अन्वेषी प्रयोगशाला, हार्डवेयर प्रयोगशाला, नेटवर्क आदि शामिल हैं। विभाग में लिज्ड लाइन इन्टरनेट कनेक्टिविटी है।

हमारे यहाँ से उत्तीर्ण स्नातक इसफोसिस, एस-डॉट, सीमेन्स, टाटा टेलिकॉम, ब्रिटिश महिंद्रा टेलिकॉम, डीआरडीओ, एनआईसीएनईटी, इसरो, ऑयल, सीएसआईआर, टेलिकॉम, सीएमसी, पीसीएल, एचसीएल, आईओसी, सेल, टेलको, टिस्को, एस्कोर्ट्स जैसे संस्थानों में नियोजन पा रहे हैं।

4.4.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

यह विभाग डिप्लोमा, उपाधि तथा एम.टेक. कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। विभाग के छात्र नियमित अध्ययन के अलावा द्वितीय वर्ष में परियोजनाओं पर भी कार्य करते हैं। डिग्री कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के छात्र 50 दिनों का औद्योगिक प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं। औद्योगिक प्रशिक्षण के पश्चात छात्रों को संगोष्ठी में प्रशिक्षण सम्बन्धी विवरण भी प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है।

4.4.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

कम्प्यूटर प्रयोगशाला - I

इस प्रयोगशाला में कम्प्यूटर आधारित आधार मॉड्यूल और डिप्लोमा मॉड्यूल के कार्यक्रमों के लिए प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इसमें छात्रों को विभिन्न प्रकार के कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे विजुएल बेसिक, डी बेस, लोटस, विजुएल सी++ आदि का ज्ञान दिया जाता है। नेरिस्ट के सभी विभागों के विद्यार्थियों को कंप्यूटर की आधारभूत जानकारी से संबन्धित प्रशिक्षण भी इस प्रयोगशाला में दी जाती है। यह प्रयोगशाला I-3 कम्प्यूटरों, लेजरजेट प्रिन्टर, डेस्कजेट प्रिन्टर, डॉट लाईन प्रिन्टर से सुसज्जित है।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला- II

इस प्रयोगशाला में कम्प्यूटर आधारित आधार मॉड्यूल और डिप्लोमा मॉड्यूल के कार्यक्रमों के लिए प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इसमें छात्रों को विभिन्न प्रकार के कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे विजुएल बेसिक, डी बेस, लोटस, विजुएल सी++ आदि का ज्ञान दिया जाता है। नेरिस्ट के सभी विभागों के विद्यार्थियों को कंप्यूटर की आधारभूत जानकारी से संबन्धित प्रशिक्षण भी इस प्रयोगशाला में दी जाती है। यह प्रयोगशाला I-5 कम्प्यूटरों से सुसज्जित है।

प्रणाली प्रयोगशाला - I

प्रणाली प्रयोगशाला - I में सर्वरों तथा लिनक्स, युनिक्स एवं विण्डोज वातावरण में कार्य करने की क्षमता सम्पन्न कम्प्यूटरों की स्थापना की गई है। इस प्रयोगशाला में डिप्लोमा एवं डिग्री छात्रों के लिए प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे सी, सी++, फोर्टन आदि तथा आरडीबीएमएस सॉफ्टवेयर जैसे ओरेकल व एसक्यूएल सर्वर, विजुएल स्टूडियो .नेट, मैटलैब आर-2016 आदि की सुविधा इस प्रयोगशाला में उपलब्ध है। इस प्रयोगशाला में एच सी एल इन्फ्रानिटि ग्लोबल लाइन सर्वर को आई-5 तथा आई-मैक कम्प्यूटरों से जोड़ा गया है। इस प्रयोगशाला में लेजर प्रिन्टर, लाइन प्रिन्टर, डॉट मैट्रिक्स प्रिन्टर, स्केनर आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। इन सभी कम्प्यूटरों को नेरिस्ट स्थानीय नेटवर्क द्वारा जोड़ा गया है, तथा सभी में इन्टरनेट की सुविधा है। विद्यार्थियों को यहाँ नेटवर्क संबंधी परियोजनाओं को करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रणाली प्रयोगशाला - II

प्रणाली प्रयोगशाला - II में एच सी एल सर्वर की स्थापना की गई है, जो कि रेड हट लिनेक्स 4.0 स्वचालन प्रणाली के माध्यम से कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त खासकर यूनिक्स/लिनक्स वातावरण में काम करने के लिए एक एक सन् एल्ट्रा स्पार्क - 10 एस तथा कई एचपी थिन क्लाइंट्स उपलब्ध हैं। इस प्रयोगशाला में आई-7 तथा मैक कम्प्यूटरों की स्थापना की गई है। यहाँ डिग्री एवं एम. टेक कार्यक्रम के विद्यार्थियों की प्रायोगिक कक्षाएँ ली जाती हैं।

माइक्रोप्रोसेसर तथा डिजिटल प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला की स्थापना विभिन्न प्रकार के माइक्रोप्रोसेसर तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर के अध्ययन के लिए की गई है। इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के माइक्रोप्रोसेसर, अंकीय इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की स्थापना की गई है, जो कि कम्प्यूटर यंत्र कार्य प्रणाली उपकरणों के अध्ययन के लिए आवश्यक है। इस प्रयोगशाला में विभाग के डिप्लोमा तथा डिग्री कार्यक्रमों के विद्यार्थी प्रायोगिक कार्य करते हैं। इस प्रयोगशाला में आवर्ती गणना यंत्र, मल्टी मीटर, शक्ति उपकरणों, डिजिटल परिपथ परीक्षण उपकरणों, बहु आवर्ती यंत्रों, ध्वनि उत्सर्जन यंत्रों, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट स्टार-85, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट -68 के, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट -6802, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट- डीवाईएनए86, माइक्रोप्रोसेसर कंट्रोलर डीवाईएनए51, कम्प्यूटरों के लिए एसटीडी आधारित कार्ड, सर्वो नियंत्रित वोल्टेज स्टेबिलाइजर, आइसोलेशन ट्रांसफार्मर, ब्रेड बोर्ड, 85 किट के लिए बुश मॉनिटर रंगीन टेलीविज़न आदि की स्थापना छात्रों के अध्ययन के लिए की गई है।

हार्डवेयर प्रयोगशाला

कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी विभाग के हार्डवेयर प्रयोगशाला की स्थापना कम्प्यूटर उपकरणों, कम्प्यूटरों को जोड़ने, त्रुटि निवारण आदि तथा संबन्धित अन्य विषयों के अध्ययन के लिए की गई है। इन कक्षाओं के सुचारु संचालन के लिए इस प्रयोगशाला में पेन्टीयम कम्प्यूटर (100 मेगाहर्ज, 16 एम बी रेम, 2.1 जीबी हार्डडिस्क), पीसी ओआरजी सिस्टम एक्सटी पीसी जैसे विभिन्न 386 मशीन, पीसी ओरबिट एक्सटी, पीसीएल पीसी एटी 386, विप्रो जीनियस 386, ईएसपीएल सुपरहित एक्सटी, ईएसपीएल सुपरहित एटी, पीसीएल हॉल मार्क-II, तथा जेब्स कलर मॉनिटर, डीओएसएल/50, मोनो मॉनिटर, एचसीएल जीआर-86 वीडियो, वेबेल मॉनिटर जैसे विभिन्न प्रकार के मोनीटर, एक रंगीन टेलीविज़न, टीवीएसई, एल एंड टी और इंकजेट प्रिन्टर, 1 केवी यूपीएस तथा आईएसए पोस्टकार्ड जैसे टूलकित (हार्डवेयर परिचायक कार्ड) एड्वान्सड हार्डवेयर डिबगर कार्ड पीसी प्रशिक्षक सह प्रदर्शनकारी आदि उपलब्ध हैं।

नेटवर्क प्रयोगशाला

विभाग ने नेटवर्क प्रयोगशाला स्थापित की गई है जिसमें एलएएनटी-एनआईयू, एलएएनटी सॉफ्टवेयर सहित लैन टी, लैन टी पीएस जैसे उपकरणों से सुसज्जित है। यहाँ इसेक्यूरिटी - एक नेटवर्क तथा डाटा सुरक्षा प्रशिक्षण प्रणाली भी स्थापित है। इस प्रयोगशाला में आई-5 तथा आई मैक कम्प्यूटरों की स्थापना की गई है। यहाँ डिग्री एवं एम. टेक कार्यक्रम के विद्यार्थियों की परियोजनायें/प्रायोगिक कक्षाएँ ली जाती हैं।

4.4.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

पीएच.डी.

परियोजना का शीर्षक	मार्गदर्शक का नाम	विद्यार्थी का नाम
संसाधन-आधारित संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में स्पेक्ट्रम संवेदी की सुरक्षा	डॉ (श्रीमती) एन मार्चांग	सुश्री रोशनी राजकुमारी

एम.टेक. (सूचना प्रौद्योगिकी) परियोजनायें

क्र.सं.	छात्र का नाम/ रोल क्रमांक	मार्गदर्शक का नाम	परियोजना का शीर्षक
1.	निशिगंधा दत्ता एमटी/16/आईटी/01	डॉ मोइरंगथेम मारजीत सिंह	कृत्रिम न्यूरल नेटवर्क का उपयोग कर तार रहित संवेदी नेटवर्क में वर्महोल अटैक का संज्ञान
2.	भार्गव दास एमटी/16/आईटी/02	श्री कपांग लेगोह	उन्नत वेक्टर क्वांटिफिकेशन विधि से लेखन आश्रित ध्वनी पहचान प्रणाली ।
3.	स्वमदवं बसुमंतरी एमटी/16/आईटी/03	श्री अजीत सिंह यादव	तार रहित संवेदी नेटवर्क के कार्यशिलता अवधि का अनुकूलन।

एम. टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) परियोजनायें

क्र.सं.	छात्र का नाम/ रोल क्रमांक	मार्गदर्शक का नाम	परियोजना का शीर्षक
1.	सुनीता साहा एमटी/16/सीएसई/02	श्री मंजुल सैकिया	पहाड़ी इलाकों के लिए तार रहित संवेदी नोड विकास रणनीति का डिजाइन और विकास
2.	परिस्मिता भुयान एमटी/16/सीएसई/03	श्री प्रदीप कंबोज	संचालन तदर्थ नेटवर्क में रूटिंग तकनीकों का अनुकूलन
3.	नागा किपा एमटी/16/सीएसई/04	डॉ निंगिनला मार्चांग	नेटवर्क ग्राफ आधारित तकनीकों का उपयोग कर संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में स्पेक्ट्रम आवंटन

बी.टेक. परियोजनायें

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम	रोल क्रमांक	पर्यवेक्षक	विषय
1	अलीशा शायला	डीई\16\सीएस\02	श्री अजीत यादव	डब्लूएसएन के लिए ऊर्जा कुशल हाइब्रिड रूटिंग प्रोटोकॉल
2	वडाला पिडे किपा मेरी गपक दुलम	डी\15\सीएस\211 डी\15\सीएस\206 डी\15\सीएस\213	श्री सत्य ज्योति बोराह	अवसरवादी नेटवर्क में एक कुशल रूटिंग डिजाइन
3	हीरक ज्योति सरमाह गाईसिंगम पम्मी	डी\15\सीएस\202 डीई\16\सीएस\04	श्री अमर टैगू	दूरी और कुटलेखन आधारित तकनीक का उपयोग कर सीआरएन में प्राथमिक उपयोगकर्ता अनुकरण आक्रमकता का शमन
4	विकमलिप्टो तिखिर संदीप कुमार	डी\15\सीएस\207 डीई\16\सीएस\07	श्रीमती मार्गरेट कैथिंग	त्वचा कैंसर का पता लगाने के लिए एक आदर्श विधि
5	योगेश नर्रण पटेल तमंची तेरी	डीई\16\सीएस\01 डीई\16\सीएस\05	योगेन्द्र मोहन	बहुआयामी स्रोत प्रमाणीकरण योजना का प्रदर्शन सह मूल्यांकन
6	सुरेश गुरुंग आदित्य आनंद	डीई\16\सीएस\03 डीई\16\सीएस\06	श्री असवानी पात्रा	मशीनी तकनीक के आधार पर कैंसर के निदान में सुधार
7	चैंगरांग एन संगाई लोहित कुमार बोरा	डी\15\सीएस\205 डी\15\सीएस\203	श्री प्रदीप कंबोज	वाहनों के तदर्थ नेटवर्क के लिए दिशा आधारित मार्ग प्रोटोकॉल का विश्लेषण
8	शांगलाई वुनगरिंग सुभंकर दास	डी\15\सीएस\204 डी\15\सीएस\209	श्री मंजुल सैकिया	एन्ड्राईड प्लेटफॉर्म में वितरित लोड शेड्यूलिंग का डिजाइन

डिप्लोमा

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम	रोल क्रमांक	पर्यवेक्षक	विषय
1	शेखर सैकिया सुभम गुप्ता	डी/16/सीएस/105 डी/16/सीएस/102	योगेन्द्र मोहन	ऑनलाइन चैट एप्लीकेशन
2	एन शमानंद थोरसी फेड़रोईजम अनश कु. पटेल	डी/16/सीएस/112 डी/16/सीएस/109 डी/16/सीएस/103	श्री ए के पात्रा	आवाज पहचान ऐप

3	आदित्य शर्मा विकास कुमार शर्मा	डी/16/सीएस/104 डी/16/सीएस/101	श्री प्रदीप कंबोज	ई-कॉमर्स वेबसाइट पर ऑकड़ा खनन टूल्स और तकनीकों का कार्यान्वयन।
4	केसच सिमान्ता एल लेंग नोंगसियांग आपेका आयमी	डी/16/सीएस/108 डी/16/सीएस/111 डी/16/सीएस/110	श्री एस जे बोरा	एनड्रॉईड आधारित अनुप्रयोग

4.4.5 लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों/ कार्यशालाओं का आयोजन

क्र.सं.	शीर्षक	समन्वयक	अवधि	प्रायोजक	प्रतिभागियों की संख्या
1	कंप्यूटर नेटवर्क पर इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ मोइरंगथेम मारजीत सिंह	1 सप्ताह (28 जनवरी -01 फरवरी 2019)	एनआईटीटीटीआर कोलकाता	30
2	कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन संज्ञान	श्री अजीत कु. सिंह यादव	1 सप्ताह (17- 21 दिसंबर 2018)	माइटी, भारत सरकार	23

4.4.6 लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों/ कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की सहभागिता

डॉ एम मारजीत सिंह

- आईईईई 4वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर और संचार प्रणाली - 2019, 23-25 फरवरी 2019, नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी सिंगापुर।
- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट में एनआईटीटीटीआर, कोलकाता द्वारा आयोजित एक सप्ताह का इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम, कंप्यूटर नेटवर्क, 28 जनवरी - 01 फरवरी 2019,
- संकाय विकास कार्यक्रम तार रहित और मोबाइल संचार, 7 दिसम्बर, 2018 को आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित।
- डीएसपी और सेंसर पर संकाय विकास कार्यक्रम 10-14 दिसम्बर, 2018, एनआईटी वारंगल द्वारा आयोजित।
- संकाय विकास कार्यक्रम कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन, 17-21 दिसंबर, 2018 आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित।

डॉ (श्रीमती) एन मार्चांग

- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट में एनआईटीटीटीआर, कोलकाता द्वारा आयोजित एक सप्ताह का इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम, कंप्यूटर नेटवर्क, 28 जनवरी - 01 फरवरी 2019,

श्रीमती एम कैथिंग

- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट में एनआईटीटीटीआर, कोलकाता द्वारा आयोजित एक सप्ताह का इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम, कम्प्यूटर नेटवर्क, 28 जनवरी - 01 फरवरी 2019,

श्री ए के पात्रा

- इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद और हीडलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा संयुक्त रूप से 1-5 अप्रैल, 2019 को आयोजित आयोजित "जैवविज्ञान में बिगडेटा अनुसंधान" कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री अमर टैगू

- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट में 9-10 नवंबर, 2018 के दौरान में आईटीआरए परियोजना के तहत आयोजित शितकालिन कार्यक्रम संज्ञानात्मक रेडियो और वस्तुनिष्ठ इंटरनेट में भाग लिया।
- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट में एनआईटीटीटीआर, कोलकाता द्वारा आयोजित एक सप्ताह का इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम, कम्प्यूटर नेटवर्क, 28 जनवरी - 01 फरवरी 2019,

श्री प्रदीप कंबोज

- आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा 26-30 नवम्बर, 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम बेतार संचार में उभरते रुझान में भाग लिया।
- आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा 3-7 दिसम्बर, 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम बेतार और मोबाइल संचार में भाग लिया।
- एनआईटी वारंगल द्वारा 10-14 दिसंबर, 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम डीएसपी और संवेदी में भाग लिया।

श्री अजीत कुमार सिंह यादव

- बीवीसीओई, नई दिल्ली द्वारा 21-25 मई, 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम छवि व मुद्रण विश्लेषण के वर्तमान आयाम में भाग लिया।
- आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा 26-30 नवम्बर, 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम बेतार संचार में उभरते रुझान में भाग लिया।
- आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा 3-7 दिसम्बर, 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम बेतार और मोबाइल संचार में भाग लिया।
- एनआईटी वारंगल द्वारा 10-14 दिसंबर, 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम डीएसपी और संवेदी में भाग लिया।
- संकाय विकास कार्यक्रम कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन, 17-21 दिसंबर, 2018 आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित।
- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट में एनआईटीटीटीआर, कोलकाता द्वारा आयोजित एक सप्ताह का इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम, कम्प्यूटर नेटवर्क, 28 जनवरी - 01 फरवरी 2019,

योगेन्द्र मोहन

- आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा 26-30 नवम्बर, 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम बेतार संचार में उभरते रुझान में भाग लिया।
- आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा 3-7 दिसम्बर, 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम बेतार और मोबाइल संचार में भाग लिया।
- एनआईटी वारंगल द्वारा 10-14 दिसंबर, 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम डीएसपी और संवेदी में भाग लिया।
- संकाय विकास कार्यक्रम कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन, 17-21 दिसंबर, 2018 आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित।

4.4.8 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित नयी उपाधियाँ

- श्री सत्य ज्योति बोरा को एनएसआईटी से कम्प्युटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई थी।

4.4.9 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित सम्मान/ पुरस्कार आदि

- डॉ. मोइरंगथेम मारजीत सिंह को जून, 2018 में आईईईईई, यूएसए के वरिष्ठ सदस्य ग्रेड में उत्कर्मित किया गया है।

4.4.10 विभागों को बाह्य निकायों द्वारा प्रदत्त परियोजनाएं:

- प्रधान अनुसंधान कर्ता: डॉ. निग्रीनला मार्चांग
परियोजना का शीर्षक : मोबाइल क्राउड-सैंसिंग का उपयोग करके बड़े पैमाने पर आबादी वाले पर्वतीय क्षेत्रों में सार्वजनिक हित घटना की निगरानी, एसईआरबी-डीएसटी, ईईक्यू /2017/000083, 2018 -
रु.30.61 लाख
निधीयन एजेंसी :
स्वीकृति की तिथि: तिथि: 4 सितम्बर, 2018
कुल राशि : रु. 30.61 लाख
- प्रधान अनुसंधान कर्ता: श्री अमर टैगू
परियोजना का शीर्षक : मशीन प्रदर्शन और डेटा विश्लेषण का उपयोग करके उपयोगकर्ता प्रदर्शन प्रबंधन के लिए नेटवर्क विश्लेषण
निधीयन एजेंसी : अभातशिप
स्वीकृति की तिथि: 14 मार्च, 2019
कुल राशि : 12,71,000 रुपये
प्राप्त राशि : 12,51,000/-

4.4.10 आलेखों का प्रकाशन:

संदर्भ जर्नलो में प्रकाशित आलेख

डॉ एम मरजीत सिंह

- सिंह, एम एम एवं मंडल, जे के (2018), "डीएसडीवी पथ प्रोटोकॉल के तहत मोबाइल तदर्थ नेटवर्क की विश्वसनीयता पर ब्लैक होल के हमले का प्रभाव", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम्स, कंट्रोल एंड कम्युनिकेशंस, अंक 9, संख्या1, पृष्ठ 20-30, आईएसएसएन :1755-9340
- सिंह, एम एम एवं बासुमतारी, एच (2018), "मेरम आर: चलायमान सिंक नोड कुशल मार्ग एल्गोरिथ्म सहित बहु क्लस्टर ऊर्जा", ज. साईन्स इंस्टीट्यूट रेस, अंक 77 (01) 2018, पृष्ठ 15-17, आईएसएसएन: 0022-4456

श्री प्रदीप कंबोज

- प्रदीप कंबोज एवं परिस्मिता भूयान (2018) वृद्ध क्षेत्र नेटवर्क के लिए एक एसीओ आधारित पथ प्रोटोकॉल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग साइंसेज पैराडाइज एंड रिसर्च, अंक 47, संख्या 04, तिमाही 04 (अक्टूबर-नवंबर-दिसंबर 2018), पृष्ठ 34-38
- प्रदीप कंबोज एवं अजीत कुमार सिंह यादव, "वस्तुनिष्ठ इंटरनेट: सुरक्षा मसले एवं उपाय, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग, संख्या 6, अंक 12, पृष्ठ 657-661, 2018 डीओआई: [10.26438/ijcse/v6i12.657661](https://doi.org/10.26438/ijcse/v6i12.657661)

श्री अजीत कुमार सिंह यादव

- प्रदीप कंबोज एवं अजीत कुमार सिंह यादव, "वस्तुनिष्ठ इंटरनेट: सुरक्षा मसले एवं उपाय, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग, संख्या 6, अंक 12, पृष्ठ 657-661, 2018 डीओआई: [10.26438/ijcse/v6i12.657661](https://doi.org/10.26438/ijcse/v6i12.657661)
- अजीत कुमार सिंह यादव एवं राजेश कुमार यादव, "मॉनेट हेतु एक विश्वसनीय और सुरक्षित एओडीवी प्रोटोकॉल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, दिसम्बर, 2018, अंक-7, संख्या-4.38, पृष्ठ 893-897

श्री अश्विनी कुमार पात्रा

- मर्चग, एन, टैगू, ए, पात्रा, ए के, (2018) आवृत्ती एवं आदेश विशिष्टताओं का पता लगाकर संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में बीजान्टिन हमले संज्ञान। आईईईई ट्रांजैक्सन्स ओन कॉंजेटिव एण्ड नेटवर्किंग, अंक 4, संख्या 4, 816-824, आईएसएसएन:: 2332-7731

श्री अमर टैगू

- मर्चग, एन, टैगू, ए, पात्रा, ए के, (2018) आवृत्ती एवं आदेश विशिष्टताओं का पता लगाकर संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में बीजान्टिन हमले संज्ञान। आईईईई ट्रांजैक्सन्स ओन कॉंजेटिव एण्ड नेटवर्किंग, अंक 4, संख्या 4, 816-824, आईएसएसएन:: 2332-7731

डॉ निग्रीनला मार्चांग

- **मर्चग, एन**, टैग्लू, ए, पात्रा, ए के, (2018) आवृत्ती एवं आदेश विशिष्टताओं का पता लगाकर संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में बीजान्टिन हमले संज्ञान। आईईईई ट्राजेक्सन्स ओन कॉजेटिव एण्ड नेटवर्किंग, अंक 4, संख्या 4, 816-824, आईएसएसएन: 2332-7731
- राजकुमारी, आर, **मार्चांग, एन**, (2018) गैर-केंद्रीकृत संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में सुरक्षित गैर-सहमति आधारित स्पेक्ट्रम संवेदन। आईईईई सेंसर जर्नल, अंक 18, संख्या 9, 3883 - 3890, 2018
- राजकुमारी, आर, **मार्चांग, एन**, (2018) ढाचागत कॉग्निटिव रेडियो नेटवर्क में बाइनरी निर्णय आधारित कोलैबोरेटिव स्पेक्ट्रम संवेदन। टेलीकॉम, अंक 11-12, डीओआई 10.1007/s12243-018-0670-3
- भट्टाचारजी, एस, **मार्चांग, एन**, (2019) संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में स्पेक्ट्रम संवेदन के दौरान स्थानीय बाहरी कारक के साथ दुर्भावनापूर्ण उपयोगकर्ता का पता लगाना। इंटर. जे. ऑफ एड हॉक एंड यूबिकिटस कंप्यूटिंग (इंडर्स), अंक 30, संख्या 4, 215 - 223

योगेन्द्र मोहन

- योगेन्द्र मोहन, विकास त्रिपाठी, (2018) न्यूरल नेटवर्क पर आधारित फेशियल एक्सप्रेसन संवेदन तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण। इंटर. जे. ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अंक 7, संख्या 4.38 (2018), डीओआई: 10.14419/ijet.vvi4.38.27597

डॉ. एस. जे. बोरा

- वूसांग आई, धुरंधर एस, सिंह जे, बोराह एस. जे. (2019) अवसरवादी नेटवर्क में कुशल ग्रीन संचार के लिए उर्जा दक्ष परिपथ। आईईटी नेटवर्क, मार्च 11, 2019

श्री मंजुल सैकिया

- मनजुल सैकिया और एमडी अनवर हुसैन, (2018) कोस्टारस सारणी आधारित कुंजी पूर्व-वितरण योजना आधारित ताररहित संवेदी नेटवर्क" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन इंजीनियरिंग, आईटी एंड सोशल साइंसेज, आईएसएसएन 2250-0588, खंड 08 अंक 10, अक्टूबर 2018, पृष्ठ 69-74

(बी) सम्मेलन आलेख:

डॉ एम मारजीत सिंह

सिंह, एम एम एवं मंडल, जे के (2019): *विश्वसनीयता सारणी सहित एओडीवी आधारित मोबाइल तदर्थ नेटवर्क में ग्रे होल अटैक विश्लेषण*, 4वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कंप्यूटर और संचार प्रणाली 2019 की कार्यवाही में प्रकाशित, 23-25 फरवरी 2019, पृष्ठ 565-569, नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर।

डॉ निग्रीनला मार्चांग

- फैज मोहम्मद एफ, हुसैन, एमडी ए एवं **मार्चांग, एन** (2018) मशीन संज्ञान का उपयोग करने वाले कोलैसिव ऐप-जोड़े का पता लगाना। आईईईई/ आईईआईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिकी एशिया 2018, जेजू, कोरिया, 24-26 जून 2018

डॉ एस जे बोरा

- बोराह, एस जे, धुरंधर, एस के, वॉसांग, आई, कंधौल, एन, एवं रॉड्रिक्स, जे जे (2018, मई) अवसरवादी नेटवर्क के लिए एक ऊर्जा-कुशल स्थान भविष्यवाणी-आधारित अग्रोषण योजना। आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संचार 2018 (आईसीसी) (पृ. 1-6)

श्री ए के पात्रा

- ए. के. पात्रा, स्नीभर एम., मिश्रा मधुसूदन (2019) प्रभावी सांख्यिकीय संदर्भ बनाना: वर्तमान रुझान, 9वाँ अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन, बैंकॉक, थाईलैंड, 2019

श्री अमर टैगू

अमर टैगू, अभिषेक मुंगोली, एनी टैगू (2018) सघन रूट: मोबाइल एजेंटों का उपयोग करके मॉनेट में ब्लैकहोल का पता लगाने के लिए एक अनुप्रयोग-लेयर योजना। आईईईई-टाईम्स आईकोन, दिसम्बर, 12-14, 2018, बैंकॉक, थाईलैंड, डीओआई: 10.1109/TIMES-ICON.2018.8621825

श्री अजय कुमार सिंह यादव

- आपने 03-06 जून-2019 को यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई, यूएसए में आयोजित 4^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स के वर्तमान रुझान में अपना आलेख "मॉनेट हेतु एक विश्वसनीय और सुरक्षित एओडीवी प्रोटोकॉल" प्रस्तुत किया।

श्री मंजुल सैकिया

- मोनजुल सैकिया एवं मो अनवर हुसैन (2019) ताररहित संवेदी नेटवर्क के लिए डेलुनाय त्रिभुज आधारित प्रमुख वितरण। *द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संकेत प्रसंशरण और सूचना संचार, 19-21 जनवरी, 2019, फुकेत, थाईलैंड।*
- मोनजुल सैकिया एवं एमडी अनवर हुसैन (2018) तार रहित संवेदी नेटवर्क के लिए लॉजिस्टिक मैप का उपयोग करते हुए हल्के क्रिप्टो-प्रोसेसर का कार्यान्वयन। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संचार, उपकरण और नेटवर्क - 2018), सिक्किम, 2-3 जून, 2018, डीओआई: 10.1007/978-981-13-3450-4_55 537. संचार, उपकरण और नेटवर्किंग में अग्रिम। व्याख्यान नोट्स विद्युत अभियंत्रिकी।

पुस्तकों में अध्याय

डॉ एम मारजीत सिंह

- दत्ता, एन एवं सिंह, एम एम (2019): तार रहित संवेदी नेटवर्क में वर्महोल का हमला: एक महत्वपूर्ण समीक्षा। में: जे के मंडल इत्यादि (सम्पादक), एडवांस्ड कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज, इंटेलिजेंट सिस्टम में एडवांस एंड कम्यूटिंग, पृष्ठ 147-161, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्रा.लि.। (2019) डीओआई: <https://doi.org/10.1007/978-981-13-0680-8/14>
- सिंह, एम एम एवं मंडल, जे के (2018) डीएसआर परिपथ प्रोटोकॉल में मॉनेट विश्वसनीयता पर ब्लैक होल हमले का प्रभाव, में: आर के चौधरी इत्यादि (सम्पादक), एडवांस्ड कम्यूटिंग एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज, एडवांस इन इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड कम्यूटिंग 562, पृष्ठ 275-283, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्रा.लि.। (2018) डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-10-4603-2_26
- बसुमतारी, एच एवं सिंह, एम एम (2018): घड़ी की दिशा में चलते हुए मोबाइल सिंक नोड के साथ वहु परत उर्जा दक्ष परिपथ नियम, में: बी टारी इत्यादि (सम्पादक), कंप्यूटर और संचार के वर्तमान आयाम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, नेटवर्क और सिस्टम में लेक्चर नोट्स, पृष्ठ 645-654, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्रा.लि.। (2018) डीओआई: <https://doi.org/10.1007/978-981-10-8198-9-1667>

डॉ निग्रीनला मार्चाग

- फैज़, आई एफ, हुसैन, एम डी, ए, मार्चाग, एन, (2019) ऐप- दो स्तर क्लासिफायर का उपयोग करके सघनता संवेदन, में: बरौली, एल, टकिजावा, एम, ज़ाफा, एफ, एनोकिडो, टी (सम्पादक), वेब, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। 33 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नेटवर्क उपयोग, उन्नत सूचना नेटवर्क और अनुप्रयोग की कार्यवाही -2019, डीओआई 978-3-030-15035-8-68
- सिंह डब्ल्यू एन, मार्खग एन (2019) संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में स्पेक्ट्रम आवंटन में सुरक्षा भेद्यता। में: कमल आर, हेन्शॉ एम, नायर पी (म्पादक) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, उन्नत कम्प्यूटिंग नेटवर्किंग और सूचना विज्ञान में अग्रिम, अंक 870 स्प्रिंगर, सिंगापुर, फरवरी 22-24, 2018, इंदौर, भारत। 10.1007 / 978-981-13-2673-8_24

योगेन्द्र मोहन

- मोहन वाई, कृष्णा सी आर, सिंह के (2018) बहुआयामी प्रमाणीकरण योजना का प्रदर्शन मूल्यांकन। में: बोखारी एम, अग्रवाल एन, सैनी डी (सम्पादक), एडवांटेज इन इंटेलिजेंट सिस्टम एण्ड कोम्नीकेशन, अंक 729, स्प्रिंगर, सिंगापुर।

श्री मंजुल सैकिया

- मंजुल सैकिया एवं मो अनवर हुसैन "तार रहित संवेदी नेटवर्क में न्यूनतम कोण अनुमार्गण के लिए एक प्रमुख कुंजी पूर्वानुमान योजना", इन्टीग्रेटेड इन्टेलीजेंट कम्नीकेशन एण्ड सिक्युरीटी, स्प्रिंगर सिंगापुर 2019, पृष्ठ 301--309, आईएसबीएन 978-981-10-1 8797-4, डीओआई = 10.1007 / 978-981-10-8797-4_32

4.4.11 विभिन्न एजेंसियों के साथ संकाय सदस्यों का सम्पर्क

- डॉ एम मरजित सिंह ने 4 दिसम्बर 2018 को प्रभावी आईई (आई) अरुणाचल प्रदेश राज्य केन्द्र के कार्यकारी सदस्य हैं।

4.4.12 छात्रों की उपलब्धियां:

पूल परिसर साक्षात्कार के चयनित छात्र

क्र.सं.	छात्र का नाम	अनुक्रमांक	कंपनी
1.	अनिर्बान सरकार	डी / 15 / सीएस / 105	इंफोसिस
2.	रचना राज	डी / 15 / सीएस / 106	इंफोसिस
3.	ज्योस्मिता दास	डी / 16 / सीएस / 210	फिडेलिटी नेशनल फ़ाइनेंस

गेट 2019 में सफल छात्र

क्र.सं.	छात्र का नाम	अनुक्रमांक
1.	मल्मान्गनबा सुबम	डी / 15 / सीएस / 101
2.	थानघौ खुप जू	डी / 15 / सीएस / 102
3.	अनिर्बान सरकार	डी / 15 / सीएस / 105
4.	किप ताचक	डी / 15 / सीएस / 109
5.	दीपंकर मित्रा	डी / 16 / सीएस / 207

4.5 इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

4.5.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1985 में हुई थी। विभाग में प्रथम बैच को वर्ष 1986 में प्रवेश प्रदान किया गया था। यह विभाग तीन पूर्व स्नातक स्तर पर प्रमाण पत्र, डिप्लोमा तथा बी.टेक. उपाधि कार्यक्रमों तथा स्नातकोत्तर एम.टेक. कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। इन कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम का निर्धारण प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम, आधारभूत ज्ञान, इलेक्ट्रानिकी एवं संचार के क्षेत्र में अपेक्षित जनशक्ति तथा राष्ट्र निर्माण के लिए शैक्षिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। विभाग में वर्ष 2012 से स्नातकोत्तर कार्यक्रम (वी एल एस आई में एम टेक) चलाया जा रहा है। तथा इस वर्ष से इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी में एम.टेक. कार्यक्रम आरम्भ किया गया है। यह विभाग वृहद समाकलन और सूचना प्रौद्योगिकी में पीएच.डी. कार्यक्रम (अंश कालिक और पूर्ण कालिक) का भी संचालन कर रहा है। विभाग में कुल 13 संकाय सदस्य हैं, जिनमें से दो क्यूआईपी अवकाश पर क्रमशः जादबपुर विश्वविद्यालय और एमएनआईटी इलाहाबाद में पीएच.डी. कर रहे हैं। विभाग के एक संकाय सदस्य पद स्थापन पर त्रिपुरा विश्वविद्यालय में अपनी सेवार्यें प्रदान कर रहे हैं।

4.5.2 शैक्षणिक गतिविधियाँ

यह विभाग नेरिस्ट की मॉड्यूलर पद्धति के अनुसार शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिसमें अनुरक्षण अभियांत्रिकी में प्रमाण-पत्र, तथा इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी में डिप्लोमा तथा उपाधि की शिक्षा प्रदान की जा रही है। विभाग के एम. टेक. और पीएच.डी. छात्रों को देश भर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने और अपने शोध आलेख प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग के अंतर्गत नेरिस्ट इलेक्ट्रानिकी समिति (एन.ई.एस) एक महत्वपूर्ण निकाय है, जो छात्रों के लिए विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता है। विभाग ने अन्य विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों/ विशेषज्ञों की तकनीकी सहयोगिता में कई संगोष्ठियों एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया था।

4.5.3 प्रयोगशाला व प्रयोगशाला विकास

विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रायोगिक अध्ययन के लिए विभाग में 14 प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। विभाग ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त वित्तीय सहायता से डी.एस.पी. प्रयोगशाला का आधुनिकीकरण किया था। विभाग वी.एल.एस.आई. और कम्प्यूटर नेटवर्क प्रयोगशाला को ओर अधिक विकसित कर रहा है। विभाग ने एम टेक (वी.एल.एस.आई.) पाठ्यक्रमों के लिए प्रयोगशालाओं को उन्नत करने का कार्य आरंभ कर दिया है जिसके लिए ओ.आर.सी.ए.डी. तथा माइक्रोविंड डिजाइन सॉफ्टवेयर व केडेंस के साथ साथ वी.एच.डी.एल. आधारित किट व जिलिंक्स, टी आई 6713 सीरीज डी.एस.पी. किट आदि का क्रय कर लिया गया है। डी एस पी और कंप्यूटर प्रयोगशाला में बिना बाधा के नियमित विद्युत आपूर्ति के लिए ऑनलाइन यूपीएस और बैटरी क्रय की गई है।

4.5.4 छात्रों द्वारा संपूर्ण परियोजनाएं:

क. स्नातक (बी.टेक.) परियोजनाएं:

क्र.सं.	नाम	अनुक्रमांक	शीर्षक	परामर्शदाता
1	डोनाल्ड लेशराम न्यानबेमो नगुली सचिन कुमार सिंह शशांक एस त्रिपाठी	डीई/16/EC/024 डीई/16/EC/004 डीई/16/EC/018 डीई/16/EC/025	गूगल लोगो के लिए एक हस्त इशारा से ध्वनी रूपांतरण स्मार्ट दस्ताने	डॉ अहिबम दिनामणि सिंह सह आचार्य
2	लज्जमिथ लेपचा सागरमाय बैद्य अतनु चक्रवर्ती	डीई/16/EC/208 डीई/16/EC/201 डीई/16/EC/012	सीएफओए के उपयोग से यूनिवर्सल बिकायार्ड फिल्टर निष्पादन	डॉ त्रिपुरारी शरण सहायक आचार्य
3	मर्लिन मारिया सैलून पल्लवी कुमारी एल सुरमाला	डीई/16/EC/002 डीई/16/EC/008 डीई/16/EC/011	आईसीयू में गंभीर और गैर-गंभीर मरीजों का पता लगाना	श्री मोडरंगथेम एडिसन सिंह सहायक आचार्य
4	अनुपम कुमारी सुजीत कुमार सिंह आशीष कुमार मिश्रा वाशिमा अख्तर	डीई/16/EC/003 डीई/16/EC/013 डीई/16/EC/022 डीई/16/EC/203	एपिकेंटर और भूकंप की तीव्रता के जीपीएस आधारित अग्रदूत पर अध्ययन	श्री प्रणब किशोर दत्ता सहायक आचार्य
5	पाईनकेमनबा वानांग नयटो टाटो नगंगबम माईकल सिंह ख्वायकृपम रबी सिंह	डीई/16/EC/206 डीई/16/EC/212 डीई/16/EC/204 डीई/16/EC/205	अलार्म सुरक्षा प्रणाली	श्री अखो जॉन ऋचा सहायक आचार्य
6	सुनंदा भौमिक देवदाली राँय सौम्या कुमारी	डीई/16/EC/009 डीई/16/EC/010 डीई/16/EC/017	चैनल अनुमान फोर्लेट डाउनलिक पर अध्ययन	डॉ जोयात्री बोरा सहायक आचार्य

7	अरिजीत भद्र अभय भट्टाचार्य संदीप बानिक	डीई/16/EC/020 डीई/16/EC/021 डीई/16/EC/023	मशीन लर्निंग के उपयोग से वक्ता की पहचान	श्री मोइरंगथेम एडिसन सिंह सहायक आचार्य
8	अरुणा भारती डिचेन डी शेरपा मीमोह हक	डीई/16/EC/014 डीई/16/EC/015 डीई/16/EC/001	स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली	डॉ राजेश कुमार सह आचार्य
9	नेमिरापकम प्रेमजीत सिंह राहुल कुमार संतटीमन एओ निशांत प्रतिहस्त	डीई/16/EC/019 डीई/16/EC/006 डीई/16/EC/016 डीई/16/EC/202	द्वी मोड नियंत्रित व्हीलचेयर	श्री अनिल कुमार गौतम सहायक आचार्य
10	अभिनव रॉय प्राणजय मेहता रेंगारी देबबर्मा	डीई/16/EC/007 डीई/16/EC/005 डीई/16/EC/209	कुलबेक लेईबलर कलन विधि से सुलेख वर्गीकरण रायटर न्यूस्वायर (1987) दस्तावेज़	श्री रूसनी कीमा मगांग सहायक आचार्य

ख. स्नातकोत्तर (एम.टेक) परियोजनाएं:

क्र.सं.	नाम	अनुक्रमांक	शीर्षक	परामर्शदाता
1	अनन्या भट्टाचार्य	एमटी/16/ ईसी/01	छवि प्रसंस्करण के आधार पर फेफड़े के कैंसर का पता लगाना	डॉ स्वनिर्भर मजूमदार सहायक आचार्य
2	लशराम मोना देवी	एमटी/16/ ईसी/02	सामान्यीकृत के-फेडिंग चैनल ओडब्ल्यूडीपी पर एमआरसी रिसीवर क्षमता के विश्लेषण पर एक अध्ययन	डॉ अहिबम दिनमणि सिंह सह आचार्य
3	संदीप सिंह	एमटी/16/ ईसी/03	सब्सट्रेट एकीकृत वेवगाइड कु-बैंड सैटेलाइट संचार के लिए फ़िल्टर	श्री मोइरंगथेम एडिसन सिंह सहायक आचार्य
4	रामखुन गंगमई	एमटी/16/ईसी/05	संचार तंत्र सह-चैनल पर अध्ययन हस्तक्षेप और प्रदर्शन सेलुलर का विश्लेषण	डॉ राजेश कुमार सह आचार्य

5	निवेदिता दास	एमटी/16/ईसी/ 06	ईजीसी के साथ सहकारी विविधता पर नाकगामी-एम फंडिंग चैनल और प्रदर्शन डिजिटल संचार पर सामान्यीकृत के-फेडिंग चैनल क्षमता के विश्लेषण पर एक अध्ययन	डॉ अहिबम दिनमणि सिंह सह आचार्य
6	फैजुर रहमान बाबुल	एमटी/16/ईसी/07	लघु कोशिका सेलुलर नेटवर्क के लिए तीव्रता सेल-एज से प्रभावित क्षेत्र पर एक अध्ययन	डॉ जायात्री बोरा सहायक आचार्य
7	प्रयाग बजाई	एमटी/16/ईसी/08	सीमांस का रेखिय संगत सिएफओए संकेत फिल्टर डिज़ाइन और विश्लेषण	डॉ त्रिपुरारी शरण सहायक आचार्य
8	कहोईरोम जॉनसन सिंह	एमटी/16/ईसी/09	सीमांस जैवऔषधि उपयोग के लिए उपकरण विस्तारक का डिज़ाइन और विश्लेषण	डॉ त्रिपुरारी शरण सहायक आचार्य
9	कैथरीन लनगपोकलाकम	एमटी/16/ईसी/10	परिपथ व्यापक फैन-इन गेट्स के लिए उच्च प्रदर्शन रिसाव सहिष्णु कीपर डोमिनोज़	श्री प्रणब किशोर दत्ता सहायक आचार्य
10	शुभम झा	एमटी/16/ईसी/11	संशोधित गेट डिफ्यूजन इनपुट तकनीक का अध्ययन और प्रदर्शन विश्लेषण	श्री अनिल कुमार गौतम सहायक आचार्य
11	दीपिका यादव	एमटी/16/ईसी/12	एसरॉम अनुप्रयोग हेतु एम्पलीफायर टोपोलॉजी संवेदी का डिजाइन और विश्लेषण	श्री अखो जॉन ऋचा सहायक आचार्य
12	तक्लेम्बम् गौतम मतेई	एमटी/16/ईसी/13	हृदय स्थिति संकेत हेतु के लिए पीसीजी संकेतों का एफपीजीए आधारित विश्लेषण	डॉ स्वनिर्भर मजूमदार सहायक आचार्य
13	निंगथौजम चिंगखे	एमटी/16/ईसी/14	उच्च गति अनुप्रयोगों के लिए 128 बिट क्रमबद्ध समानांतर अतिरेक का डिजाइन और तुलना	श्री रसनी कीमा मंगाग सहायक आचार्य

4.5.5 विभाग द्वारा आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम/ सम्मेलन

क्र.सं.	पाठ्यक्रम/ सम्मेलन का शीर्षक	समन्वयक	अवधि	निधिकरण संगठन	प्रतिभागियों की संख्या
1	ताररहित संचार में उभरते रुझान	डॉ जे बोरा श्री एम मिश्रा	एक सप्ताह, 26-30 नवंबर, 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी	30
2	ताररहित और मोबाइल संचार	डॉ आर कुमार श्री ए. के. राय	एक सप्ताह, 03-07 दिसंबर, 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी आईआईटी गुवाहाटी	29
3	डिजिटल संकेत प्रसंस्करण और संवेदी	डॉ आर कुमार श्री ए. के. राय	एक सप्ताह, 10-14 दिसंबर 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी आईआईटी गुवाहाटी	25

4. श्री ए के राय द्वारा आमंत्रित वार्ता

- एनआईटी मिजोरम में 08-12 अक्टूबर, 2018 से मॉडलिंग उपकरणों में सिनपोसिस सेंटरस टीसीएडी टूल का अनुप्रयोग

4.5.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमो/ सम्मेलनों में संकाय सदस्यों की सहभागिता

क्र.सं.	नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण	अवधि	आयोजक
1	आचार्य एमडी अनवर हुसैन	ताररहित संचार में उभरते रुझान पर तकनीकी व्याख्यान आयोजित किया	30/11/2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी

2	डॉ अहिबम दिनमणि सिंह	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सूचना संचार अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी	अगस्त 29-31, 2018	जील कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड रिसर्च, नरहे, पुणे, भारत
3	डॉ अहिबम दिनमणि सिंह	ताररहित संचार में उभरते रुझान	26-30 नवंबर, 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
4	डॉ अहिबम दिनमणि सिंह	ताररहित और मोबाइल संचार	03-07 दिसंबर, 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
5	डॉ अहिबम दिनमणि सिंह	डिजिटल संकेत प्रसंस्करण और संवेदी	10-14 दिसंबर 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
6	डॉ अहिबम दिनमणि सिंह	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण बुद्धिमत्ता व आईओटी	15 दिसंबर, 2018	एनआईटी अगरतला, भारत
7		विद्युत चुम्बकीय स्मार्ट संवेदी और संकेत प्रसंस्करण उपकरण	02-04 अप्रैल, 2018	आईआईटी, बॉम्बे
8	डॉ राजेश कुमार	5जी संचार	11-15 जून, 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
9	डॉ राजेश कुमार	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 4वां ग्रीन कम्प्यूटरीकरण और अभियांत्रिकी	17 अगस्त - 19 अगस्त 2018	अलबोर्ग विश्वविद्यालय, नील्स बोहर्सविज 8, एसबर्ज, डेनमार्क

10	डॉ राजेश कुमार	ताररहित और मोबाइल संचार	03-07 दिसंबर, 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
11	डॉ राजेश कुमार	डिजिटल संकेत प्रसंस्करण और संवेदी	10-14 दिसंबर 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
12	डॉ राजेश कुमार	4वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर व इलेक्ट्रॉनिकी विज्ञान में वर्तमान रुझान	03-06 जनवरी, 2019	हवाई विश्वविद्यालय (मनोआ परिसर) होनोलुलु, हवाई, यूएसए
13	डॉ राजेश कुमार	कम्प्यूटर नेटवर्क	28.01.19 से 01.02.19	कम्प्युटर विज्ञान एवं अभियंत्रिकी विभाग, नेरिस्ट में नेरटर, कोलकाता के सहयोग से
14	डॉ त्रिपुरारी सरन	ताररहित और मोबाइल संचार	03-07 दिसंबर, 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
15	डॉ जायत्री बोरा	ताररहित संचार में उभरते रुझान	26-30 नवंबर, 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
16	डॉ जायत्री बोरा	ताररहित और मोबाइल संचार	03-07 दिसंबर, 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
17	डॉ जायत्री बोरा	डिजिटल संकेत प्रसंस्करण और संवेदी	10-14 दिसंबर 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी

18	डॉ जायत्री बोरा	कम्प्यूटर नेटवर्क	28.01.19 से 01.02.19	कम्प्युटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट में नेरटर, कोलकाता के सहयोग से
19	प्रणब किशोर दत्ता	ओप-एम्प व्यावहारिक अनुप्रयोग: डिज़ाइन, सरलीकरण और क्रियान्वयन (एनपीटीईएल ऑनलाइन पाठ्यक्रम)	12 सप्ताह (जुलाई-अक्टूबर 2018)	एनपीटीईएल-एआईसीटीई
20	प्रणब किशोर दत्ता	आईईईई अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण, शक्ति और संचार तकनीकी-2018	28-29 सितंबर 2018	गलगोटियास विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, भारत
21	प्रणब किशोर दत्ता	ताररहित संचार में उभरते रुझान	26-30 नवंबर, 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
22	मधुसूदन मिश्रा	अनुसंधान में उभरते उपकरण और प्रौद्योगिकी पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला।	05-09 नवंबर, 2018	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा
23	मधुसूदन मिश्रा	ताररहित संचार में उभरते रुझान	26-30 नवंबर, 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
24	मधुसूदन मिश्रा	ताररहित और मोबाइल संचार	03-07 दिसंबर, 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी

25	मधुसूदन मिश्रा	डिजिटल संकेत प्रसंस्करण और संवेदी	10-14 दिसंबर 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
26	मधुसूदन मिश्रा	कम्प्यूटर नेटवर्क	28.01.19 से 01.02.19	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट में नेरटर, कोलकाता के सहयोग से
27	मधुसूदन मिश्रा	एक सप्ताह अभातशिप कार्यक्रम ने शहर योजना के लिए फॉस हेतु दूर संवेदी, भू-सूचना और छवि प्रशसकरण अनुप्रयोग	4-10 मार्च 2019	रणबीर और चित्रा गुप्ता स्कूल ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर डिजाइन एण्ड मैनेजमेंट, तथा आईआईटी खड़गपुर
28	ए के रॉय	एएनएन और गहन अध्ययन	11-15 जून, 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
29	ए के रॉय	ताररहित और मोबाइल संचार	03-07 दिसंबर, 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
30	ए के रॉय	डिजिटल संकेत प्रसंस्करण और संवेदी	10-14 दिसंबर 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
31	ए के रॉय	नैनो ट्रांजिस्टर का सरलीकरण व अनुकरण	जनवरी 21-25, 2019	विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी कानपुर
32	ए के रॉय	कम्प्यूटर नेटवर्क	28.01.19 से 01.02.19	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट में नेरटर, कोलकाता के सहयोग से

33	रुसनी कीमा मंगाग	ग्रीष्मकालीन संकाय अनुसंधान कार्यक्रम	10 जून - 10 जुलाई 2018	क्युआईपी ऑफिस आईआईटी दिल्ली
34	रुसनी कीमा मंगाग	डिजिटल संकेत प्रसंस्करण और संवेदी	10-14 दिसंबर 2018	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
35	रुसनी कीमा मंगाग	सूचना तकनिक: गेटवे टू स्मार्ट फ्यूचर।	12-17 अप्रैल 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी, मेयटी और एनआईटी मणिपुर
36	एम एडिसन सिंह	सूचना तकनिक: गेटवे टू स्मार्ट फ्यूचर।	12-17 अप्रैल 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी, मेयटी और एनआईटी मणिपुर
37	एम एडिसन सिंह	तार रहित संचार में उभरता रुझान	26-30 नवंबर 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी, मेयटी और नेरिस्ट
38	एम एडिसन सिंह	ताररहित मोबाइल संचार	3-7 दिसम्बर 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी, मेयटी और नेरिस्ट
39	एम एडिसन सिंह	डिजिटल संकेत प्रसंस्करण और संवेदी	10-14 दिसंबर 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी, मेयटी और नेरिस्ट

40	एम एडिसन सिंह	2वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक्स, संकेत प्रसंस्करण और संचार में नवाचार	2 मार्च 2019	एनआईटी मेघालय
41	अनिल कुमार गौतम	डिजिटल संकेत प्रसंस्करण और संवेदी	10-14 दिसंबर 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी, मेयटी और नेरिस्ट
42	अनिल कुमार गौतम	ताररहित मोबाइल संचार	3-7 दिसम्बर 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी, मेयटी और नेरिस्ट
43	अनिल कुमार गौतम	तार रहित संचार में उभरता रुझान	26-30 नवंबर 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी, मेयटी और नेरिस्ट

4.5.7 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई उपाधि / व्यावसायिक सदस्यता:

- श्री रुस्नी कीमा मंगांग आईईई की सदस्यता प्राप्त की थी। संख्या: 92549462

4.5.8 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त उपलब्धियां / पुरस्कार / मान्यता: नहीं

4.5.9 विभाग के संकाय सदस्यों में बाहरी एजेंसियों द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं

प्रधान अनुसंधान कर्ता	परियोजना का शीर्षक	निधीयन संगठन	स्वीकृति की तिथि	संपूर्ण रकम	समय
डॉ अहिबम दिजमणि सिंह	वहु-विशेष छवि के उपयोग से एक स्वतः निगरानी इ-कार्ट का नमुना	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय नई दिल्ली	26/10/2018	40.00 लाख	तीन साल के लिए

4.5.10 प्रकाशन

- * संदर्भित जर्नल: 28
- * सम्मेलन पत्र: 22
- * किताबें: अध्याय: 03

संदर्भित जर्नल

आचार्य मो. अनवर हुसैन के प्रकाशन

- तशरीर अली शेख, जोयात्री बोरा एवं मो ए हुसैन (2019) संयुक्त उपयोगकर्ता और एंटीना प्रीकोडिंग तकनीक का उपयोग करते हुए बड़े पैमाने पर एमआईएमओ में चयन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सेंसर, वायरलेस कम्युनिकेशंस एंड कंट्रोल*, अंक 9, संख्या 1, पृष्ठ .1-10, 2019(प्रभाव कारक: 0.18)
- मोनजुल सैकिया एवं मो ए हुसैन(2019) ताररहित संवेदी नेटवर्क में न्यूनतम कोण राउटिंग के लिए एक आदर्श पूर्व-विभाजन योजना। *इंटीग्रेटेड इंटेलेजेंट कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन और सिक्योरिटी*, सिंगापुर, 2019, पृष्ठ 301-309, 2019
- फैज़, एमएफआई, मार्चांग, एन एवं एमडी ए हुसैन (2019), क्लासिफायर का उपयोग करते हुए दोहरी ऐप-सघनता आकलन। *वेब, आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस एंड नेटवर्क एप्लिकेशन*, अंक-927, चाम, 2019
- जनमोनी बोरा, मो अनवर हुसैन एवं जॉयत्री बोरा, "3-सेल और 7-सेल HetCN में सेल-बाउंड्री उपयोगकर्ताओं पर इंटर-सेल हस्तक्षेप का प्रभाव," *रेडियोइलेक्ट्रॉनिक और संचार प्रणाली*, 2019(प्रभाव कारक: 0.39)
- जनमोनी बोरा, अनवर हुसैन एवं जॉयत्री बोरा(2019), हेटेरोजीनस सेल्युलर नेटवर्क में लघु सेल परिनियोजन के साथ ऊर्जा दक्षता पर प्रभाव, *इंटरनेट प्रौद्योगिकी पत्र*, 2019
- ताशीर अली शेख, जॉयत्री बोरा एवं मो ए हुसैन(2018) "सेमी-ऑर्थोगोनल और यादृच्छिक उपयोगकर्ता चयन के साथ अत्यधिक विस्थापित चैनल में बड़े पैमाने पर एमआईएमओ सिस्टम का प्रदर्शन। *रेडियोइलेक्ट्रॉनिक एण्ड कोमनीकेशन सिस्टमस*, अंक-61, संख्या-12, पृष्ठ 547-555, 2018, (प्रभाव कारक: 0.39)

डॉ ए डी सिंह के प्रकाशन

- निबेदिता दास, लाईशराम मोना देवी, सुपर्णा गोस्वामी एवं अहिबाम दिनामनी सिंह (2019) सामान्यीकृत के-फेडिंग चैनल पर डिजिटल संचार का एक अध्ययन। *एडवांस इन कम्युनिकेशन, डिवाइसेज एंड नेटवर्किंग, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, पीटीई लिमिटेड 2019, पृष्ठ 277 - 284* *पर्यवेक्षक
- लिशराम मोना देवी, निबेदिता दास, सुपर्णा गोस्वामी एवं अहिबाम दिनामनी सिंह (2019) "ओडब्ल्यूडीपी विस्थापित चैनल पर एमआरसी की क्षमता का एक अध्ययन" *एडवांस इन कम्युनिकेशन, डिवाइसेज एंड नेटवर्किंग, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, पीटीई लिमिटेड 2019, पृष्ठ 229 - 238* *पर्यवेक्षक
- लिशराम मोना देवी, निबेदिता दास, सुपर्णा गोस्वामी एवं अहिबाम दिनामनी सिंह (2019) सामान्यीकृत के-फेडिंग चैनल में क्षमता विश्लेषण", *एडवांस इन कम्युनिकेशन, डिवाइसेज एंड नेटवर्किंग, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, पीटीई लिमिटेड 2019, पृष्ठ 297 - 305**पर्यवेक्षक

- अहिबाम दिनमणि सिंह , सुपर्णा गोस्वामी एवं लाईशराम मोना देवी(2018) ऑकड़ा दर विश्लेषण आईओटी अनुप्रयोगों के लिए छायांकित विस्थापित चैनल" एल्सेवियर इंटरनेशनल जर्नल कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एण्ड आईओटी, अंक 1, संख्या 1, 2018, पृष्ठ 116-119 *पर्यवेक्षक
- किशोरजीत नॉगमीकापम, वाहेंगबम कानन कुमार, रानिता खुमुकम एवं अहिबाम दिनमणी सिंह (2018) आनुवांशिक रूप से बेहतर फजी-मार्कोवियन निर्णय सम्बन्ध मॉडल का उपयोग करते हुए चिकित्सा और कैमरे का एक रंग विभाजन। डीओआई: 10.3233/JIFS-17968, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फ़ज़ी सिस्टम्स, 2018, पृष्ठ 1147-1160 * सुपरवाइजर
- किशोरजीत नॉगमीकापम, वेहंगबम कानन कुमार और अहिबाम दिनमणि सिंह , "क्लस्टर के लिए एक तेज़ और स्वचालित रूप से संगठन योग्य जीआरबीएफ कर्नेल आधारित फ़ज़ी सी-मीन्स फ़ीचर निष्कर्षण और एमआर छवि का विभाजन। डीओआई: [10.1049/iet-jpr.2017.1102](https://doi.org/10.1049/iet-jpr.2017.1102), ऑनलाइन आईएसएसएन 1751-9667, आईईटी ईमेज प्रोसेस, 2018, अंक 12 ई.स. 4, पृष्ठ513-524 * पर्यवेक्षक ।

डॉ राजेश कुमार के प्रकाशन

- कूर्मेंद्र, राजेश कुमार(2019) सक्रीय विभव के बिना संवेदीकरण में सक्रियण विभव और आरएफ प्रदर्शन को सुधारने के लिए Si₃N₄ और एयू बीम सामग्री के साथ एमईएमएस शंट कैपेसिटिव स्विच का डिजाइन और विश्लेषण। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक मिटेरियल्स। कोरिया विद्युत और इलेक्ट्रॉनिकी सामग्री अभियन्ता संस्थान, <https://doi.org/10.1007/s42341-019-00112-y>, ऑनलाइन, अंक: 3, पृष्ठ 1-10, अप्रैल 2019, स्प्रिंगर, ऑनलाइन आईएसएसएन 2092-7592
- कुमरेंद्र, जगदीप राहुल, राजेश कुमार(2019) मलेरिया प्रोटोजोअन परासाइट्स के पता लगाने के लिए माइक्रो-कॅटिलीवर एमईएमएस जैव संवेदी। जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एण्ड एप्लाइड मेकेनिक्स। डीओआई: तेहरान विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन प्रकाशित 10-202059/ jcamech.2019.276035.36, फरवरी 2019, 2423-6713
- कुरमेंद्र, राजेश कुमार, "वीओसी में मौजूद संभावित जैव मार्करों का उपयोग करके कैंसर का पता लगाने के लिए एमईएमएस आधारित कॅटिलीवर जैव संवेदी: एक सर्वेक्षण। माइक्रोसिस्टम्स टेक्नोलॉजीज माइक्रोसिस्टम्स टेक्नोलॉजीज, <https://doi.org/10.1007/00542-019-04326-1>, ऑनलाइन, फरवरी 2019, स्प्रिंगर-वेरलाग जीएमबीएच जर्मनी, स्प्रिंगर नेचर 2019
- कूर्मेंद्र, राजेश कुमार (2019) कम स्वीच प्रक्रिया हेतु शंट कैपेसिटिव स्विच का डिजाइन और सरलीकरण। 3सी टेनोलोजिया जर्नल, संख्या -8, अंक -2, पेजों में,167-178, जनवरी 2019, डीओआई: <http://dx.doi.org/10.17993/3ctecno.2019.specialissue.15>
- आशीष गुप्ता, राजेश कुमार(2018) एक आईओटी सक्षम वायु गुणवत्ता मापन। इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, अंक 11 (46), पृष्ठ: 1-6, डीओआई: 10.17485/ijst/2018 /v11i46/139720, दिसंबर 2018, आईएसएसएन (मुद्रण): 0974-6846 आईएसएसएन (ऑनलाइन): 0974-5645

श्री एम मिश्रा का प्रकाशन

- एम मिश्रा, एच मेनन एवं ए मुखर्जी(2018) स्टैक्ड ऑटोकेन्डर और कंसिस्टेंट न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करते हुए एस1 और एस2 दिल की विशेषता का आकलन। आईईईई ट्रांजेक्शंस ओन इंस्ट्रुमेंटेशन एंड मेजरमेंट्स। p1.10.109 / TIM.2018.2872387 (आरंभिक अभिगम), 2018

डॉ पी के दत्ता के प्रकाशन

- एस आर घिमरे, पी के दत्ता (2019) लीकेज सहनशील हाइब्रिड एक्स-ओर गेट के लिए आदर्श लीकेज धारा को कम करने की तकनीक। जर्नल ऑफ एनालिसिस एंड कंपटीशन, 13 (2),

<http://www.ijaonline.com/novel-lage-current-reduction-dominotechniqueleakage-tolerant-xor-gate>

- एस आर घिमरे, पी मेहेर, पी के दत्ता (2018) अल्ट्राडिप सबमरीन टेक्नोलॉजी हेतु अति अल्प शक्ति, कम व्यवधान द्वि स्टेज - क्लॉक - इनवर्टर डोमिनो तकनीक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्किट थ्योरी एंड एप्लीकेशंस 46 (11), 1953-1967, <https://doi.org/10.1002/cta.2524> (एससीआई प्रभाव कारक 1.444)
- ए जैन, ए घोष, पी के दत्ता, एन बी सिंह, एस के सरकार (2018) एकल इलेक्ट्रॉनिकी परिपथ की त्रुटि संभावना स्वतंत्र विलंब विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्किट थ्योरी एंड एप्लीकेशन, 46 (2), 290-298, <https://doi.org/10.1002/cta.2389> (एससीआई प्रभाव कारक 1.444)
- सी लैंगपोकलपकम, एस आर घिमिरय, पी के दत्ता (2019) वृहद फैन-इन गेट हेतु एक आदर्श व दक्ष लीकेज-टोलरेंट कीपर डॉमिनो परिपथ। एडवांस इन कम्युनिकेशन, डिवाइसेज एंड नेटवर्किंग, स्प्रिंगर, सिंगापुर, पृष्ठ 11-19

डॉ जॉयत्री बोरा के प्रकाशन

- जनमोनी बोरा एवं जायत्री बोरा(2018) सेल-एज और हॉटस्पॉट से प्रभावित सेलुलर नेटवर्क के लिए सेल तीव्रता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम, अंक 31, संख्या 15, 3788, अगस्त 2018 वेब ऑफ साइन्स, डीओआई: 10.1002/dac.3788
- तशेर अली शेख, जोयत्री बोरा, अनवर अनवर हुसैन(2018) संयुक्त उपयोगकर्ता और एंटीना चयन का बड़े पैमाने पर एमआईएमओ में प्रीकोडिंग तकनीक का उपयोग।" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ्यूचर जनरेशन कम्युनिकेशन नेटवर्किंग, वॉल्यूम .11.5 (2018), पृष्ठ 27-36
- तशरीर अली शेख, जोयात्री बोरा एवं मो अनवर हुसैन(2018) उप लम्बवत और त्वरित उपभोक्ता चयन के साथ अत्यधिक विस्थापित चैनल में बड़े पैमाने पर एमआईएमओ प्रणाली का सम-रेट प्रदर्शन। रेडियोइलेक्ट्रॉनिक एण्ड कम्युनिकेशन सिस्टम। अंक 61, संख्या 12 पृष्ठ 547-555, 2018

डॉ स्वनिर्भर मजुमदार का प्रकाशन

- एम कलिता, एस मजुमदार, टी तुइथुंग(2019) एक नई स्टेग्नोग्राफी पद्धति का उपयोग करके इंटेगर वेवलेट ट्रांसफॉर्म और कम से कम महत्वपूर्ण बिट प्रतिस्थापन। मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, द कंप्यूटर जर्नल, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रभाव कारक-0.792, 5 वर्ष प्रभाव कारक: 0.860, कॉपीराइट, 2019 डीओआई:: 10.1093/comjnl/bxz014, ब्रिटिश कंप्यूटर सोसायटी, आईएसएसएन 0010-4620

श्री ए के राय का प्रकाशन

- सिन्हा, डीके, अंसारी, एम एस, राय, ए. के., त्रिवेदी, जी, चटर्जी, ए, श्रिम्फ, आर डी(2018) तेजी से आयनीकरण ने बेस-संचालन परिस्थितियों में मार्क्स-बैंक परिपथ के ट्रिगर द्विध्रुवी ट्रांजिस्टर में विषम स्विच व्यवहार। प्लाज्मा विज्ञान, आईईईई ट्रांजेक्सन्स, 46 (6) (जून 2018) 2064-2071

श्री ए के गौतम का प्रकाशन

- नेमथिन्होई जू पी एवं अनिल कुमार गौतम(2019) दूसरी पीढ़ी के वर्तमान कन्वेयर पर एक अध्ययन। जेएसी, संख्या-12, अंक 1, जनवरी 2019, जेएसी आईएसएसएन -0973-2861

सम्मेलन:

आचार्य मो. अनवर हुसैन के प्रकाशन

- मोनजुल सैकिया एवं मो ए हुसैन(2019) तार रहित संवेदी नेटवर्क के लिए डेलुनाय त्रिकोण आधारित प्रमुख वितरण। दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संकेत प्रशसरण और सूचना संचार, 19-21 जनवरी, 2019 के दौरान फुकेत, थाईलैंड ।
- पोपी बोरा एवं एमडी ए हुसैन (2018) लॉजिस्टिक मैप के उपयोग से एक सक्षम एलएसबी छवि स्टैग्नोग्राफी तकनीक।आईसीआरआईईईसीई-2018 , भुवनेश्वर, भारत, जुलाई 2018
- पोपी बोरा एवं एमडी ए हुसैन(2018) एक अत्यधिक सुरक्षित डिजिटल छवि स्टैग्नोग्राफी तकनीक का उपयोग से मानचित्र और समर्थन छवि। आईईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सूचना संचार एव संकेत प्रशसरण - 2018) , सिंगापुर, सितंबर, 2018
- एमडी ए हुसैन (2018) एक स्वच्छ आदर्श जलछवि तकनीक का उपयोग से कुटनैतिक मानचित्र। 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ग्राफिक्स और छवि प्रसंस्करण-2018 चेंदु , चीन, दिसंबर, 2018
- बेगम, एस एम एस अस्करी एवं एमडी ए हुसैन (2018) बहुआयामी ताररहित नेटवर्क के लिए एक आदर्श डेड-एंड फ्री त्रिकोणिय रूटिंग और शेड्यूलिंग तकनीक। 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्युटरीकरण, संचार एवं नेटवर्क तकनीकी, बेंगलोर, पृष्ठ 1-6, जुलाई 2018
- फैज़, एम एफ आई, एम, मार्शग, एन एवं एमडी ए हुसैन(2018) मशीन लर्निंग का उपयोग करके मिली-जुली गतिरोध का पता लगाना। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिकी, एशिया, पृष्ठ 206-212, जून 2018
- जनमोनी बोराह, मो अनवर हुसैन एवं जायात्री बोरा (2018) सेल्युलर ऑकड़ा नेटवर्क के लिए थ्रूपुट रहित लधु सेल उपयोग। आईईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी के वर्तमान आयाम-2018, ओडिशा, भारत, जुलाई 2018
- अमलान बोरा, मो अनवर हुसैन एवं जे बोरा(2018) सेलुलर नेटवर्क में पूर्व-कोड तकनीकों का प्रदर्शन विश्लेषण। आईईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी के वर्तमान आयाम-2018, ओडिशा, भारत, जुलाई 2018

डॉ ए डी सिंह का प्रकाशन

- सुपर्णा गोस्वामी एवं अहीबम दिनमणि सिंह (2018) ओडीडीपी लुप्त होती चैनलों पर अनुकूली पारेषण विधियों की क्षमता। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सूचना, संचार, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी। आईसीआईसीईटी, जील कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड रिसर्च, नरहे, पुणे, भारत। अगस्त 29-31, 2018।*पर्यवेक्षक

राजेश कुमार का प्रकाशन

- ए चामुहा, कुर्मेद्र, राजेश कुमार (2018) पीजोविद्युत आधारित एमईएमएस कृषि उपज के लिए एक आदर्श संरचना। 5वीं आईईईईई उत्तर प्रदेश खंड अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी और कंप्यूटर अभियांत्रिकी। 2-4 नवम्बर, 2018 इन्सपेक परिग्रहण संख्या: 18384419 डीओआई:10.1109/UPCON.2018.8596823

डॉ टी शरण का प्रकाशन

- टी शरण, के जॉनसन सिंह, ए के गौतम (2018) विद्युत धारा संचालित एम्प्लिफायर आधारित बैरिकैडेटिक फ़िल्टर। प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन वीएलएसआई संचार एवं संकेत प्रशसरण -2018.

एमएनएनआईटी, प्रयाग राज, इलाहाबाद, दिसम्बर, 2018 करने के लिए 29 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2018

श्री एम मिश्रा का प्रकाशन

- एम मिश्रा, एस प्रतिहार, एस बनर्जी, एवं ए मुखर्जी, (2018) अस्थिर मोड अपघटन और उच्च क्रम वर्णक्रमीय विशेषताओं के माध्यम से दिल की आवाज़ का प्रशस्करण। आईईईई उपकरण अनुमापन तकनीक सम्मेलन, ह्यूस्टन, टीएक्स, यूएसए, मई 2018, पृष्ठ 1-5
- ए के पात्रा, एस मजूमदार, एव एम मिश्रा, (2018) प्रभावी सांख्यिकीय संदर्भ बनाना: हालिया रुझान। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अनुप्रयुक्त भौतिकी और गणित - 2019 में विस्तारित सार के रूप में, थाईलैंड।

डॉ पी के दत्ता का प्रकाशन

- खुरईजाम नेल्सन सिंह, प्रणब किशोर दत्ता, (2019) प्रतिरोधक पर सिलिकॉन परत आरोपित सिलिकॉन का तुलनात्मक विश्लेषण और फेट आधारित सिलिकॉन जैव संवेदी। तीसरा आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंटीग्रेटेड परिपथों के लिए उपस्कर 2019, कल्याणी, पश्चिम बंगाल
- सपना रानी घिमरे, प्रणब किशोर दत्ता, (2018), स्ट्रेंथ- वेरिंग कीपर आधारित 4:1 मुक्स रिसाव और 500 मेगाहर्ट्ज घड़ी। आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण, शक्ति एवं संचार तकनीकी-2018 पृष्ठ 997-1002 डीओआई: 10.1109/GUCON.2018.8675094

डॉ जॉयत्री बोरा के प्रकाशन

- जनमोनी बोराह, मो अनवर हुसैन एवं जॉयत्री बोरा, (2018), छोटे सेल परिनियोजन द्वारा सेल्युलर ऑकड़ा नेटवर्क के लिए थ्रूपुट की वृद्धि। आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार अभियांत्रिकी में हालिया नवाचारो-2018, 27-28 जुलाई, 2018
- अमलान बोरा एवं जोयात्री बोरा, (2018), बदलती चैनल की स्थिति के साथ जेडएफ डिटेक्टर का पूर्व प्रशस्करण व्यवधान। आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार अभियांत्रिकी में हालिया नवाचारो-2018, 27-28 जुलाई, 2018, केआईआईटी विश्वविद्यालय भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित। आईएसबीएन: CFP18P98-PRT/978-1-5386-5994-6
- अमलन बोरा, मो. अनवर हुसैन, एवं जॉयत्री बोरा, (2018), सेलुलर नेटवर्क में पूर्व-कोड तकनीकों का प्रदर्शन व विश्लेषण। आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार अभियांत्रिकी में हालिया नवाचारो-2018, 27-28 जुलाई, 2018, केआईआईटी विश्वविद्यालय भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित। आईएसबीएन: CFP18P98-PRT/978-1-5386-5994-6
- अफरुजा बेगम, एमडी अनवर हुसैन, जॉयत्री बोरा, एस एम एस असकरी (2018), बहु उपयोगी ताररहित नेटवर्क के लिए एक साधारण तीन आयामी संयुक्त रूटिंग और शेड्यूलिंग प्रविधि।, 4वाँ आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रिम।

डॉ स्वनिर्भर मजुमदार का प्रकाशन

- अनन्या भट्टाचार्य एवं एस मजुमदार(2018), स्वचालित कंप्यूटर आधारित फेफड़ा कैंसर पता लगाने की प्रणाली। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संचार, उपकरण और नेटवर्क-2018, 2-3 जून, 2018, पृष्ठ 425-433,

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग, सिक्किम मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम। व्याख्यान नोट्स, https://doi.org/10.1007/978-981-13-3450-4_46 (प्रस्तुति)

- स्वरूप नंदी एवं एस मजुमदार (2018), कलाउड में बीएएएस प्रोटोकॉल का उपयोग करने के लिए फिंगरप्रिंट की लाइव खोज का अवलोकन। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटर बुद्धिमता एव इंटरनेट वास्तु, रा.प्रो.सं., अगरतला में आयोजित। 14-15 दिसंबर, 2018 इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल इन्टेलीजेंस, अंक-2, पृष्ठ 817-821, एसएसआरएन: <https://ssrn.com/abstract=3361570>

श्री ए के राय का प्रकाशन

- कौशिक भारद्वाज, अशोक रे, सुशांत बोरदोलोई एवं गौरव त्रिवेदी (2019) एक गेट इंजेक्शन ट्रांजिस्टर में एन-डॉपड बफर पतर का उपयोग करके करंट कम करने की तकनीक। 32वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन वीएलएसआई डिजाइन, 5-9 जनवरी 2019, नई दिल्ली में आयोजित।

पुस्तकें/अध्याय/व्याख्यान नोट्स:

डॉ राजेश कुमार का प्रकाशन

- कुर्मेन्द्र, कुमार आर, पर्टिन ओ (2019) आरएफ संचार प्रणाली के लिए एक बेहतर माइक्रो विद्युत रसायन स्विच का डिजाइन। में: खरे ए, तिवारी यू, सेठी आई, सिंह एन (सम्पादक) रिसेंट ट्रेंड्स इन कोम्प्यूटेशन, कम्प्युटिंग एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स। विद्युत अभियांत्रिकी के व्याख्यान नोट्स, खंड 524, स्प्रिंगर, सिंगापुर https://doi.org/10.1007/978-981-13-2685-1_1, Dec 2018, आईएसबीएन 978-981-132684-4, ऑनलाइन आईएसबीएन 978-981-13-2685-1

डॉ स्वनिर्भर मजुमदार का प्रकाशन

- एस मजुमदार, एस पाल (2019) अध्याय 9 - ईसीजी विश्लेषण और निदान के रुझान। पुस्तक- हैंडबुक ऑफ रिसर्च ओन ट्रेंड्स इन दी डायग्नोसिस एण्ड ट्रिटमेंट ऑफ क्रॉनिक कन्डीसन्स। आईएसबीएन 13:9781466688285, आईएसबीएन 10:1466688289, ईआईएसबीएन 13: 9781466688292, डीओआई: 10.4018/978-1-4666-8828-5, आईजीआई ग्लोबल पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित। डीओआई 10.4018 / 978-1-4666-8828-5.ch009
- टकलांबाम गौतम मीती, सिनम अजीतकुमार सिंह एवं एस मजुमदार(2018) अध्याय 1, पीसीजी-आधारित जैवसांख्यिकी। पृष्ठ 1-25; पुस्तक "हैंडबुक ऑफ रिसर्च ऑन सिक्युरिटी ऑफ बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग। डीओआई: 10.4018 / 978-1-52255152-2, अप्रैल 2018, चितरंजन प्रधान, हिमांशु दास, बिघ्नराज नाइक और नीलांजन डे (सम्पादक), आईएसबीएन: 9781522551522; आईएसएस 10: 1522551522. 9781522551539, डीओआई: 10.4018 / 978-1-5225-5152-2.ch001

4.1.11 बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों / विभाग का सम्पर्क

- डॉ राजेश कुमार को इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश में प्रायोगिक परीक्षा आयोजित करने के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में भी आमंत्रित किया गया था।
- डॉ राजेश कुमार ने संयुक्त अनुसंधान प्रकाशन के रूप में आईआईटी गुवाहाटी और एपीजे अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के साथ सम्पर्क किया था।

- डॉ ए दीनामनी सिंह को इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश में प्रायोगिक परीक्षा आयोजित करने के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में भी आमंत्रित किया गया था।
- डॉ ए डी सिंह ने आईआईआईटी, मणिपुर (संयुक्त अनुसंधान परियोजना) और राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश से संयुक्त अनुसंधान प्रकाशन हेतु सम्पर्क किया था।
- श्री पी के दत्ता को इलेक्ट्रॉनिकी विभाग (पीजी सेक्शन), उत्तर लखीमपुर कॉलेज, उत्तर लखीमपुर, असम में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था। इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश में प्रायोगिक परीक्षा आयोजित करने के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में भी आमंत्रित किया गया था।
- श्री आर के मंगांग ने आचार्य जे हर्षन के साथ आईआईटी दिल्ली में ग्रीष्मकालीन संकाय अनुसंधान कार्यक्रम के तहतसंयुक्त शोध किया है।

हमारे संकाय सदस्यों के पास अन्य संगठनों के साथ बहुत अच्छा सम्पर्क है। विभाग ने जादवपुर विश्वविद्यालय और कलकत्ता विश्वविद्यालय के सहयोग से अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है। विभिन्न आईआईटी से संसाधन व्यक्तियों ने एनईआरआईएसटी में अल्पकालिक कार्यक्रमों को व्यवस्थित करने में मदद की है। इसके अलावा, हमारे संकाय सदस्यों ने आईआईटी, आईआईएससी और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित अल्पकालिक पाठ्यक्रमों, सम्मेलनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है।

4.5.12 परामर्श परियोजनाएं शुरू की गईं

-नहीं-

4.5.13 छात्रों की उपलब्धियां

- हमारे उत्तीर्ण छात्रों को प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा नियोजन प्रदान किया गया है। इसके अलावा, कुछ छात्रों ने गेट में सफलता प्राप्त की है और प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च अध्ययन हेतु प्रवेश प्राप्त किया है।

4.5.14 अन्य कोई सूचना

- दूरसंचार के क्षेत्र में हमारे छात्रों के ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए उच्च स्तर के दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र, गाजियाबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

4.6 विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

4.6.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान की स्थापना समय से ही विद्युत अभियांत्रिकी विभाग उच्च शिक्षा संपन्न वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिक-विदों के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग से प्रथम स्नातक का बैच वर्ष 1992 में उत्तिर्ण हुआ था। विभाग अपने पूर्व स्नातक कार्यक्रमों यथा: प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा और बी.टेक. उपाधि के लिए संस्थान के दो वर्षीय मॉड्यूलर ढांचे का अनुसरण कर रहा है। प्रत्येक मॉड्यूल में विद्यार्थियों का दाखिला

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा क्रमशः एनईई-I, एनईई-II और एनईई-III के माध्यम से होता है। देश में तकनीकी रूप से कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से विभाग ऊर्जा प्रणाली अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ स्नातकोत्तर (एम. टेक.) कार्यक्रम और विद्युत अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में पीएच.डी. कार्यक्रम चला रहा है।

विभाग में उच्च अर्हता संपन्न योग्य संकाय सदस्य हैं, जिन्होंने अपनी डिग्रियाँ देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से प्राप्त की हैं। आवश्यक आधारभूत ढांचों और प्रयोगशाला में समय समय पर सुविधाओं को उन्नत किया जाता है ताकि विद्यार्थियों और शोधार्थियों को सीखने और कुछ नया करने के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध कराए जा सकें। विभाग सरकार तथा उद्योग जगत से प्रायोजित विभिन्न शोध परियोजनाओं पर भी काम करता रहा है।

विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के उद्देश्य निम्नवत हैं:

- प्रमाण पत्र मॉड्यूल के विद्यार्थियों को विद्युत परिपथ और प्रणाली की समस्याओं को समझने, उसे ठीक करने और उसके रखरखाव का प्रशिक्षण देना।
- डिप्लोमा मॉड्यूल के विद्यार्थियों में पर्याप्त पर्यवेक्षण और निर्देशन कौशल विकसित करना।
- बी.टेक. डिग्री के विद्यार्थियों को उद्योग जगत और अन्य जगहों के में वर्तमान आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विद्युत अभियांत्रिकी के क्षेत्र में समस्याओं को विश्लेषित करने, डिजाइन करने नवोन्मेशी सोच विकसित करने के लिए पर्याप्त ज्ञान देना।
- स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप शोध कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना।
- विद्युत अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शोध एवं विकास।

कार्यक्रम

विभाग निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है:-

क) स्नातक कार्यक्रम

- प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- विद्युत अभियांत्रिकी में डिप्लोमा
- विद्युत अभियांत्रिकी में बी. टेक.

ख) स्नातकोत्तर कार्यक्रम

- शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी में एम.टेक

ग) पीएच डी पाठ्यक्रम

विद्युत अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में

सुविधाएं

विभाग में विद्युत अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में काम करने के सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए 13 से अधिक समुचित रूप से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के अलावा एक पृथक पुस्तकालय भी है। प्रयोगशालाओं में उच्च क्षमता संपन्न कंप्यूटर, सर्वर तथा कई आवश्यक सॉफ्टवेयर पकेज उपलब्ध हैं जो एक स्थानीय नेटवर्क के जरिए जुड़ा हुआ है। इंटरनेट सेवा विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

शोध

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग तीन प्रमुख अनुसंधान समूहों के तहत काम कर रहे हैं, (1) विद्युत शक्ति और ऊर्जा प्रणाली, (2) नियंत्रण व उपकरण और (3) विद्युत मशीन, संचालन और शक्ति इलेक्ट्रॉनिक्स। विभाग के उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

- पाठ्यक्रम की तैयारी और समीक्षा।
- संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन करना।
- बी.टेक/ एम.टेक/ पीएच.डी. परियोजना/ शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण करना।
- परामर्शी सेवाएं प्रदान करना।
- संस्थान-उद्योग के साथ सम्पर्क की सुविधा।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं/सम्मेलनों में प्रकाशन।

योग्यता और विशेषज्ञता के क्षेत्रों के साथ विभाग के संकाय सदस्यों की सूची -

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता के क्षेत्र
1.	डॉ. एस. चटर्जी पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय)	आचार्य	उच्च विभव, बिजली व्यवस्था
2.	डॉ. एस. के. भगत पीएच.डी. (आई.आई.टी., बी.एच.यू., बनारस)	आचार्य	नियंत्रण प्रणाली
3.	डॉ. आर. के. मेहता पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय)	आचार्य	नियंत्रण प्रणाली
4.	डॉ. ओ. पी. राय पीएच.डी. (आई.एस.एम., धनबाद)	आचार्य	शुद्ध अन्वेषी आधारित नियंत्रण एवं उपकरण, शक्ति प्रणाली की विश्वसनीयता
5.	डॉ. सरसिंग गाओ पीएच.डी. (आई.आई.टी., दिल्ली)	आचार्य	विद्युत मशीनें, ऊर्जा प्रतिपादन एवं वितरण
6.	डॉ. ए. के. सिंह पीएच. डी. (तेजपुर विश्वविद्यालय)	आचार्य	शक्ति प्रणाली, विद्युत मशीनें एवं संचालन
7.	श्री रदक ब्लंगे एम. टेक. (नेरिस्ट, निर्जुली)	सह आचार्य	नियंत्रण प्रणाली, ऊर्जा, विद्युत मशीनें एवं संचालन
8.	श्री टी. वी. पी. सिंह एम.टेक (एमएनएनआईटी, एलाहाबाद)	सह आचार्य	नियंत्रण प्रणाली, वी.एल.एस.आई. डिजाइन
9.	श्री एम. डी. सिंह एम. टेक. (तेजपुर विश्वविद्यालय)	सहायक आचार्य	शक्ति इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल प्रणाली
10.	श्री ए के परिदा एम. टेक. (एमआईटीएस, ग्वालियर)	सहायक आचार्य	औद्योगिक संचालन, शक्ति इलेक्ट्रॉनिक्स एवं ऊर्जा ऑडिट
11.	श्री अनु के. दास एम. टेक. (एनआईटी, शिलचर)	सहायक आचार्य	बिजली व्यवस्था स्थिरता, एवं नवीकरणीय ऊर्जा

12.	श्री एन एल मैतेई एम. टेक. (तेजपुर विश्वविद्यालय)	सहायक आचार्य	ऊर्जा प्रबंधन
13.	सुश्री सोमिला हशुनाओ एम. टेक. (जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली)	सहायक आचार्य	विद्युत शक्ति प्रणाली प्रबंधन
14.	श्री अखिलेश शर्मा एम. टेक. (एमएमएमईसी, गोरखपुर)	सहायक आचार्य	शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचालन
15.	सुश्री पियाली दास एम. ई. (जादवपुर विश्वविद्यालय)	सहायक आचार्य	उपस्कर अभियांत्रिकी, नियंत्रण प्रणाली
16.	श्री पी देवचंद्र सिंह एम.टेक. (नेरिस्ट, निर्जुली)	सहायक आचार्य	शक्ति अभियांत्रिकी प्रणाली

4.6.2 शैक्षिक गतिविधियां

विभाग विभिन्न गतिविधियों में भाग लेता है। विभाग नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा विभिन्न संस्थानों के साथ परामर्शी कार्य तथा अन्य सहयोगात्मक कार्य कर रहा है। विभाग ने संस्थान-उद्योग के परस्पर शैक्षिक संबंध को बरकरार रखते हुए कई प्रायोजित शोध परियोजनाओं को पूरा कर लिया है एवं कुछ परियोजनाएं अभी चल रही हैं। विभाग विभिन्न विशेष क्षेत्रों में कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन आदि का आयोजन करता है जिसमें देश भर के उद्योग एवं शैक्षिक जगत के लोग भाग लेते हैं।

4.6.3 प्रयोगशालाएं एवं प्रयोगशाला विकास

विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के अतिरिक्त व्यावहारिक ज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग बुनियादी ढांचे के साथ-साथ विद्युत प्रणाली प्रयोगशाला, उच्च विभव अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, विद्युत मशीन प्रयोगशाला, शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला, डिजिटल और शुद्ध अन्वेषी प्रयोगशाला, अनुरक्षण प्रयोगशाला, विद्युत कार्यशाला, परिपथ और मापन प्रयोगशाला, नियंत्रण एवं उपकरण प्रयोगशाला, इंटरनेट के साथ कम्प्यूटर प्रयोगशाला, ऊर्जा प्रणाली प्रयोगशाला और परियोजना एवं शोध प्रयोगशाला से सुज्जित है। विभिन्न प्रयोगशालाओं में उपलब्ध उपकरण और सॉफ्टवेयर निम्नलिखित हैं:

विद्युत प्रणाली और संरक्षण प्रयोगशाला

विद्युत प्रणाली और संरक्षण प्रयोगशाला में डिस्ट्रीब्यूशन लाइन सिम्युलेटर, पीसी कंट्रोल्ड पॉवर एनालाइजर, ऑयल टेस्ट सेट, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एंड स्टेतिक रिलेइस के विभिन्न प्रकार, डाईलेक्ट्रिक प्युरीफिकेशन प्लांट, एनालॉग ऑसिलोस्कोप, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, 3-फेज वेरिबल इंडक्टर, 1-फेज एंड 3-फेज लोडिंग ऋहस्ताट्स, डिजिटल क्लैप और पावर मीटर्स, एलसीआर-क्यू मीटर, 3-फेज कपैसिटर बैंक, केपेसिटन्स एंड तेन डेल्टा टेस्ट सेट, सर्किट ब्रेकर एनालाइजर, लिक्विड डाईलेक्ट्रिक प्युरीफिकेशन प्लांट के साथ सुसज्जित है।

उच्च विभव अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में नवीनतम 100 केवी एसी/145 केवी डीसी डायलेक्टिक टेस्ट सेट एंड 300 केवी, 7.5 केजे, 1.2/50 माइक्रोसैकेण्ड इम्पल्स टेस्ट सेट, मीजरिंग स्फीयर गैप एमएफ-100, इलेक्ट्रॉनिक स्फीयर ईजेडके, 2-चैनल, 200 एमएचजेड डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप के साथ ऑसिलोस्कोप से पीसी में डेटा का सीधा हस्तांतरण के लिए सॉफ्टवेयर उपलब्ध है।

विद्युत मशीन प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में विस्तृत रूप में मोटर एवं जेनरेटर के साथ डीसी कंपाउंड मोटर, डीसी कंपाउंड जेनरेटर, 3 फेज इंडक्शन मोटर, बोथ स्किउरेल केज एंड स्लिप रिंग टाईप, डीसी शंट मोटर, डीसी सीरीज मोटर, यूनिवर्सल मोटर, एसी सिंक्रोनास जनरेटर, एसी सिंक्रोनस मोटर, स्कैन ड्राइव सिस्टम डीसी के लिए और एसी ड्राइव गति नियंत्रण, मोटर फोल्ट सिम्युलेटर, लॉजिक पल्स जनरेटर, फंक्शन जनरेटर, डिजिटल स्टोरेज अस्सीलोस्कोप, 3 फेज अस्थायी शक्ति विश्लेषक, 1 फेज इंडक्शन मोटर और थाइरिस्टर नियंत्रण कक्ष, डीजी सेट, स्टोपार मोटर प्रशिक्षण प्रणाली, पीडब्ल्यूएम आधारित इंडक्शन मोटर ड्राइव, वी/एफ कंट्रोल एसी ड्राइव, डी-स्पेस रीयल टाइम सिम्युलेटर सॉफ्टवेयर हैं।

शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में ई.एम.एम.ए. माइक्रोकंप्यूटर, फॉस्ट एडी/डीए कांवरटर, डी.डी.सी. मोटर मोड्यूल, कमांड पोटेन्टिओमीटर, एल.सी.आर.क्यू. -टेस्टर, एस.सी.आर. फायरिंग यूनिट, इंडॉस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेनर के साथ ऑसिलोस्कोप, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप (4 चैनल), एच.पी. कंप्यूटर (पेंटियम IV), मोशन कंट्रोल डेवलॉपमेंट किट, एमसीके240 डेवलॉपमेंट पैकेज के साथ किट, थ्यरिस्टर एंड मोटर कंट्रोल(मेक: फीडबैक, यू.के.) पावर स्कोप, ऑसिलोस्कोप (मेक-यूकोगवा), सी.ए.एस.पी.ओ.सी. सिमुलेशन सॉफ्टवेयर, बेडफोर्ड एवं परालेल इन्वर्टर ट्रेनर किट, नियंत्रण ट्रेनर किट के लिए माइक्रो कंट्रोलर बेस्ड फिरिंग सर्किट, यूनिवर्सल मोटर के स्पीड नियंत्रण के लिए एससीआर ट्रेनर किट का प्रयोग, 1-फेज कंट्रोल रेक्टफाइअर के साथ कोलिन फिरिंग स्कीम ट्रेनर किट, 1-फेज कंट्रोल रेक्टफाइअर के साथ रांप कोम्परेटर फिरिंग स्कीम ट्रेनर किट, आईजीबीटी विशेषताओं ट्रेनर किट, 1-फेज साइकलो-कंवरटर ट्रेनर किट, एसी मोटर के स्पीड कंट्रोल के लिए प्रयोग टीआरआईएसी ट्रेनर किट आदि हैं।

अंकीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं शुक्ष्मअन्वेषक प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में माइक्रोप्रोसेसर प्रशिक्षण किट के जैसे डयना 8085, स्टॉर 85, वीपीएल 8086/8088, माइक्रो कंट्रोलर प्रशिक्षण किट जैसे वीएमसी-आईसीई31/51 एवं 80C196केसी, एडवांस हैंडी सिरियल प्रोग्रामर, यूनिवर्सल प्रोग्रामर, यूनिवर्सल एंड एनालोग आईसी टेस्टर, डाटा ऐक्विजिशन सॉफ्टवेयर, स्टॉडी कार्ड जैसे मेमोरी डिकोडर्स, यूसार्ट, प्रोग्रामर टाइमर, डीएमए, पीपीआई के साथ टाइमर एवं लैच कार्ड्स, पीसी बेस्ड एनालोग एंड डिजिटल मोटर कंट्रोल टिचिंग सेट, रोबोटिक्स, थार्माकॉपल, लोड सेल, एलवीडीटी एंड डीसी मोटर स्पीड कंट्रोल, 485 प्रोटोकल बेस्ड डिस्ट्रिब्यूटड कंट्रोल सिस्टम, गैन मेशरिंग के साथ सुसज्जित हैं।

विद्युत अनुरक्षण प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला मुख्य रूप से उन विद्यार्थियों के लिए हैं जो बिजली के उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव पर पर्याप्त ज्ञान की अपेक्षा की जाती है। इसमें उपकरणों की संख्या जैसे डोमेस्टिक रेफ्रिजरेटर, एयर कांडिशनर्स, गिड्रर्स, हीट कन्वेक्टर्स, टेबल एंड सिलिंग फैंस, वैक्यूआम क्लीनर, यूपएस सेट, वॉटर कोलार, हॉट प्लेट, इमर्शन हीटर, फिटिंग के साथ विभिन्न प्रकार के लैंप, ऑसिलस्कोप, ऑटोमोबाइल के बिजली के सर्किट के लिए मॉडल आदि हैं।

विद्युत कार्यशाला

यह प्रयोगशाला मुख्य रूप से उन विद्यार्थियों के लिए हैं जिनसे इलेक्ट्रिकल वेरिंग एवं इससे संबंधित गतिविधियों पर प्रशिक्षण एवं कुशलता की अपेक्षा की जाती है। यह प्रयोगशाला में मिनी लथे मशीन, विंडिंग

मशीन, ड्रिलिंग मशीन, वेरिंग प्रेकटिस के लिए विभिन्न प्रकार के क्यूबिकल, आवश्यक उपकरणों, टूल्स डिसप्ले बोर्ड, -1 फेज एंड -3फेज ऊर्जा मीटर्स, चार्ट आदि के साथ सुसज्जित हैं।

परिपथ व अनुमापन प्रयोगशाला

वेभ एनाल्यजर, डॉबल चैनल रिकॉर्डर, एनालोग ऑसिलस्कोप, डीसी पॉवर सप्लाई यूनिट (0-300वी), डीसी पॉवर सप्लाई (0-60वी) एवं स्टोरेज एडप्टर, हवीटस्टोन ब्रिज, केलविन डॉबल ब्रिज, वीटीवीएम, इन्स्ट्रुमेंटेशन टूटर, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलस्कोप (2-चैनल), एचपी कंप्यूटर (पेन्टियम-III), एलसीआर-क्यू मीटर, मेगर आदि उपकरण इस प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं।

नियंत्रण व उपकरण प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में डीसी पोजिशन सर्वो ट्रेनर यूनिट, एसी सर्वो मोटर स्पीड/ टॉर्क कंट्रोस यूनिट, डीसी मोटर स्पीड कंट्रोल यूनिट, मेग्नेटिक ऐम्प्लिफाइअर, सिन्क्रो ट्रांसमीटर एवं रिचिवर, एक्सपेरिमेंटल पीआईडी कंट्रोलर यूनिट, डिजिटल ऑन-ऑफ टेम्पेचर कंट्रोलर यूनिट, एनालोग एंड डिजिटल स्टोरेज ऑसिलस्कोप (4-चैनल), ट्रेनिंग एवं डेवलॉपमेंट सिस्टम फॉर 8086, डाटा एक्यूजेशन ऑफ कंट्रोस सिस्टम, डिरेक्ट डिजिटल कंट्रोल ट्रेनिंग सिस्टम, आईबीएम कंप्यूटर(पेन्टियम-III), सीए-06 डिजिटल मोटर, पीसी बेस्ड एनालोग एंड डिजिटल मोटर कंट्रोल, डिस्ट्रिब्यूट कंट्रोल सिस्टम डीसीएस-5000, पीसी45/एमएल प्रोग्रैमबल कंट्रोल टिचिंग सेट, डिजिटल ट्रांसड्यूसर एंड इंस्ट्रुमेंटेशन ट्रेनर, डिरेक्ट डिजिटल कंट्रोल सिस्टम(सीए-04), रोटारी सार्वो 9 प्लांट(सार्वो 2) हैं।

कम्प्युटर प्रयोगशाला

विभाग में पूर्वस्नातक विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध इंटरनेट सुविधाओं के साथ 40 से अधिक कंप्यूटर द्वारा अच्छी तरह से सुसज्जित पीसी प्रयोगशाला है। सभी कंप्यूटरों में मैटलॉब, मॉल्टीजिम, पीएससीएडी आदि सॉफ्टवेयर में स्थापित किए गए हैं।

ऊर्जा प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में पूर्वस्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा ऊर्जा से संबंधित परीक्षणों को प्रदर्शित किया जाता है। इस प्रयोगशाला उन्नत प्रयोगात्मक सामग्रियों जैसे फोटो वोल्टैक टेस्ट रिंग, फोटो वोल्टैक इलेक्ट्रिक जेनरेटर, एनेमोमीटर्स, सोलरीमीटर, आदि से सुसज्जित हैं। इसमें पीवी मॉड्युलस के प्लोट आई-वी कैरकैरिस्टिक्स, डिटरमाइल एफिसिएंसी ऑफ पीवी ड्रिवन वॉटर पॉम्पिंग सिस्टम आदि पर परीक्षण हो रहे हैं।

परियोजना एवं शोध प्रयोगशाला

मुख्य रूप से स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं शोधार्थी मॉडलिंग और सिमुलेशन का काम इस प्रयोगशाला में कर रहे हैं। प्रयोगशाला में 4 जीबी रोम के साथ 20 कंप्यूटर उपलब्ध हैं। अविरत इंटरनेट सुविधा उपलब्ध होने कारण विद्यार्थी विभिन्न पत्रिकाओं/सम्मेलन पेपरों के साथ संस्थागत साइबरक्राइब साइटों जैसे आईईई एक्सप्लोर, साइंस डिरेक्ट, ईल्सेविर आदि का लाभ उठा सकते हैं। इसमें प्रिंटर, एलसीडी प्रोजेक्टर एवं एक स्केनर हैं, जिससे सेमिनार प्रस्तुतीकरण की तैयारी में सुविधा होती है।

अति वृहद समाकलन प्रयोगशाला

वी.एल.एस.आई. प्रयोगशाला में कैडेंस बंडल तथा मेंटर चित्रण -सह- विश्लेषण सॉफ्टवेयर की स्थापना की गई है।

4.6.4 छात्रों द्वारा पूर्ण परियोजनाएं

बी. टेक/ डिप्लोमा परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना-शीर्षक	छात्र	परामर्शदाता
1.	पवन चालित डीएफआईजी और हाइड्रो संचालित एससीआईजी का उपयोग करके ग्रिड से जुड़े हाइब्रिड प्रणाली की मॉडलिंग और नियंत्रण	डी/16/ईई/3,14,16	श्री पी देवचंद्र सिंह
2.	बैटरी चार्ज नियंत्रक का डिजाइन	डी/16/ईई/15,19	श्री पी देवचंद्र सिंह
3.	सुदूर क्षेत्रों में अक्षय ऊर्जा की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता विश्लेषण	डीई/15/ईई/211,209, 207	सुश्री एस हशुनाओ
4.	एचवीएसी केबल में विद्युत तनाव का विश्लेषण	डी/16/ईई/6,8,7	श्री ए के दास
5	हाइड्रोकेनेटिक शक्ति प्रतिपादन प्रणाली का विश्लेषण	डी/15/ईई/26,31	आचार्य एस गाओ
6	ग्रामीण क्षेत्र के लिए माइक्रोग्रिड का प्रदर्शन विश्लेषण	डी/15/ईई/ 15, डी/16/ईई/ 201,208	श्री पी देवचंद्र सिंह
7	औद्योगिक स्वचालन में पीएलसी का अनुप्रयोग	डी / 15 / ई / 4,7,10,12	आचार्य ओ पी रॉय
8	दृश्य सुगमता के लिए आईओटी आधारित प्रकाश नियंत्रक	डी/15/ईई/ 104, डी/16/ईई/ 206,210, डीई/17/ईई/ 01	श्री एन एल मीतेई
9	रैखिक और अ-रैखिक भार के लिए सममित संकर बहुस्तरीय इनवर्टर का अध्ययन	डी/15/ईई/ 8,11,105	श्री ए शर्मा
10	रैखिक और गैर-भार लोड के लिए विषम हाइब्रिड मल्टीलेवल इन्वर्टर का अध्ययन	डी/15/ईई/ 5,6,101	श्री ए शर्मा
11	ताररहित पावर ट्रांसमिशन सिस्टम का अध्ययन	डी/15/ईई/ 09,14,21 डीई/17/ईई/ 02	श्री एम डी सिंह
12	एक मीमो प्रणाली के लिए फजी लॉजिक आधारित नियंत्रक डिजाइन	डी/16/ईई/ 205, डीई/17/ ईई / 03	श्री पी देवचंद्र सिंह
13	मल्टीप्लायर का वीएलएसआई डिजाइन	डी/16/ईई/22, डी/16/ईई/ 207	श्री टी वी पी सिंह
14	विकृति के लिए ईसीजी का विश्लेषण	डी/15/ई/18,27,32,106	श्री टी वी पी सिंह
15	"पवन चालित DFIG और हाइड्रो संचालित SCIG का उपयोग करके ग्रिड से जुड़े हाइब्रिड सिस्टम की मॉडलिंग और नियंत्रण"	डी/16/ईई/ 04,21 डीई/15/ ईई / 208)	श्री पी देवचंद्र सिंह

16	एक बैटरी परिवर्तन नियंत्रक का डिजाइन	डी/16/ईई/105,106,107	श्री पी देवचंद्र सिंह
17	जीएसएम आधारित मोटर रिमोट कंट्रोल	डी/16/ईई/13,19	श्री पी देवचंद्र सिंह
18	आईआर आधारित रिमोट कंट्रोल प्रेरण मोटर	डी/16/ईई/16,23,25	श्री पी देवचंद्र सिंह
19	ट्रांसमिशन लाइनों के जटिल विन्यास के लिए इलेक्ट्रिक फील्ड पर जांच		श्री ए के दास
20	नेरिस्ट मुख्य परिसर का सड़क प्रकाश डिजाइन		श्री पी देवचंद्र सिंह
21	डिकरांग नदी में सूक्ष्म जल विद्युत उत्पादन की व्यवहार्यता जाँच		श्री पी देवचंद्र सिंह

एम. टेक. परियोजनाये

क्र.सं.	परियोजना-शीर्षक	छात्र	परामर्शदाता
1.	एएनएन आधारित विद्युत उपकरणों का प्रतिमान और सरलीकरण।	एमटी/17/पीएसई/06	श्री एम डी सिंह
2.	लधुग्रिड संचालन में उपयोग के लिए समानांतर संचालित 3-पीएच इंडक्शन जनरेटरों का प्रतिमान और प्रदर्शन विश्लेषण।	एमटी/17/पीएसई/03	श्री पी देवचंद्र सिंह
3.	मल्टी-एजेंट प्रणाली के लिए सहमति नियंत्रण का अध्ययन और सर्वेक्षण।	एमटी/17/पीएसई/04	सुश्री पियाली दास
4.	एचवीएसी पावर केबल में उष्मा-विद्युत तनाव का विश्लेषण।	एमटी/17/पीएसई/09	डॉ अनु कुमार दास
5.	परिवर्तनीय अधिभार के लिए एक इन्वर्टर का बंद लूप संचालन।	एमटी/17/पीएसई/05	श्री अखलेश शर्मा
6.	वितरण प्रतिपादन केन्द्र की विश्वसनीयता का मूल्यांकन	एमटी/17/पीएसई/02	आचार्य ओमप्रकाश राय
7.	अरुणाचल प्रदेश में ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए हाइब्रिड पीवी जैवपदार्थ ऊर्जा प्रणाली प्रतिमान।	एमटी/17/पीएसई/ 07	डॉ ए परिदा
8.	एएनएन का उपयोग करके सौर विकिरण क्षमता प्रतिमान।	एमटी/17/पीएसई/ 10	सुश्री सोमिला हुस्नाओ
9.	परिवर्तनशील अक्षय ऊर्जा आधारित उपयोगिता ग्रिड का अध्ययन।	एमटी/17/पीएसई/11	आचार्य एस गाओ

पीएच.डी. शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत शोध ग्रन्थ

क्र.सं.	छात्र का नाम	शोध का शीर्षक	पर्यवेक्षक	स्थिति
1	श्री रल्ली सांगनो	आचार्य आर के मेहता	शोध प्रस्तुत

4.6.5 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

शीर्षक	समन्वयक	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या	वित्त पोषण
एससीआई प्रयोगशाला पर ऑनलाइन कार्यशाला	डॉ अनु कुमार दास	4 मई 2019	10	एनएमईआईसीटी आईआईटीबी

4.6.6 संकाय सदस्यों की प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता

संकाय का नाम: श्री अखिलेश शर्मा

शीर्षक	स्थान	अवधि	आयोजक
एससीआई प्रयोगशाला पर समन्वयकों की कार्यशाला	नेरिस्ट	16 अप्रैल, 2019	एनएमईआईसीटी आईआईटीबी
ताररहित संचार में उभरते रुझान	नेरिस्ट	26-30 नवंबर, 2018	आईआईटीजी
कम्प्यूटर नेटवर्किंग	नेरिस्ट	28 जनवरी से 02 फरवरी, 19	निट्टर कोलकाता
पहला अंतर्राष्ट्रीय आईईईई सम्मेलन वहनिय ऊर्जा प्रौद्योगिकी और प्रणाली	केआईआईटी बी	26 फरवरी से 01 मार्च, 2019	केआईआईटी भुवनेश्वर
5वां अंतर्राष्ट्रीय आईईईई सम्मेलन बिजली, इलेक्ट्रॉनिकी और कंप्यूटर अभियंत्रिकी पर उत्तर प्रदेश खंड	गोरखपुर, भारत	2-4 नवंबर, 2018	
2वां आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी, नियंत्रण और उर्जा प्रणाली		22-24 अक्टूबर, 2018	
दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: बिजली, ऊर्जा और पर्यावरण पर स्मार्ट प्रौद्योगिकी	शिलांग, भारत	1-2 जून, 2018	

संकाय का नाम: श्री पी देवचंद्र सिंह			
अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी और प्रणालियों में अग्रिम	तेजपुर विश्वविद्यालय	19-24 फरवरी, 2018	अभातशिप निक्युप
कंप्यूटर नेटवर्क	नेरिस्ट	28 जनवरी से 01 फरवरी, 2019 तक	निट्टर कोलकाता
दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: ऊर्जा, शक्ति और पर्यावरण- सतत विकास की ओर	एनआईटी मेघालय	01-06-2018 से 02-06-2018	एनआईटी मेघालय
8वाँ आईईईई (इंडिया) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी	एमएनआईटी जयपुर	13-12-2018 से 15-12-2018	एमएनआईटी जयपुर
संकाय का नाम: डॉ ए के सिंह			
मेक्ट्रॉनीकी और रोबोट	पीईसी, चंडीगढ़	16-20 जुलाई, 2018 को	टीईक्यूआईपी-III
डीएसपी और संवेदी	नेरिस्ट	10-14 दिसम्बर, 2018	
कम्प्यूटर नेटवर्क	नेरिस्ट	28 जनवरी से 01 फरवरी, 2019 तक	निट्टर कोलकाता
संकाय का नाम: श्रीमती एस हशुनाओ			
व्यवहार अनुसरण और अनुसंधान पद्धति		01 - 05 अप्रैल, 2019	ई एंड आईसीटी अकादमी आईआईटी गुवाहाटी
तार रहित संचार में उभरते रुझान	आईआईटी गुवाहाटी	26 - 30 नवंबर, 2018	ई एंड आईसीटी अकादमी आईआईटी गुवाहाटी
अभियन्ता हेतु तकनीकी अंग्रेजी पर एनपीटीईएल ऑनलाइन प्रमाणन		अगस्त-सितंबर, 2018	आईआईटीएम
संकाय का नाम: डॉ ए के दास			
एससीआई प्रयोगशाला पर समन्वयकों की कार्यशाला	नेरिस्ट	16अप्रैल, 2019	एनएमईआईसीटी आईआईटीबी
संकाय का नाम: सुश्री पियाली दास			
व्यवहार अनुसरण और अनुसंधान पद्धति		01 - 05 अप्रैल, 2019	ई एंड आईसीटी अकादमी आईआईटी गुवाहाटी
अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी और प्रणालियों में अग्रिम	तेजपुर विश्वविद्यालय	19-24 फरवरी, 2018	अभातशिप निक्युप

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटर बुद्धिमत्ता और आईओटी	एनआईटी, अगरतला	14-15 नवम्बर, 2018	SSRN, एल्सेवियर
चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटर बुद्धिमत्ता एवं संचार नेटवर्क	आरसीसीआईआईटी, कोलकाता	22-23 नवंबर, 2018	आईईईई
26वाँ आसीएसइंजि 2018	सिडनी ऑस्ट्रेलिया	19-21 दिसंबर, 2019	आईईईई

4.6.7 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई उपाधियाँ/ व्यावसायिक सदस्यता

नई डिग्री / पेशेवर सदस्यता	संकाय
दिनांक 21.03.2018 को प्राप्त पीएचडी	डॉ ए के दास
आईईईई (पीईएस और डीईआईएस) के सदस्य	डॉ ए के दास
आईईटी के सदस्य	डॉ ए के दास
आईएसटीई जीवन पर्यन्त सदस्य	डॉ ए के दास
आईईआई के सदस्य	डॉ ए के दास
सदस्य आईईईई	श्री अखिलेश शर्मा
सदस्य आईईईएनजी	श्री अखिलेश शर्मा
आईईईई औद्योगिक अनुप्रयोग सोसायटी के सदस्य 93314064	श्री पी देवचंद्र सिंह
आईई (आई) की जीवन पर्यन्त सदस्यता	डॉ ए के सिंह
आईएसटीई जीवन पर्यन्त सदस्य	डॉ ए के सिंह
आईईटीई की जीवन पर्यन्त सदस्यता	डॉ ए के सिंह
वर्ष 2018-2019 के लिए आईईईई सदस्यता	सुश्री पियाली दास

4.6.8 संकाय सदस्य द्वारा अर्जित उपलब्धियाँ / पुरस्कार / मान्यता नहीं

4.6.9 बाह्य निकायों द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं

परियोजना का शीर्षक: उच्च विभव ट्रांसफार्मर में उपयोग के लिए नारियल तेल का मूल्यांकन संगठन- नारियल विकास बोर्ड, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कोच्चि (भारत)

मंजूरी की तिथि: 11.04.2019

कुल राशि: ₹ 27.98 लाख

निधि प्राप्त: ₹ 13.99 लाख

4.6.10 आलेखों का प्रकाशन:

(ए) संदर्भ जर्नल

1	नैनोफ्लुइड डूबे हुए वितरण ट्रांसफार्मर के उष्मा हस्तांतरण और ब्राउनियन मोशन प्रभाव का विश्लेषण। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर (2018) 100: 1963-1974 (https://doi.org/10.1007/s00202-017-0676-2)
2	शक्ति ट्रांसफार्मर के लिए सिंथेटिक एस्टर आधारित-नैनोफिलड का आवेग प्रदर्शन। मिटेरियल रिसर्च एक्सप्रेस। 5 (2018) 125026, सितंबर 2018 https://doi.org/10.1088/2053-1591/aae237
3	सिंह, एम डी, मेहता, आर के, सिंह, ए के, (2018) फजी लॉजिक नियंत्रित सीएससी आधारित डीवीआर का उपयोग करके पवन ऊर्जा उत्पादन एकीकृत वितरण प्रणाली में बिजली की गुणवत्ता में वृद्धि। एडीबीयू जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी, अंक 7, पृष्ठ 1-10, जून 2018, भारत
4	सिंह, ए के एवं रॉय सौरभ प्रकाश (2019) ग्रिड कनेक्टेड पवन शक्ति प्रणाली का एक प्रारंभिक अध्ययन। ग्रेनेज इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जनवरी 2019.
5	सिंह एम डेबेन, आर के मेहता, ए के सिंह(2019) शक्ति गुणवत्ता के लिए सीएससी आधारित सीरीज़ एपीएफ का प्रदर्शन मूल्यांकन। प्रमना रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम, 09, अंक 3, मार्च, 2019
6	अक्षय उर्जा द्वारा आपातकालिन प्रकाश व्यवस्था के लिए बेहतर प्रणाली, एआईपी की कार्यवाही में प्रकाशित

(बी) सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

1	कुमार ए एवं भगत एस के (2019) बस प्रणाली के लिए लायपुनोव फंक्शन का उपयोग करके स्थिरता विश्लेषण का अध्ययन। आईईईईई -9 आईईईईई अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। 20-22 फरवरी, चेन्नई, भारत, 2019
2	पाल डी एवं भगत एस के (2019) ताररहित संवेदी नेटवर्क में एक कुशल फजी आधारित क्लस्टर रूटिंग प्रोटोकॉल का डिजाइन। आईईईईई -9 आईईईईई अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। 20-22 फरवरी, चेन्नई, भारत, 2019
3	पाल डी, शाह डी एवं भगत एस.के. (2019) अतिरिक्त म्युट तकनिक से जेनेटिक एलगोरिदम आधारित पथ राउट का डिजाइन। आईईईईई -9 आईईईईई अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। 20-22 फरवरी, चेन्नई, भारत, 2019
4	सिंह, रेणु, भट्टाचार्यी उतपल एवं सिंह ए के (2019) सेफस्ट्रल आधारित भाषण सुविधाओं का तुलनात्मक नॉइज़ हेतु तुलनात्मक अध्ययन। आईईईईई सम्मेलन, 28-29 जनवरी, 2019 को पीईसी, तमिलनाडु, भारत द्वारा आयोजित (CEP18O37-PRT-978-1-5386-4303-7)
5	ए शर्मा, डी सिंह, पी देवचंद्र सिंह एवं एस गाओ (2018) साइन तरंग पीडब्लूएम और स्पेस वेक्टर पीडब्लूएम आधारित डायोड क्लैप्ड मल्टीलेवल इन्वर्टर का विश्लेषण। 5वां आईईईईई उत्तर प्रदेश खंड अंतराष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर इंजीनियरिंग (यूपीसीओएन) गोरखपुर, 2018, पृष्ठ 1-6. डीओआई: 10.1109/UPCON.2018.8596899
6	पी डी सिंह एवं एस गाओ (2018) "एसी-डीसी-एसी परिवर्तक का उपयोग करके परिवर्तनीय टरबाइन इनपुट पर समानांतर अतुल्यकालिक जेनरेटर का उपयोग करके एक पृथक जल शक्ति प्रतिपादक। आईईईईई अंतराष्ट्रीय सम्मेलन शक्ति इलेक्ट्रॉनिक्स, जयपुर, भारत, पृष्ठ 1-6. डीओआई: 10.1109 / IICPE.2018.8709477

7	पी देवचंद्र सिंह, ए शर्मा और एस गाओ(2018) पीडब्लूएम आधारित एसी-डीसी-एसी परिवर्तक के लिए आइसोलेटेड वैरिएबल टर्बाइन इनपुटपृथक जल शक्ति प्रतिपादक। 2वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शक्ति, उर्जा एवं पर्यावरण: वर्तमान तकनीकी, शिलांग, भारत, 2018 पृष्ठ 1-6 डीओआई: 10.1109 / EPETSG.2018.8659179
8	अखिलेश शर्मा, दीपक सिंह एवं एस गाओ, "तीन चरण कैस्केड मल्टीलेवल इन्वर्टर के लिए जेनेटिक एल्गोरिथ्म का उपयोग करके चयनात्मक हार्मोनिक उन्मूलन का विश्लेषण। प्रथम अंतर्राष्ट्रीय आईईईई सम्मेलन टिकाऊ ऊर्जा प्रौद्योगिकी और प्रणाली
9	दीपक सिंह, अखिलेश शर्मा, पी. देवचन्द्र सिंह एवं एस. गावो। तीन चरण बहुस्तरीय इनवर्टर के लिए चयनित हार्मोनिक उन्मूलन। 2वाँ आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बुद्धिमान नियंत्रण और ऊर्जा प्रणालियाँ।
10	एम देबेन सिंह, आर के मेहता, ए के सिंह (2018) एकीकृत फजी-पीआई नियंत्रकों का उपयोग करते हुए विद्युत गुणवत्ता संवर्धन के लिए सीएससी आधारित यूपीक्यूसी। 34वाँ विद्युत अभियन्ताओं का राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित किया। एनआईटी अगरतला और टीएसईसीएल त्रिपुरा के सहयोग से इन्सटीट्यूसन ऑफ इंजीनियर्स (भारत) त्रिपुरा स्टेट सेंटर, पृष्ठ 98 - 108, नवंबर, 2018
11	पी दास, आरके मेहता, ओपी रॉय। विभिन्न अनुकूलन तकनीकों पर आधारित एक एमआईएमओ प्रणाली के लिए तुलनात्मक प्रदर्शन विश्लेषण। आईईईई अन्वेषण 10.1109 / ICSENG.2018.8638205
12	पी दास, आर के मेहता, ओ पी रॉय। मीमो प्रणाली में उपयोगी फोपी λ डी μ नियंत्रक के लिए एक आदर्श अनुकूलन तकनीक। आईईईई एक्सप्लोर, 10.1109/ICRCICN.2018.8718701
13	पी दास, एस हसुनाओ, एस मजुमदार, आर के मेहता, ओ पी रॉय। अक्षय ऊर्जा द्वारा संचालित आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था के लिए बेहतर प्रणाली। एआईपी कार्यवाही, doi.org/10.1063/1.5049102
14	दास, पियाली एवं चिपांग, नाहोरोज़ा(2019) प्रकाश नियंत्रण प्रणाली के लिए आईओटी आधारित तकनीकी का अध्ययन। 19 मार्च, 2019, इन्टरनेशनल जर्नल कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एण्ड आईओटी । अंक-2, नंबर 2, 2019 एसएसआरएन: https://ssrn.com /abstract=3355510

4.6.11 बाहरी निकायों के साथ संकाय / विभाग का सम्पर्क

आचार्य एस. गाओ	<ul style="list-style-type: none"> • समीक्षक, आईईईई और आईईटी जर्नल, आईई (आई) • सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार समिति, राष्ट्रीय सम्मेलन वहनिय उर्जा एवं पर्यावरण हेतु प्रौद्योगिकी के नवीन आयाम, (एनएचटीएसई 2017), 9-10, मार्च, 2017, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत।
डा. ए. के परीदा	<ul style="list-style-type: none"> ▪ समीक्षक, आईईटी जर्नल ▪ समीक्षक, आईईईई ट्रॉजेक्सन्स ▪ समीक्षक, एल्सवेयर जर्नल • समीक्षक, टी एंड एफ जर्नल
डा. ए के दास	<ul style="list-style-type: none"> • समन्वयक, रिमोट सेंटर, एन.एम.ई.आई.सी.टी., मा.सं.वि.म.

4.6.12 सलाहकार परियोजनाएं

विभाग के संकाय सदस्यों ने पी.जी.सी.आई.एल., नेपको और अरुणाचल प्रदेश सरकार की नोडल इकाईयों से संस्थान-उद्योग सम्पर्क से परामर्शी सेवाएं प्रदान करने पर सक्रिय रूप से विचार कर रहे हैं।

4.6.13 छात्रों की उपलब्धियां

क्र.सं.	नाम	अनुक्रमांक	नियोक्ता संगठन
1	करसन लूसि तामिन	डी/15/ईई/004	इंफोसिस
2	पेमा सोनम भूटिया	डीई/15/ईई/103	पावरग्रिड (आई) लिमिटेड
3	संगिता सैकिया	डी/15/ईई/ 011	पावरग्रिड (आई) लिमिटेड
4	रोमी कीनो	डी/15/ईई/ 018	पावरग्रिड (आई) लिमिटेड
5	संजीव कुमार सोनी	डी/15/ईई/ 101	पावरग्रिड (आई) लिमिटेड
6	अभिषेक कुमार	डी/15/ईई/ 108	पावरग्रिड (आई) लिमिटेड
7	हिसनामजाम्ब्रोवन सिंह	डी/15/ईई/ 014	इंफोसिस
8	अभिषेक श्यानयाल	डी/15/ईई/ 024	इंफोसिस
9	अजय उपाध्याय	डी/15/ईई/ 017	फेडिलिटी नेशनल फाईनेंस
10	लिया नगुरी	डी/15/ईई/ 019	गेट स्कोर
11	बिस्वजीत चंगाकोटी	डी/15/ईई/ 106	फेडिलिटी नेशनल फाईनेंस
12	रौनक साहू	डी/15/ईई/ 209	असम इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड कॉर्पोरेशन लिमिटेड

4.6.14 कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

विभाग के संकाय सदस्यों ने संस्थान में अतिरिक्त जिम्मेदारियों का भी निष्पादन किया है -

- आचार्य आर. के. मेहता, विद्युत अनुरक्षण कक्ष के प्रभारी हैं।
- आचार्य एस. के. भगत पुस्तकालय सलाहकार समिति के सदस्य हैं।
- आचार्य ए. के. सिंह केंद्रीय समय सारणी समिति के अध्यक्ष हैं।
- श्री एम. डी. सिंह कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के रूप में काम कर रहे हैं।
- श्री पी. डी. सिंह कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के रूप में काम कर रहे हैं।
- श्री ए. शर्मा छात्रावास-ई, के संरक्षक के रूप में काम कर रहे हैं।
- सुश्री पी. दास कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के रूप में काम कर रही है।
- सुश्री पी. दास छात्रावास-जी, के संरक्षक के रूप में काम कर रही है।
- आचार्य एस. गावो परीक्षा नियंत्रक के रूप में काम कर रहे हैं।
- डॉ ए के पारिडा ने संयुक्त रूप से डॉ शिबाब्रता चौधरी, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन केंद्र, एनईआरआईएस्टी के पीएच.डी. पर्यवेक्षक है।
- सुश्री एस हसुनाओ एससी / एसटी सेल के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

4.7 यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

4.7.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग का उद्गम सन् 1986 में संस्थान की स्थापना के साथ ही हुआ था। यह विभाग संस्थान की मोड्युलर पधति से प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, उपाधि तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। विभाग तीन विशेष क्षेत्रों में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम चला रहा है: यथा-शीतलन एवं वातानुकूलन, शिल्पकार एवं मोटर वाहन अनुरक्षण। तदनुसार यांत्रिक अभियांत्रिकी में डिप्लोमा, बी. टेक. डिग्री तथा एम. टेक. डिग्री की शिक्षा प्रदान कर रहा है। सन् 2006 से यह विभाग एम. टेक. स्तर पर विशिष्ट विषय कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन तथा द्रव अभियांत्रिकी में विशिष्टता प्रदान की जा रही है तथा यांत्रिक अभियांत्रिकी में पीएचडी कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में इस समय 260 विद्यार्थी हैं, जिनमें 34 अनुसंधान छात्र, 24 एम.टेक. छात्र सामिल हैं। इस समय विभाग के सभी मोड्युल्स में मिलाकर कुल 125 पाठ्यक्रम और 30 परियोजनाएं प्रत्येक वर्ष चल रही हैं। संकायो सदस्यों की उपलब्धता के आधार पर यूजी और पीजी विद्यार्थियों के लिए विशेष और उभरते क्षेत्र में वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं।

विभाग का विजन और मिशन

विजन

- पूर्वोत्तर के साथ-साथ पूरे देश के योग्य युवाओं को सही राह दिखाकर उनकी योग्यता में निखार लाते हुए वैश्विक मानकों और मांग को ध्यान में रखकर उपयुक्त मानव संसाधन विकसित करने के लिए शिक्षा और शोध के माध्यम से यांत्रिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में एक मुकाम हासिल करना।

मिशन

- शिक्षण ज्ञान और अभ्यास के माध्यम से सभी को समान महत्व देते हुए यांत्रिक अभियांत्रिकी में संतुलित शिक्षा देने के उद्देश्य से उचित परिवेश का निर्माण।
- शोध का श्रेष्ठ केंद्र निर्माण करना जो विद्यार्थियों के लिए उज्ज्वल भविष्य और आजीवन अनुभव के लिए प्रेरणा का स्रोत हो।
- देश में, विशेषकर पूर्वोत्तर भारत में विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन का सृजन करना जो तकनीकी रूप से सक्षम हो।

4.7.2 शैक्षणिक गतिविधियाँ:

बी.टेक. कार्यक्रम के अलावा विभाग दो स्नातकोत्तर कार्यक्रम (I) कंप्यूटर आधारित उत्पादन व स्वचालन (सीआईएमए) में एम.टेक और (II) उष्ण द्रव अभियांत्रिकी में एम.टेक. चला रहा है। पारंपरिक शिक्षण प्रविधियों के अतिरिक्त चयनित विषयों में विभाग अपने संगोष्ठी कक्ष में दृश्य-श्रव्य ई-लर्निंग सी.डी. के माध्यम से कक्षाएं भी आयोजित करता है। पाठ्यक्रम के विषयों अथवा पाठ्यक्रम के क्रेडिट वितरण व्यवस्था को सरल और कारगर बनाने के लिए कई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं। विद्यार्थियों के लिए नवीन और ज्ञान के उभरते क्षेत्रों से संबंधित विषय वैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सभी माड्यूलस के पाठ्यक्रम समीक्षा का कार्य पूरा कर उसे लागू भी कर दिया गया है। नया पाठ्यक्रम शैक्षणिक परिषद से अनुमोदित है और शैक्षणिक सत्र 2017-18 से लागू किया गया है। प्रमाण-पत्र और डिग्री माड्यूल के पाठ्यक्रम में व्यवसायिक प्रशिक्षण को शामिल किया गया है। प्रमाणपत्र माड्यूलस के विद्यार्थियों को

व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव अर्जित करने के लिए देश के विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों अथवा मरम्मत एवं रख-रखाव केंद्रों में भेजा जाता है ताकि वे अपने विषयों से संबंधित सिद्धांतों पर आवश्यक अनुभव अर्जित कर सकें। प्रमाण-पत्र मॉड्यूल के विद्यार्थियों के लिए जॉब-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का एक अंग है जिसके अंतर्गत विद्यार्थी, संकाय सदस्य और तकनीकी स्टाफ के निर्देशन में उपकरणों के मरम्मत और रखरखाव का काम करते हैं। उपाधि मॉड्यूल के विद्यार्थियों ने अपने पाठ्यक्रम के एक आवश्यक भाग के रूप में विभिन्न प्रतिष्ठित सरकारी / गैर सरकारी संगठनों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

आलोच्य अवधि के दौरान आधार, डिप्लोमा और डिग्री मॉड्यूल के विद्यार्थियों को आस-पास के ऑटोमोबाइल मरम्मत केंद्रों, शीतलन भंडार और आर ए सी प्लांटों और जल विद्युत प्लांटों में व्यावहारिक अनुभव अर्जन हेतु ले जाया गया। डिग्री कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा अध्ययन किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की वास्तविकता का परिचय प्राप्त करने के लिए उनके लिए अखिल भारतीय उद्योग भ्रमण का भी आयोजन किया गया।

नेरिस्ट के संकाय, स्टाफ तथा विद्यार्थियों का संयुक्त मंच नेरिस्ट यांत्रिक संस्था (एमएएन) ने विभाग से संबंधित विभिन्न शैक्षणिक मामलों के हल के लिए एक मंच प्रदान किया। इस संस्था ने नेरिस्ट के छात्रों, विशेषकर यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्रों के लिए व्याख्यान शृंखला, नकली साक्षात्कार, तकनीकी प्रतियोगिता आदि का भी आयोजन किया। नेरिस्ट के विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल कूद संबंधी आयोजनों यथा: आरएसीएएफ, सृष्टि आदि में विभाग के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। भारत के अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया।

4.7.3 प्रयोगशालाओं और प्रयोगशाला विकास

विभाग में यांत्रिक अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों की तरह (13) प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें छात्रों ने प्रयोगों का और उनके परिणामों का विश्लेषण करके अपने अध्ययन के व्यावहारिक पहलुओं का अध्ययन किया था। विभाग में सात (07) कार्यशालाएं हैं, जिनमें फिटिंग, जोड़, ढलाई, बढईगरी और नमुना शाला, मशीन कार्यशाला, रखरखाव कार्यशाला और शीट धातु कार्यशाला, सामिल हैं। विभाग में विभिन्न हाथ औजार, उपकरण, मशीनरी और मापने वाले उपकरणों से कार्यशालाएं परीपूर्ण हैं।

सामग्री शक्ति परीक्षण में यूटीएम, टोरसन परीक्षण, प्रभाव परीक्षण, कठोरता परीक्षण, आदि से लैस है। इस प्रयोगशाला का आंतरिक दहन इंजन महत्वपूर्ण क्षेत्र है। आईसी इंजन प्रयोगशाला टीवू स्ट्रोक और चार स्ट्रोक पेट्रोल और डीजल इंजन, 5-गैस विश्लेषक और धूम्रपान मीटर इत्यादि से लैस है। बायोडीज़ल प्रयोगशाला एकीकृत बायोडीज़ल रिएक्टर प्रणाली से लैस है, जिसमें यांत्रिक तेल एक्सपेलर, डिकोर्टिकेटर, बेबी बाथ बॉयलर और तेल फिल्टरिंग इकाई शामिल है। अन्य उपकरणों में एक लीटर क्षमता बायोडीज़ल रिएक्टर, गैस क्रोमैटोग्राफ (जीसी), बम कैलोरीमीटर, अपकेंद्रित्र, चिकनाई मापी, फ्लैश और आग बिंदु उपकरण आदि प्रयोगशालाओं उपकरण उपलब्ध हैं। स्नातक / स्नातकोत्तर व पीएच.डी. छात्र अपनी परियोजनाओं और अन्य शोध और विकास कार्यों के लिए इन सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

कंप्यूटर और सीएफडी प्रयोगशाला पेंटियम-4, परिधीय, प्रिंटर और सॉफ्टवेयर (प्रो-ई और एएनएसवाईएस) से लैस है। स्नातक / स्नातकोत्तर व पीएच.डी. छात्रों को प्रशिक्षण के लिए सीएनसी खराद, सीएनसी मिलिंग, एससीएआरए रोबोट, पीएलसी सिस्टम, जल स्तर नियंत्रक, रैखिक और रोटरी एक्ट्यूएटर. एटीसी से सुसज्जित सीएएम प्रयोगशाला आदि इस प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं। स्नातक कार्यक्रमों के लिए विभिन्न तरल पदार्थ मशीनों जैसे हाइड्रोलिक टरबाइन, पंप, पाइप घर्षण उपकरण, रेनॉल्ड के उपकरण इत्यादि से सुसज्जित द्रव शक्ति नियंत्रण और स्वचालन प्रयोगशाला विभाग का अभिन्न अंग है। स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए उपलब्ध हाइड्रोलिक और इलेक्ट्रो हाइड्रोलिक सिस्टम और पीएलसी प्रणाली का उपयोग किया जाता है। शितलन एवं वातानुकूलन प्रयोगशाला, उष्मा और मास ट्रांसफर लैब, किनेमेटिक और डायनेमिक्स लैब, गैस डायनेमिक्स लैब, मेट्रोलॉजी लैब

विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान को समृद्ध करने के लिए प्रयोगात्मक सुविधाओं से लैस विभाग की अन्य महत्वपूर्ण प्रयोगशालाएं हैं।

विभाग के सभागार में विभागीय कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए एलसीडी प्रोजेक्टर, पीए सिस्टम, स्मार्ट क्लास सुविधा व 50 लोगों बैठने की सुविधा से लैस है। संकाय सदस्यों ने सीआईएमए और टीएफई कार्यक्रमों के लिए नई प्रयोगशालाओं, समग्र प्रयोगशाला, अग्रिम विनिर्माण प्रयोगशाला और स्नातकोत्तर प्रयोगशाला की स्थापना के प्रयास कर रहे हैं। परिशिष्ट-ए उपकरण और प्रयोगशालाओं और कार्यशाला की विस्तृत जानकारी प्रदान करता है।

4.7.4 स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनाएं

पीएच.डी. शोध ग्रन्थ निर्देशित / प्रस्तुत

क्र.सं.	छात्र का नाम	पर्यवेक्षक	स्थिति	पीएच.डी. शोध ग्रन्थ का शीर्षक
1	संतोष कुमार	आचार्य एम मुरलीधर	निर्णयित	भारतीय उद्योगों में विनिर्माण प्रणालियों के श्रमदक्षता पहलुओं पर अध्ययन
2	संतोष कुमार तमांग	आचार्य एम चंद्रशेखरन	निर्णयित	इनकोनेल 825 के स्थायी मशीनिकरण के लिए प्रायोगिक जांच और तर्कसंगत अनुकूलन
3	के के पाठक	आचार्य आसीस गिरि आचार्य पी लिंग्फा	निर्णयित	कटा हुआ ऊर्ध्वधर चर ऊंचाई फिन सरणी से लम्बवत संवहन गर्मी हस्तांतरण
4	दिपांका भुइयां	आचार्य आसीस गिरि आचार्य पी लिंग्फा	निर्णयित	एक समानांतर प्लेट चैनल के अंदर नम हवा से फिल्म वार संक्षेपण का अध्ययन
5	श्री संतोष कुमार दास	आचार्य पी लिंग्फा	प्रस्तुत	नाहर तेल व कैल्शियम से बायोडीजल उत्पादन और सीआई इंजन में इसका उपयोग अध्ययन

एम. टेक. परियोजनायें

क्र.सं.	छात्र का नाम	पर्यवेक्षक	परियोजना का शीर्षक
एम टेक (टीएफई)			
1	श्रीअमरेंद्र डेका	आचार्य पी लिंग्फा	आधार उत्प्रेरित क्रिया द्वारा मधुका इंडिका तेल से बायोडीजल का संश्लेषण
2	श्री सेडी लस्कर	आचार्य पी लिंग्फा	नीम के तेल से बायोडीजल के निष्कर्षण में प्रक्रिया मापदंडों का अनुकूलन
3	श्री यांगलो रंगजंग	आचार्य पी लिंग्फा	ताइ के तेल से बायोडीजल की उत्पादन प्रक्रिया का अनुकूलन और इसके मिश्रणों की विशेषता
4	श्री मोहम्मद इमरान अहमद	आचार्य पी लिंग्फा	उत्प्रेरक के रूप में कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड के साथ पाइरोलिसिस का उपयोग करके अपशिष्ट प्लास्टिक पीई एवं पीईटी प्लास्टिक से एक वैकल्पिक ईंधन का उत्पादन

5	सुश्री बारबी एल	डॉ एस सिंह	एक नैनो तरल पदार्थ में वर्ग परिक्षेत्र प्राकृतिक संवहन
6	श्री मेहबूब अलोम मोल्ला	आचार्य पी लिंगफा	अरंडी के तेल से बायो डीजल के उत्पादन की व्यवहार्यता का अध्ययन
एम टेक (सीआईएमए)			
7	श्री सपम निग्थमबा सिंह	डॉ एन यदैया	एक बहु परत लेजर आधारित योज्य निर्माण प्रक्रिया के दौरान एफई आधारित तीन आयामी क्षणिक गर्मी हस्तांतरण विश्लेषण
8	श्री राधे नोविन	डॉ एस एस गौतम	द्रव की जड़ता के साथ पतले हाइड्रोडायनामिक लघु परत की विशेषता
9	श्री क्लीन्ट टी सी	डॉ एस सामंत	छिद्र में एसएलएम के प्रमुख प्रसंस्करण विशिष्टता के प्रभाव का अध्ययन और सीपी टीआई और इसका सांख्यिकीय प्रतिमान
10	सुश्री कृति लता	आचार्य एम चंद्रशेखरन	एआईएसआई 201 ग्रेड स्टेनलेस स्टील के जिमाव की प्रायोगिक जांच
11	श्री बिक्रम सिंह	डॉ एन यदैया	एफईएम का उपयोग करके गैस धातु चाप जोड़ प्रक्रिया द्वारा प्रसार प्लेट के प्रवाह आधारित गर्मी हस्तांतरण का विश्लेषण
12	श्री सुब्रत कुशारी	डॉ एन यदैया	एकल परत गैस धातु आर्क एडिटिव निर्माण प्रक्रिया के दौरान परिमित तत्व आधारित तीन आयामी क्षणिक गर्मी हस्तांतरण मॉडल का विकास

टिप्पणी: दिनांक 16-5-2019 को आयोजित 26वीं अकादमिक परिषद की सभा (एसी 26.10) विभाग के एम टेक कार्यक्रमों सीआईएमए और टीएफई का नामकरण क्रमशः कंप्यूटर इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग और थर्मल एंड फ्लुइड इंजीनियरिंग रखा गया है।

बी. टेक. परियोजनायें

क्र.सं.	छात्र का नाम	पर्यवेक्षक	परियोजना का शीर्षक
1	श्री जादब सोनोवाल श्री मधुर्य पॉल श्री अनल बेजबराह	आचार्य एम चंद्रशेखरन	एआईएसआई 4340 स्टील की उच्च टर्निंग प्रक्रिया का अनुकूलन
2	श्री सिद्धार्थ डे श्री पिंकू काकाती श्री सैकत दास	आचार्य एम महतो	बढ़ते भार के अधीन बीम के पैरामीट्रिक का अध्ययन
3	श्री टी सिद्धार्थ सिंह सुश्री कीषम सुशीमा देवी श्री जस्टिन हिजाम	आचार्य एम महतो	एक दो लिंक कंपाउंड पेंडुलम की अरेखिय गतिकी का अध्ययन

4	श्री प्रियतम दत्ता श्री आदित्य सिन्हा	डॉ एस सिंह	अलग-अलग वेगों पर सड़क के कूबड़ की ज्यामिति और दो पहिया वाहनों के कंपनी का विश्लेषण
5	श्री निशिकांत दास श्री मनीष पाल श्री डोरोली मोंगज़ार श्री सत्यम राँय	डॉ एन यदैया	लेजर बीम जोड़ के दौरान जोड़ प्रेरित अवशिष्ट तनावों का अनुमान और विश्लेषण
6	श्री ऑलंडी बी। स्वेर श्री रोशन संन्यासी श्री लाटलुंगम गोनमेई श्री केन्याहिलो केंट	डॉ एन के राणा	पोर्टेबल मछली छिलन मशीन का निर्माण
7	श्री सम्राट चौधरी श्री राहुल कुमार श्री कन्हैया पांडे	श्री के के मंडल	कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके लेजर बीम मशीनिंग प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी
8	श्री पी मान्याओ कोन्याक श्री लेशराम संतबीर खुमान श्री डब्ल्यू। वांग्लिन अंगोमोचा	श्री एन तेई	शक्ति प्रतिपादन प्रणाली पायदान (यांत्रिक विधि) का डिजाइन और निर्माण

4.7.5 लघु-अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं का आयोजन -नहीं-

4.7.6 लघु-अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की सहभागिता

- श्री के के मंडल ने एन आई टी टी टी आर, कोलकता द्वारा 12-16 नवम्बर, 2018 को आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम "ऊष्मप्रवैगिकी" में भाग लिया था।

4.7.7 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई उपाधियाँ / व्यावसायिक सदस्यता

आचार्य पी लिंगफ़ा	मुख्य संपादक, "द गेमले" (द विज़डम), राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पम्पोली, जिला ईस्ट कामेंग, सेपा, अरुणाचल प्रदेश - 790102 (भारत) के रजत जयन्ती समारोह के दौरान प्रकाशित स्मारिका। उन्नत भारत अभियान के क्षेत्रीय समन्वयक, नेरिस्ट
-------------------	---

4.7.8 संकाय सदस्यों को सम्मान व पुरस्कार

- आचार्य पी लिंगफ़ा (2018), अभियांत्रिकी विभाग, एनआईटी मेघालय, शिलांग (भारत) द्वारा 8-10 नवंबर 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यांत्रिक अभियांत्रिकी के वर्तमान आयाम के विवेचना कर्ता थे।

4.7.9 विभाग में अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य -नहीं-

4.7.10 आलेखों का प्रकाशन

(क) संदर्भ जर्नलों में (40)

1. बेंजामन दास, यदैया एन, रूपश्री ओजाह, सोहिनी चौधरी, मंडल एके एवं मुरलीधर एम, प्लाज्मा चाप जोड़ प्रक्रिया के दौरान कीहोल प्रोफाइल के आकलन पर एक परिप्रेक्ष्य समीक्षा। इंटर. जर्नल मिटेरियल्स टूडे प्रसिडिंग्स, 5 (2018) 6345-6350
2. सोहिनी चौधरी, यदैया एन, खान एसएम, रूपश्री ओजाह, बेनजमन दास एवं मुरलीधर एम, इलेक्ट्रॉन किरण जोड़ प्रक्रिया की प्रायोगिक जांच और संख्यात्मक मॉडलिंग पर परिप्रेक्ष्य समीक्षा है। इंटर. जर्नल मिटेरियल्स टूडे प्रसिडिंग्स, 5 (2018) 4188-4817
3. कुमार संतोष एवं मुरलीधर एम, भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग में झटका अवशोषक कार्यबल में सीटीएस अनुमान: एक अध्ययन, 15वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन काम के माहौल का मानवीयकरण जर्नल में प्रकाशित, जनवरी, 2019
4. रूपश्री ओजाह एवं मणकपुरममुरलीधर, वाहन पिस्टन ढलाई के लिए कास्टिंग जीनोम का विकास: एक अध्ययन, इंटरनेशनल फाउंड्री ट्रेड जर्नल, नवंबर 2018
5. सोहिनी चौधरी, यदिया निरसनमेतला, एवं मणकपुरममुरलीधर, परिमित तत्व आधारित क्षणिक गर्मी हस्तांतरण विश्लेषण Ti_2AlNb इलेक्ट्रॉन बीम जोड़क का उपयोग करते हुए हाइब्रिड वॉल्यूमेट्रिक उष्मा स्रोत। इंडियन वेल्डिंग जर्नल, अक्टूबर 2018, अंक 51, नंबर 4, भारत, पृष्ठ 73-80
6. एस चौधरी, एन. यादाह, एम. मुरलीधर, एस. बेग एवं एस के पात्रा, जोड़ के मापदंडों का प्रभाव और Ti_6Al_4V मिश्र धातु की इलेक्ट्रॉन बीम जोड़ में वेल्डिंग और वाष्पीकरण दर। ब्राजीलियाई सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग, 2018 में स्वीकार किया गया और मार्च 2019 में प्रकाशित: 4-180
7. संतोष कुमार एवं मुरलीधर एम, भारतीय उद्योग में शॉक अवशोषक विनिर्माण प्रणाली के श्रमदक्षता पहलुओं पर अध्ययन। यूरोपीय जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मार्च 2018 (समीक्षा के तहत)
8. रूपश्री ओजाह एवं मणकपुरममुरलीधर, डाई कास्टिंग मशीनों द्वारा पिस्टन कास्टिंग के लिए मशीन बुद्धिमत्ता क्वोटिएंट माप के तरीकों का विकास: एक अध्ययन। स्कोपस जर्नल, 2019 को प्रस्तुत किया गया। (प्रक्रिया में)
9. महंतो, एस, चंद्रशेखरन, एम, सामंत, एस, अरुणाचलम, आरएम, 2018 अलुमिनियम 7075 मिश्र धातु की B_4C और टिकाऊ उत्पादन के लिए फ्लाइंग ऐश नैनोकणों के साथ ईडीएम जांच तथा प्रबलित व पैरामीट्रिक अनुकूलन। जे. ब्राजसोसा मैकसाइन्स इंजी., 40, 263. <https://doi.org/10.1007/s40430-018-1191-8>
10. कुमार, के.एम. एस, थिरुमलाई, आर, सैथिलकुमार, जेएस चंद्रशेखरन, एम, 2018 पर्यावरण के अनुकूल मोड़ प्रक्रिया के दौरान प्रक्रिया मापदंडों की प्रायोगिक जांच। इको. इन्वा एण्ड कोन्स, 24, S431-S436
11. देवरसिद्धप्पा, डी, चंद्रशेखरन, एम, 2018 बिजली की खपत का मूल्यांकन और $Ti-6Al-4V$ मिश्र धातु के वेडम में एमआरआर टिकाऊ उत्पादन के लिए एक साथ अनुकूलन। जे. ब्राज. सोस. मैक साइं. इंजी., 40, 400, डीओआई: [//doi.org/10.1007/s40430-018-1318-y](https://doi.org/10.1007/s40430-018-1318-y)
12. तमांग, एस के, चंद्रशेखरन, एम, साहू, ए के, 2018 सतत मशीनिकरण: सूखी और एमक्युएल दृष्टिकोण के साथ इन्कोनेल 825 की एक प्रयोगात्मक जांच और अनुकूलन। जे. ब्राज. सोस. मैक साइं. इंजी., 40, 374 डीओआई: [//10.1007/s40430-018-1294-2](https://doi.org/10.1007/s40430-018-1294-2)
13. दास, एस, चंद्रशेखरन, एम, सामंत, एस, पलानीकुमार, के, डेविम, जे पी, 2018, एए6061 हाइब्रिड धातु सारणी SiC/B_4C नैनोकणों प्रबलित मिश्रण का निर्माण और अध्ययन। इन्ड लुब एण्ड ट्रिब्यूट, 71, 1, डीओआई: [//doi.org/10.1108/ILT-05-2018-0166](https://doi.org/10.1108/ILT-05-2018-0166)

14. देवरसिद्धप्पा, डी, चंद्रशेखरन, एम, सांबंडम, एम टी, 2018, एनासेल 825 की तार कट ईडीएम का डिजायरबलिटी फंक्सन का उपयोग करके विश्लेषणात्मक पदानुक्रम प्रक्रिया के साथ युग्मित वविश्लेषण। मेट टिडे : प्रोक, 5, 11531-11547 डीओआई: //doi.org/10.1016/j.matpr.2018.02.121
15. दास, एस, चंद्रशेखरन, एम, सामंत, एस, 2018, एएAA6061 के यांत्रिक गुणों की (SiC/B₄C) माइक्रो / नैनो सिरेमिक कण से तुलना।, मेट टिडे : प्रोक, 5, 18110-18119 डीओआई:: <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2018.06.146>
16. महंतो एस, चंद्रशेखरन एम, सामंता एस, अरुणाचलम आर एम (2018), एएल 7075 मिश्र धातु की ईडीएम जांच बी₄सी के साथ प्रबलित और टिकाऊ उत्पादन के लिए फ्लाइं एश नैनोकणों का पैरामीट्रिक अनुकूलन। जे. ब्राज. सोस. मैक साई. इंजी., अंक 40, 263. (एससीआई = 1.63 आईएफ) (डीओआई: [org/10.1007/s40430-018-1191-8](https://doi.org/10.1007/s40430-018-1191-8)) (यूजीसी जर्नल नंबर: 10932)
17. एसके दाश, पी लिंग्फा एवं एस बी चव्हाण (2018), नाहर बायोडीजल की अनुप्रयोग क्षमता की डीजल इंजन ईंधन के रूप में प्रायोगिक जाँच। ऊर्जा स्रोत, भाग एक: उपयोग और पर्यावरणीय प्रभाव (टेलर एंड फ्रांसिस), (एससीआई = 0.555 आईएफ), (डीओआई: 10.1080/15567036.2018.1514433) (यूजीसी जर्नल नंबर: 19581)
18. एस के दास एवं पी लिंग्फा (2018), नाहरतेल डीजल का एक एकल सिलेंडर प्रत्यक्ष इंजेक्शन डीजल इंजन में प्रदर्शन मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्रीन एनर्जी (एससीओपीयूएस), अंक 15, 400-405 (डीओआई: [org/10.1080/15435075.1464926](https://doi.org/10.1080/15435075.1464926)) (यूजीसी जर्नल नंबर: 201846)
19. डी भुइयन, ए गिरी, पी लिंग्फा (2018), एक नए दृष्टिकोण के साथ प्रशंसक वेग का आकलन करके मिश्रित संवहन संवेदना का विश्लेषण। जर्नल ऑफ थर्मल साइंस एंड इंजीनियरिंग एप्लीकेशन (एएसएमई), (एससीआई- 0.81 आईएफ), अंक 10, 051003 (डीओआई:10.115/14039355) (यूजीसी जर्नल नंबर: 11385)
20. पी लिंग्फा (2018), एल एम दास, एस.एन.नायक, मल्टी-सिलेंडर टर्बो-चार्ज डीजल इंजन पर बी5 बायोडीजल मिश्रण के साथ इंजन के प्रदर्शन और निकास उत्सर्जन का अध्ययन। ओपन साइंस इंडेक्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड बायोसिस्टम्स इंजीनियरिंग, अंक: 12, संख्या 8, 2018
21. साहू एस के, बडगायन एन डी, सामंता एस, श्रीकांत पी एस आर (2018), कार्बन नैनो फिलर्स 0/1/2 के साथ प्रबलित डायमेशनल हाइब्रिड एचडीपीई के डायनामिक नैनो यांत्रिक गुण। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक, ईएलएसईवीईआर, अंक 203, 173-184, (डीओआई: [org/10.1016/j.matchemphys.2017.09.063](https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2017.09.063)), (एससीआई = 2.296 आईएफ)
22. बडगायन एन डी, साहू एस के, सामंता एस, श्रीकांत पीएसआर (2018), नैनोस्कोपिक गतिशील यांत्रिक गुणों और प्रबलित एचडीपीई संकर समग्र एमडब्लूसीएनटी / एच-बीएनएनपी शुक्ष्म छिलन, नैनो खरोज का उपयोग करने का बीसीएन पर त्रय प्रभाव का आकलन: चिकित्सा अनुप्रयोगों में एक अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ दी मैकेनिकल बिहेवियर ऑफ बायोमेडीकल मेटेरियल्स (एल्सवियर), खंड 80, 180-188 (डीओआई: [org/10.1016/j.jmbbm.2018.01.027](https://doi.org/10.1016/j.jmbbm.2018.01.027))
23. बडगायन एन डी, साहू एस के, सामंता एस, श्रीकांत पी एस आर (2018), 1डी/ 2डी नैनोफिलर सिस्टम से भरे एचडीपीई हाइब्रिड मिश्रण के यांत्रिक गुणों का आकलन। सामग्री विज्ञान मंच, ट्रांस टेक प्रकाशन, स्विट्जरलैंड, संख्या 917, 12-16, डीओआई: 10.4028/ www.scintific.net/ एमएसएफ 917.12

24. साहू एस के, बडगायन एन डी, सामंता एस, श्रीकांत पी एस आर (2018) नैनोडीमंड, कार्बन नैनोट्यूब और ग्रेफाइट नैनोप्लेटलेट प्रबलित सधन पॉलीइथिलीन के उष्मा यांत्रिक गुणों का विश्लेषण। सामग्री विज्ञान मंच, ट्रांस टेक प्रकाशन, स्विट्जरलैंड, अंक 917, 27-31 डीओआई: 10.4028/www.scientific.net/MSF.917.27
25. चेतिया पी, सामंता एस, सिंह टी जे (2018) बांस / बेसाल्ट हाइब्रिड पदार्थ में छेद प्रक्रिया का अनुकूलन। मेटेरियल्स टूडे: कार्यवाही, एल्सवेयर, अंक.5 5544-5552 डीओआई:<https://doi.org/10.1016/j.matpr.2017.12.145>
26. दास एस, वैफेई एस के एल, चंद्रशेखरन एम, सामंता एस (2018) एआई 6061 हाइब्रिड नैनो पदार्थ के तार: प्रायोगिक जांच और सतह खुरदरापन के आरएसएम प्रतिमान। मेटेरियल्स टूडे: कार्यवाही, एल्सवेयर, अंक 5, 8206-8215 डीओआई: [//org/10.1016/j.matpr.2017.11.510](https://doi.org/10.1016/j.matpr.2017.11.510)
27. दास एस, चंद्रशेखरन एम, सामंता एस (2018) एएAA6061 की (SiC/B₄C) माइक्रो / नैनो सिरेमिक कण सुदृढीकरण के पश्चात यांत्रिक गुणों की तुलना। मेटेरियल्स टूडे: कार्यवाही, एल्सवेयर, अंक 5, 18110-18119 डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2018.06.146>
28. साहू एस के, बडगायन एन डी, सामंता एस, साहू डी, श्रीकांत पी एस आर (2018) पीसीटीपी नायलॉन मधुकोश कोर और हाइब्रिड पॉलिमर नैनोकम्पोसाइट के साथ बने सैंडविच बीम के विमान की कठोरता के कारण बाह्य कवच सेल आकार का प्रभाव और विमान चरित्र अनुपालन। इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल साइंस, एल्सवेयर, अंक 148, 284-292 डीओआई: <http://doi.org/10.1016/j.ijmecsci.2018.08.011>
29. संदीप सिंह एवं राजीव तिवारी, एक सहायक सक्रिय चुंबकीय असर से समर्थित लचीले रोटर सिस्टम में दरार और असर गतिशील मापदंडों की मॉडल आधारित पहचान। मेकेनिज्म एण्ड मशीन थ्योरी 122(2018) 292-307
30. बी नायक, आर के दास, एस एस गौतम (2018), एमआरई एम्बेडेड सैंडविच बीम का कंपन प्रदर्शन: प्रायोगिक अध्ययन। *विब्रोइंजीनियरिंग प्रोसीडिया* (स्कोपस) अंक 21, 20-25 डीओआई: doi.org/10.21595/vp.2018.20383
31. एस दास, ए मधेशिया, एस एस गौतम, सी आर गौतम, डी त्रिपाठी (2019), जर्मनियम आच्छादित PbO-CaO-TiO₂-SiO₂-B₂O₃ कांच की मिट्टी की विद्युत विशेषतायें। जर्नल ऑफ मेटेरियल साइंन्स: मेटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स (स्प्रिंगर,एससीआई, 2.324 इम्पैक्ट फैक्टर), अंक 30, 3, 2431-2441 (डीओआई: [org/10.1007/s10854-018-0516-9](https://doi.org/10.1007/s10854-018-0516-9))
32. एस दास, ए मधेशिया, एम घोष, के के डे, एस एस गौतम, जे सिंह, आर मिश्रा, सी आर गौतम (2019), लेड कैल्शियम टिटाननेटबोरोसिलिकेट आच्छादित V₂O₅ ग्लास का ढाचा, प्रकाश और परमाणु चुंबकीय अनुनाद अध्ययन। जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स (एल्सेवियर,एससीआई, 2.207 इम्पैक्ट फैक्टर) अंक 126, 17 - 26 (डीओआई: [org/10.1016/j.jpcs.2018.10.030](https://doi.org/10.1016/j.jpcs.2018.10.030))
33. एस दास, एस एस गौतम, सी आर गौतम (2018), फेरिक ऑक्साइड आच्छादित लेड कैल्शियम टिटानेट बोरोसिलिकेट ग्लास सिरेमिक का यांत्रिक लक्षण वर्णन। मेटेरियल टूडे: प्रोसीडिंग्स (एल्सेफियर,स्कोपस), अंक 5, 17746-52. (डीओआई: [10.1016/j.matpr.2018.06.098](https://doi.org/10.1016/j.matpr.2018.06.098))
34. एस दास, सी डब्ल्यू मनपोंग, एस एस गौतम, ए मधेशरिया, सी आर गौतम (2018), टिटानेट बोरोसिलिकेट ग्लास मिट्टी के पात्र विस्मूट का विशिष्टता अध्ययन। मेटेरियल टूडे: प्रोसीडिंग्स (एल्सेफियर,स्कोपस), अंक 5, 20306-13. (डीओआई: [10.1016/j.matpr.2018.06.403](https://doi.org/10.1016/j.matpr.2018.06.403))

35. एस के तमांग, एम चंद्रशेखरन, लालकृष्ण पलानी कुमार, आर अरुणाचलम (2019), इन्कोल-825 की एमक्यूएल की सहायता से जीए मिश्रधातु मशीनिंग प्रदर्शन व औद्योगिक अनुप्रयोग। इन्ट. जर्नल मेक मशीनेबिलिटी ऑफ मेटरनिटी। अंक 21 (2), पृष्ठ 43-65 डीओआई: <https://doi.org/10.1504/IJMMM.2019.098066> (प्रभाव कारक: 0.46) (यूजीसी जर्नल नंबर: 23062)
36. एस दास, एस के तमांग, एम चंद्रशेखरन, एस सामंता (2019), AA6061/SiC/B₄C की प्रायोगिक जांच तथा संकर नैनो मिश्रधातु के ट्राइबोलॉजिकल विशिष्टता सह अनुकूलन। की इंजि मीटर। अंक 801, पृष्ठ 83-88 डीओआई: <https://doi.org/10.4028/www.scientific.net/KEM.801.83> (स्कोपस) (यूजीसी जर्नल नंबर: 6509)
37. एस के तमांग, एम चंद्रशेखरन, ए के साहू (2018), सतत मशीनिंग: एक प्रयोगात्मक जांच और सूखी और एमक्यूएल दृष्टिकोण के साथ इन्कोनल 825 का अनुकूलन। जे. ब्राज़. सोक. मेक साई एण्ड इंजी, अंक। 40 (8), पृष्ठ 374-391 डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s40430-018-1294-2>, (एससीआईई; प्रभाव कारक: 1.63) (यूजीसी जर्नल नंबर: 10932)
38. जी गंगमेई, एम च्वांग, एम, एस के तमांग, एम चंद्रशेखरन (2018), Al/SiC के लिए फ़ज़ी सेट आधारित अनुकूलन सह एमआरआर को अधिकतम सतह की खुरदरापन को संतुष्ट करने के लिए एक दृष्टिकोण। इंट जे मोडर्न मैनुफ़ टेक्नो। अंक 10(1), पृष्ठ 43-49 स्कोपस, (यूजीसी जर्नल नंबर: 23176)
39. के मंडल, ए एस कुअर, एस मित्रा (2018) Al 7075 मिश्र धातु के लेजर माइक्रो-मशीनिंग पर प्रायोगिक जांच। ऑप्टिकल एण्ड लेजर टेक्नोलोजी (एल्सवेयर) अंक 107, 260-267 (डीओआई: [org/10.1016/j.optlastec.2018.05.017](https://doi.org/10.1016/j.optlastec.2018.05.017)) (यूजीसी जर्नल नंबर: 36516)
40. दाबी एम, साहा यू के, संपीडन इग्निशन इंजन में डीजल ईंधन के विकल्प के रूप में वनस्पति तेलों की क्षमता: एक समीक्षा। जर्नल ऑफ एनर्जी इंस्टीट्यूट, 2019; <https://doi.org/10.1016/j.joei.2019.01.003>

ख. सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख पत्र (26)

1. मणिपुरम मुरलीधर एवं रूपश्री ओजाह, विश्व ढलाई प्रतिपादन के पच्चास वर्ष और ढलाई गुणवत्ता विश्लेषण- एक अध्ययन। "67^{वीं} भारतीय ढलाई कांग्रेस, नोएडा, नवंबर 2018. (जनवरी 18-20, 2019 में प्रस्तुत)
2. रूपश्री ओजाह एवं मुरलीधर एम, डाई कास्टिंग मशीनों द्वारा पिस्टन कास्टिंग के लिए मशीन बुद्धिमत्ता के माप के तरीकों का विकास: एक अध्ययन आईसीसीएमएम-2019, आईआईटी, गुवाहाटी में प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया (मार्च 2019 में प्रस्तुत)
3. सपम निन्गाथिम्बा सिंह, सोहिनी चौधरी, मो. एस मुजाईद खान, मनापुरम मुरलीधर एवं यादह नरसानामेटला, Ti-6Al-4V-मिश्र धातु में अवयव आधारित लेजर एडिटिव प्रतिपादन का उष्मा स्थानान्तरण विश्लेषण। आईसीसीएमएम-2019, आईआईटी, गुवाहाटी, भारत (मार्च 2019 में प्रस्तुत)
4. सोहिनी चौधरी, यदैया निरसनमेटला एवं मणापुरम मुरलीधर, इलेक्ट्रॉन बीम Ti6Al4V मिश्र धातु जोड़ के धातुकर्म विश्लेषण पर जांच। आईसीसीएमएम-2019, आईआईटी, गुवाहाटी, भारत (मार्च 2019 में प्रस्तुत)
5. रूपश्री ओजाह, एव मणापुरम मुरलीधर, ऑटोमोटिव पिस्टन ढलाई के लिए कास्टिंग जीनोम का विकास: एक अध्ययन, 73^{वीं} विश्व ढलाई कांग्रेस, पोलैंड, सितंबर 2018, 73 डब्ल्यूएफसी, पोलैंड, सितंबर 2018
6. सोहिनी चौधरी, यदैया निरसनमेटला एवं मणिपुरम मुरलीधर, इलेक्ट्रॉन बीम Ti₆Al₄V मिश्र धातु जोड़ का विश्लेषण व जांच। आईसीसीएमएम-2019, आईआईटी, गुवाहाटी, भारत (मार्च 2019 में प्रस्तुत)

7. रूपश्री ओजाह, एन यदैया एवं मानपुरम मुरलीधर, हाइब्रिड इंजन के लिए विश्लेषणात्मक पदानुक्रम प्रक्रिया द्वारा कास्टिंग प्रक्रिया चयन। 67^{वाँ} आईएफसी और 15^{वाँ} एएफसी, जनवरी 2019, नोएडा, भारत में प्रकाशित। (जनवरी 2019 में प्रस्तुत)
8. दास, एस, चंद्रशेखरन, एम, सामंत, एस, 2018, Al6061 (SiC/B₄C) हाइब्रिड नैनो मिश्रधातु के मापदंडों की प्रायोगिक जांच, सरलीकरण और अनुकूलन। (आईसीसीएमएम 2018), हैदराबाद में 13-14 जुलाई 201, 2^{वें} अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित।
9. दास, एस, चंद्रशेखरन, एम, सामंत, एस, 2018 Al6061/SiC/B₄C हाइब्रिड नैनो धातु सारणी मिश्रण और इसके भविष्य के मॉडल का फजी लॉजिक का उपयोग करते हुए अध्ययन। 4^{वाँ} अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन औद्योगिक अभियांत्रिकी, 21-23 दिसंबर, 2017, एसवीएनआईटी, सूरत, भारत की कार्यवाही में प्रकाशित।
10. देवरसिद्धप्पा, डी, चंद्रशेखरन, एम, 2018 सतत उत्पादन के लिए Ti-6Al-4V मिश्र धातु के वायर-कट ईडीएम के पीसीए-जीआरए एकीकृत का बहु उपयोग विश्लेषण।, (आईसी-आरआईडीएमई 18), अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यंत्रिक अभियांत्रिकी में हाल ही में नवाचार और विकास। एनआईटी मेघालय, शिलांग, भारत, में प्रस्तुत किया गया। नवम्बर, 8-10, 2018 इस आलेख को बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया।
11. सरमा, डी, चंद्रशेखरन, एम 2018 घटक के स्थायी उत्पादन के लिए ऊर्जा कुशल मशीनीकरण का अनुप्रयोग: कला की एक स्थिति। राष्ट्रीय सम्मेलन ऊर्जा, पारिस्थितिकी और पर्यावरण (NCEEE18), 2-3, अगस्त 2018, बन्नारी अम्मन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सत्यमंगलम, तमिलनाडु में प्रस्तुत।
12. देवरसिद्धप्पा, डी, चंद्रशेखरन, एम, सांबंडम, एम टी, 2018 सतत उत्पादन के लिए Ti-6Al-4V मिश्रधातु की तार के मशीनीकरण में बिजली की खपत का विश्लेषण। राष्ट्रीय सम्मेलन ऊर्जा, पारिस्थितिकी और पर्यावरण-2018), 2-3, अगस्त 2018, बन्नारी अम्मन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सत्यमंगलम, तमिलनाडु में प्रस्तुत ।
13. सिंह, वी, चंद्रशेखरन, एम, सामंत, एस 2018 स्टील (AISI 201Gr) को मजबूत करने का प्रतिमान व सरलीकरण हेतु नाइट्रोजन के गैस धातु चाप वेल्डिंग। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यंत्रिक अभियांत्रिकी में हाल ही में नवाचार और विकास। एनआईटी मेघालय, शिलांग, भारत, में प्रस्तुत किया गया। नवम्बर, 8-10, 2018
14. सरमा डी, सोनोवाल, जे, पॉल, एम, बेजबरुआ, ए, चंद्रशेखरन, एम, साहू, ए के, 2018, एआईएसआई 4340 स्टील के बहु उपयोग की उच्च टर्निंग जांच। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यंत्रिक अभियांत्रिकी में हाल ही में नवाचार और विकास। एनआईटी मेघालय, शिलांग, भारत, में प्रस्तुत किया गया। नवम्बर, 8-10, 2018
15. एन पी हिना, पी लिंग्फा (2018), अलगाव, बायोमास का अनुमान और डायटम नेवीकुला स्पैरोफोरा की जैव ईंधन क्षमता का लक्षण वर्णन। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही (डीओआई: org/10.1063/1.5032022)
16. एस के दास, पी लिंग्फा (2018), बायोडीजल उत्पादन का अवलोकन और डीजल इंजनों में इसका उपयोग। आईओपी सम्मेलन श्रृंखला: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग, अंक 377, 012006, (डीओआई: 10.1088 / 1757-899X / 377/1/012006)
17. अवधेश कुमार एवं पी लिंग्फा(2018), अपशिष्ट प्लास्टिक तेल और प्लास्टिक कचरे से प्राप्त विभिन्न हाइड्रोकार्बन ईंधन की खोज। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन अक्षय और वैकल्पिक ऊर्जा -2018, असम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, भारत में 4-6 दिसंबर, 2018 के दौरान आयोजित।
18. अवधेश कुमार एवं पी लिंग्फाएस के दास, एम एस अहमद(2018), बेकार प्लास्टिक से वैकल्पिक ईंधन के रूपांतरण तकनीक पर अध्ययन। 8^{वाँ} अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सतत कचरा प्रबंधन-2018, 22-24 नवम्बर, 2018, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, भारत

19. संतोष के डी, पी लिंगफा (2018), एम एस अहमद, अक्षय डीज़ल इंधन जथोपा बायोडीज़ल, 8^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सतत कचरा प्रबंधन-2018, 22-24 नवम्बर, 2018, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, भारत
20. एम एस अहमद, पी लिंगफा (2018), ए. कुमार, एस के दाश, जटरोफा, करंजा और कैस्टर फीडस्टॉक से बायोडीज़ल के उत्पादन पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा।, 8^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सतत कचरा प्रबंधन-2018, 22-24 नवम्बर, 2018, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, भारत
21. पी लिंगफा (2019), जैवइंधन-उर्जा का नवीकरणीय स्रोत। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सामग्री अभियांत्रिकी और विशेषता-2019, 8-9 मई, 2019 के दौरान। अधी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, भारत।
22. पी लिंगफा (2018), जैव इंधन और उज्ज्वल भविष्य के लिए इसका महत्व। 2वाँ अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन जैव इंधन व जैव उर्जा। 27-28 मार्च, 2018, फ्रांस।
23. हेमंता डेली, संदीप सिंह एवं नबम तेई, गैलिंग रेसिस्टेंस टेस्ट के मूल्यांकन के लिए उपकरण का डिजाइन और विकास। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यंत्रिक प्रतिपादन और संयंत्र अभियांत्रिकी, नवम्बर, 14-15, 2018 , मेलाका, मलेशिया ।
24. नबम तेई एवं संदीप सिंह , "एफएफटी से पूर्ण स्पेक्ट्रम में असंगतियों का निराकरण। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यंत्रिक प्रतिपादन और संयंत्र अभियांत्रिकी, नवम्बर, 14-15, 2018 , मेलाका, मलेशिया ।
25. एस सामंता, ड्राई स्लाइडिंग घर्षण पर केलर हाइब्रिडेशन का प्रभाव और बांस/एपाँक्सी मिश्रण की उपयोगिता। 4^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समग्र सामग्री और सामग्री अभियांत्रिकी। विज्ञान विश्वविद्यालय, टोक्यो, जापान, 19-22 जनवरी 2019
26. एस सामंत, बी४सी और राख प्रबलित संकर नैनो कंपोजिट आरएसएम मिश्रण का प्रतिमान व सरलीकरण। 4^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समग्र सामग्री और सामग्री अभियांत्रिकी। विज्ञान विश्वविद्यालय, टोक्यो, जापान, 19-22 जनवरी 2019

ग. पुस्तक / पुस्तक अध्याय (2)

- 1 एस के दास एवं पी लिंगफा(2018), उच्च एफएफए गैर-खाद्य नाहर तेल और उपज के अनुकूलन से बायोडीज़ल का उत्पादन। *व्याख्यान नोट्स - मल्टीडिसीप्लेनरी इण्डस्ट्रीयल इंजिनियरिंग* (एससीओपीयूएस), स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, (डीओआई: ओआरजी/ 10.1007 /978-3-319-76276-0-47)
- 2 ए सरकार, एम दाबी, यू के साहा(2017), भारतीय परिवहन और बिजली क्षेत्रों में डीजल इंजन की ऊर्जा की आवश्यकता का पूरक। ससटेनेबल एनर्जी एण्ड ट्रांसपोर्टेशन: *टेक्नोलॉजीज एंड पॉलिसी* (स्प्रिंगर)।

घ. पत्रिका में प्रकाशित लेख

- आचार्य पी लिंगफा (2018) ने *नेरीस्ट यंत्रिक एसोसिएशन पत्रिका*, *नेरीस्ट* में एक लेख बायोडीज़ल के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास पर प्रकाशित किया था।

4.7.10 बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों का सम्पर्क

विभाग के संकाय सदस्य प्रोफेसर पी. लिंगफा को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, डा. आशि गिरी का जादवपुर विश्वविद्यालय, डा. एम. चन्द्रशेखरन, डा. एस. महतो, डा. एस. सिंह, श्री एम दाबी व श्री एन.

जादाह का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, डा. के. के. मण्डल का जादवपुर विश्वविद्यालय, तथा एस. सामन्ता का बंगाल अभियांत्रिकी महाविश्वविद्यालय, रा.प्रौ.सं. अरुणचल प्रदेश व डा. एस.एस. गौतम का बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, डा. एन यादाह का राजा रम्न्ना उच्च प्रौद्योगिकी केन्द्र, इन्दोर तथा हिन्दुस्तान ऐरोनोटिक्स लिमिटेड, कोरापत, उड़ीसा से संयुक्त अनुसंधान हेतु सम्पर्क है।

4.7.11 परामर्श परियोजनाएं शुरू की गईं -नहीं-

4.7.12 छात्रों की उपलब्धियां

स्नातक कार्यक्रम के एक बी.टेक. अन्तिम वर्ष के छात्र श्री सुधाशू कुमार ने गेट 20189 में सफलता प्राप्त की थी। कुछ छात्रों ने आईआईटी, एनआईटी और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया। छात्रों ने अपनी परियोजनाओं में जैव-गैस संयंत्र, सौर तापक के मॉडल के डिजाइन और विकास में शामिल हैं। छात्रों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए और उनके परियोजना के काम के लिए प्रयोग करने के लिए आईआईटी जैसे संस्थानों में भेजा गया था।

परिसर नियोजन स्थिति

क्र.सं.	नाम	अनुक्रमांक	कंपनी	साक्षात्कार की तिथि	पद
1	मोनोज कांति चक्रवर्ती	डी/15/एमई/05	टाटा प्रोजेक्ट्स	10-11 दिसंबर	ग्रेजुएट इंजि. प्रशिक्षु
2	हर्ष कुमार	डी/15/एमई/04	टाटा प्रोजेक्ट्स	10-11 दिसंबर	ग्रेजुएट इंजि. प्रशिक्षु
3	आशीष कुमार पात्रा	डी/15/एमई/101	इंफोसिस	7-8 मार्च	सिस्टम इंजीनियर
4	रौनक बोस	डी/15/एमई/006	इंफोसिस	7-8 मार्च	सिस्टम इंजीनियर
5	सबिता रॉय	डी/15/एमई/023	इंफोसिस	7-8 मार्च	सिस्टम इंजीनियर
6	सुधांशु कुमार	डी/15/एमई/010	इंफोसिस	7-8 मार्च	सिस्टम इंजीनियर
7	तरु यल्लू	डी/15/एमई/022	फाईडेलिट	18 मार्च	प्रक्रिया विश्लेषक
8	डिकेन शर्मा	डी/15/एमई/202	फाईडेलिट	18 मार्च	प्रक्रिया विश्लेषक
9	चंदन कुमार	डी/15/एमई/205	फाईडेलिट	18 मार्च	प्रक्रिया विश्लेषक
10	प्रतिष्ठा गौतम शर्मा	डी/15/एमई/030	फाईडेलिट	18 ^{वें} मार्च	प्रक्रिया विश्लेषक
11	अरुण ज्योति कलिता	डी/15/एमई/007	कोन्नीजेंट	13-14 अप्रैल	-
12	पी आर प्रणब त्रिपाठी	डी/15/एमई/011	कोन्नीजेंट	13-14 अप्रैल	-
13	जिटू बोराह	डी/15/एमई/206	ऑयल	6 मई	सीनियर इंजीनियर
14	के सिद्धार्थ सिंह	डी/15/एमई/103	ऑयल	6 मई	सीनियर इंजीनियर

4.7.13 कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

<p>आचार्य पी लिंगफ़ा</p>	<ul style="list-style-type: none"> ➤ आलेख कंप्रेशन इग्निशन इंजन में खनिज डीजल के एक आंशिक विकल्प के रूप में बायोडीजल प्रस्तुत, 2वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जैव इंधन व जैव उर्जा, 27-28 मार्च, 2019, फ्रांस। ➤ 2वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जैव इंधन व जैव उर्जा, 27-28 मार्च, 2019, फ्रांस के दौरान सत्र की अध्यक्षता की। ➤ दोनी पोलो विद्या भवन में 10 अगस्त, 2018 को आमंत्रित वार्ता "बायोडीजल का महत्व" प्रस्तुत की। ➤ अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला ऊर्जा प्रणालियों के जीवन चक्र विश्वसनीयता, कांजीरंगा विश्वविद्यालय, असम, भारत, 22-23 अप्रैल, 2019 के दौरान अपना व्याख्यान "ऊर्जा फसलों के जीवन चक्र विश्वसनीयता अध्ययन" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। ➤ 2वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जैव इंधन व जैव उर्जा, 27-28 मार्च, 2019, फ्रांस 27-28 मार्च, 2019, फ्रांस में अपना आलेख बायोइंधन तथा हरित व सुरक्षित भविष्य में इसकी उपयोगिता प्रस्तुत किया । ➤ राजकीय महाविद्यालय, सेपा, जिला पूर्वी कामेंग अरुणाचल प्रदेश -790102, भारत द्वारा 28 सितंबर, 2018 को आयोजित राज्य स्तरिय संगोष्ठी अरुणाचल प्रदेश में विकास की प्रक्रिया: समस्या और संभावनाएं (विशेष संदर्भ पूर्वी कामेंग जिला) के दौरान अपना आलेख "पूर्वी कामेंग जिले का विकास: चुनौतियां और संभावनाएं" प्रस्तुत किया
<p>डॉ एस सिंह</p>	<ul style="list-style-type: none"> ➤ विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के इन्सपायर मानक योजना के तहत राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन द्वारा आयोजित अरुणाचल प्रदेश की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी और परियोजना समापन के बाद सूचीबद्ध स्कूली छात्रों को सलाह देने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया गया। नेरिस्ट, 30 नवम्बर, 2018 ➤ आईआईटी दिल्ली में इन्सपायर माणक पुरस्कार समारोह, 14-15 फरवरी, 2019 देश भर से सबसे अच्छा नवाचार के चयन के लिए एक जूरी सदस्य के रूप में भाग लिया।
<p>श्री एन</p>	<ul style="list-style-type: none"> ➤ 4वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यॉत्रिक प्रतिपादन एव संयंत्र अभियंत्रिकी, 4 नवंबर, 14-15, 2018, मेलाका, मलेशिया में अपना शोध पत्र "डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ अप्लायजिंग गैलटिंग प्रतिरोध परीक्षण हेतु उपकरण का डिजाइन व विकास" प्रस्तुत किया। ➤ विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के इन्सपायर मानक योजना के तहत राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन द्वारा आयोजित अरुणाचल प्रदेश की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी और परियोजना समापन के बाद सूचीबद्ध स्कूली छात्रों को सलाह देने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया गया। नेरिस्ट, 30 नवम्बर, 2018

<p>डॉ एस के तमांग</p>	<ul style="list-style-type: none"> ➤ 4^{वें} अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आईसीसीएमएमई-2019, नवम्बर, 19-21, 2019, टोकियो, जापान में अपना शोध पत्र "AA6061/SiC/B4C शंकर नैनो मिश्रण की प्रायोगिक जांच एव मूल गुणों में सुधार" एक प्रस्तुत किया । ➤ विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के इन्सपायर मानक योजना के तहत राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन द्वारा आयोजित अरुणाचल प्रदेश की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी और परियोजना समापन के बाद सूचीबद्ध स्कूली छात्रों को सलाह देने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया गया। नेरिस्ट, 30 नवम्बर, 2018
------------------------------	--

4.7.14 प्रयोगशालाओं और उपकरणों की सूची (परिशिष्ट-ए)

क्र.सं.	प्रयोगशाला	प्रमुख उपकरण
1	गैस गतिशीलता	पवन सुरंग, वायु प्रवाह रिग, धुआँ सुरंग, नोजल परीक्षण उपकरण, कंप्रेसर, तीन घटक तुला, आंकडा अधिग्रहण प्रणाली
2	एचएमटी एवं उष्मा अभियांत्रिकी	बहुउद्देशीय वायु वाहिनी, द्रवयुक्त सतह उपकरण संचालन संवहन और विकिरण उपकरण, कम्प्यूटर लिंक धारी उपकरण
3	सीएफडी	पर्सनल कम्प्यूटर और संबंधित सॉफ्टवेयर
4	द्रव पावर एवं स्वचालन	केन्द्रा पसारक और पारस्परिक पंप, पल्टन व्हील, मेट सेंटी ऊँचाई उपकरण, हाइड्रोलिक प्रशिक्षक, सिमुलेटर, फ्रांसिस और कैप्लन टर्बाइन
5	आई.सी. इंजन	दो स्ट्रोक और चार स्ट्रोक पेट्रोल और डीजल इंजन, 5-गैस विश्लेषक, धुआँ मीटर
6	जैव डीजल (बायोडीजल)	इंटीग्रेटेड बायोडीजल रिएक्टर सिस्टम (मैकेनिकल ऑयल एक्स्प्लोरर, डेकोर्टेक्टकेटर, बेबी बाथ बाँयलर और ऑइल फिल्टरिंग यूनिट), मैग्नेटिक ऑयल स्टीरर, 1-लीटर क्षमता बायोडीजल रिएक्टर, गैस क्रोमैटोग्राफ (जीसी), बम कैलोरीमीटर, अपकेंद्रित्र, फ्लैश एंड फायर पाइंट उपकरण, क्लाउ,सेटाविस विस्कोमेटर
7	वातानुकुलन व शितलन	कम्प्यूटरीकृत आर व एसी यूनिट, वाफे संपीड़न इकाई, गैस चार्जर, बर्फ मेकर, रेफ्रिजरेटर
8	गतिशीलता व गतिकी	यूनिवर्सल कंपन टेस्टिंग ऑपरेटर्स, सीएएम विश्लेषण मशीन, रेसीप्रोकेटिंग और रोटेटिंग मास बैलेंसिंग यूनिट, ज्योरस्कोप, गवर्नर उपकरण, फंक्शन जेनरेटर, डिजिटल ऑसिलोस्कोप, एम्पलीफायर के साथ ध्वनिक इन्सुलेशन टेस्ट उपकरण
9	सामग्री शक्ति	यूटीएम, टॉर्सन टेस्टिंग यूनिट, इंपैक्ट टेस्टिंग यूनिट, थकान परीक्षण इकाई, कठोरता परीक्षक, विश्लेषक, ध्रुवीय क्षेत्र और अन्य सहायक उपकरण के साथ लेंस ध्रुवीय क्षेत्र।
10	ट्राइबोलॉजी	हर्ट्जियन, संपर्क उपकरण, एयर असर उपकरण, बहुउद्देशीय घर्षण परीक्षक

11	सी. ए. डी.	कम्प्यूटर और सापेक्ष सॉफ्टवेयर
12	सी.आई.एम. एवं रोबोटिक (उपकरण कक्ष)	युगल सीएनसी-सह मिलिंग एम/सी अधिकतम सीएनसी उत्पादन, बाहरी टर्निंग कार्बाइड उपकरण धारक सहित सीएनसी मशीन, टूलींग और धारक एडाप्टर सहित मैक्स मिल सीएनसी उत्पादन मिलिंग मशीन
13	कंप्यूटर	कंप्यूटर विश्लेषण सॉफ्टवेयर
14	धातुकर्म विज्ञान	मापने के उपकरण, माइक्रोस्कोप, फर्नेस, प्रोफाइल प्रोजेक्टर, चमकान मशीन
15	सभागार	एलसीडी प्रोजेक्टर, डिजिटल कैमरा, विभिन्न विषयों पर ई-लर्निंग सीरीज, इंटरएक्टिव स्मार्ट क्लासरूम सिस्टम
16	कार्यशालाएं	बढ़ईगीरी, नमुना, मशीन और रखरखाव, फिटिंग शॉप, वेल्डिंग शॉप, फोर्जिंग शॉप और शीट मेटल शॉप से संबंधित विभिन्न धातु बनाने और धातु हटाने की प्रक्रिया और उपकरण

4.8 रसायन विज्ञान विभाग

4.8.1 रसायन विज्ञान विभाग का संक्षिप्त परिचय

यह विभाग संस्थान द्वारा संचालित अभियांत्रिकी के तीनों कार्यक्रमों प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, डिग्री तथा वानिकी में डिग्री स्तर के छात्रों को रसायन विज्ञान का अध्यापन कार्य कर रहा है। विभाग में वर्ष 2009-10 से जैविक रसायन में विशेषज्ञता के साथ एम. एससी. (रसायन) विज्ञान का शुभारंभ किया गया। रसायन विज्ञान में एमएससी के नए बैच, यथा: एम.एससी. (प्रथम वर्ष) के 10वें बैच की प्रवेश प्रक्रिया जुलाई 2018 में की गई, जिसके लिए विभाग द्वारा लिखित परीक्षा ली गई। परीक्षा में सफल 10 अभ्यर्थियों का चयन किया गया और 10 अभ्यर्थियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया। इस प्रक्रिया से गुजरने के बाद वर्ष 2017-18 सत्र के लिए एम.एससी. रसायन विज्ञान के प्रथम वर्ष में कुल 10 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया। इसके अतिरिक्त पीएचडी के लिए भी लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार आयोजित किया गया था। कुल 03 विद्यार्थियों को पीएच.डी. में प्रवेश प्रदान किया गया था।

संस्थान के प्रशासनिक कार्यों में विभाग के संकाय सदस्यों का योगदान सराहनीय है।

1. प्रोफेसर एच. एस. यादव ने निदेशक नेरिस्ट के रूप में 06 मार्च, 2018 को पदभार ग्रहण कर लिया है। आप विभाग के अध्ययन मंडल के भी सदस्य हैं।
2. प्रोफेसर पी. के. त्रिपाठी, नेरिस्ट शैक्षिक समिति, विभाग के अध्ययन मंडल तथा निदेशक नेरिस्ट द्वारा गठित कई समितियों में वे अध्यक्ष/सदस्य के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। आप नेरिस्ट प्रबन्धन बोर्ड के भी सदस्य हैं।

3. प्रोफेसर एम. एफ. हुसैन नेरिस्ट शैक्षिक समिति, विभाग के अध्ययन मंडल के सदस्य हैं।
4. आचार्य एन. देब स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड, नेपगेट तथा नेरिस्ट शैक्षिक समिति सदस्य हैं।
5. डॉ. जे. भुयॉन संस्थान के केंद्रीय शोध सुविधा (सी आर एफ) के प्रभारी के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। आप विभाग के अध्ययन मंडल व स्वचालन समिति के संयोजक व एनईई समिति के सदस्य हैं।
6. प्रोफेसर ए. के. गुप्ता 24-4-2018 से विभागाध्यक्ष हैं। आप विभाग के अध्ययन मंडल व स्नातकोत्तर अध्ययन समिति के अध्यक्ष भी हैं।
7. डा. एम यादव विभाग के अध्ययन मंडल की सदस्या हैं। आप एनबीए की विभागिय संयोजक और कार्यस्थल पर महिला उत्पिड़न अधिनियम-2013 की शिकायत समिति की तथा के.वि. अभिभावक-विद्यार्थी समिति की सदस्या हैं।
8. डॉ. एस एल भारती विभाग के अध्ययन मंडल की सदस्या हैं।

विभागीय प्रशासनिक कार्यों में भी विभाग के संकाय सदस्यों का योगदान सराहनीय है।

1. डॉ. मीरा यादव रसायन प्रयोगशाला-II की प्रभारी थी।
2. डॉ. जे. भुयॉन पी जी प्रयोगशाला-I एवं उपकरण प्रयोगशाला के प्रभारी थे।
3. डॉ. एन. एन. यादव पी जी प्रयोगशाला-II के प्रभारी थे।
4. डॉ. ए मुगन पी जी प्रयोगशाला-III के प्रभारी थे।
5. श्री एस. एल. भारती विभागिय पुस्तकालय के प्रभारी एवं केन्द्रीय पुस्तकालय के प्रतिनिधि थे।

4.8.2 शैक्षणिक गतिविधियां

विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के संशोधित पाठ्यक्रम की विवेचना के लिए 23/03/2017 को रसायन विज्ञान विभाग के 4^{वें} बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की बैठक आयोजित की गई थी। इस बोर्ड द्वारा सुझाये पाठ्यक्रम को सत्र 2017-18 से लागु कर दिया गया है। विभाग की डीपीजीसी समिति एम.एससी. व पीएच.डी. कार्यक्रमों के सुचारु संचालन व प्रगति का आकलन निरन्तर कर रही है।

विभाग में सैधान्तिक और प्रायोगिक कक्षा के नियमित सुचारु संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है। सभी पाठ्यक्रम यथासमय समाप्त हो गए। सभी जांच और प्रायोगिक कक्षाएँ समाय पर पूरी कर ली गई। सत्रांत परीक्षा, परिपूरक परीक्षा, पूरक परीक्षा, प्रश्नोत्तरी तथा षष्ठमकालिन पाठ्यक्रम आदि सभी परीक्षाओं के परिणाम समय पर तैयार किए गए और परीक्षा नियंत्रक को प्रस्तुत किए गए। एन बी ए से संबन्धित आवश्यक पाठ्यक्रमों के संयोजन के साथ अंकों का निर्धारण किया गया और संबन्धित विभागों को समय पर प्रस्तुत की गई। समय समय पर विभाग के वर्तमान पाठ्यक्रम में संशोधन अथवा नए पाठ्यक्रम निर्माण के लिए विभाग में अध्ययन परिषद का गठन किया गया है।

4.8.3 प्रयोगशाला और प्रयोगशाला विकास

प्रयोगशालाओं में निम्नलिखित उपकरण अच्छी अवस्था में हैं:

- डिजिटल कंडक्टिविटी मीटर
- पोलारी मीटर
- डिजिटल पी. एच. मीटर

- डिफरेंशिएल स्केनिंग केलोरिमीटर (डीएससी)
- एफ.टी.-आई.आर.
- रोटरी इवेपोरेटर
- मेल्टिंग प्वाइंट एपाराटास, आदि
- डिजिटल मेग्नेटिक स्टाइरर विथ हॉट प्लेट
- क्वार्ट्स बि-डिस्टिल्लेशन
- वेरिएवल वल्यूम माइक्रोपाइपेट और
- एनालाइटिकल बेल्स

4.8.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

निम्नलिखित परियोजनाओं की प्रस्तुति 18.05.2018 को एमएस.सी. अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा समिति के सदस्यों व एवं डॉ. ए. अट्टा बाह्य विशेषज्ञ की उपस्थिति में की गई थी -

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	पर्यवेक्षक
01	बायो-कैटलिस्ट के रूप में कुकुमिससैटिवस से पेरोक्सीडेज	एमएस/16/सीएच/01	सुश्री जारपी काई	आचार्य एस यादव
02	विभिन्न डाइहाइड्रोक्विनोलीन / इस्वाक्विनोलीन के संश्लेषण के लिए क्विनोलीन/ इस्वाक्विनोलीन का सक्रियण	एमएस/16/सीएच/02	श्री हन्ननुद्दीन	डॉ एन एन यादव
03	मिथाइल / एरील- β -मिथाइल- α , β -असंतृप्त ओ-मिथाइलस्टरस के लिए एक आदर्श ऑक्ज़ोकेन्टेनिथिओसिटल्स त्रिविम और पुनर्जीर्ण रूपांतरण	एमएस/16/सीएच/03	श्री मंजिल नाथ	आचार्य ए के गुप्ता
04	फेनिलिसोथियोसाइनेट के साथ मोनो और डाइकारबॉक्सिलिक एसिड का एक त्वरित रूपांतरण	एमएस/16/सीएच/04	श्री गुनका हजारिका	आचार्य पी के त्रिपाठी
05	Mn(III) मिश्रणों के अपचयन गतिविधि पर अध्ययन	एमएस/16/सीएच/05	श्री परनजीत पेगू	डॉ एस एल भारती
06	इयोक्स कारोटा (गाजर) से उत्प्रेरक का एंजाइमेटिक लक्षण वर्णन	एमएस/16/सीएच/08	सुश्री आनंदिता हजारिका	डॉ एम यादव

07	लोहा, जस्ता और मैग्नीशियम टेट्रा-(4-सल्फोनेटोफिनाइल) -स्पर्फिन का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और एकत्रीकरण अध्ययन	एमएस/16/सीएच/09	श्री ज्योति प्रकाश दास	डॉ जे भुयान
08	वैनेडियम आक्साइड का पेरोक्सीडेज में सह-उत्प्रेरक के रूप में प्रयोग व प्रतिक्रिया	एमएस/16/सीएच/10	सुश्री नसरीन बेगम	आचार्य एच एस यादव

4.8.5 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालों का आयोजन: नहीं

4.8.6 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालों में संकाय सदस्यों की भागिदारी

डॉ जे भुयान ने निम्नलिखित पाठ्यक्रम / संगोष्ठियों में भाग लिया:

- यूजीसी-एचआरडीसी, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम में 15 दिसंबर 2018 से 11 जनवरी 2019 तक आयोजित यूजीसी-प्रायोजित सम्पर्क कार्यक्रम (ओपी -118) में भाग लिया और ए ग्रेड प्राप्त किया।
- ऑनलाइन कार्यक्रम "सीखना ऑनलाइन: खोज और शोध" में भविष्य जानें, लीड्स विश्वविद्यालय, 2 सप्ताह, प्रति सप्ताह 2 घंटे, में भाग लिया, 23 दिसंबर, 2018

डॉ मीरा यादव ने निम्नलिखित पाठ्यक्रम / संगोष्ठियों में भाग लिया:

- यूजीसी-एचआरडीसी, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम में 15 दिसंबर 2018 से 11 जनवरी 2019 तक आयोजित यूजीसी-प्रायोजित सम्पर्क कार्यक्रम (ओपी -118) में भाग लिया।

डॉ एन एन यादव ने निम्नलिखित अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में भाग लिया:

- राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के माध्यम से, भारत सरकार के तहत संयुक्त रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी द्वारा नेरिस्ट में 10-14 दिसंबर, 2018 को आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "डीएसपी एवं संवेदी" में भाग लिया।
- डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर में यूजीसी एचआरडीसी चार सप्ताह के अभिविन्यास कार्यक्रम में 15 जनवरी से 11 फरवरी, 2019 तक भाग लिया।

डॉ शशीलता भारती ने निम्नलिखित पाठ्यक्रम / संगोष्ठियों में भाग लिया:

- डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर में यूजीसी एचआरडीसी चार सप्ताह के अभिविन्यास कार्यक्रम में 10-11-2018 से 7-12-2018 तक भाग लिया।

4.8.8 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित पुरस्कार / मान्यता: -नहीं-

4.8.9 विभाग को बाह्य निकायों द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं: -नहीं-

आलेखों का प्रकाशन:

(क) शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- प्यूनिताना भुइयन एवं पी के त्रिपाठी(2019) हेटेरोसायक्लिक केम का 2-सबस्टीट्यूड 2- ऑक्साजोलिन-5-वन्स प्रतिउत्पन्न सिटब के संग शितलन का अध्ययन। अमेरिकन जे. हेक्ट्रोसाईक्लिक कैम., 5 (1), 1-3 (2019)
- गनंका हजारीका एवं पी के त्रिपाठी (2019) मोनो और डिकोर्बोलिक एसिड का फिनाइलिसोथियोसाइनेट में के त्वरित रूपांतरण। अमेरिकी जे हेटेरोसायक्लिक केम, 5 (1), 4-6 (2019)
- बोराह, बी पी, भुइयां, जे, (2018), जिक मेथो ऑक्सीफिनाईल प्रोपेरिन में मेथॉक्सी समूहों की स्थिति का प्रभाव। जे केम साईन्स, 130, 130-138 <https://www.ias.ac.in/article/fulltext/jcsc/130/09/0117>
- एनएन यादव, एच.जे. हा (2018) एज़ेथेरोसायकल के संश्लेषण के लिए स्थिर बाइसिकल एज़िरिडिनियम आयन और उनकी रिंग खोलने का संश्लेषण। जे विस एक्स/ (138), e57572, डीओआई: 10.3791 / 57572 (2018)
- के सुदर्शन, आर वैकटेश्वरन, पी कोटेतेस्वरन एवं ए मुरुगन (2018) बैगेज के उपचार के लिए लुगदी आधारित ब्लिच मिल का लेप क्रियासिलता विधि द्वारा उपयोग। रिसर्च जर्नल ऑफ केमिस्ट्री एंड एनवायरमेंट, 22 (9), (2018), 7-14
- ए मुरुगन, वी थंडाय्यकोन एवं मिथुन चक्रवर्ती (2018), कॉपर और कैडमियम पोर्फिरीन्स का चक्रीय वोल्टमैट्री तकनीकी रूप से महत्वपूर्ण क्रिस्टलीय और एमोर्फिड सॉलिड्स अध्ययन। (टिकाँस - 2018) (2018), 60-63 (आईएसबीएन): 9788190936736

(ख) सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

- टोकओ नाने, मीरा यादव, रसायन विज्ञान विभाग, एनईआरआईएसटीटी, निर्जुली, इटानगर -791109 (2018) चयोटस्क्वैथ, प्रजाति से उत्प्रेरित एंजाइम गतिविधि का अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन रसायन विज्ञान के वर्तमान आयाम। एफआईसीएस - 2018 दिसंबर 6-8, 2018, रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी।

(ग) पुस्तकें

- यादव, एम एवं यादव, एच एस बुक "जैव रसायन के सिद्धांत" । इंटरनेशनल जर्नल्स पब, नोएडा, नई दिल्ली (प्रेस 2019 में)
- यादव एस, यादव एम, यादव के.एस. (2018) ऑक्सीजन: एक अवलोकन। आईएसबीएन-978-613-8-39014-5 लेप लम्बर्ट शैक्षणिक प्रकाशन। ब्रिवीदास गेटवे 197, एलवी-1039, रीगा, लातविया, यूरोपीय संघ
- भारती, एस एल, चौरसिया, पी के, (2018) औषधि, पोषण और औद्योगिकीकरण, आईजीआई ग्लोबल, अमेरीका।

(घ) पुस्तक में अध्याय:

- चौरसिया, पी के, भारती, एस एल एवं मणि, ए, पेट्रोलियम-आधारित हाइड्रोकार्बन के एंजाइमेटिक उपचार, अध्याय 19, पर्यावरण अपशिष्ट प्रबंधन के लिए माइक्रोबियल टूल पर शोध की हैंडबुक, आईजीआई ग्लोबल, यूएसए, 2018
- चौरसिया, पी के, भारती, एस एल एवं मणि, दूषित मिट्टी के बायोऔषधि में कवक के महत्व, अध्याय 20, माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंजीनियरिंग, एल्सेवियर, 2019

4.9 भौतिक विज्ञान विभाग

4.9.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

भौतिक विज्ञान विभाग में दो प्रोफेसर, पांच एसोसिएट प्रोफेसर, तथा चार सहायक प्रोफेसर अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। विभाग के संकाय सदस्य अध्यापन कार्य के अलावा अनुसंधान कार्यों में संलग्न हैं तथा राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्रों का प्रकाशन कर रहे हैं। भौतिक विज्ञान के संकाय सदस्यों को भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे एक्स किरण संचरण, रेशा भौतिकी, प्लाज्मा भौतिकी, नाभिकीय भौतिकी, द्रव स्फटिक, ठोस आयनिकी, गणितीय भौतिकी, अर्ध चालक भौतिकी, अति चालकता, एवं लेजर रमन स्पेक्ट्रम आदि में विशेषज्ञता प्राप्त है। साथ ही विभाग के कुछ संकाय सदस्यों ने संभाव्य वित्तपोषण के लिए अन्य वैज्ञानिकों द्वारा दी गई परियोजनाओं की डीएसटी, सीएसआईआर के समीक्षक के रूप में भी कार्य किया है।

द्रव स्फटिक और ठोस आयनिकी के क्षेत्र के विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और तृतीय विश्व विज्ञान अकादमी (टीडबल्यूएस) इटली द्वारा वित्तपोषित कुल ग्यारह प्रायोजित शोध परियोजनाओं का कार्य सम्पूर्ण कर लिया गया है। एक स्थानीय लघु परियोजना पर भी कार्य पूरा किया गया। वर्तमान में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तपोषित एक शोध परियोजना पर कार्य चल रहा है, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एफआईएसटी के तहत एक परियोजना का कार्य प्रगति पर है।

विदेश के वैज्ञानिकों के साथ सहयोगात्मक शोध कार्य के लिए विभाग के संकाय सदस्यों को विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के दो बोयज कास्ट फेलोशिप आई एन एस ए, नई दिल्ली -आर एस एल एवं आई एन एस ए-जे एस पी एस के तीन द्विपक्षीय विनिमय फेलोशिप प्रदान किए गए।

विभाग में कार्य करने वाले कुल 10 शोध छात्रों को पीएचडी डिग्री (द्रव स्फटिक में चार, ठोस आयनिकी में चार, सोलर सेल में एक और रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी में एक) प्रदान की गई। इनमें से तीन पीएच.डी. डिग्रीयाँ नेहू, शिलांग से और एक तेजपुर विश्वविद्यालय से प्रदान की गई। पाँच पीएचडी डिग्री नेरिस्ट द्वारा प्रदान किए गए। वर्तमान विभाग में और बारह शोध छात्र पीएचडी के लिए शोध कार्य कर रहे हैं।

4.9.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

(क) यह विभाग छात्रों को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्प है। विभाग संस्थान के विविध कार्यक्रमों प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा तथा डिग्री के लिए आठ पाठ्यक्रमों का अध्यापन कार्य अभियांत्रिकी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान शाखाओं के लिए कर रहा है। इन पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण निम्नवत है:

मॉड्यूल	पाठ्यक्रम कोड	एल-टी-पी- क्रेडिट	पाठ्यक्रम का नाम
प्रमाण पत्र	पी एच 1101	4-0-2-5	भौतिकी-I
प्रमाण पत्र	पी एच 1201	4-0-2-5	भौतिकी-II
डिप्लोमा	पी एच 3101	4-0-2-5	भौतिकी-III
डिप्लोमा	पी एच 3201	3-0-2-4	सीएस, ईसी एवं ईई के लिए भौतिकी
डिप्लोमा	पी एच 3202	3-0-2-4	ईई, सीई एवं एमई के लिए भौतिकी
डिग्री	पी एच 3203	4-0-2-5	विस्तृत भौतिकी(अनुप्रयुक्त विज्ञान शाखा)
डिग्री	पी एच 4301	4-0-2-5	विस्तृत भौतिकी (सेतु पाठ्यक्रम)
डिग्री	पी एच 5101	3-0-2-4	आधुनिक भौतिकी

(ख) विभाग ने जुलाई, 2009 से एम.एससी. (भौतिकी) का अध्यापन कार्य आरम्भ कर दिया है। स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण निम्नवत है:

माँड्यूल	पाठ्यक्रम कोड	एल.टी.पी. क्रेडीट	पाठ्यक्रम का नाम
एम.एससी.	पी एच 7101	3-1-0-4	क्लासिकल मेकेनिक्स
एम.एससी.	पी एच 7102	3-1-0-4	गणितीय भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 7103	3-1-0-4	संगणनीय भौतिकी एवं प्रोग्रामिंग
एम.एससी.	पी एच 7104	3-1-0-4	क्वान्टम मेकानिक्स- I
एम.एससी.	पी एच 7151	0-0-6-3	सामान्य भौतिकी प्रयोगशाला (जी भौतिकी में विशेषज्ञता)
एम.एससी.	पी एच 7152	0-0-6-3	कंप्यूटर प्रयोगशाला(प्रचालन प्रणाली और प्रोग्रामिंग संबंधी अभ्यास)
एम.एससी.	पी एच 7201	3-1-0-4	इलेक्ट्रोडिनामिक्स
एम.एससी.	पी एच 7202	3-1-0-4	इलेक्ट्रॉनिक्स
एम.एससी.	पी एच 7203	3-1-0-4	एटोमिक मोलेक्युलर व लेजर भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 7204	3-1-0-4	क्वान्टम मेकानिक्स-II
एम.एससी.	पी एच 7251	0-0-9-5	ओपटिक्स व सामान्य भौतिकी प्रयोगशाला (ओपटिक्स संबन्धित व अन्य जो सामान्य भौतिकी में शामिल नहीं, में विशेषज्ञता)
एम.एससी.	पी एच 7252	0-0-9-5	इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला (इलेक्ट्रॉनिक्स के थियरी पत्र में विशेषज्ञता)
एम.एससी.	पी एच 8101	3-1-0-4	एटोमिक व मोलेक्युलर भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 8102	3-1-0-4	इलेक्ट्रॉनिक्स
एम.एससी.	पी एच 8103	3-1-0-4	न्यूक्लियर भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 810*	3-1-0-4	विशेष पत्र-I
एम.एससी.	पी एच 8151	6-6-0-3	ओपटिक्स एवं न्यूक्लियर भौतिकी प्रयोगशाला
एम.एससी.	पी एच 8152	0-0-9-5	इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला
एम.एससी.	पी एच 8201	3-1-2-5	समूह थियरी एवं अनुप्रयोग
एम.एससी.	पी एच 820*	3-1-0-4	विशेष पत्र-II
एम.एससी.	पी एच 825*	0-0-6-3	विशेष पत्र प्रयोगशाला
एम.एससी.	पी एच 80**	3-0-0-3	वैकल्पिक
एम.एससी.	पी एच 8299	0-0-16-8	परियोजना

4.9.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

(क) अध्यापन प्रयोगशाला

विभाग सभी पाठ्यक्रमों की प्रायोगिक कक्षाएँ दो प्रयोगशालाओं में चलाता है:

भौतिकी प्रयोगशाला 1

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों की कक्षाएँ इस प्रयोगशाला में ली जाती हैं:

प्रमाण पत्र माँड्यूल (प्रौद्योगिकी/अनुप्रयुक्त विज्ञान)	:पी एच 1101 तथा पी एच 1201
डिप्लोमा माँड्यूल	:पी एच 3101
डिग्री माँड्यूल (अनुप्रयुक्त विज्ञान)	:पी एच 3203

डिप्लोमा माँड्यूल में में कुछ नये प्रयोगों का समावेश किया गया है।

भौतिकी प्रयोगशाला 2

इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों की कक्षाएँ ली जाती हैं:

डिप्लोमा माँड्यूल (प्रौद्योगिकी)	: पी एच 3201
डिप्लोमा माँड्यूल (प्रौद्योगिकी)	: पी एच 3202
डिग्री माँड्यूल (प्रौद्योगिकी)	: पी एच 4301 और पी एच 5101

भौतिकी प्रयोगशाला 3

इस प्रयोगशाला में सामान्य भौतिकी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की प्रैक्टिकल कक्षाएँ ली जा रही हैं (जुलाई-दिसंबर-09)

भौतिकी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए पाँच और प्रयोगशालाएँ हैं। ये हैं: इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला, सॉलिड स्टेट भौतिकी प्रयोगशाला, न्यूक्लियर भौतिकी प्रयोगशाला, ओपटिक्स प्रयोगशाला और कंप्यूटर प्रयोगशाला।

(ख) कम्प्यूटर सुविधा :

भौतिक विज्ञान विभाग में प्रिन्टर (लेजर जेट और डट मैट्रिक्स) सहित पांच कम्प्यूटर, एक स्केनर और एक सीडी राइटर उपलब्ध हैं। इन्टरनेट सुविधा के लिए एक कम्प्यूटर को लेन के माध्यम से जोड़ा गया है।

(ग) अनुसंधान प्रयोगशालाएँ

(i) द्रव स्फटिक अनुसंधान प्रयोगशाला: डीएसटी, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 1993 को पहली शोध परियोजना संस्वीकृत होने पर डॉ. पी आर अलपति ने नेरिस्ट द्वारा उपलब्ध कराए गए एक स्वतंत्र भवन में जनवरी, 1995 में द्रव स्फटिक कार्यों के लिए एक अनुसंधान प्रयोगशाला का सुभारंभ किया और कुछ वर्षों में द्रव स्फटिक मेटेरियल्स के संश्लेषण, द्रव स्फटिकता के लिए उनका विशेषीकरण तथा भौतिक सम्पत्तियों के परिमापन की सुविधाएं जुटाई गईं। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित सुविधायें उपलब्ध हैं -

- गर्म अवस्था ध्रुवीकरण शूक्ष्मदर्शी
- सघनता मापी उपकरण
- अल्ट्रासोनिक वेलोसिटी मापन यंत्र
- प्रतिबादा विस्लेषक उपकरण (एच पी 4192 ए)
- द्रव स्फटिक में एक्सआरडी के उपयोग से एक्स-रे डिफ्रेक्सन अध्ययन के लिए उपकरण (तापन)
- द्रव स्फटिक सामग्री विश्लेषण की सुविधा

(ii) ठोस आयनिकी अनुसंधान प्रयोगशाला

विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना से संबन्धित शोध कार्य के लिए नेरिस्ट द्वारा उपलब्ध कराए गए एक भवन में डॉ. एस ए हाशमी द्वारा वर्ष 1995 में बेटरी सेंसर्स एवं

सुपरकेपसीटर्स के लिए एक ठोस आयोनिक शोध प्रयोगशाला स्थापित किया गया। पिछले वर्षों में इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं:

- मध्यम आवर्ती (40-100 हर्ज) एलसीआर है टेस्टर (हिओकी, जापान)
- लो फ्रिक्वेंसी (1 मिली हर्ज - 100 किलो हर्ज) कम्प्यूटर नियंत्रित प्रतिबाधा विश्लेषक (हिओकी, जापान)
- साइक्लिक वोल्तामेट्री आदि के लिए कम्प्यूटर नियंत्रित विश्लेषण कार्य प्रणाली (साइकोपेल, यू.के.)
- आयन उत्पादन की स्थानीय प्रविधि, इलेक्ट्रान संचरण पॉलीमर एवं विशिष्टता आकलन प्रणाली
- एक्स वाई टी रेकॉर्डर (ग्राफीटेक, जापान)

(iii) ठोस इलेक्ट्रॉनिक साम एवं उपकरण प्रयोगशाला

विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना से संबन्धित शोध कार्य के लिए डॉ. एच एम उपाध्याय द्वारा वर्ष 1999 एक प्रयोगशाला स्थापित की गई। इस प्रयोगशाला में उपलब्ध कुछ प्रयोगात्मक फेब्रिकेशन/मापन सुविधा निम्नवत हैं:

- निर्वात परत यूनिट (हिंद हाई-वेक, बैंगलोर, इंडिया-मडेल 12ए 4डी) विथ फेसिलिटी ऑफ आईईईई 488 इंटरफेस एंड सॉफ्टवेयर
- सोर्स-मीजर यूनिट (केइथली इंस्ट्रूमेंट्स, यूएसए-मडेल 236) विथ फेसिलिटी ऑफ आईईईई 488 इंटरफेस एंड सॉफ्टवेयर.
- रसायन बाथ डिपोजिशन / इलेक्ट्रोडिपोजिशन सेट-अर्धचालक परतनिर्माण प्रणाली).
- सौर सेल दक्षता मापन उपकरण
- सूर्यमापी, प्रकाश प्रबलता मापन यंत्र

(iv) सामग्री विज्ञान प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला की स्थापना डॉ. अरविंद पांडे तथा डॉ. संजय के द्वारा एमएचआरडी से वित्तपोषित एक परियोजना से संबन्धित शोध कार्य के लिए की गई थी। इनमें स्थापित मुख्य उपकरण हैं:

- केइथली इलेक्ट्रमीटर
- वेइंग बेलेंस
- हायड्रलिक प्रेस
- रोटरी वेकॉम पम्प
- बल मिलिंग मशीन
- शुष्म अन्वेषी आधारित भट्टी

(v) उच्च ताप भट्टी सुविधा

स्थानीय लघु परियोजना के माध्यम से एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सौजन्य से डा. अरविन्द पांडे ने सिरेमिक/कम्पोजीट मिश्रण के निर्माण के लिए उच्च तापमान भट्टी की स्थापना की थी। स्थानीय रूप से निर्मित इस भट्टी का तापमान 1200⁰ सेल्सियस तक बढ़ाया जा सकता है। 1200⁰ सेल्सियस तक बढ़ाए जा सकने वाले एक आयातीत माइक्रोप्रोसेसर पर आधारित भट्टी अभी चालू है। 1000⁰ सेल्सियस क्षमता सम्पन्न एक और भट्टी प्रचालन अवस्था में है।

4.9.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनाएं

एम. एससी., भौतिक विज्ञान परियोजनाएं

- (i) नैनो-क्लस्टर के संरचना और इलेक्ट्रॉनिक गुणों का सैद्धांतिक अध्ययन।
श्री रिकु दास; पर्यवेक्षक-डॉ आर के यादव
- (ii) विभिन्न सामग्री के परत के मिश्रण के साथ मैग्नीशियम फ्लोराइड परत की पतली झिल्ली के प्रकाश और विद्युत गुणों का सैद्धांतिक अध्ययन।
श्री पंकज सिंह; पर्यवेक्षक-डॉ एम उपाध्याय
- (iii) विभिन्न तरल पदार्थों के अपवर्तक सूचकांक और अचालकता नियंतांक का अध्ययन।
सुश्री सारा उम लेगो; पर्यवेक्षक-डॉ एम उपाध्याय
- (iv) रक्षा अनुप्रयोगों के लिए माइक्रोस्ट्रिप संकेतग्राही के लिए अ-स्थिर तत्वों का अध्ययन।
श्री उज्ज्वल प्रतिम गोगोई; पर्यवेक्षक - डॉ के बोराह
- (v) कुछ बोस-आइंस्टीन समाकलित क्रियाओं का एक अध्ययन।
सुश्री नशिबा पार्विन; पर्यवेक्षक-डॉ ए जहां
- (vi) ग्लूआन जेट का विकिरण।
श्री अरंधु दासगुप्ता; पर्यवेक्षक-डॉ एम सेनगुप्ता
- (vii) संगणन रोधी डाईरेक संख्या की सुगमयता।
श्री पार्वद कुमार साहू; पर्यवेक्षक-डॉ एम सेनगुप्ता
- (viii) बीओओ-अणुओं के एसईआर मापन के लिए सबस्ट्रेट का विकास।
सुश्री नीलम छेत्री; पर्यवेक्षक-डॉ थ गोमती देवी
- (ix) तरल मिश्रणों का वाद्य अध्ययन।
श्री रक्तिम ज्योति सरमा; पर्यवेक्षक-डॉ थ गोमती देवी
- (x) रंगीन प्रदर्शन के उन्नत प्रदर्शन हेतु पिक्सेल में नैनोक्रीस्टल फॉस्फर।
श्री दीपकर शर्मा बोर्डोली; पर्यवेक्षक-डॉ एस धीरेन मतेई

ख) पीएच.डी. छात्र

क्र.सं.	छात्र का नाम/ क्रमांक	शोध का शिर्षक	पर्यवेक्षक/ सह पर्यवेक्षक	समापन वर्ष
1	श्री मुकुंद माधव बोरहा पीएच.डी (एफटी)/14/ पीएच/02	जटिल बायोमोलेक्युलर प्रणाली का रमन आईआर अध्यय	डॉ.गोमती देवी, एसोसिएट प्रोफेसर	8/12/2018
2	सुश्री याना बागबी पीएच.डी (एफटी)/14/ पीएच/01	पानी से भारी धातु आयनों (Pb&Cr) के अनुप्रयोग हेतु अभियांत्रिकी नैनो पदार्थ	डॉ.अरविन्द कुमार पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रतिमा आर सौलंकी	31/01/2019
3	श्रीमती काकली भुयान (बोरा) पीएच.डी (पीटी)/14/ पीएच/01	अमोनिया के लिए एक सेंसर के रूप में शुद्ध और डोप SnO: रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके एक आदर्श समाधान	आचार्य पी आर एलापाती	30/03/2019

4	श्री रामानुज मिश्र पीएच.डी (एफटी)/13/ पीएच/01	तरल क्रिस्टल और तरल क्रिस्टल नैनो-पदार्थों पर अचालकता की स्पेक्ट्रोस्कोप जांच	आचार्य पी आर एलापाती	30/03/2019
5	सुश्री दीमारानी बोरगोहिन	क्यू-असक्रिय इलेक्ट्रॉन वितरण के साथ बहु-अवयव प्लाज्मा में शीथ का अध्ययन	डॉ कमल सहरिया	04/01/2019

4.9.5 विभाग द्वारा लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

कार्यशाला का शीर्षक: एलएचसी भौतिकी-एक परिचय
समन्वयक: डॉ अकबरी जहाँन
अवधि दो (02) दिन, जनवरी 8-9,2019
प्रायोजक: नेरिस्ट
प्रतिभागियों की संख्या: चालीस (40)

4.9.6 लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की सहभागिता -

- थ. गोमती देवी, 14वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आण्विक स्पेक्ट्रोस्कोपी, क्राकोव - बेलका तारजनस्का, पोलैंड, 3 - 7 सितम्बर, 2017
- थ. गोमती देवी, संघनित पदार्थ काल 2017, तेजपुर विश्वविद्यालय, 29-31 अगस्त, 2017
- थ. गोमती देवी, 105^{वाँ} भारतीय विज्ञान कांग्रेस, 16-20 मार्च,2018, मणिपुर विश्वविद्यालय। आण्विक संरचना, कंपन आवृत्तियों सह एल प्रोलाइन मोनोमर न्युनता के प्राकृतिक बंधन का डीएफटी दृष्टिकोण से कक्षीय विश्लेषण।
- थ. गोमती देवी, 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन रमन स्पेक्ट्रम, आईसीसी जेजू, साउथ कोरिया, 26-31 अगस्त, 2018
- थ. गोमती देवी, संकाय विकास कार्यक्रम तार रहित संचार के वर्तमान आयाम, नेरिस्ट, 26-30 नवम्बर, 2019

4.9.7 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित सम्मान/ पुरस्कार:

1	भौतिक विज्ञान	डॉ थ. गोमती देवी	2018	अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार, सीएसआईआर, भारत
---	---------------	------------------	------	--

4.9.8 आलेखों का प्रकाशन

अनुसंधान जरनलों में प्रकाशित आलेख

- दीप्तिमयी त्रिपथ, अमरज्योति सैकिया, ग्याति ताचोंग टाडो एवं अरविंद पांडे (2018) Ti-डोप $\text{Bi}_2\text{VO}_{55}$ ठोस इलेक्ट्रोलाइट का अचालकता अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, <https://doi.org/10.1007/s12648-018-1356-4>
- दिप्तिमयी त्रिपाठी, अमरज्योति सैकिया और अरविंद पांडे, (2018) संरचना और $\text{Bi}_2\text{V}_{1-x}\text{Ti}_x/2\text{Nb}_{x/2}\text{O}_{5-5-d}$ ($0.1 \leq x \leq 0.25$) चीनी मिट्टी के आयन संचालन पर Ti व Nb डोप का प्रभाव। आयोनिक्स (2018) .https://doi.org/10.1007/s 11581-018-2622-3
- याना बागबी, अरविंद पांडे एवं प्रतिमा आर स्लांकी, (2018) मेसोपोरस गोलाकार आकार का सिलिका नैनोपार्टिकल्स द्वारा जलीय लैड Pb^{2+} को सॉखने की प्रक्रिया। एडवांस साइन्स लेटर्स 24(2), 922-926
- दिप्तिमयी त्रिपाठी एवं अरविंद पांडे, (2018) Ti^{IV} और Nb^{V} सह-डोपेड बिस्मथ वांडेट प्रणाली के संरचनात्मक और प्रतिबाधा अध्ययन। जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कॉम्पाउंड्स 737,136-143
- दिप्तिमयी त्रिपाठी, अमरज्योति सैकिया, ग्यति तचांग टादो एवं अरविंद पांडे, (2019) बाईवोक्स प्रणाली के उन्नत विद्युत गुणों में Al और Ti डोपिंग की भूमिका। एडवांसड सेरामिक्स, स्वीकृत
- याना बागी, अरविंद पांडे एवं प्रतिमा आर सोलंकी, (2019) भारी धातुओं और डाई हटाने के लिए इलेक्ट्रोसपुन नैनोफिबर छनन मेम्ब्रेन, जल शोधन में लघु सामग्री निस्कासित करना। डीओआई: [//doi.org/10.1016/B978-0-12-81392-4.00015-X](https://doi.org/10.1016/B978-0-12-81392-4.00015-X), (एल्सेवियर)
- मुकुंद एम बोरहा, गोमती देवी, (2018) कंपन स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन और एस्ट्राडियोल, टेमोक्सीफेन के आणविक संपत्ति विश्लेषण और घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत द्वारा क्रियाशिलता। जे. मोल. स्ट्रक्च, 1163,205-220। <https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2018.02.055>
- मुकुंद एम बोरहा, थोमटी देवी, (2018) घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत मोल द्वारा मोनोमर, डिमर स्थिति में सेब्रोनिन के वाइब्रेशनल अध्ययन और प्राकृतिक बॉन्ड ऑर्बिटल विश्लेषण। जे. मोल. स्ट्रक्च, 1163,205-220। <https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2018.02.055>
- पी उदध्याय, गोमती देवी, (2018) रमन बडशैप विश्लेषण और डीएमएसओ विलायक में एनएन-डिबुटाइल फॉर्माइड के सी=ओ और सी-एच स्ट्रेचिंग मोड का डीएफटी अध्ययन। विब स्पेक्ट्रोस.96,110-117
- पार्थ नाथ दत्ता, टाडो कार्लो एवं मोहन दैमारी (2017) असम, भारत में सतह वायु तापमान का रुझान परिवर्तन। इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग साइंस इनवेन्शन, 6 (2017) 25-31.
- पार्थ नाथ दत्ता, टाडो कार्लो, मोहन दैमारी एवं पल्लबी दत्ता (2017) असम पर सतह वायु तापमान के मौसमी बदलाव का हार्मोनिक विश्लेषण। इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग साइंस इनवेन्शन, 6 (2017) 33-37
- पार्थ नाथ दत्ता, टाडो कार्लो, मोहन दैमारी एवं पल्लबी दत्ता (2017) सतह हवा के तापमान की कुछ विशेषताएं: एक सांख्यिकीय दृष्टिकोण बिंदु। इन्वायरनमेंट एण्ड इकोलोजी रिसर्च। 5 (5) (2017) 367-376
- मुकुंडा मधेब बोरहा एवं थ. गोमती देवी (2017) थायरोक्साइन हार्मोन के कंपन अध्ययन: क्वांटम रासायनिक गणना के साथ तुलनात्मक अध्ययन, आप्टिक संरचना। जर्नल ऑफ जर्नल मोलिक्युलर स्ट्रक्चर 1148 (2017) 293-313
- गु. नान्दो सिंह, थ. गोमती देवी एवं श्री।डोरेंद्रराज सिंह, सिंथेसिस, गैलियम सक्रिय टाइटेनिया नैनोकणों, नैनो-संरचनाओं और नैनो-ऑब्जेक्ट्स 11 (2017) 65-75 सक्रियण और ऑप्टिकल अध्ययन ।

- गु नान्दो सिंह, था। गोमती देवी एवं श्री दोरेन्द्रजीत सिंह (2017) संश्लेषण, लक्षण और लेन्थानाईड सक्रिय $TiO_2@SiO_2$ कोर-खोल लघु कणों का प्रकाशिय अध्ययन। नैनो-स्ट्रचरस एण्ड नैनो-ऑब्जेक्ट्स, 10 (2017) 182-191
- मुकुंदा माधेब बोरहा एवं थ. गोमती देवी (2018), घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत से मोनोमर और डिमर स्थिती में सेरोटोनिन का कंपन अध्ययन और प्राकृतिक बॉन्ड का कक्षीय विश्लेषण। जर्नल ऑफ जर्नल मोलिकुलर स्ट्रक्चर 1161 (2018) 464-476
- मुकुंदा माधेब बोरहा एवं थ. गोमती देवी (2018), एस्ट्राडियोल, टैमॉक्सिफेन का आप्विक गुणवत्ता विश्लेषण अध्ययन और घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत से इनका सम्पर्क। जर्नल ऑफ जर्नल मोलिकुलर स्ट्रक्चर 1163 (2018) 205-220
- मुकेश उपाध्याय एवं पंकज सिंह(2017) अन्य परतों के साथ मैग्नीशियम फ्लोराइड की पतली फिल्म के विद्युत और प्रकाशिय गुण। अमेरिकन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथमैटिक्स (एआईजेआरएसटीईएम) यूएसए 2 (1) (2017) 37-38
- मुकेश उपाध्याय एवं सारा ओम लेगो (2017) विभिन्न सांद्रता पर एसीटोन-जल मिश्रण का अपवर्तक सूचकांक। अमेरिकन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथमैटिक्स (एआईजेआरएसटीईएम) यूएसए 20 (1) (2017) 77-79
- मुकेश उपाध्याय (2018) $KI:OH^-$ प्रणाली का पेरेलेक्ट्रिक व्यवहार पर एक समीक्षा। अमेरिकन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथमैटिक्स (एआईजेआरएसटीईएम) यूएसए 21 (1) (2018) 56-58
- याना बागबी, अंकुर सारस्वत, सचिदानंद तिवारी, दिनेश मोहन, अरविंद पांडे एवं प्रतिमा आर सोलंकी (2017) पानी के लैंड शोधन हेतु एल-सिस्टीन शून्य-वैलेंटा लौह (nZVI) लघुकण संश्लेषण। इन्वायरनमेंटल नैनोटेक्नोलोजी, 7 (2017) 34-45
- याना बागबी, अंकुर सारस्वत, दिनेश मोहन, अरविंद पांडे एवं प्रतिमा आर सोलंकी (2017) एल-सिस्टीन कार्यात्मक मैग्नेटाइट (Fe_3O_4) नैनोकणों के उपयोग से जल से लैंड व क्रोमियम शुद्धीकरण। साइंटिफिक रिपोर्ट, 7 (2017) 7672 (1-15)
- दीप्तिमायी त्रिपाठी और अरविंद पांडे (2018), Ti^{IV} और Nb^V सह-डॉप्ड बिस्मथ वैनाडेट सिस्टम के संरचनात्मक और प्रतिबाधा अध्ययन। जर्नल ऑफ एल्योयस एंड कंपाउंड्स 737 (2018) 136-143

सम्मेलनों में प्रस्तुत आलेख:

- थ. गोमती देवी (2017), बेंजाइल एसीटोन के रासायनिक और डेटूरेट घोलक का संकेंद्रण रमन और घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत द्वारा उतार-चढ़ाव का अध्ययन। 14^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आप्विक स्पेक्ट्रोस्कोपी क्राकोव, बायलका, टेट्राजानेशका, पोलैंड, 3 - 7 सितम्बर, 2017
- एम एम बोरा, थ. गोमती देवी (2017), स्टेरॉयड हार्मोन और कैंसर विरोधी दवा का कंपन अध्ययन। 14^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आप्विक स्पेक्ट्रोस्कोपी क्राकोव, बायलका, टेट्राजानेशका, पोलैंड, 3 - 7 सितम्बर, 2017
- भार्गव बोरा, एम एम बोराह एवं थ. गोमती देवी (2017), एल-प्रोलाइन अणु संघनित पदार्थ से एसईआरएस माप के लिए विभिन्न अर्को का विकास। (सीएमडीएवाई-17), तेजपुर विश्वविद्यालय, 29-31 अगस्त, 2017.

- थ. गोमती देवी एवं मुकुंद एम बोराह (2018), एल प्रोलाइन मोनोमर की आण्विक संरचना, कंपन आवृत्तियों व प्राकृतिक बंधन कक्षीय विश्लेषण ओर डीएफटी प्रविधि से इसका न्युनीकरण। 105^{वाँ} भारतीय विज्ञान कांग्रेस, 16-20 मार्च, 2018, मणिपुर विश्वविद्यालय।
- याना बागबी, अरविंद पांडे एवं प्रतिमा आर सोलंकी (2017), लैंटनम ऑक्साइड लघु कणों का उपयोग करके पानी से लैंड (Pb²⁺) का प्रभावी निष्कासन। 5^{वाँ} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, रासायनिक, कृषि, जैविक और पर्यावरण विज्ञान (सीएएफईएस -17), क्योटो (जापान), अप्रैल 18-19, 2017. आईएसबीएन 978-81-933894-1-6

पुस्तक अध्याय

- याना बागबी, अरविंद पांडे एवं प्रतिमा आर सोलंकी (2018) भारी धातुओं / मेटालोइडों, नैनोमटेरियल्स के उपचार की दिशा में नैनोस्ट्रक्चर सामग्री की भूमिका और उनका अनुप्रयोग। (स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटी लिमिटेड), सम्पादक-जेड खान, 84 (2018) 73-95 डीओआई <https://doi.org/10.1007/978-981-10-6214-83>

4.9.9. बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों का सम्पर्क: -नहीं-

4.9.10 सलाहकार परियोजनाओं पर कार्य: -नहीं-

4.9.11 छात्रों की उपलब्धियां:

- (i) सुश्री नशिबा परबिन, (ii) सुश्री सारा उम लेगो और (iii) एमएससी के श्री पार्वद कुमार साहू, एमएस.सी. (भौतिकी) 2015-2017 बैच ने एसएलईटी में सफलता प्राप्त की है। और उसी बैच के श्री पंकज सिंह ने सीएसआईआर-यूजीसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एनईटी (जेआरएफ) परीक्षा में सफलता प्राप्त की है।

4.9.12 अन्य उपलब्धि / प्रासंगिक जानकारी:

- आचार्य पी. आर अलापाती गनी खान चौधरी केन्द्रीय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक नियुक्त किए गये हैं।
- आचार्य पी. आर अलापाती (i) भौतिक विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष (ii) अमेरिकन रसायन समिति के सदस्य और (iii) अन्तराष्ट्रीय द्रव स्फटिक समिति के सदस्य, तथा (iv) नेरिस्ट पुस्तकालय सलाहकार समिति के अध्यक्ष हैं।

4.10 गणित विभाग

4.10.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

गणित विभाग की स्थापना एक पूर्ण विभाग के रूप में वर्ष 1993 में हुई। वर्ष 1996 में संस्थान की स्थापना से ही यह विभाग भौतिक विज्ञान समूह के एक भाग के रूप में चल रहा था। विभाग में शुद्ध एवं प्रायोगिक गणित समन्वित विस्तृत क्षेत्र में विशेषज्ञता सम्पन्न उच्च अर्हता प्राप्त संकाय सदस्य हैं। अध्यापन कार्य के अलावा सभी संकाय सदस्य सक्रिय रूप से शोध कार्यों में भी लगे हैं। साथ ही कुछ संकाय सदस्य रक्षा विज्ञान जर्नल, गणीतीय समीक्षा के समीक्षक के रूप में कार्य करते हुए कई विश्वविद्यालयों के पीएच.डी. शोध

पत्रों की समीक्षा कर चुके हैं। विभाग एन.बी.एच.एम., आणविक ऊर्जा विभाग, भारत सरकार का सदस्य है जो नियमित नई नई पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराता है। विभाग ने एम.एससी. (गणित) और पीएच.डी. कार्यक्रमों की शुरुवात सन 2007 में की थी। इस समय विभाग में 15 विद्यार्थी पीएच.डी. कर रहे हैं। वर्तमान विभाग में दो प्रोफेसर, एक एसोसिएट प्रोफेसर तथा चार सहायक प्रोफेसर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

410.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में संशोद्घन किया गया था। पीएच.डी. पाठ्यक्रम का अनुमोदन बी.पी.जी.एस. द्वारा किया गया था।

4.10.3 प्रयोगशाला विकास

स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रयोगशाला अनुदेशों का निस्पादन किया गया था। कम्प्यूटरीकरण प्रयोगशाला की स्थापना की गई थी।

4.10.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें (एम.एससी)

क्र.सं.	छात्र का नाम पंजीकरण संख्या	परियोजना	परामर्शदाता
1.	दमंगम लिगू एमएस/17/एमए/11	परिवहन समस्या का इष्टतम समाधान	डॉ एम एम दीक्षित
2.	अंजु गुप्ता एमएस/17/एमए/08	स्थिर बिन्दू सिद्धान्त और इसका उपयोग	डॉ जयन्ता बोरा
3.	कारबोम तागू एमएस/17/एमए/06	लेपलेस ट्रांसफॉर्म का परिचय और इसका उपयोग	डॉ जयन्ता बोरा
4.	जायत्री कुसवाहा एमएस/17/एमए/09	रिंग और मॉड्यूल में निस्पंदन तत्व का एक अध्ययन	डॉ ख हेराचंद्र सिंह
5.	नानी ओठी एमएस/17/एमए/16	कठोर मॉड्यूल पर एक सर्वेक्षण	डॉ ख हेराचंद्र सिंह
6.	कारगे ओढो एमएस/17/एमए/05	रैखिक प्रोग्राम समस्या में सिम्पलेक्स विधि का अनुप्रयोग	डॉ एम हसन
7.	तकही सेम्पी एमएस/17/एमए/02	हार वेवलेट ट्रांसफॉर्म का निर्माण	डॉ सी पी पांडे
8.	तकही सेम्पी एमएस/17/एमए/07	वेवलेट ट्रांसफॉर्म द्वारा इंटीग्रल इक्वेशन को हल करने की पद्धति	डॉ सी पी पांडे

4.10.5 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन -नहीं-

4.10.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की सहभागिता

- बी के सिंह, "जनसंख्या का अनुमान लगाने के लिए अनुमानकों के कुछ सामान्य वर्गों का अध्ययन समझौता परिकल्पना। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आंशिक अंतर समीकरणों और अनुप्रयोगों, आरयूडीएन विश्वविद्यालय, माँस्को, 6-9,2018

- एम एम दीक्षित नें नेरिस्ट में आयोजित 10-14 दिसम्बर, 2018 को आयोजित कार्यक्रम डीएसपी और संवेदीपर में भाग लिया।
- **जयंत बोराह** ने 23-25 नवंबर, 2018 के दौरान आईआईटी खड़गपुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना आलेख "गैर-तात्कालिक आवेगों के साथ अस्तित्व परिणाम" प्रस्तुत किया।
- **जयंत बोरा** ने राजीव गांधी विश्वविद्यालय में 25-26 मार्च, 2019 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में गणित विज्ञान में अपन आलेख गैर-तात्कालिक आवेगों के साथ आंशिकअंतर समावेश के हल्के समाधान के अस्तित्व के परिणाम प्रस्तुत किया।
- एम **हासन**, शीर्षक: अनंत गहराई वाले पानी के साथ बेलनाकार खोखली संरचना के कारण जल गतिकी गुणांक। सम्मेलन का नाम - एमएसएसईटी, 2019
- एम **हसन**, इलेक्ट्रॉनिकी और आईसीटी शिक्षाविदों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं सिखलाई।
- एम **हसन**, परिचय कार्यक्रम, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 15 जनवरी से 11 फरवरी, 2019 तक आयोजित।
- **डॉ सीपी पांडे**, नेरिस्ट में आयोजित 10-14 दिसम्बर, 2018 को आयोजित कार्यक्रम डीएसपी और संवेदीपर में भाग लिया।

4.10.7 नयी उपाधियाँ/ व्यवसायिक सदस्यता

- आचार्य एल. के. अरोड़ा भारतीय विज्ञान काँग्रेस महासभा के भी सदस्य है।
- डा. जे. बोरा भारतीय गणित समिति के सदस्य है।

4.10.8 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित सम्मान/पुरस्कार -नहीं-

4.10.9 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य पूर्ण

गोलाकार ढाचे पर तरंग अधिभार के प्रभाव का विश्लेषण। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की परियोजना, 3 वर्ष- दिसम्बर, 2015 से दिसम्बर, 2018. प्रद्यान अनुसंधानकर्ता- डा. एम. हुसैन।

4.10.9 आलेखों का प्रकाशन

(क) पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

- उपासना गोगोई एवं बी के सिंह* (2018), "सिंगल सैम्पलिंग स्कीम के तहत कुछ इम्प्लिमेंटेशन मैथड्स में डुप्लिकेट टू रेश्यो एस्टिमेटर" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईजेईएसटी), अंक 10 संख्या 02एस, फरवरी, 2018 पृष्ठ 188-195, आईएसएसएन (प्रिंट): 2278-9510, आईएसएसएन (ऑनलाइन): 0975-5462
- बी के सिंह* एवं उपासना गोगोई (2018), जनसंख्या सर्वेक्षण का अनुमान नमूना अनुपात में उत्पाद सह प्रतिष्ठा तकनीक का उपयोग करना- अनुसंधान और समीक्षा। जर्नल ऑफ स्टेटीक्स, संख्या 7, अंक 1, पृष्ठ 38-49, आईएसएसएन: 2278-2273 (ऑनलाइन), आईएसएसएन: 2348-7909 (प्रिंट)
- बी के सिंह* एवं उपासना गोगोई (2018), "सैंपल सर्वे में इम्प्लॉएशन तकनीक का इस्तेमाल कर जनसंख्या का अनुमान"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्टेटीस्टिक्स एंड इकोनॉमिक्स, अंक 19, संख्या: 3, पृष्ठ 90-103 आईएसएसएन: 0975-556X

- कृष्ण ज्योति नाथ एवं बी के सिंह* (2018), "दो-चरण नमूना योजना के तहत नमूना सर्वेक्षण में प्रतिष्ठा तकनीक का उपयोग कर जनसंख्या का अनुमान", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, अंक 19; नंबर 2, पृष्ठ 26-46, आईएसएसएन 0974-7117 (प्रिंट); आईएसएसएन 0973-8347 (ऑनलाइन)
- आशीष पाठक, प्रभात यादव एवं एमएम दीक्षित "बड़े पैमाने पर पैरामीटर के लिए निरंतर तरंगिका परिवर्तन का एक विषम विस्तार। बोल साइन्स पारान मेट., 363(2018) पृष्ठ 27-39
- एम एम दीक्षित, सी पी पाण्डे एवं राजेश कुमार(2018), लेजेंड्रे कॉन्वोल्यूशंस के लिए कैलड्रॉन पुनप्रतिपादन फॉर्मूला, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल इंजीनियरिंग रिसर्च अंक 881,2088
- एम एम दीक्षित एवं सी पी पाण्डे (2018), एन-आयामी स्थानों पर सामान्यीकृत डंकल वेवलेट। जर्नल कंप्यूटर एण्ड मेथमेटिकल साइन्स, अंक 9
- सी पी पांडे, एम एम दीक्षित*(2018), लेगेंद्रे तरंगिका का असममित विस्तार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड इंजीनियरिंग रिसर्च, अंक 13 (16), 12,887-12,891(2018)
- एम एम दीक्षित, सी पी पाण्डे एवं राजेश कुमार(2018) लेजेंड्रे प्रक्रिया के लिए कैलड्रॉन पुन-प्रतिपादन सूत्र। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल इंजीनियरिंग रिसर्च, अंक 881 (2018)
- एम एम दीक्षित, सी पी पाण्डे एवं दीपांजन दास (2019) सामान्यकृत इगन फंक्शन हेतु कैलड्रन का पुन-प्रतिपादन सूत्र। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू, अंक 6(1), 760-765 (2019)
- जयंत बोरा, स्वरूप नंदन बोरा (2018), गैर-तात्कालिक आवेगों, विभेदक समीकरणों और वोल्टर्रा-फ्रेडहोम पूर्णांक भिन्न समीकरण के साथ मिश्रित गतिकी प्रणाली के लिए समाधान। <https://doi.org/10.1007/s12591-018-0410-1>, (2018)
- जयंत बोरा, स्वरूप नंदन बोरा (2019), तात्कालिक आवेगों, भिन्नात्मक परिकलन के साथ गैर-क्षेत्रीय घर्षण क्रम अंतर समीकरण के एक वर्ग के सुगम समाधान का अस्तित्व। फ्रेक्सनल कैलकुलस एण्ड एप्लाइड एनेलेसिस। अंक 22 (2), 2019, डीओआई: 10.1515 / fca-2019)
- के एच सिंह, ए एम भुहफंग, एन. अंसारी एवं एम दत्ता(2018) ऑन क्वैसी संकुडीत मॉड्यूल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन मैथमेटिक्स एंड स्टैटिस्टिकल साइंस। आईएसएसएन 2348-4519 संख्या 5, अंक -6 (2018), पृष्ठ 255-25
- एम हसन एवं एस एन बोरा (2019) अनंत गहराई के पानी में एक परिमित परिपत्र खोखले सिलेंडर द्वारा पानी की लहरों का विचलन। एप्लाइड साइंस (ज्योमेट्री बाल्कन प्रेस, बुखारेस्ट, रोमिया) 13 मार्च 2019 को स्वीकार किया गया।
- पी बोरा एवं एम हसन (2019) पानी में डूबे हुए सिलिंडरों की एक जोड़ी द्वारा विचलित समस्या का एक विश्लेषणात्मक समाधान। जे कॉम एण्ड मेथ साइंस। एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, 10 (2), 351-360
- एम हसन पी बोरा एवं एम बिस्वकर्मा, (2019) परिमित गहराई के पानी में एक बेलनाकार खोखली संरचना के साथ पानी की लहर के संपर्क के कारण तरंग बल। इंटर. जे. साइंस. रिस. मेथ एण्ड स्टेट साइंस।, 6 (2), 73-77, 2019
- एम एम दीक्षित, सी पी पाण्डे (2018) एन आयामी रिक्त स्थान में द्वि- तरंगिका सामान्यीकरण। जर्नल ऑफ कंप्यूटर एण्ड मैथमेटिकल साइन्स। अंक 9 (8), 941-947 (2018)
- सी पी पाण्डे, एम एम दीक्षित (2018) लेगेंद्रे तरंगिका का ससमितीय विस्तार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड इंजीनियरिंग रिसर्च, अंक 13 (16), 12887-12891 (2018)

- एम एम दीक्षित, सी पी पाण्डे एवं राजेश कुमार(2018), लेजेंड्रे प्रक्रीया के लिए कैलड्रॉन पुन-प्रतिपादन सूत्र। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्युटेशनल इंजीनियरिंग रिसर्च, अंक 881 (2018)
- सी पी पाण्डे, आर मोहन एवं बी एन त्रिपाठी(2018) बेसेल तरंगिका बदलाव पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड इंजीनियरिंग रिसर्च, अंक 13 (16), 9999-10004 (2018)
- एम एम दीक्षित, सी पी पाण्डे एवं दीपांजन दास, सामान्यीकृत चैबीसंव घुमाव के लिए काल्डेरोन का प्रजनन सूत्र। जर्नल ऑफ कंप्यूटर एण्ड मैथेमेटिकल साइंन्स। अंक 10 (2), 384-391 (2019)
- एम एम दीक्षित, सी पी पाण्डे एवं दीपांजन दास (2019) : सामान्यीकृत आइजन फंक्शन कालड्रान का पुन प्रतिपादन सूत्र। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू, अंक 6 (1), 760-765 (2019)

पुस्तक: जनरलाईज्ड वेवलेट ट्रांसफॉर्म। लेखक - सी पी पाण्डे, एम एम दीक्षित, लाम्बर्ट प्रकाशन

4.10.10 छात्रों की उपलब्धियां

- एक छात्र को पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई थी।

4.10.11 कोई अम्य सूचना -नहीं-

4.11 मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

4.11.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

समकालीन विश्व में हमारे दृष्टिकोण को परिलक्षित करने में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी एक मुख्य कारक साबित हो रहा है। भविष्य के तकनीकीविद् के जीवन में मानव भावना के लचीलेपन को बनाये रखने के लिए मानविकी की शिक्षा का विशिष्ट महत्व है। नेरिस्ट का मानविकी व समाज विज्ञान विभाग इस संकल्पना को चरितार्थ करने के लिए मानव विचार तत्व तथा चेतना को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से सम्बद्ध करने का कार्य कर रहा है। वानिकी के साथ मानविकी व समाज विज्ञान विभाग भी पहले नेरिस्ट के प्रायोगिक विज्ञान समूह में शामिल था। वर्ष 1993 से यह पूर्ण विभाग बना जिसके अंतर्गत अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान और प्रबंधन आदि कार्यक्रमों में शिक्षा प्रदान कर रहा है। विभाग ने उच्च कोटि अध्यापन कार्य, एवं संकाय सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए ख्याति प्राप्त की है। संस्थान द्वारा वर्ष 2006 में विभिन्न क्षेत्रों में स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. कार्यक्रम आरम्भ करने के पश्चात विभाग ने "प्रतिभा को पोषित करने और कल्पना के लिए पंख देने" के अपने विजन पर कार्य करते हुये अपने लक्ष्यों को साकार करने का कार्य किया है। यह विभाग नियमित पाठ्यक्रम अध्यापन के अतिरिक्त पूर्वोत्तर के मध्यम एवं लघु उद्योगों को परामर्शी सेवायें प्रदान करने में सक्षम है। विभाग ने इस उद्देश्य को सामने रखते हुए उच्च अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए कई अल्पावधि मांग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, सम्मेलन और व्याख्यान शृंखलाओं का सफल आयोजन किया है। विभाग ने बाह्य निकायों यथा: आईसीएसएसआर, आईसीएआर, मेक् आर्थर फाउन्डेशन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, एआईसीटीई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं का सफल संचालन किया है। इसके अतिरिक्त विभाग के

संकाय सदस्य अर्थशास्त्र, मानव संसाधन प्रबंधन, विपणन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन एवं संगठन व्यवहार में अध्यापन एवं शोध छात्रों का पर्यवेक्षण कर रहे हैं।

एक विकासशील व्यक्ति को सामाजिक - सांस्कृतिक एवं मानव मूल्यों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। विभाग के अनुभवी एवं युवा संकाय सदस्य यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं वानिकी विशेषज्ञ छात्रों एवं तकनीकीविदों में व्यक्तित्व विकास करते हुये इन सभी सामाजिक गुणों का समावेश किया जाए ताकि सामाजिक तकनीकी दूरी को कम किया जा सके तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं समाज के बीच एक सुदृढ़ संबंध विकसित हो सके।

4.11.2 शैक्षणिक गतिविधियां

प्रयोगशाला विकास

संप्रेषण कौशल विकास प्रयोगशाला:

मानविकी व समाज विज्ञान विभाग (एचएसएस) में हाल ही में एमएचआर.डी एम.ओ.डी.आर.ओ.बी. योजना के तहत भाषा एवं संप्रेषण कौशल विकास प्रयोगशाला विकसित किया गया है जिसका नेतृत्व प्रोफेसर बी डी नायक (प्रधान अनुसंधानकर्ता) और श्री रानेन्द्र प्रसाद (सह-अनुसंधानकर्ता) कर रहे हैं। इस प्रयोगशाला में सभी आधुनिक उपकरण तथा आडियो सिस्टम, एलसीडी टीवी, एलसीडी प्रोजेक्टर और कंप्यूटर आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें 45 विद्यार्थी एक साथ काम कर सकते हैं।

मानविकी व समाज विज्ञान विभाग में प्रोफेसर बी डी नायक (प्रधान अनुसंधानकर्ता) और श्री राजू बरठाकुर (सह अनुसंधानकर्ता) के नेतृत्व में अभातशिप एम.ओ.डी.आर.ओ.बी. के तहत एक सभागार का भी निर्माण किया गया है। इस प्रयोगशाला में सभी आधुनिक उपकरण तथा आडियो सिस्टम, एल.सी.डी. टीवी, एल.सी.डी. प्रोजेक्टर और कंप्यूटर आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसमें 56 विद्यार्थी एक साथ काम कर सकते हैं।

4.10.3 छात्रों की उपलब्धियां

- सुश्री कबिता उपाध्याय को आचार्य बी. डी. नायक के मार्गदर्शन में सितंबर, 2018 में पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई थी। उनके शोध ग्रन्थ का शिर्षक ऊपरी असम में ग्रामीण समुदायों के सामाजिक आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक था।

4.11.4 संकाय सदस्यों द्वारा प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन

आचार्य बी.डी. नायक	:	प्रभारी, विभागिय सभागार
आचार्य पी.आर. परीदा	:	संकायाध्यक्ष (शिक्षा)
श्री रानेन्द्र प्रसाद	:	विभागाध्यक्ष
		प्रभारी, कम्प्यूटर प्रयोगशाला तथा संचार कौशल प्रयोगशाला
श्री राजू बरठाकुर	:	प्रभारी, इन्टरफेस, नेरिस्ट न्यूज लेटर
		सदस्य, पुस्तकालय सलाहकार समिति

4.12 प्रबंधन अध्ययन केन्द्र

4.12.1. केन्द्र का संक्षिप्त परिचय

प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र की स्थापना 4 नवम्बर, 2009 को एक स्वतन्त्र केन्द्र के रूप में प्रबन्धन कार्यक्रमों के संचालन के लिये की गई थी। संस्थान द्वारा वर्ष 2005 में मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त करने के पश्चात, जुलाई, 2006 में मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग के तहत प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिग्री आरम्भ करने के सपने को साकार करते हुए संस्थान ने अरुणाचल प्रदेश में सर्वप्रथम एम.बी.ए. कार्यक्रम आरम्भ करने वाले संस्थान का गौरव प्राप्त किया। प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य भावी प्रबन्धकों एवं क्षेत्र के नीति निर्धारकों को विश्वस्तर की प्रभावशाली प्रबन्धन की शिक्षा स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रदान करना है। सीएमएस का लक्ष्य स्थानीय प्राथमिकताओं को साथ में रखते हुए वैश्विक दृष्टि और स्थानीय मूल्यों के साथ वैश्विकता का तालमेल बिठाना है।

प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र एक स्वतन्त्र केन्द्र होने के कारण क्षेत्र के भावी प्रबन्धकों को प्रबन्धन के अनेक आयामों जैसे मानव संसाधन प्रबन्धन, वाणिज्य प्रबन्धन, प्रणाली प्रबन्धन, वित्त प्रबन्धन तथा उद्यमिता विकास की उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह केन्द्र निम्नलिखित गतिविधियों का संचालन करता है-

- प्रबन्धन में पीएच .डी
- शासकीय अधिकारियों व प्रबन्धकों के लिये प्रबंधन विकास कार्यक्रम .
- विभिन्न लक्ष्य समूहों के लिये व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
- औद्योगिक ईकाइयों के लिये उन्हीं के स्थान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- प्रोत्साहन कार्यशाला
- प्रबंधन के विविध क्षेत्रों में परामर्शी सेवा

प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र में बौद्धिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिये नेरिस्ट प्रबन्धन फोरम (मॉफॉन) का गठन किया गया है, जिसके सदस्य केन्द्र के विद्यार्थी तथा प्राध्यापक गण हैं। मॉफॉन का कार्य विशिष्ट व्याखानों, समूह विवेचनाओं व प्रबन्धन विकास गतिविधियों का आयोजन करना है।

4.12.2 शैक्षिक गतिविधियाँ- अध्यापन के विषय

संकाय सदस्यों का नाम	विषय क्रमांक	पाठ्यक्रम का विषय	छात्रों की संख्या	साप्ताहिक घंटों की संख्या
डॉ एस चौधरी	एमबी 6003	अभियंताओं के लिए उद्यमिता	60	03
	एमबी 7103	मात्रात्मक तकनीकें	32	03
	एमबी 7105	संचालन प्रबंधन	32	03
	एमबी 7151	व्यापार संचार और आईटी प्रयोगशाला	32	02
	एमबी 8191	औद्योगिक प्रशिक्षण	32	04

	एमबी 8141	निर्णय समर्थन प्रणाली	05	03
	एमबी 8103	सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन	22	03
	एमबी 7204	प्रबंधन सूचना प्रणाली	32	03
	एमबी 7205	वित्तीय बाजार संस्थान और सेवाएं	32	03
	एमबी 8201	अंतरराष्ट्रीय व्यापार	22	03
	एमबी 8230	प्रदर्शन प्रबंधन, प्रशिक्षण और विकास	14	03
	एमबी 8299	शोध	07	08
डॉ बी एल सर्मा	एमबी 7108	वाणिज्य वातावरण	32	03
	एमबी 7151	व्यापार संचार और आईटी प्रयोगशाला	32	02
	एमबी 8120	विक्रय और वितरण प्रबंधन	12	03
	एमबी 8121	सेवाओं का विपणन	12	03
	एमबी 7201	विपणन प्रबंधन	32	03
	एमबी 8220	एकीकृत विपणन संचार	12	03
	एमबी 8221	उपभोक्ता व्यवहार और खुदरा विपणन	12	03
डॉ एम मॉल	एमबी 7102	व्यावसायिक अर्थशास्त्र	32	03
	एमबी 7104	प्रबंधकों के लिए लेखांकन	32	03
	एमबी 7106	व्यापार कानून	32	03
	एमबी 8101	परियोजना प्रबंधन	22	03
	एमबी 8151	उद्यम संसाधन योजना	22	04
	एमबी 8110	सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन	22	03
	एमबी 8111	औद्योगिक कराधान	14	03
	एमबी 9001	शोध पद्धति [पीएच.डी.]	14	03
	एमबी 8210	अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन	14	03
	एमबी 8211	वित्तीय संज्ञात और जोखिम प्रबंधन	14	03

4.12.3 एम.बी.ए. छात्रों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन

क्र.सं.	शोध का शीर्षक	रोल क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	संकाय सदस्य का नाम पर्यवेक्षक
1	कर्मचारी सहकारी बचत और क्रेडिट सोसायटी प्रबंधन हेतु आँकड़ा प्रबंधन प्रणाली	एमबीए/17/04	प्रिया नायक	डॉ एस चौधरी डॉ ए के दास
2	असम के चयनित स्थान पर सौर ऊर्जा आधारित स्रोतों को अपनाने के लिए विपणन प्रभाव का आकलन	एमबीए/17/06	स्वप्निल डेका	डॉ एस चौधरी डॉ ए के परिदा
3	प्रदर्शन मूल्यांकन- निजी और सरकारी संगठन में पहले और बाद में प्रदर्शन का प्रभाव	एमबीए/17/07	इरिक कोयू	डॉ एस चौधरी डॉ ए के दास
4	शैक्षिक संस्थान में कर्मचारी संतुष्टि पर एक अध्ययन	एमबीए/17/08	वाशिम अकरम	डॉ एस चौधरी डॉ ए के दास
5	गैर-सरकारी संगठन में पदोन्नति और पुरस्कार नीतियों के लिए कारक और कारणों पर एक अध्ययन (अनुग्रह पुनर्वास केंद्र पर एक अध्ययन)	एमबीए/17/09	लगे कन्या	डॉ एस चौधरी डॉ ए के दास
6	डाटा माइनिंग तकनीकों के साथ हेल्थकेयर डेटासेट की क्लस्टरिंग	एमबीए/17/12	शुभम सागर	डॉ एस चौधरी डॉ ए के परिदा
7	सेपा टाउन (अरुणाचल प्रदेश) के किसानों द्वारा सौर ऊर्जा समाधान अपनाने के लिए अक्षय ऊर्जा पर जागरूकता	एमबीए/17/14	फेटो दादा	डॉ एस चौधरी डॉ ए के परिदा
8	मैंजियो सर्किल, अरुणाचल प्रदेश के संदर्भ में ग्रामीण क्षेत्रों में बहीखाता का महत्व	एमबीए/17/15	एन वाई अंगा	डॉ एस चौधरी डॉ ए के परिदा
9	प्रस्तावित विशेषज्ञ प्रणाली और मानव रहित हवाई वाहन के माध्यम और आपदा प्रबंधन में इसका अनुप्रयोग	एमबीए/17/16	डी लालरोचुंगा	डॉ एस चौधरी डॉ ए के परिदा
10	आइकॉनिक ऑटोमोबाइल, महिंद्रा की संगठनात्मक संरचना पर एक अध्ययन	एमबीए/17/17	रिसो तरुज	डॉ एस चौधरी डॉ ए के परिदा
11	भारत में पतंजलि उत्पादों का विकास	एमबीए/17/18	केके बोस	डॉ एस चौधरी डॉ ए के परिदा
12	अरुणाचल प्रदेश की स्वदेशी विश्वास प्रणाली पर मिश्रित संस्कृति और वैश्विक प्रबंधन के प्रभाव का आकलन।	एमबीए/17/20	तोको लोभा	डॉ एस चौधरी डॉ ए के दास

13	अरुणाचल प्रदेश के लोअर सियांग जिले में किसानों की फसल बिमा जागरूकता पर एक अध्ययन	एमबीए/17/23	गोकर रिबा	डॉ एस चौधरी डॉ ए के परिदा
14	अरुणाचल प्रदेश में वाहन-पोलारिस की उत्पाद जागरूकता	एमबीए/17/24	हेज तचांग	डॉ एस चौधरी डॉ ए के परिदा
15	निरजुली में एक कॉल सेंटर के संदर्भ में, आईटी सेक्टर के महिला कर्मचारियों के प्रदर्शन का कार्य जीवन संतुलन	एमबीए/17/25	तचि कुकु	डॉ एस चौधरी डॉ ए के दास
16	मानव संसाधन में विशेषज्ञ प्रणालियों का कार्यान्वयन	एमबीए/17/28	एस आर शापौ	डॉ एस चौधरी डॉ टी पटेल
17	अरुणाचल प्रदेश में नए कर्मचारियों की मनोवैज्ञानिक अनुबंध और कार्य संतुष्टि	एमबीए/17/29	आर बी रोन्या	डॉ एस चौधरी डॉ ए के दास
18	कीवी फार्म का विश्लेषण और कीवी खाद्य प्रस्तुतियों से संबंधित समस्याओं की पहचान करना	एमबीए/17/32	द्यू आका	डॉ एस चौधरी डॉ ए के दास

4.12.4 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

अल्पकालिक कार्यक्रम	क्षेत्र	प्रायोजक	समन्वयक	अवधि
एक स्टार्टअप के विकास के लिए व्यापक रोडमैप व उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन	उद्यमिता	एनईडीएफआई और आईआईएम, कलकत्ता इनोवेटिव पार्क	डॉ एस चौधरी	13-02-2019
सगाली, अरुणाचल प्रदेश में किसानों द्वारा मॉडल प्रोसेसिंग यूनिट का भ्रमण	उद्यमिता	एनएमएचएस प्रायोजित	डॉ एस चौधरी	2019/10/05
कार्यशाला सह राष्ट्रीय संगोष्ठी "आदिवासी सशक्तिकरण के माध्यम से स्वदेशी उद्यमिता	उद्यमिता	तेजपुर विश्वविद्यालय और जीबी पंत राष्ट्रीय संस्थान के सहयोग से एनएमएचएस प्रायोजित,	अध्यक्ष सह संसाधन व्यक्ति: डॉ एस चौधरी	09-05-2019 और 2019/10/05
उत्पादित उत्पाद-2019		हिमालयन पर्यावरण और सतत विकास, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, भारत।	डॉ एस चौधरी	मई, 9-10, 2019

4.12.5 विभाग के संकाय के लिए बाहरी एजेंसियों द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं

03 साल की परियोजना - अरुणाचल प्रदेश के मेंगियो सर्किल का हिमालयी राज्यों पर सतत ग्रामीण आजीविका पर प्रभाव। राष्ट्रीय हिमालय अध्ययन मिशन। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया गया। परियोजना के प्रस्तावक: डॉ एस चौधरी, सहायक प्रोफेसर, प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र, कुल अनुदान: ₹ 40,70,000

4.12.6 आलेखों का प्रकाशन

लेखक	आलेख का शीर्षक	जर्नल का नाम	वर्ष, महीना	पृष्ठ
ए परिदा, एस चौधरी, डी चटर्जी	भारत के पूर्वी तट क्षेत्र के लिए ग्रिड-पृथक दूरस्थ ग्रामीण बिजली आपूर्ति के लिए माइक्रोग्रिड आधारित हाइब्रिड ऊर्जा सहकारिता	आईईईई ट्राजेक्सन्स ओन ससनेटेबल एनर्जी	9 (3), 2018	1375-1383
एस चौधरी ए के पात्रा, ए परिदा, एस चटर्जी	भारतीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए अक्षय ऊर्जा क्षमता का आकलन फ़ी टाइम सीरीज के माध्यम से ऊर्जा की मांग का पूर्वानुमान	एडवांसेज इन समार्ट ग्रिड एण्ड रिनुबल एनर्जी	2018	551-558
शिव्रता चौधरी, आदिकंदा परिदा, राजीव मोहन पंत, सैबबल चटर्जी	ग्रामीण क्लस्टर विद्युतीकरण हेतु जीआईएस कम्प्यूटेशनल तकनीक को व माइक्रो-हाइड्रो के प्राथमिकता वाले साइट चयन के माध्यम से बिजली उत्पादन प्रणाली	एडवांसेज इन समार्ट ग्रिड एण्ड रिनुबल एनर्जी	2019	487-496
कंबोज, एस, सरमाह, बी, गुप्ता, एस एवं द्विवेदी, वाई (2018),	सोशल मीडिया पर ब्रांड समुदायों में ब्रांडिंग सह-निर्माण की जांच करना: स्टिमुलस-ऑर्गेनिज्म के प्रतिमान को लागू करना।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फोरमेशन मनेजमेंट	39, 2018, एसएससीआई 3.872, एल्सेवियर प्रकाशन	169-185

कम्बोज, एस एवं सरमाह, बी	ब्रांड कम्युनिटी स्केल में ग्राहक सामाजिक भागीदारी का सत्यापन।	इंटरनेट रिसर्च	(जस्ट-एक्सेप्टेड), एसएससीआई 2.931, एमराल्ड पब्लिकेशन	
पद्म चरण मिश्र, मनोज कुमार मोहंती, मनमोहन माल	भारतीय खुली खानों में उत्पादकता को प्रभावित करने वाले परिचालन गुण	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्टिविटी एण्ड क्वालिटी	24 (2), 2018	177-195

4.12.7 अन्य सूचना

एमबीए के छात्रों ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र व भारत के विभिन्न विभिन्न शहरों में स्थित विभिन्न संगठनों में 45 दिनों के लिए ग्रिष्म प्रशिक्षण परियोजना (एसआईपी) का अनुपालन किया है जैसे कि: अयना, एक्सोम उर्जा, योजना विभाग अरुणाचल प्रदेश सरकार, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक(आईपीपीबी), नीप्को, नेस्ले, ओडिशा कॉफी ग्रोवर एसोसिएशन, पोकट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, प्रतिस्था एनजीओ, यूको बैंक।

अनुभाग - 5

केन्द्रीय सुविधाएं सेवाएं और गतिविधियां

5.1 केन्द्रीय पुस्तकालय

5.1.1 पुस्तकालय का संक्षिप्त परिचय

केन्द्रीय पुस्तकालय संस्थान का महत्वपूर्ण अंग है, जिसकी स्थापना सन् 1983 में की गई थी। यह संस्थान को महत्वपूर्ण शैक्षणिक सेवाओं में से एक प्रदान करता है। यह एक अच्छा सुसज्जित पुस्तकालय है, जो आसान पहुंच के साथ केंद्र में स्थित है और यह छात्रों, शिक्षकों, अनुसंधान विद्वानों और अन्य लोगों के बौद्धिक विकास के लिए सही गति प्रदान करता है। पुस्तकालय का अपना स्वतंत्र भवन है, जिसमें 3888 वर्ग मीटर के कालीन क्षेत्र के साथ तीन मंजिलें हैं। पुस्तकालय में 37638 खंडों में 63690 पाठ्य पुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों का संग्रह है। पुस्तकालय वर्तमान शिक्षा के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए 90 राष्ट्रीय पत्रिकाओं, 10 पत्रिकाओं और 10 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दैनिक समाचार पत्रों का सदस्य है। केन्द्रीय पुस्तकालय ज्ञान संसाधनों और नवीन सूचना सेवाओं के अपने आधुनिक संग्रह के साथ छात्रों, शिक्षकों और उनके बौद्धिक दृष्टिकोण में आसपास के समुदाय के लिए एक पूरक भूमिका का समर्थन करता है। पुस्तकालय में मुख्य रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन और अन्य संबद्ध विषयों से संबंधित ज्ञान संसाधन हैं। पूरा पुस्तकालय अपने पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के लिए उच्च गति वाले वाई-फाई इंटरनेट सुविधाओं से आच्छादित है।

संस्थान ई-सिन्धु (पूर्व इन्डैस्ट) कंसोर्टियम, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सरकार व और जैव प्रौद्योगिकी प्रायोजित डेल्टा कंसोर्टियम का सदस्य है। इसमें सीडी रोम और अन्य शैक्षिक डीवीडी पर आईएस कोड उपलब्ध हैं। यह पुस्तकालय भारतीय द्रव स्फटिक सोसायटी, बेंगलोर और असम के काजीरंगा वन्य प्राणी सोसायटी के एक संस्थागत सदस्य होने के नाते, यह उनसे साहित्य और सूचना सेवाओं को प्राप्त करता है। पुस्तकालय राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित, नई दिल्ली समन्वय, आईआईटी, खड़गपुर द्वारा पंजीकृत है।

5.1.2 : पुस्तकालय प्राधिकारी

- सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष - 01
- छटनी कर्ता - 01
- अनुसचिविय कर्मचारी-01
- प्रतिलिपि मशिन संचालक - 02
- सहायक - 02
- चपरासी - 04

5.1.3 पुस्तकें / जर्नल और समाचार पत्र 31-3-2019

- पुस्तकें (पाठ्य और संदर्भ) = 63417
- बुक्स बैंक (37638) में पाठ्य पुस्तकें
- जर्नल = 90
- पत्रिकाएं = 10
- समाचार पत्र = 10

5.1.5 ई-संसाधन / पत्रिका

ईएसएस (पूर्व में इन्डेस्ट) संघ का एक मुख्य सदस्य होने के नाते, संस्थान के संकाय सदस्य और छात्र निम्नलिखित ई-संसाधन प्राप्त करने के हकदार हैं:

- एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी- 1139
- एएससीई पत्रिका ऑनलाइन -35
- एएसएमई पत्रिका ऑनलाइन -28
- जेस्टोर (ऑकड़े)
- आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक
- बैब ज्ञान भण्डार (ऑकड़े)
- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस - 141

यह संस्थान डेलकोन कंसोर्टियम का सदस्य होने के नाते 800+ से अधिक ई-पत्रिकाएँ प्राप्त कर सकता है। पूर्ण पाठ ई-जर्नल 30 सितंबर, 2019 तक डीबिटी-डेलकोन सदस्य संस्थानों के माध्यम से ऑनलाइन उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। ई-पत्रिकाओं के अलावा, ईबेस्को-डिस्कवरी डेटाबेस और वार्षिक समीक्षा पत्रिका भी उपलब्ध हैं। ई-जर्नल्स और प्रकाशक विवरणों की संख्या इस प्रकार है।

- स्प्रिंगर -291 ई-जर्नल
- एल्सेवियर -210 ई-जर्नल
- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयुटी) -141 ई-जर्नल
- कारगर -80 ई-जर्नल
- विली -54 ई-जर्नल
- एएएस -4 ई-जर्नल
- सीएचएसएल -4 ई-जर्नल
- एमबीएस -1 ई-जर्नल
- एएसबीएमबी - 1 ई-जर्नल

5.1.6 भारतीय मानक :

लाइब्रेरी में सीडी रोम पर बीआईएस द्वारा प्रकाशित भारतीय मानक का एक सेट है।

5.1.7 ए / वी सामग्री :

विभिन्न विभागों के लिए कुल 139 डीवीडी "वीडियो प्रशिक्षण कार्यक्रम" उपलब्ध है।

5.1.8 संस्थागत सदस्य:

- भारतीय लिक्विड क्रिस्टल सोसायटी, बेंगलोर,
- काजीरंगा वन्य जीवन, असम,
- एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, एमएचआरडी, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय

5.1.9 विभागीय पुस्तकालय :

सभी 11 विभागों के लिए विभागीय पुस्तकालय स्थापित किये गये हैं। विभागों द्वारा पुस्तकालय के लिए पुस्तकों की खरीद इस प्रकार की गई है:

- भौतिकी = 29
- रसायन विज्ञान = 86
- गणित = 740
- मानविकी = 252
- कृषि अभियांत्रिकी = 275
- सिविल अभियांत्रिकी = 111
- विद्युत अभियांत्रिकी = 118
- इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी = 434
- यंत्रिक अभियांत्रिकी = 190
- वानिकी = 71

5.1.10 सेवार्य/ सुविधायें

क. परिसंचालन सेवा:

यह पुस्तकालय ब्राउन चार्जिंग सिस्टम के साथ स्टैक से वितरण की अपनी मुख्य सेवा प्रदान करता है। प्रत्येक उपयोगकर्ता को सत्र की शुरुआत में जारी किए गए एक पुस्तकालय कार्ड के द्वारा एक पुस्तक प्रदान की जाती है। छात्रों और संकाय सदस्यों को पुस्तकालय कार्ड जारी किए गए हैं, जिनका विवरण निम्नलिखित है।

- सभी संकाय सदस्य: 15 कार्ड
- सभी तकनीकी कर्मचारी: 5 कार्ड
- अधिकारी: 3 कार्ड
- प्रमाण पत्र कार्यक्रम: 3 कार्ड
- डिप्लोमा कार्यक्रम: 4 कार्ड
- उपाधि कार्यक्रम: 5 कार्ड
- स्नातकोत्तर और पीएच.डी. कार्यक्रम: 6 कार्ड

ख. संदर्भ सेवा / पढ़ने की सुविधा:

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को पाठ्य और संदर्भ की 3500 पुस्तकों व 80 व्यक्तियों की क्षमता की संदर्भ सेवा प्रदान करता है। 160 सीटों की बैठने की क्षमता के साथ अलग से पठन की सुविधा दी गई है। संदर्भ अनुभाग और वाचनालय सोमवार से शुक्रवार को सुबह 9.00 बजे से रात 11.00 बजे तक खुला रहता है और शनिवार को 9.00 बजे से शाम 5.30 बजे तक खुला रहता है।

ग. पुस्तक बैंक:

पुस्तकालय में अलग से 37638 पुस्तकों का पुस्तक बैंक है। स्नातक तक छात्रों के लिए अर्ध सत्र के सभी पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्य पुस्तकों का एक सेट प्रदान किया जा रहा है।

- प्रमाण पत्र कार्यक्रम: 10522 पुस्तके- 154 अंक
- डिप्लोमा कार्यक्रम: : 12142 पुस्तके - 208 अंक
- उपाधि कार्यक्रम : 12324 पुस्तके - 270 अंक
- उपाधि (वानिकी) कार्यक्रम : 2650 पुस्तके - 100 अंक

5.1.11 पुस्तकालय स्वचालन :

उपयोगकर्ता ओपीएसी ऑनलाइन सार्वजनिक उपयोग उपलब्ध है।

5.1.12 औसत संचलन

अर्ध सत्र की शुरुआत में प्रति दिन 300 किताबें, और अन्य दिनों में प्रति दिन 100 किताबें।

5.1.13 दिनांक 31-03-2019 को पुस्तकालय सलाहकार समिति

क्र.सं.	नाम	विभाग	सदस्य
1	श्री एन जी सोरम	सिविल अभियांत्रिकी	अध्यक्ष
2	श्री डी एम साहू	केंद्रीय पुस्तकालय	सदस्य सचिव
3	डॉ एस.एल.भारती	रसायन विज्ञान	सदस्य
4	डॉ के सहरिया	भौतिक विज्ञान	सदस्य
5	सुश्री पियाली दास	विद्युत अभियांत्रिकी	सदस्य
6	श्री एस एम खान	यांत्रिक अभियांत्रिकी	सदस्य
7	डॉ के हीरा सिंह	गणित	सदस्य
8	डॉ राजू बोरठाकुर	एच एस एस	सदस्य
9	डॉ एस चौधरी	सी एम एस	सदस्य
10	डॉ पी के पांडे	कृषि अभियांत्रिकी	सदस्य
11	डॉ अवधेश कुमार	वानिकी	सदस्य
12	श्री आर के मंगांग	इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी	सदस्य
13	डॉ ए के सिंह	कंप्यूटर अभियांत्रिकी	सदस्य

5.2 प्रशिक्षण एवं नियोजन कक्ष

5.2.1 अनुभाग का संक्षिप्त विवरण:

प्रशिक्षण एवं नियोजन कक्ष 1991 में अपनी स्थापना के बाद से अंतिम वर्ष के छात्रों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो परिसर साक्षात्कारों द्वारा अपने ज्ञान और कौशल के अनुरूप काम प्राप्त कर रहे हैं तथा अपने नियोजन के लिए विभिन्न रास्ते तलाश रहे हैं। पूर्व अंतिम और अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए अनुभाग द्वारा कार्यशालाएं भी आयोजित की जा रही हैं ताकि उन्हें उनकी भर्ती से संबंधित क्षेत्रों में पर्याप्त ज्ञान प्रदान किया जा सके और अग्रणी और उच्च पेशेवर संगठनों में उनके प्रवेश की सुविधा प्रदान की जा सके।

क. प्रशिक्षण

अनुभाग ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान पूर्व-अंतिम वर्ष के अंत में कृषि अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान, विद्युत अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्रों के लिए चार सप्ताह/30 दिनों की न्यूनतम अवधि के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण या क्षेत्र प्रशिक्षण, जो बी.टेक. पाठ्यक्रमकी आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में एक अनिवार्य आवश्यकता है, आयोजित किया था। कुछ

संगठन जहां संस्थान के छात्र ग्रीष्मकालीन अवकाश 2019 के दौरान अपने प्रशिक्षण से गुजर रहे हैं, वे हैं: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वैरिएबल एनर्जी, नेसॉक,, मेघालय उर्जा कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नेपको, पावर ग्रिड लिमिटेड, एनएफ रेलवे, तेल व प्राकृतिक गैस कमिशन, भारतीय तेल निगम (डिगबोई, गुवाहाटी और बॉंगईगांव), आयल इण्डिया, दूरदर्शन, बीएसएनएल एनएचपीसी, एनआईसी, नेरीवाल्म, मोडर्न फूड्स आदि।

ख. नियोजन

अनुभाग ने अंतिम वर्ष बीएस.सी., एमएस.सी(वानिकी), बी.टेक, एम.टेक. व एमबीए छात्रों के लिए ऑन-कैंपस और पूल परिसर साक्षात्कारों की व्यवस्था की। कंपनियों के अधिकारियों को संस्थान में परिसर साक्षात्कार आयोजित करने के लिए सभी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। एनआईटी अरुणाचल / शिलांग, तेजपुर विश्वविद्यालय, एसआईटी सिलीगुड़ी, एसएमआईटी, गंगटोक और एईसी गुवाहाटी में पूल परिसर के साक्षात्कार आयोजित करने की भी व्यवस्था की गई है। गुवाहाटी में हाल ही में जो संगठन परिसर इंटरव्यू / पूल परिसर का संचालन करने के लिए आए थे, उनमें कॉग्निजेंट, इन्फोसिस, फिडेलिटी, वर्चुसा, मेवरिक, जस्टडायल, ऋषिश्वर कंस्ट्रक्शन, पावर ग्रिड, भारतीय तेल निगम, वेदान्ता, भारतीय नौ सेनाव स्टार्ट अप लेन आदि शामिल हैं।

ग. नियोजन आँकड़ों में सुधार के लिए अनुभाग की पहल:

परिसर साक्षात्कारों के दौरान स्क्रीनिंग टेस्ट देने के लिए और प्रमुख कंपनियों के साथ स्क्रीनिंग और इंटरफेस की सुविधा के लिए हमारे छात्रों की तैयारी और उचित संवेदनशीलता की कमी को ध्यान में रखते हुए, प्रशिक्षण एवं नियोजन अनुभाग ने बी.टेक.के अंतिम वर्ष के छात्रों को मैसर्स कोकब्स, बैंगलोर द्वारा ऑनलाइन स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया था। विभिन्न विषयों से छात्रों के एक पर्याप्त संख्या के विभिन्न प्रकार के 'ऑन लाइन टेस्ट' मैसर्स कोकब्स, बैंगलोर द्वारा 26-27 अक्टूबर और 12-13 दिसम्बर, 2018 को आयोजित किए गए थे।

संपूर्ण नियुक्ति प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, प्रशिक्षण एवं नियोजन अनुभाग ने मैसर्स ग्रीनटेक, भोपाल के साथ एक समझौता किया है और फर्म द्वारा 'सुपरस्पेट' नामक सॉफ्टवेयर को अब 'टीएनपीएसयूडटी' को अपनाया है। अब नियोजन प्रक्रिया पूरी तरह से स्वचालित हो गई है और परिचालन चुनौतियों से उबर रही है, जिससे एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन रहा है जो छात्रों और नियोक्ताओं को नियोजन कक्ष सेल से जोड़ती है। यह प्रक्रिया केन्द्रीय नियोजन प्रणाली के रूप में कार्य कर रही है, जहां हम छात्रों और कंपनियों को जोड़ रहे हैं, सभी डेटा का प्रबंधन कर रहे हैं। इसमें खुद के काम पर नज़र रखना, सभी नियोजन प्रक्रिया को स्वचालित करना, नियोजन की निगरानी करना, प्रशिक्षण आवश्यकताओं को निर्धारित करने के लिए छात्र के प्रदर्शन का विश्लेषण करना, रिपोर्टों से अंतर्दृष्टि प्राप्त करना और विशिष्ट आवश्यकताओं को कार्यालय में सिस्टम को अनुकूलित करना भी सामिल है।

5.2.3 प्रशिक्षण एवं नियोजन अनुभाग वार्ताओं का आयोजन

संस्थान के प्रशिक्षण एवं नियोजन अनुभाग द्वारा मैसर्स एचसीएल फाउंडेशन के सौजन्य से 31 मई, 2018 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इस संगोष्ठी का उद्देश्य एचसीएल फाउंडेशन के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक एचसीएल ग्रांट के बारे में अधिक से अधिक जानकारी देना था। एचसीएल ग्रांट भारत के सबसे बड़े संस्थागत, स्वतंत्र, मजबूत और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से ग्रामीण विकास में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों की पहचान करती हैं।

एचसीएल फाउंडेशन द्वारा अखिल भारतीय संगोष्ठियों द्वारा भारत के विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ एक मंच पर गैर-सरकारी संगठन, सरकार, कॉर्पोरेट पार्टनर और व्यक्तियों को एक साथ लाने का एक प्रयास था, जिससे वे एक-दूसरे के साथ बातचीत कर सकते हैं, क्षेत्रीय और साथ ही कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के बारे में क्षेत्रीय समझ विकसित कर सकते हैं और इस पर विचार कर सकते हैं कि यह राष्ट्र निर्माण में कैसे योगदान दिया जा सकता है।

5.3 प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक सलाहकार सेवार्य (एस आर आई सी)

5.3.1 परिचय

प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक सलाहकार सेवा कक्ष की स्थापना नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल की दिनांक 25.8.2001 को आयोजित 51 वी सभा के अनुमोदन के अनुसार की गई थी। इस अनुभाग की स्थापना का उद्देश्य संस्थान में प्रायोजित अनुसंधान सलाहकार सेवाओं का सुचारु ढंग से संचालन करना है। इस समय कक्ष के प्रभारी एक प्रोफेसर हैं, उनकी सहायता के लिए एक सहायक तथा चपरासी भी इस कक्ष में सम्बद्ध हैं। वानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी आदि सभी विभागों की परियोजनाओं से संबन्धित वित्त मामलों की देखरेख वित्त अनुभाग करता है।

5.3.2 वर्तमान गतिविधियाँ

इस समय नेरिस्ट के विभिन्न विभागों द्वारा 37 परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक परियोजना एक मुख्य अनुसंधानकर्ता की देखरेख में चल रही है और प्रायोजको के निर्देशानुसार उनमें अन्य कार्मिक शामिल किए गए हैं।

5.4 निरन्तर शिक्षा कार्यक्रम कक्ष

5.4.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

- क. योग्य एवं कुशल छात्रों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एवं अन्य निकायों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों की सूचना प्रदान करना।
- ख. संकाय सदस्यों को सरकार/प्रायोजन एजेंसियों द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता की जानकारी उपलब्ध कराना ताकि संकाय सदस्य पुस्तक लेखन/सामग्री की तैयारी के लिए अनुदान प्राप्त कर सकें।
- ग. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित किये जाने वाले लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूचना एवं आवेदन प्रपत्र संकाय सदस्यों को प्रदान करना।
- घ. संकाय सदस्यों को उद्योग जगत द्वारा प्रायोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के लिए अनुसंधान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रायोजन के लिए प्रोत्साहित करना।

5.4.2 गतिविधियों का विवरण

- क. इस अवधि के दौरान संस्थान के अनेक संकाय सदस्यों ने संगोष्ठियों/कार्यशालाओं एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।
- ख. नेरिस्ट के विभिन्न विभागों ने भी इस अवधि के दौरान कई लघु अवधि कार्यक्रमों का आयोजन किया।

5.4 केन्द्रीय विद्यालय नेरिस्ट

- केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट, निर्जुली एक प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थान है। यह एक एकल खंड विद्यालय है, जिसमें उच्चतम कक्षा 10+2 कक्षा है। वर्तमान में इस विद्यालय में लगभग 483 छात्र अध्ययनरत हैं।

5.4.1 इस विद्यालय के परिणाम:

विद्यालय ने और शैक्षणिक सत्र 2018-19 में बारहवीं कक्षा में व दसवीं कक्षा में 100% का परिणाम प्राप्त किया था।

5.4.2 केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पाठ्यक्रम का अनुसरण करता है, जिसका उद्देश्य छात्रों का सर्वांगीण विकास है। विद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धी नियोजन बाजार के लिए उपयुक्त बनाने के लिए कई सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन भी करता है।

क. **सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी:** विद्यालय के 60 छात्रों ने क्लस्टर स्तर के सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया है, जो केवी संख्या-1, इटानगर में आयोजित किया गया था। यह बहुत गर्व की बात है कि हमारा विद्यालय क्लस्टर स्तरीय सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पर रहा।

ख. **स्काउट एवं गाइड:** हमारा स्कूल स्काउट एवं गाइड क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कई छात्रों ने विभिन्न स्काउट गाइड गतिविधियों जैसे द्वितीय सोपान परीक्षण शिविर, तृतीया सोपान परीक्षण शिविर, पूर्व राज्य पुरुष परीक्षण शिविर में भाग लिया है। विद्यालय ने विद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया था।

ग. **सी.सी.ए.:** विद्यालय ने विद्यालय परिसर में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सी.सी.ए. गतिविधियों का आयोजन किया और उसी के लिए पुरस्कार वितरित किए।

घ. **खेल:** विद्यालय ने खेल कौशल और नेतृत्व गुणों को विकसित करने के लिए कई खेल गतिविधियों का आयोजन किया।

ङ. **ओलंपियाड:** इस विद्यालय के छात्रों ने समय-समय पर विभिन्न ओलंपियाड में भाग लिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा आयोजित किए जा रहे टेक्नॉथन के लिए विद्यालय के 3 छात्रों का चयन किया गया था।

5.4.3 केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट, निर्जुली इस क्षेत्र के सबसे अच्छे स्कूलों में से एक है। इस विद्यालय के कई शिक्षकों ने सेवा कालिन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया था।

5.4.4 इस विद्यालय के कई छात्रों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चिकित्सा और अभियांत्रिकी के प्रतिष्ठित संस्थानों में किया गया है।

5.6 नेरिस्ट बाल विद्यालय

5.6.1 परिचय

नेरिस्ट बाल विद्यालय की स्थापनावर्ष 1992 में किया गया था। इसका उद्देश्य नेरिस्ट कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों के बच्चों को समूह गतिविधियों एवं विद्यालय पूर्व की शिक्षा प्रदान करना है। विद्यालय स्वयं वित्त-पोषित है और न लाभ, न हानि आधार पर चलता है। वर्तमान इस विद्यालय में तीन कक्षाएँ हैं : प्ले क्लास, एल.के.जी. और यू.के.जी.।

कक्षा	विद्यार्थी संख्या	प्रवेश के लिए न्यूनतम उम्र
प्ले	16	2.5 वर्ष
एल के जी	45	3 वर्ष
यू के जी	45	4 वर्ष

विद्यालय के प्राध्यापक व कर्मचारीगण

श्रीमती मिनाक्षी आरोड़ा,	प्राचार्य सह अध्यापिका
श्रीमती मिन्दू सरकार	सहायक अध्यापिका
श्रीमती ज्योती देउमाली	सहायक अध्यापिका
श्रीमती आदम बागे	सहायक अध्यापिका
श्रीमती रूपा खरघरिया	सहायक अध्यापिका
कुमारी मामोनी क्षेत्री	सहायक अध्यापिका
श्रीमती राधे जेलियाँग	गैर शिक्षण कर्मचारी
श्रीमती गीता मिली	गैर शिक्षण कर्मचारी
श्रीमती रेणू स्वर्गयारी	गैर शिक्षण कर्मचारी

5.6.2 विद्यालय में आयोजित गतिविधियों का व्यौरा

शिशुओं के समग्र विकास के उद्देश्य से अकादमिक सत्र (अप्रैल 2018-मार्च 2019) के दौरान शिशु स्तरीय शिक्षण के अलावा विभिन्न गतिविधियां, प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित की गईं। बचपन से ही देशभक्ति का जज्बा जगाने के उद्देश्य से सभी राष्ट्रीय त्यौहारों का भी पालन किया गया। बच्चों के बालमन में प्रतियोगिता की स्वस्थ भावना पैदा करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जो निम्नवत हैं :

- चित्रकला प्रतियोगिता
- सुलेख प्रतियोगिता
- फ़ैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता
- कविता आवृत्ति प्रतियोगिता
- कहानी बोलने की प्रतियोगिता

विद्यालय में 14 नवंबर, 2018 बाल दिवस के दिन वार्षिक समारोह मनाया गया। बच्चों के शारीरिक विकास के लिए 26 जनवरी, 2019 को खेलों का आयोजन किया गया। मनोरंजन के लिए स्कूलम पिकनिक का भी आयोजन किया गया। शिक्षक अभिभावक मुक्त बातचीत के लिए शिक्षक-अभिभावक बैठकों का भी आयोजन किया गया।

5.6.3 उल्लेखनीय बातें

विद्यालय के लिए स्थान, भवन आदि बुनियादों सुविधाएं नेरिस्ट प्राधिकारी द्वारा मुहैया कराई गई हैं और इसका देखरेख भी नेरिस्ट प्रबंधन ही करता है। विद्यालय में आवश्यक सभी शिक्षण सहायक सामग्री, शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए इंडोर-आउटडोर खेल तथा अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनमें एक बड़े

खेल का मैदान, सभी उचित सुविधाओं से युक्त शिशु उद्यान आदि शामिल हैं। क्लास रूम शिक्षण के लिए गुड़िया, तिपहिया साइकिल, स्लाइड, चार्ट, दृश्य-श्रव्य व्यवस्था, कंप्यूटर, इंडोर खेल आदि की अच्छी सुविधा है।

5.6.4 समिति सदस्यों के सूची

विद्यालय एक प्रबन्धन समिति की देख-रेख में कार्य करता है, जिसके अध्यक्ष का नॉमाकन संस्थान के निदेशक महोदय करते हैं। इस समिति में एनएफए, एनटीएसयू के सदस्य भी शामिल हैं तथा इसके सदस्य सचिव प्राचार्य सह अध्यापिका हैं ।

समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं -

डॉ. दीपिका देवी	अध्यक्षा
डॉ. एस. चौधरी	एन एफ ए प्रतिनिधि
श्री टी. देबनाथ	एन ई ए प्रतिनिधि
श्री नबम हरी	एन ई ए प्रतिनिधि
श्रीमती मिनाक्षी रोड़ा,	प्राचार्या,

5.7 परिवहन अनुभाग

5.7.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान की परिसर व बाह्य परिवहन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रशासनिक नियंत्रण के तहत 1987 में परिवहन अनुभाग स्थापित किया गया था। परिवहन अनुभाग को विकसित किया गया था और शुरू में इसे पर्यवेक्षक के रूप में अध्यक्ष (यातायात) और परिवहन अधिकारी के नियंत्रण में रखा गया था। परिवहन अनुभाग संस्थान के कार्यकलापों के लिए छात्रों, विभागीय कार्यों और आधिकारिक कार्यों के लिए जहाँ भी आवश्यक है, छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा आपातकाल सहित अच्छी सेवाएं प्रदान कर रहा है। संस्था की परिवहन सुविधा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, समय-समय पर नए वाहनों को जोड़ने के साथ-साथ वाहनों के रखरखाव का कार्य निष्पादन किया जा रहा है।

5.7.2 उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएँ

सामान्यतः परिवहन अनुभाग अपने अधिकारियों/कर्मचारियों/विद्यार्थियों के लिए नेरिस्ट परिसर के अंदर और परिसर के बाहर यातायात सुविधा उपलब्ध कराता है। नियमित यातायात सेवाओं का विवरण निम्नवत है:

- परिसर और बाह्य स्थल हेतु आधिकारिक कर्तव्यों के लिए वाहनो को उपलब्ध कराना, विषम समय में भी जब और जहाँ भी आवश्यक हो।
- कार्य दिवसों (सोमवार से शनिवार, 7.05 बजे से 5.05 बजे तक) के दौरान अपनी कक्षाओं में भाग लेने के लिए एनईआरआईएसटी छात्रों को बस सेवा प्रदान करना।
- केन्द्रीय विद्यालय के लिए कर्मचारियों के बच्चों को स्कूल बस सेवा प्रदान करना, श्रेणी- I परिसर से केन्द्रीय विद्यालय नेरिस्ट व विवेकानन्द केन्द्रीय विद्यालय, बागे तिनाली।
- कर्मचारी कल्याण के तहत कर्मचारियों और छात्रों को वाहन प्रदान करना और वाहनों के उपलब्ध होने पर भुगतान के आधार पर धार्मिक और सामाजिक कार्यों के वाहन सेवा।

- छात्रों के नियुक्ति साक्षात्कार (परिसर / गुवाहाटी) के लिए वाहन के साथ-साथ संस्थान के विभिन्न विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित सम्मेलन, अल्पावधि पाठ्यक्रम, अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम, छात्रों के अध्ययन दौरों और कार्यशालाओं के दौरान वाहन प्रदान करना।
- विभिन्न अकादमिक छात्रों को उनकी शैक्षणिक वृद्धि के लिए क्षेत्र / औद्योगिक यात्राओं के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विभिन्न विभागों को वाहन प्रदान करना।
- छात्रों संबंधित गतिविधियों एन.सी.सी. / एन.एस.एस. के लिए व बाहर जागरूकता बढ़ाने आदि के लिए वाहन प्रदान करना।
- राजधानी परिसर और गुवाहाटी तक और जब भी आपातकालीन चिकित्सा उपचार (24x7) के दौरान आवश्यक हो, छात्रों और कर्मचारियों के लिए रोगी वाहन सेवा प्रदान करना।
- शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को उनकी सैधान्तिक व प्रायोगिक उपस्थित और अन्य उद्देश्य वाहन प्रदान करना।

5.7.3 वर्ष 2018-19 की गतिविधियां

यातायात अनुभाग संस्थान के सबसे महत्वपूर्ण ईकाईयों में से एक है। यह अनुभाग आधिकारिक उद्देश्यों के लिए वाहनों का संचालन करता है। जो प्रत्यक्ष / अप्रत्यक्ष रूप से इस संस्था के हित के लिए हैं।

- इस अनुभाग में तीन हैवी मोटर वाहन, दो बसें आम तौर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे विभागीय खरीद (स्थानीय और बाहर) के लिए लगी हुई हैं। छात्रों के कक्षाओं में भाग लेने, कर्मचारियों के बच्चों के लिए स्कूल पहुंचाने, छात्रों की शैक्षणिक यात्राएं (सुबह 7.45 से 5.30 सांय), छात्रों की औद्योगिक यात्राएं, और विभागीय / आधिकारिक कर्तव्यों हेतु इनका उपयोग किया जाता है।
- अनुभाग में एक विंगर (13 + 1 सीटर) वाहन है, जो शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों और विभाग और कार्यालय द्वारा आवश्यक होने पर अन्य आधिकारिक कर्तव्य के लिए उपयोग की जा रही है।
- दो हल्के वाहन (इनोवा और ऑप्ट्रा-एलटी) निदेशक, प्रबन्ध मंडल अध्यक्ष और संस्थान के अतिथि आदि के रूप में आने वाले अन्य आधिकारिक गणमान्य व्यक्तियों के लिए रखे गए हैं।
- आधिकारिक कर्तव्यों के लिए कुल सचिव द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक वाहन (एवीओ-एलटी)
- एक वाहन (एवीओ-एलटी) सभी संकायाध्यक्षों द्वारा अपने आधिकारिक कर्तव्यों के लिए उपयोग किया जाता है।
- एक वाहन (मॉरी वर्सा) सुरक्षा रात्री गश्त और आवश्यकता के अनुसार अन्य आधिकारिक कर्तव्यों के लिए आरक्षित है।
- एक वाहन (एवीओ-एलटी) का उपयोग विभागीय संगोष्ठी, निदेशक कक्ष, कुल सचिव कक्ष, वित्त अनुभाग, परिसर साक्षात्कार के लिए, भण्डार व क्रय अनुभाग, प्रशिक्षण व नियोजन अनुभाग, अकादमिक अनुभाग, परीक्षा कक्ष, छात्रावास प्रबन्ध परिषद, जिमखाना, पुस्तकालय और अन्य आधिकारिक / विभागीय कार्यों आदि के लिए उपयोग किया जाता है।
- एक वाहन (टाटा मोबाइल) का उपयोग विभागीय कार्यों / प्रयोगशाला कार्यों, अधिशासी अभियन्ता (सिविल) कार्यालय, सहायक अभियन्ता (सिविल) कार्यालय, विद्युत कार्यालय, भण्डार और खरीद अनुभाग, छात्रावास प्रबन्ध परिषद, जिमखाना, पुस्तकालय द्वारा सामग्री के परिवहन के लिए किया जाता है।
- एक वाहन (टवेरा एम्बुलेंस) छात्रों और कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए रोगी वाहन सेवा के रूप में और जब परिसर में और बाह्य परिसर (जैसे तमो रीबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल

साइंसेज, नाहरलागुन, आर.के.एम. अस्पताल, निवा अस्पताल, पापु नाला, गुवाहाटी अस्पताल / हवाई अड्डे हेतु चौबीसों घंटे (24x7) आपातकालीन चिकित्सा उपचार के लिए उपलब्ध रहती है।

- एक वाहन (टाटा सूमो एम्बुलेंस) को हाल ही में दिनांक 24/04/2018 को खरीदा गया है क्योंकि टवेरा एम्बुलेंस काफी पुरानी है और इटानगर राजधानी में उपस्करों की अनुपलब्धता के कारण अक्सर खराब रहती है।

संस्थान निम्नलिखित पुराने वाहनों की नीलामी करने जा रहा है जैसा कि नीचे उल्लेखित है-

- संस्थान वाहन संख्या AR01 3980 (बस) नीलामी के लिए प्रस्तावित है।
- संस्थान वाहन संख्या AR01C-7523 (मारुति जिप्सी) नीलामी के लिए प्रस्तावित है।
- संस्थान वाहन संख्या AR01A-5286 (ओमनी वैन) नीलामी के लिए प्रस्तावित है
- संस्थान वाहन संख्या AR01 4600 (मारुति जिप्सी) पहले ही नीलामी के लिए प्रस्तावित है।
- संस्थान वाहन संख्या AR01A 4887 (राजदूत) नीलामी के लिए प्रस्तावित है
- एक मोटर साइकिल पहले भी इसे नीलाम किया गया था लेकिन कोई बोली लगाने वाला नहीं थाअसर पंजीकरण संख्या AR01 B 7520 नीलामी के लिए प्रस्तावित है ।
- परिवहन अनुभाग में समय-समय पर वाहन की अनुरक्षण और संस्थान के वाहन के रखरखाव के लिए पानी की वाशिंग उपकरण हैं।

परिवहन अनुभाग में 12 वाहन हैं। संस्थान के वाहनों को चलाने हेतु 09 चालक हैं; इसलिए परिवहन अनुभाग को तत्काल सुचारु संचालन के लिए अतिरिक्त 2चालकों की आवश्यकता होती है।

विशेषताएँ

परिवहन अनुभाग वाहनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए प्रशासनिक गतिविधियों को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। नेरिस्ट के छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए अनुभाग का आवश्यक परिवहन सेवाओं का संचालन छात्रों को अपने छात्रावास से उपाधि भवन (7.45 बजे से शाम 5:30 बजे), विभागीय संगोष्ठी, अध्ययन दौरे आदि का सभी छात्रों और कर्मचारियों को सब्सिडी दरों पर उनकी सर्वश्रेष्ठ संतुष्टि से करना मुख्य लक्ष्य है।

5.8 नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई

5.8.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई (एन.एच.यू.) छात्रों और कर्मचारियों की सेवा के लिए समर्पित है। यहां छात्र और कर्मचारी किसी भी चिकित्सा समस्याओं के लिए निः शुल्क चिकित्सा परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई आपातकालीन मरीजों के लिए 24x7 एम्बुलेंस सुविधा भी प्रदान करता है। इसके अलावा, नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई बाह्य जरूरतमंद मरीजों को ओ.पी.डी. सेवा प्रदान की जाती है। स्वास्थ्य इकाई में निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी अपनी बहुमूल्य सेवायें प्रदान कर रहे हैं-

- डॉ. पोपी कैम्बिंदर टोक प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी
- डॉ. सुशिमिता पी. टैगगू चिकित्सा अधिकारी
- डॉ. गयमार इंजा चिकित्सा अधिकारी
- हरेन्द्रन पी एम फार्मैसिस्ट
- श्रीमती मेरी बिस्वास स्टाफ नर्स
- श्री धीरेन कृ नाथ ड्रेसर

➤ श्रीमती ओ. बर्बन	जेरोक्स ऑपरेटर
➤ श्री मिन्यो ब्लांगे	प्रयोगशाला सहायक
➤ श्री ई देवमारी	प्रयोगशाला परिचर
➤ श्रीमती पुर्निमा देब	परिचर
➤ श्रीमती के यलो	परिचर
➤ श्रीमती टाना पारबती	चपरासी
➤ श्री सुरेंद्र प्रसाद	लिपिक
➤ श्री महेश मल्लिक	सफाई कर्मचारी

5.8.2 गतिविधियां

- यह ईकाई सभी कर्मचारियों और उनके रिश्तेदारों के लिए और पास की जनता के लिए भी ओपीडी की सुविधा प्रदान कर रही है जो बिना किसी परामर्श लागत के इलाज के लिए संपर्क करते हैं। यह ईकाई दवा काउंटर के माध्यम से अधिकृत कर्मचारियों को मुफ्त दवाएं प्रदान कर रहा है। और वर्ष के दौरान परिसर के निवासी को 24X7 आपातकालीन सेवा प्रदान की जाती है।
- यह ईकाई ने भारत सरकार द्वारा इस वर्ष में दो बार पल्स इम्यूनाइजेशन कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। उपरोक्त संयुक्त खसरा और रूबेला टीकाकरण अभियान के अलावा इस वर्ष के फरवरी महीने में सरकार के अनुसार पूरी तरह से चलाया गया था।
- पहले की तरह नेरिस्ट स्वास्थ्य ईकाई ने एपीएसीएस और एनएसएस के साथ मिलकर इस साल में दो बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया था।
- ईकाई ने परिसर समुदाय के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों में भी डायरिया और निपाह वायरस के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया।

इसके अलावा नेरिस्ट स्वास्थ्य ईकाई ने केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों और नेरिस्ट की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्रों को स्वास्थ्य प्रमाणपत्र जारी किए, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के अनुसार आस-पास के स्कूलों में किडामुक्ति कार्यक्रम भी आयोजित किया।

5.9 उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास केन्द्र

5.9.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल ने दिनांक 11 अगस्त, 2007 को आयोजित 62वीं सभा में संस्थान में उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास केन्द्र की स्थापना का अनुमोदन किया था। यह केन्द्र पूर्वोत्तर क्षेत्र की ग्रामीण प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अनुरूप बहु-विषयक एवं बहु-उद्देश्यीय है तथा निम्नलिखित उद्देश्यों के लिये अगस्त, 2007 से कार्य कर रहा है। यह नेरिस्ट का एक स्वतंत्र केंद्र है जिसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

- अरुणाचल प्रदेश एवं पूर्वोत्तर के अन्य पड़ोसी राज्यों की तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा सम्बन्धी गतिविधियों का संवर्धन करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक उत्थान में सहयोग करना।

- पूर्वोत्तर क्षेत्र में तकनीकी एवं वैज्ञानिक कौशल को आधार प्रदान करना जिससे तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा सम्बन्धी प्रशिक्षण सामान्य जनता को प्रदान करने में सहयोग किया जा सके।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में उपयुक्त प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना तथा परियोजनाओं का अध्ययन करके तकनीकी हतांतरण करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगो द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अपनाये जाने सम्बन्धी लघु चलचित्रों का निर्माण।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के परम्परागत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ज्ञान का संवर्धन, लिपिबद्धता एवं विस्तार करना।
- उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास में नियमित अथवा राज्य/केन्द्र सरकार, सयुक्त राष्ट्र, सार्क द्वारा प्रायोजित सदस्यों को आपसी सहयोग व यु.एन.डी.पी., यु.एन.ई.पी., युनेस्को, डब्लू.एच.ओ., एन.ई.सी. ए.डी.सी. आदि के सहयोग से प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, उपाधि एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का संचालन करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिये उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास सम्बन्धी लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के आपदा प्रबन्धन को दूर संवेदी तकनीक के माध्यम से सुनिश्चित करना।
- अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिये राज्य सरकार, केन्द्र सरकार, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगठनों से वित्त अनुदान, सामग्री, उपकरण या तकनीकी ज्ञान पुस्तके व आलेख प्राप्त करना।
- भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप संसाधनों का विकास करना।

5.9.2 केन्द्र की समिति के सदस्यगण

डा. एस. के. श्रीवास्तव	केन्द्र अध्यक्ष
डा. पी. आर. गजुरेल	सह प्रोफेसर (वानिकी)
श्रीमती मुडो पुमिंग	सहायक प्रोफेसर (सिविल अभियांत्रिकी)

अनुभाग - 6
मानव संसाधन

I. शिक्षण (संकाय सदस्य)

दिनांक 31.03.2019 को विभागवार संकाय सदस्यों की संख्या निम्नवत है:

1.	वानिकी	13
2.	कृषि अभियांत्रिकी	14
3.	सिविल अभियांत्रिकी	14
4.	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	11
5.	विद्युत अभियांत्रिकी	16
6.	इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	13
7.	यांत्रिक अभियांत्रिकी	16
8.	भौतिक विज्ञान	09
9.	रसायन विज्ञान	11
10.	गणित	07
11.	मानविकी व समाज विज्ञान	05
12.	प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र	04

II. गैर शिक्षण (अधिकारी एवं कर्मचारी)

दिनांक 31-3-2019 को संस्थान के अधिकारियों एवं तकनीकी, अनुसचिवीय और समूह-ग वर्ग के कर्मचारियों की संख्या निम्नलिखित थी।

(i) अधिकारी

क	समूह क	11
ख	समूह ख	06
कुल		17

(ii) तकनीकी/ व्यवसायिक कर्मचारी (गैर शिक्षण)

क	समूह क	04
ख	समूह ख	23
ग	समूह ग	38
कुल		65

(iii) अनुसचिवीय कर्मचारी

क	समूह ख	13
ख	समूह ग	57
कुल		70

(iv) गैर अनुसचिवीय स्टाफ - समूह ग

क	लेब एटेंडेंट/हेल्पर/पंप एटेंडेंट	36
ख	सुरक्षा गार्ड	07
ग	माली, मजदूर व सफाई कर्मी	26
घ	चपरासी	33
ङ	रसोईया व रसोईया सहायक	69
कुल		171

कुल (II) = 319

सर्व कुल (I+II) = 452

अनुभाग - 7

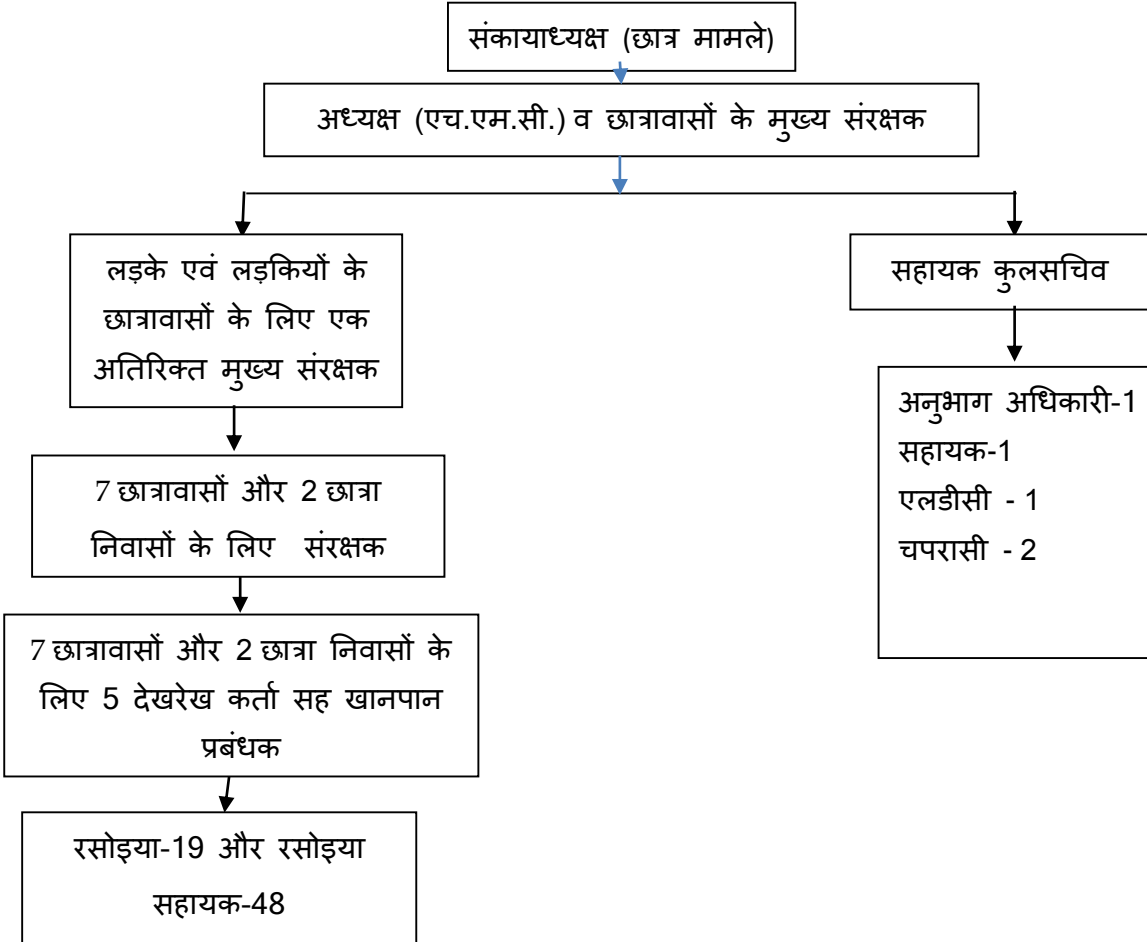
परिसर जीवन एवं अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ

7.1 छात्रावास प्रबन्धन परिषद (एच.एम.सी.)

7.1.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

नेरिस्ट एक आवासीय तकनीकी संस्थान है जिसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2005 में मानक विश्वविद्यालय घोषित किया। सभी विद्यार्थियों (महिला व पुरुष) को परिसर के अंदर स्थित छात्रावासों में रहना अनिवार्य है। यह सुविधा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है और साथ ही शिक्षकों और सहपाठियों से नियमित बातचीत के माध्यम से विद्यार्थियों को कारपोरेट लिविंग में प्रशिक्षित भी करता है। छात्रावास प्रबंधन परिषद 8 छात्रावासों और 2 छात्रा निवासों के सु-प्रबंधन, खान पान सुविधा आदि के लिए एक प्रशासनिक निकाय है। इनमें छात्रावास-एच और ब्रह्मपुत्र पोस्ट ग्रेजुएट छात्र (एम.टेक./एम.एससी. व एमबीए के छात्र) और पीएच.डी. के लिए हैं। छात्रावास सुबनसिरी छात्राओं के लिए है। उन्हें एक भी आवास आवंटित नहीं किया जाएगा। छात्रावास सुबनसिरी और ब्रह्मपुत्र खानपान आउटसोर्स द्वारा चलाया जा रहे हैं, जिनके पास एफएसईआई प्रमाण पत्र है। बाकी छात्रावासों का प्रबंधन छात्रावास प्रबंधन परिषद द्वारा किया जा रहा है।

छात्रावास प्रबन्धन परिषद कार्यालय का संस्थागत ढांचा



वर्ष 2018-19 के दौरान छात्रावास प्रबन्धन परिषद के अध्यक्ष तथा हॉस्टल के मुख्य वार्डन के दायित्व में डॉ. रडक ब्लांगे, एसोसिएट प्रोफेसर हैं। इसके अलावा एक संयाजन वार्डन, 9 छात्रावास संरक्षक व 4 देखरेख कर्ता सह खानपान प्रबंधक परिषद को अपनी सेवार्यें प्रदान कर रहे हैं -

छात्रावासों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:

छात्रावास	आवास संख्या	संरक्षक	देखरेख कर्ता सह खानपान प्रबंधक
ए	124	डॉ. केएच हेरा चंद्र सिंह	श्री दोरजी संगमु
बी	124	डॉ. एम. हसन	
सी	124	श्री ए. के. चौधरी	श्री बी. पातिर
डी	124	श्री अजित कुमार सिंह यादव	
ई	250	डॉ. डी. बोरा	श्री ए. गौगोई
एफ	250	श्री अखिलेश शर्मा	श्री ई. एन. वी. नायर
जी	250	सुश्री पियाली दास	श्रीमती मौसुमी राँय चौधुरी
एच	250	श्री एम. एम. माल	श्री टी. मैथ्यु
ब्रहमपुत्र	416	डॉ. एम उपाध्याय	
सुवनसिरी	250	डा. दीपिका देवी	श्रीमती एन सियुम

उल्लेखनीय बातें

पिछले वर्षों की तरह, नए विद्यार्थियों के प्रवेश तिथि से अगले तीन सप्ताह तक नए विद्यार्थियों के मन में आत्मविश्वास जगाने के उद्देश्य से रात को आठ बजे से 12 बजे तक छात्रावासों का दौरा करने के लिए छात्रावास स्तर पर एन्टी रेगिंग स्क्वाड गठित किए गए। इस स्क्वाड में छात्रावासों के वार्डन सहित संकाय सदस्यों को शामिल किया गया। यूजीसी के दिशा-निर्देशानुसार संस्थान में एन्टी रेगिंग समिति भी गठित की गई।

गणतन्त्र दिवस और स्वाधीनता दिवस का आयोजन प्रत्येक छात्रावासों में किया गया जहां संबंधित वार्डन/मुख्य वार्डन/संकायाध्यक्ष(एसए) ने छात्रावासों के सामने तिरंगा फहराया।

छात्रावासों में रहने वाले छात्रों ने अलग से प्रत्येक छात्रावास ब्लॉक में ब्लॉक दिवस का आयोजन भी किया और इस समारोह में निदेशक/संकायाध्यक्ष गण/ कुलसचिव/मुख्य वार्डन/छात्रावास वार्डन आदि आमंत्रित किए गए।

छात्रावास प्रबन्धन परिषद के सदस्य 20/05/2019

अध्यक्ष / मुख्य वार्डन	डॉ रडक ब्लांगे, एसोसिएट प्रोफेसर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
सहायक कुलसचिव	श्री अनिमेश बसु
अनुभाग अधिकारी	श्रीमती प्रतिभा सैकिया
कार्यालय सहायक	श्रीमती ए. अधिकारी,
कार्यालय सहायक	श्री थॉमस मैथ्यू
एल.डी.सी.	श्री बी. पतिर
चपरासी	श्री जे. मिली, श्री एन. बी. थापा, श्रीमती एल रोनिया तथा श्रीमती बी हजारिका

7.2 राष्ट्रीय केडेट कोर

7.2.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान में राष्ट्रीय केडेट कोर की दो शाखायें हैं, जिसमें एस डी (छात्र) को वित्त सहायता नेरिस्ट द्वारा प्रदान की जाती है, एवं एस डबल्यू (छात्रा) के लिए गठित शाखा का वित्त पोषण राष्ट्रीय केडेट कोर, तेजपुर द्वारा किया जा रहा है। वर्ष 2018-19 में संस्थान में केडेटों की संख्या निम्न लिखित है।

पंजीकृत छात्र	एस डी (छात्र)
प्रथम वर्ष	46
द्वितीय वर्ष	68
तृतीय वर्ष	20
विशेष अवधि	03
कुल संख्या	137

जन शक्ति की स्थिति

	वर्तमान स्थिति	आवश्यकता	कमी
एएनओ /सीटीओ	02	02	--
सहायक कर्मचारी	02	04	02

संसाधनों की उपलब्धता

	वर्तमान स्थिति	आवश्यकता	कमी
कार्यालय	01	01	शून्य
भंडार कक्ष (बड़ा)	01	02	01

बजट प्रावधान

वर्ष 2018-19 के दौरान कुल ₹1,56,606 (एक लाख छप्पन हजार छ सौ छ रुपए) जिसमें धुलाई और केडेटों को दिया जाने वाला अल्पाहार व्यय (₹ 75,980/-), कैट सी कैप (17,626+34,000+14,000+15,000= ₹80,626/-) शामिल है।

7.2.2 गतिविधियों का विवरण

- (i) कुल परेडों का आयोजन - 37
- (ii) समारोह ड्रिल में भागीदारी
 - स्वतंत्रता दिवस - 48 छात्र, 24 छात्रा
 - गणतंत्र दिवस - 54 छात्र, 24 छात्रा
- (iii) राष्ट्रीय केडेट कोर कैम्प - 04
 - सी ए टी सी कैप, डीएनजीसी, इटानगर, अरुणाचल प्रदेश में दिनांक 18/06/2018 से 27/06/2018
 - सी ए टी सी कैप, आरजीजीपी, इटानगर, अरुणाचल प्रदेश में दिनांक 13/10/2018 से 22/10/2018

7.2.3 उल्लेखनीय बातें

बी प्रमाणपत्र परीक्षा में सफल छात्रों की संख्या : 18 (18 एसडी)

क्रम संख्या	नाम	पिता का नाम	रेजिमेंटल नंबर
1	सी जोलियानलुग्गा	सी ज़ोलुरा	एआर 16 एसडीए 100340
2	दिब्यारंगा बरमन	सुरजित कु. बर्मन	एआर 17 एसडीए 100321
3	टीजाम टेंगलुक	तोन्हंग तंगलुक	एआर 17 एसडीए 100344
4	सिद्धार्थ राय	दिलीप कुमार राय	एआर 16 एसडीए 100313
5	रंक कुमार त्रिपथि	रबिंद्र नाथ त्रिपथि	एआर 17 एसडीए 100349
6	दिपांकर देवरी	जाजनोराम देवरी	एआर 17 एसडीए 100315
7	अंकुस शाहा	तपन शाहा	एआर 17 एसडीए 100310
8	रिचर्ड मिज़	बानी मिज़	एआर 17 एसडीए 100345
9	यश कुमार	मुख रंजन कुमार	एआर 17 एसडीए 100316
10	सीलिलोंग लांगू	लिमामेरिन	एआर 17 एसडीए 100319
11	दिव्या रंजन नायक	श्रीधर नायक	एआर 17 एसडीए 100304
12	बिजोय बेसुध	खगेन बसुमतारी	एआर 17 एसडीए 100329
13	तदर ममगन	तदर कियोदा	एआर 17 एसडीए 100337
14	पायुश कुमार	प्रवींद कु. राय	एआर 17 एसडीए 100309
15	विकेश के.आर. रॉय	हरिंदर कु. रॉय	एआर 17 एसडीए 100326
16	हरितुराज देबनाथ	उत्तम कु. देबनाथ	एआर 17 एसडीए 100313
17	प्रानगत मेनगर	अशोक मंगर	एआर 17 एसडीए 100343
18	गोमबोम पर्टिन	फिक्सिंग पर्टिन	एआर 17 एसडीए 100306

सी प्रमाणपत्र परीक्षा में सफल छात्रों की संख्या : 19

क्रम संख्या	नाम	पिता का नाम	रेजिमेंटल नंबर
1	नवजीत राज शाह	मूंगा लाल शाह	एआर 16 एसडीए 100309
2	बिक्की कुमार	सुरेंद्र प्रसाद	एआर 16 एसडीए 100352
3	अभिशेक दत्ता	बाबुल डूटा	एआर 16 एसडीए 100306
4	पार्थ डूटा	प्रबिर दत्ता	एआर 16 एसडीए 100321
5	अविनास सैकिया	गोलक सैकिया	एआर 16 एसडीए 100319
6	टोंकू सोनार	ल बी सोनर	एआर 16 एसडीए 100353
7	दबोरा बोराह	बुदहिं बराह	एआर 16 एसडीए 100320
8	सत्यम राज	अशोक कुमार सिंह	एपीएसडी / 15/120422
9	सुरव झा	भरत लाल झा	एआर 16 एसडीए 100303
10	सुजय सिंह	ब्रज किशोर सिंह	एआर 16 एसडीए 100304
11	नासाटो नीकहा	सलजु नीक	एपीएसडी / 15/10412

12	विकस कुमार गुप्ता	अजेय कुमार गुप्ता	एआर 16 एसडीए 100345
13	नाको कोमो	नाको तातु	एआर 16 एसडीए 100336
14	गूरव कुमार सिंह	गणेश प्रसाद सिंह	एआर 16 एसडीए 100341
15	सोरम समधन सिंह	सोरम ईबोहल सिंह	एआर 16 एसडीए 100301
16	प्रभात कुमार प्रसाद	शेखर प्रसाद	एआर 16 एसडीए 100317
17	सत्यम कुमार	ललन साह	एआर 16 एसडीए 100316
18	रणजीत राय	तालौंग राय	एआर 16 एसडीए 100307
19	नामां देव श्रुमा	सुभाष चंद्रा शर्मा	एआर 16 एसडीए 100344

7.2.4 समिति सदस्यों की सूची, अगर हो तो : नहीं

7.2.5 अन्य कोई प्रासंगिक सूचना/आकडा : नहीं

7.3 राष्ट्रीय सेवा योजना

रूपरेखा

डा. ए. दीनामानी सिंह, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई, नेरिस्ट ने एन.एस.एस. स्वयंसेवकों को मार्गदर्शन और प्रेरित करने के लिए विभिन्न एन.एस.एस. कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। अन्य कार्यक्रम अधिकारी और समूह के नेताओं ने भी एन.एस.एस. कार्यक्रमों की सफलता के लिए बहुत अच्छा समर्थन और सहयोग भी बढ़ाया। एक समूह 'सी' और एक समूह 'डी' कर्मचारी कार्यालय के कामकाज की देखभाल के लिए एन.एस.एस. कक्ष में हैं, जो कि समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी और समूह के नेताओं को एन.एस.एस. कार्यक्रमों और शिविरों को संचालित करने के लिए सहायता प्रदान कर रहे हैं।

1. नामांकित स्वयंसेवकों की कुल संख्या: 970
2. पुरुष: 730
3. महिला: 240
4. पुरुष स्वयंसेवकों की संख्या (ए.पी.एस.टी.): 170
5. महिला स्वयंसेवी की संख्या (ए.पी.एस.टी.): 45
6. एनएसएस समन्वयक का नाम डॉ. ए. दिनामनी सिंह
7. वर्ष के दौरान लगाए गए पेड़ों की संख्या: 300

7.3.2 गतिविधियों का विवरण

वर्ष 2018-19 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों का शुभारम्भ एक परिचय कार्यक्रम से किया गया जिसका आयोजन 16-8-2018 को किया गया था। इस कार्यक्रम में आचार्य एच. एस. यादव ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला था। इसके अलावा दृश्य-श्रव्य उपकरणों के उपयोग से छात्रों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं कर्तव्यों का बोध कराने के साथ साथ इसके छात्रों से की जाने वाली अपेक्षाओं से अवगत कराया गया। इस अवसर पर डा. बिनय सिंह, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले) ने

अपने विचार व्यक्त करते हुए एनएसएस के उद्देश्यों के बारे में अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. ए. दिनामनी सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना की नेरिस्ट इकाई द्वारा 24-9-2018 को एन एस एस दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अन्य कार्यक्रमों के अलावा वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया। इस आयोजन में कार्यक्रम अधिकारी तथा स्वयं सेवक उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय सेवा योजना, नेरिस्ट इकाई की संयोजक ने योजना के सामाजिक दायित्वों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने कहा कि दुनिया के बदलते परिदृश्य में एन एस एस के कार्यों में भी व्यापकता अपेक्षित है।

नियमित गतिविधियों का आयोजन दिनांक 25.8.2018, 02.10.2018, 27.01.2019 (स्वच्छ भारत अभियान) तथा 02.03.2019 को नेरिस्ट मुख्य परिसर एवं डिग्री ब्लॉक में किया गया था जिसमें लगभग 650 छात्रों ने भाग लिया। छात्रावासों व डिग्री ब्लॉक में 200 वृक्ष लगाए गये तथा परिसर की सफाई की गई।

नेरिस्ट, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा नाहरलगन जनरल हॉस्पिटल और मेडिकल हेल्थ यूनिट, नेरिस्ट के सहयोग से 25.08.2018 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान करने वालों में कुल 60 (40 छात्रा) एन एस एस स्वयं सेवक और कार्यक्रम अधिकारी शामिल थे। रक्त दान शिविर के पश्चात चिकित्सकों, तकनीशियनों और अन्य मेडिकल स्टाफ के लिए नेरिस्ट के अतिथि गृह में भोजन की व्यवस्था की गई।

7.3.3 विशेष शिविर प्रतिवेदन

नेरिस्ट के एन.एस.एस. प्रकोष्ठ द्वारा निरजुली गाँव-II में 16.02.2019 तक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कार्यक्रम अधिकारियों के अलावा लगभग 220 एन एस एस स्वयंसेवकों, गाँव के युवकों और गाँव के गाँव बूढ़ा ने भाग लिया। एक सामुदायिक भोजन की भी व्यवस्था की गई। इसके पश्चात गाँव वासियों के साथ एनएसएस स्वयंसेवकों ने बातचीत की। इस दौरान 100 आंवला व कटहल के पेड़ लगाये गये थे। भविष्य में एन.एस.एस. प्रकोष्ठ द्वारा आधुनिक गाँव के वातावरण के वृक्षारोपण और रखरखाव का ध्यान रखा जाएगा। इसके बाद ग्रामीणों के साथ छात्र स्वयंसेवकों हेतु एक सामुदायिक दोपहर का भोजन भी आयोजित किया गया था।

राष्ट्रीय सेवा योजना समिति सूची

1. श्री एम देबेन सिंह	कार्यक्रम अधिकारी
2. डा. अवधेश कुमार	कार्यक्रम अधिकारी
3. डॉ. (श्रीमती) अजन्ता कालिता	कार्यक्रम अधिकारी
4. डॉ. के. हिराचंद्रा सिंह	कार्यक्रम अधिकारी
5. डॉ. एस. धिरेन मैथेई	कार्यक्रम अधिकारी
6. डॉ. अकबरी जहान	कार्यक्रम अधिकारी
7. डॉ. कमल सहरिया	कार्यक्रम अधिकारी
8. डॉ. मोहम्मद हसन	कार्यक्रम अधिकारी
9. श्रीमती पियाली दास	कार्यक्रम अधिकारी
10. श्री गोविन्द पागीगं	कार्यक्रम अधिकारी
11. श्री अरुण कुमार चौधरी	कार्यक्रम अधिकारी
12. श्री एम एडीसन सिंह	कार्यक्रम अधिकारी
13. डॉ. कुनाल बोरा	कार्यक्रम अधिकारी
14. श्री संतोष तमांग	कार्यक्रम अधिकारी
15. श्री पी. देवचन्द्र सिंह	कार्यक्रम अधिकारी

7.4 सम्पदा कार्यालय

7.4.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

सम्पदा कार्यालय की स्थापना संस्थान की परिसम्पत्तियों विशेष रूप से भूमि संरक्षण, भूमि पर अवैध कब्जों एवं बाह्य निकारों जैसे उपायुक्त पापुमपारे, उपायुक्त राजधानी क्षेत्र, भूमि एवं राजस्व अधिकारियों, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, अतिरिक्त सहायक आयुक्त नाहरलगन आदि से सम्पर्क रखने के लिए की गई है। परिसर की देखभाल करना, परिसर के आवासों का आबंटन आदि का कार्य भी सम्पदा कार्यालय के दायित्वों में शामिल है।

सम्पदा अधिकारी के अतिरिक्त इस कार्यालय के अन्य कर्मचारियों का ब्यौरा निम्नवत है:

1. सहायक सम्पदा अधिकारी	- 01
2. लिपिक	- 01
3. चपरासी	- 01
4. अस्थाई कर्मचारी	- 01
5. दैनिक कर्मचारी	- 01

सम्पदा कार्यालय एक महत्वपूर्ण अनुभाग है जो सीमित स्थायी कर्मचारियों के साथ अपने नियमित कार्यों को बखूबी निभा रहा है। सहायक कर्मचारियों की कमी के बावजूद सम्पदा अधिकारी अपने बड़ी ही निष्ठा एवं लगन के साथ अपने दायित्वों का समुचित पालन कर रहे हैं।

संस्थान में आवासों की संख्या

क्र.सं.	आवास श्रेणी	संख्या	प्रारूप
1	I	132	द्वितलीय
2	II	124	द्वितलीय
3	III	122	एकतलिय व द्वितलीय
4	IV	98	एकतलिय व द्वितलीय
5	V	20	एकतलिय व द्वितलीय
6	बी टी ए	09	एकतलिय
7	VI	01	निदेशक आवास

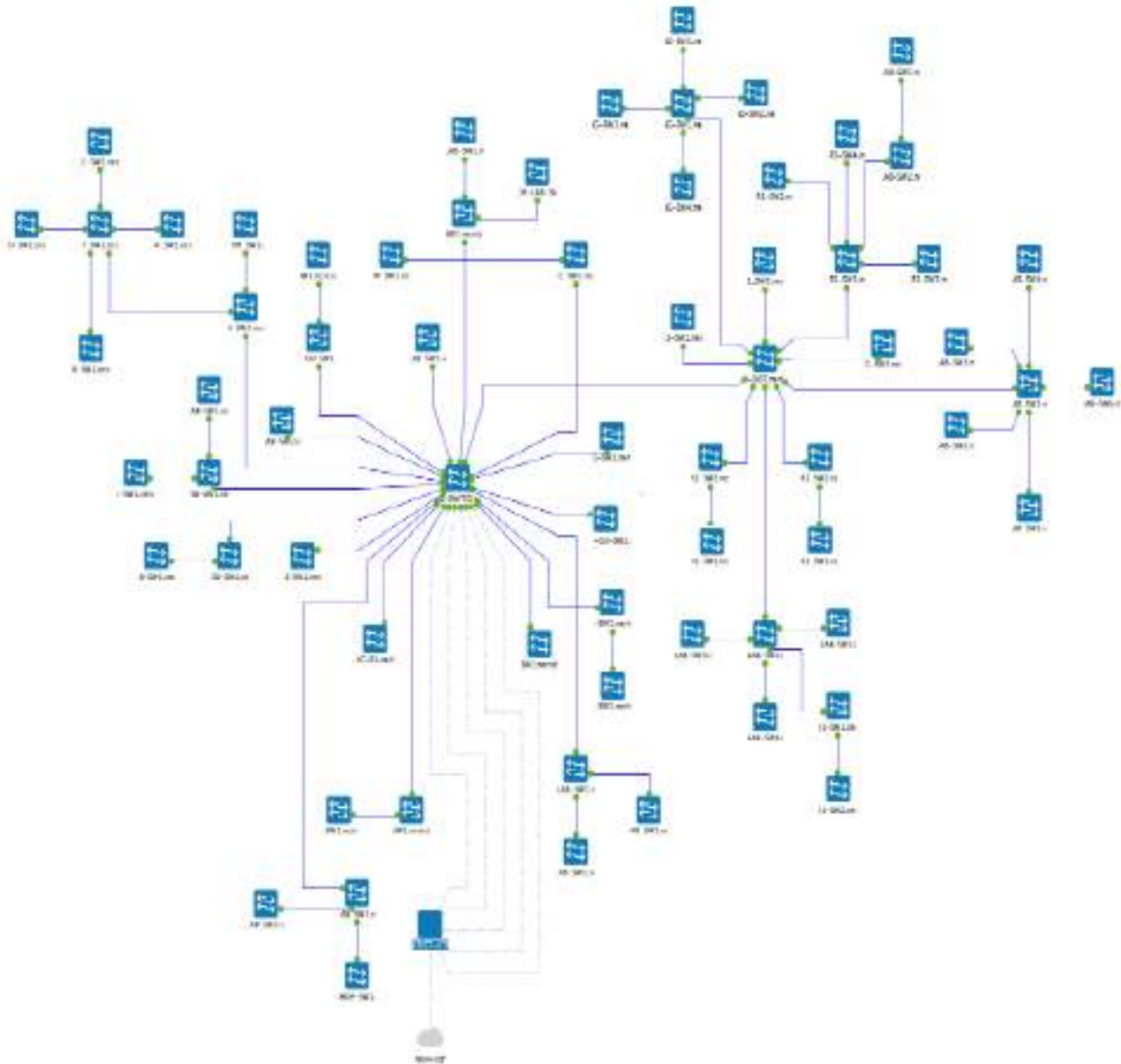
7.5 शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष

7.5.1 अनुभाग का परिचय

संस्थान में शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष की स्थापना प्रारम्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रायोजन में दृश्य-श्रव्य उपकरणों और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के सहयोग से अध्यापन-अध्ययन प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से की गई थी। वर्तमान इस प्रकोष्ठ में दृश्य श्रव्य सहित सभी अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक संगोष्ठी कक्ष तथा एक परिषद कक्ष है। इन कक्षों का उपयोग संकाय सदस्यों और विभिन्न संस्थानों और उद्योगों के पेशेवर लोगों के विशेष व्याख्यान, संगोष्ठी, सम्मेलनों, कार्यशालाओं आदि के आयोजन के लिए किया जाता है। इसके अलावा यह कक्ष संस्थान को इन्टरनेट सेवा उपलब्ध कराने का कार्य भी देखा रहा है। यह कक्ष वेबसाइट और संस्थान की ई-मेल प्रणाली की देखरेख करता है। इस कक्ष के कार्यों में शामिल गतिविधियों का विवरण निम्नवत है:

7.5.2 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सेवा:

1. भारत संचार निगम लिमिटेड ओएफसी के माध्यम से संस्थान को 1 जीबीपीएस एनकेएन सम्पर्क।
2. संस्थान के सभी विभागों, कार्यालयों, स्कूलों में लॉन कनेक्सन।
3. छात्रावासों व आवासीय क्षेत्रों में वाई-फाई लॉन कनेक्सन।
4. संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा स्टाफ को वेब मेल सेवा
5. संस्थान वैब सर्वर अनुरक्षण
6. उच्च शक्ति सर्वरों के माध्यम से हाईपर-वी, वरचुएल प्लेटफार्म, डी एन एस, रेडीयस आदि सेवायें।
7. शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष ऑनलाइन पंजीकरण और प्रवेश प्रक्रिया के लिए सूचना तकनिकी संसाधन सेवाएं प्रदान करता है।



नेरिस्ट स्थानिय नेटवर्क चित्र

7.5.3 नेटवर्क उपकरण

क्र.सं.	उपकरण	संख्या	उद्देश्य
1.	यू टी एम/फायरबाल साइबररोम- 2500 आई एन जी	01	उपक्षोक्ता आद्यारित इन्टरनेट से
2.	कोर स्वीच, सिस्को- 6509	01	सभी इन्टरनेट उपकरण कोर स्वीच से सम्बन्धित
3.	वरण स्वीच, सिस्को- 4503	01	उपाद्यि भवन श्थानिय इन्टरनेट विस्तार
4.	एसस स्वीच	68	सभी विभागो व कार्यालयों मे इन्टरनेट
5.	तार रहित नियंत्रक (अंकुश: जेड डी 3000)	2	नियम, नीति एवं अम्य प्रतिबन्ध्य
6.	एसस बिन्द (अंकुश जेड एफ 7782)	30	तार रहित इन्टरनेट व्यवस्था
7.	सन स्वीच ब्रोकेड	1	सर्वर -सह- भण्डारण सेवा
8.	डेल पावर वाल्ट आर 430 रेक सर्वर	6	स्वचालन एवं इन्टरनेट सुविद्यायें
9.	आई बी एम प्रणाली रेक सर्वर	3	माइक्रोसाफ्ट एस सी सी एम प्रणाली
10.	आई बी एम व एच सी एल टावर सर्वर	3	पब्लीक डी एन एस तथा मेन सर्वर

7.5.5 वर्ष 2018-19 के दौरान गतिधियाँ

- एक वर्ष के लिए 300 उपयोगकर्ताओं के लिए माइक्रोसॉफ्ट लाइसेंस को नवीनीकृत किया।
- पीजीसीआईएल से 100 एमबीपीएस आईएसपी लिंक स्थापित किया गया है, जो प्राथमिक एनकेएन आईएसपी लिंक के बैकअप की सुविधा प्रदान करता है।
- शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष ने इंटरनेट प्रदान करने के लिए ब्रह्मपुत्रा छात्रावास के लिए एक भूमिगत ओएफसी लिंक की स्थापना की।
- शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष ने इंटरनेट प्रदान करने के लिए छात्रावास ब्रह्मपुत्रा, ए व ई में वाई-फाई एसेस बिन्दुओं की स्थापना की।
- शिक्षा प्रौद्योगिकी कक्ष ने 2018-19 सत्र के दौरान छात्रों के लिए विभिन्न ऑनलाइन परिसर साक्षात्कार आयोजित किए।
- विभिन्न शासकीय संगठनों के लिए एसीसीएफ के बुनियादी ढांचे का उपयोग करके अलग-अलग कम्प्यूटरीकृत भर्ती प्रक्रिया आयोजित की।
- एनईई-2019 / पी.जी. / पीएच.डी. के लिए ऑनलाइन पंजीकरण, परामर्श और प्रवेश प्रक्रिया के दौरान आईटी अवसंरचना सहायता प्रदान की।

7.6 व्ययामशाला

7.6.1 गतिविधियों का विवरण

- i. व्ययामशाला द्वारा 14-28 अगस्त 2018 के दौरान सभी छात्रावासों के 250 से अधिक छात्रों ने एसडीपी मेमोरियल फुटबॉल खेल प्रतियोगिता में भाग लिया।
- ii. दिनांक 9-14 सितंबर 2018 के दौरान डीएन कॉलेज ईटानगर में 15 छात्रों की एक टीम ने राज्य-स्तरीय अंतर-कॉलेज फुटबॉल खेल प्रतियोगिता में भाग लिया।
- iii. सभागार में 22 सितम्बर, 2018 को राष्ट्र निर्माण के लिए छात्रों को प्रेरित करने के लिए 50 से अधिक छात्रों ने एक जागरूकता कार्यशाला "थिंक इंडिया" में भाग लिया।
- iv. राष्ट्रीय एकता दिवस चिह्नित करने के लिए पर 22 अक्टूबर 2018 का आयोजित एकता दौड़ में 900 छात्रों ने भाग लिया।
- v. रेकफ 2018-संस्थान का सांस्कृतिक उत्सव का 25-27 अक्टूबर 2018 को आयोजन किया गया था, जहां 1300 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।
- vi. अरुणाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कार्यालय द्वारा आयोजित 5-6 नवंबर 2018 के दौरान राज्य स्तरीय म्यूरल पेंटिंग प्रतियोगिता में चार छात्रों की एक टीम ने भाग लिया और प्रथम रनर अप के रूप में मान्यता प्रमाण पत्र, पदक जीते।
- vii. दिनांक 10-20 नवंबर 2018 के दौरान इंटर-ब्लॉक शतरंज टूर्नामेंट में 50 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।
- viii. दो छात्रों के एक दल ने 10-12 नवंबर 2018 के दौरान डीएन कॉलेज, ईटानगर द्वारा आयोजित जोनल स्तर वाद विवाद प्रतियोगिता भाग लिया और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- ix. समाज के लिए उत्तरदायित्व निर्वाह पर एक दिवसीय कार्यशाला में दिनांक 2 दिसंबर 2018 को 50 छात्रों ने भाग लिया।
- x. दिनांक 17-20 जनवरी 2019 के दौरान इंटर ब्लॉक टेबल टेनिस टूर्नामेंट में छात्राओं सहित सभी छात्रावास ब्लॉकों के कुल चार छात्रों ने भाग लिया।
- xi. आग निकासी ड्रिल पर जागरूकता पर 21 जनवरी 2019 को आयोजित कार्यक्रम में 540 छात्रों ने भाग लिया।
- xii. दिनांक 26 जनवरी 2019 को 18 छात्रों की एक टीम ने नेरिस्ट का प्रतिनिधित्व करते हुए राजभवन, ईटानगर में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन किया।
- xiii. वार्षिक खेलकुद समारोह का आयोजन 31 जनवरी से 3 फरवरी, 2019 को किया गया था। इस आयोजन में 1000 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें प्रमाण पत्र से स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों, (लड़के और लड़कियों दोनों) ने लम्बी दौड़ (500 मीटर और 3000 मीटर दौड़); स्प्रिंट्स (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर और 800 मीटर दौड़); रिले 4X100 मीटर दौड़., लंबी कूद, ऊंची कूद, ट्रिपल जंप; थ्रो (जेवेलिन, चर्चा, शॉट-पुट, हैमर); धीमी गति से साइकिल चलाना आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया।
- xiv. दिनांक 14-20 फरवरी 2019 के दौरान इंटर ब्लॉक बैडमिंटन टूर्नामेंट में लड़कियों सहित सभी छात्रावास ब्लॉकों के कुल चार छात्रों ने भाग लिया।
- xv. दिनांक 23 मार्च 2019 को आयोजित अंतर-ब्लॉक कैरम टूर्नामेंट में 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

- xvi. व्ययामशाला ने पिछले वर्ष 2018-19 के दौरान कई स्मारक खेलों की सुविधा भी प्रदान की-
- ए) जस्टलैंड मेघालय छात्र संघ द्वारा 1-6 अप्रैल 2018 के दौरान जस्टलैंड डेंगडोह अंतर-ब्लॉक बास्केटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।
 - ख) दिनांक 6-13 अप्रैल 2018 के दौरान नेरिस्ट नगालैंड छात्र संघ द्वारा आयोजित एल एन डब्लू मेमोरियल इंटर-ब्लॉक वॉलीबॉल टूर्नामेंट आयोजन किया गया।
 - सी) दिनांक 6-20 अगस्त 2018 के दौरान नेरिस्ट मिजो स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा वीआरडी मेमोरियल इंटर-स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।
 - घ) दिनांक 14-28 अगस्त 2018 के दौरान नेरिस्ट त्रिपुरा स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा आयोजित एसडीपी मेमोरियल अंतर-राज्य फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।
 - इ) दिनांक 2-20 फरवरी 2019 के दौरान नेरिस्ट अरुणाचल प्रदेश के छात्र संघ द्वारा टैडर ईचु मेमोरियल अंतर-राज्य फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।

सृष्टी- नेरिस्ट के तकनीकी त्योहार का आयोजन 29 मार्च से अप्रैल, 2018 को किया गया जिसमें 800 से अधिक छात्रों ने सक्रिय रूप से अपने नवाचारों और विचारों का प्रदर्शन किया।

अनुभाग - 8
वित्त एवं लेखा

यह संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक केन्द्रीय योजना है, तथा पूरी तरह से इसका वित्त पोषण भारत सरकार द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से किया जा रहा है।

वर्ष 2018-19 के आरम्भ में संस्थान के पास लेखा शेष धनराशि ₹328.93 लाख उपलब्ध थी। वर्ष के दौरान संस्थान को ₹10723.09 लाख रुपये की सहायता अनुदान और ₹333.63 आई आर जी के रूप में प्राप्त हुई। दिनांक 31-3-2019 को संस्थान के पास अव्ययित राशि ₹1522.19 लाख शेष थी जिसका उपयोग वर्ष 2019-20 के दौरान किया जाएगा। संस्थान को प्राप्त निधि एवं व्यय विवरण निम्नलिखित है:

₹ लाख में

लेखा का विस्तृत विवरण	शीर्ष			कुल (2+3+4)
	शीर्ष-31 सामान्य	शीर्ष-35 पूँजी	शीर्ष-36 वेतन	
1	2	3	4	5
पिछला शेष	32.79	(-)3.67	299.81	328.93
वर्ष 2018-19 के दौरान प्राप्त निधि	1384.00	1708.00	7631.09	10723.09
आई आर जी 2018-19	333.63	0.00	0.00	333.63
वर्ष 2018-19 के दौरान व्यय	1733.22	1707.68	6422.56	9863.46
दिनांक 31.03.2019 को अव्ययित शेष	17.20	(-)3.35	1508.34	1522.19

संस्थान के वर्ष 2018-19 की लेखा संबंधी विस्तृत सूचना तथा संस्थान के लेखाओं पर लेखा परीक्षा का प्रतिवेदन परिशिष्ट - 12 में प्रस्तुत किया जा रहा है।

परिशिष्ट - I

नेरिस्ट समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31.03.2019

- | | | | |
|----|--|---|---------|
| 1. | ब्रिगेडियर (डा.) बी डी मिश्रा (से.नि.)
महामहिम राज्यपाल,
राजभवन, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश | - | अध्यक्ष |
| 2. | श्री मधु रंजन कुमार
संयुक्त सचिव (टी ई एल),
उच्च शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
मा.स.वि.म., भारत सरकार,
नयी दिल्ली-110 115 | - | सदस्य |
| 3. | श्रीमती दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव व एफ ए, आई.एफ.डी.,
मा.स.वि.म., भारत सरकार, नयी दिल्ली - 110 001 | - | सदस्य |
| 4. | माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), आसाम सरकार,
दिसपुर, गुवहाटी, आसाम - 788 006 | - | सदस्य |
| 5. | माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), मेघालय सरकार
शिलॉंग, मेघालय - 793 001 | - | सदस्य |
| 6. | माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), मिजोरम सरकार
आईजोल, मिजोरम - 796 001 | - | सदस्य |
| 7. | माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), नागालैण्ड सरकार
कोहीमा, नागालैण्ड - 797 001 | - | सदस्य |
| 8. | माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), सिक्किम सरकार
गंगटोक, सिक्किम - 737 103 | - | सदस्य |
| 9. | माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), त्रिपुरा सरकार
अगरतल्ला, त्रिपुरा - 799 001 | - | सदस्य |

- | | | | |
|-----|---|---|-------------|
| 10. | माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा),
अरुणाचल प्रदेश सरकार
ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश - 791 111 | - | सदस्य |
| 11. | माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा),
मणिपुर सरकार
इम्फाल, मणिपुर - 795 001 | - | सदस्य |
| 12. | डा. नीरज शर्मा, अध्यक्ष (टी डी टी),
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली - 110 016 | - | सदस्य |
| 13. | आचार्य अनूप के. दास
यॉत्रिक अभियॉत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
गुवहाटी - 781 039 | - | सदस्य |
| 14. | श्री तारा नाचुंग
पी-सेक्टर, निर्जुली
जिला - पापुम पारे
अरुणाचल प्रदेश | - | सदस्य |
| 15. | आचार्य उमेश चन्द्र रे
अध्यक्ष, प्रबन्धन मंडल, नेरिस्ट
डब्लू-2, आशियाना नगर, फेज-1
पटना - 800 025, बिहार | - | सदस्य |
| 16. | प्रोफेसर एच. एस. यादव,
निदेशक, नेरिस्ट | - | सदस्य |
| 17. | श्री एम के कामदीर, कुलसचिव, नेरिस्ट | - | असदस्य सचिव |

परिशिष्ट - II

नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2019

- | | | | |
|----|---|---|---------|
| 1. | आचार्य उमेश चन्द्र रे
अध्यक्ष, प्रबन्धन मंडल, नेरिस्ट
डब्लू-2, आशियाना नगर, फेज-1
पटना - 800 025, बिहार | - | अध्यक्ष |
| 2. | श्रीमान संयुक्त सचिव व वित्त सलाहकार,
आई.एफ.डी., मा.स.वि.म., भारत सरकार,
नयी दिल्ली - 110 001 | - | सदस्य |
| 3. | श्रीमान संयुक्त सचिव (डी एल व प्रशासन),
मा.स.वि.म., भारत सरकार,
उच्च शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
नयी दिल्ली-110 001 | - | सदस्य |
| 4. | श्रीमान आयुक्त व सचिव
उच्च/तकनीकी शिक्षा, मिजोरम सरकार
नया सचिवालय परिसर, कमरा नं. 402
खातला, आईजोल - 796 001 | - | सदस्य |
| 5. | श्रीमान सचिव
उच्च/तकनीकी शिक्षा, सिक्किम सरकार
गंगटोक, सिक्किम - 737 103 | - | सदस्य |
| 6. | श्रीमान आयुक्त व सचिव
उच्च/तकनीकी शिक्षा, मेघालय सरकार
शिलॉंग, मेघालय - 793 001 | - | सदस्य |
| 7. | श्रीमान आयुक्त व सचिव
उच्च/तकनीकी शिक्षा, नागालैण्ड सरकार
कोहीमा, नागालैण्ड - 797 001 | - | सदस्य |
| 8. | श्रीमान आयुक्त व सचिव
उच्च/तकनीकी शिक्षा, मणिपुर सरकार
इम्फाल, मणिपुर - 795 001 | - | सदस्य |

9.	श्रीमान सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, त्रिपुरा सरकार अगरतल्ला, त्रिपुरा - 799 001	-	सदस्य
10.	प्रोफेसर टी. मिबांग कुलपति, राजीव गाँधी विश्व विद्यालय रोनो हिल्स, दोईमुख - 791 112	-	सदस्य
11.	श्रीमान आयुक्त व सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, असम सरकार मुख्य मंत्री ब्लॉक, प्रथम तल गुवहाटी, आसाम - 781 005	-	सदस्य
12.	श्रीमान आयुक्त व सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, अरुणाचल प्रदेश सरकार ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश - 791 111	-	सदस्य
13.	श्री लामब्रत वी. हानीवाटा वरिष्ठ प्रबन्धक (ग्राहक विक्रय) इंण्डियन ऑयल, एओडी गुवहाटी - 781 020	-	सदस्य
14.	आचार्य समरेन्द्र धनपत विद्युत व इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवहाटी, आसाम- 781 039	-	सदस्य
15.	आचार्य आर. के. प्रशाद, संकायाध्यक्ष (योजना व विकास) , नेरिस्ट	-	सदस्य
16.	आचार्य पी. परीदा, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक) , नेरिस्ट	-	सदस्य
17.	आचार्य के. एन. देवांगन, संकायाध्यक्ष (शिक्षा) , नेरिस्ट	-	सदस्य
18.	आचार्य एच. एस. यादव, रसायन विज्ञान विभाग, नेरिस्ट	-	सदस्य
19.	श्री एस. के. साहू, एसोसियट प्रोफेसर, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट-	-	सदस्य
20.	श्री एम. देबेन सिंह, सहायक प्रोफेसर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट	-	सदस्य
21.	आचार्य एच. एस. यादव, निदेशक, नेरिस्ट	-	सदस्य
22.	श्री एम के कामदीर, कुलसचिव, नेरिस्ट	-	असदस्य सचिव

परिशिष्ट - III

नेरिस्ट वित्त समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2019

- | | | |
|---|---|-------------------|
| 1. आचार्य उमेश चन्द्र रे
अध्यक्ष, प्रबन्धन मंडल, नेरिस्ट
डब्लू-2, आशियाना नगर, फेज-1
पटना - 800 025, बिहार | - | अध्यक्ष |
| 2. अरूणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के सचिव | | सदस्य |
| 3. कुलपति, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, अरूणाचल प्रदेश | | सदस्य |
| 4. आयुक्त (शिक्षा विभाग), अरूणाचल प्रदेश सरकार | | सदस्य |
| 5. अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार, मा.स.वि.म., नई दिल्ली | | सदस्य |
| 6. संयुक्त सचिव (टी ई एल) मा.स.वि.म., नयी दिल्ली | | सदस्य |
| 7. प्रोफेसर एच. एस. यादव, निदेशक, नेरिस्ट | | सदस्य |
| 8. डा. आर. पी. भट्टाचार्य, कुलसचिव, नेरिस्ट | | सदस्य |
| 9. उप कुलसचिव (वित्त), नेरिस्ट | | पदेन, असदस्य सचिव |

परिशिष्ट - IV

शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण 31-3-2019

1. आचार्य एच. एस. यादव, निदेशक, नेरिस्ट	अध्यक्ष
2. आचार्य पी. परीदा, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक)	-सदस्य
3. आचार्य आर. के. प्रशाद, संकायाध्यक्ष (योजना व विकास)	-सदस्य
4. आचार्य पी. लिग्फा, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले)	-सदस्य
5. आचार्य के. एन. देवांगन, संकायाध्यक्ष (प्रशासन)	-सदस्य
6. आचार्य एन.एस. रघुवंशी, कृषि विभाग, आई.आई.टी., खड़गपुर	-सदस्य
7. आचार्य एस.सी. डेका, खाद्य अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, तेजपुर विश्वविद्यालय	-सदस्य
8. आचार्य डी. एन. दास, संकायाध्यक्ष, जीव विज्ञान, रा.गा.वि., दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	सदस्य
9. आचार्य डी. के. सैकिया, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य प्रशासन विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय असम	-सदस्य
10. आचार्य बी. पी. मिश्रा, पर्यावरण विज्ञान, मिजोरम विश्वविद्यालय, आईजोल, मिजोरम	सदस्य
11. आचार्य अरविंद कुमार सिंह, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी, गुवाहाटी	- सदस्य
12. इंजि. टालो पोटोम	- सदस्य
13. आचार्य के. एन. देवांगन, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
15. डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, सह आचार्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
16. आचार्य एस. के. सिंह, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
15. आचार्य आर. के. प्रशाद, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
16. आचार्य एस मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
18. आचार्य एस. बैश्या, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
19. आचार्य मो. अनवर हुसैन, ईलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	- सदस्य
21. आचार्य ओ. पी. राय, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
22. आचार्य सरसिंग गावो, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
23. आचार्य आर. के. मेहता, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
24. आचार्य एस. के. भगत, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
25. आचार्य ए. के. सिंह, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
26. आचार्य एम. मुरलीधर, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
27. आचार्य पी. लिग्फा, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
28. आचार्य एम. चन्द्रशेखरन, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
29. आचार्य एन गिरी, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य

- | | |
|--|---------|
| 30. आचार्य एस. महतो, यॉत्रिक अभियांत्रिकी विभाग | - सदस्य |
| 31. आचार्य पी. के. त्रिपाठी, रसायन शास्त्र विभाग | - सदस्य |
| 32. आचार्य एम. एफ. हुसैन, रसायन शास्त्र विभाग | - सदस्य |
| 33. आचार्य एन. देब, रसायन शास्त्र विभाग | - सदस्य |
| 34. आचार्य ए. के. गुप्ता, रसायन शास्त्र विभाग | - सदस्य |
| 35. आचार्य टी. कारलो, भौतिकी विभाग | - सदस्य |
| 36. आचार्य एल. के. आरोड़ा, गणित विभाग | - सदस्य |
| 37. आचार्य बी. के. सिंह, गणित विभाग | - सदस्य |
| 39. आचार्य बी. डी. नायक, मानविकी व सामाजिक विज्ञान विभाग | - सदस्य |
| 40. आचार्य पी. परिदा, मानविकी व सामाजिक विज्ञान विभाग | - सदस्य |
| 41. आचार्य बिनय सिंह, वानिकी विभाग | - सदस्य |
| 43. आचार्य सी. एल., वानिकी विभाग | - सदस्य |
| 44. आचार्य (श्रीमती) एम. शर्मा, वानिकी विभाग | - सदस्य |
| 45. आचार्य (श्रीमती) के. श्रीवास्तव, वानिकी विभाग | - सदस्य |
| 46. आचार्य एस. के. श्रीवास्तव, वानिकी विभाग
विभागाध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी | - सदस्य |
| 47. आचार्य एस. मिश्रा
विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी | - सदस्य |
| 48. डॉ. एम. मर्जित सिंह
विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी | - सदस्य |
| 49. आचार्य एस. के. भगत
विभागाध्यक्ष, विद्युतीय अभियांत्रिकी | - सदस्य |
| 50. डॉ. राजेश कुमार
विभागाध्यक्ष, ईलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी | - सदस्य |
| 51. आचार्य एम. चन्द्रशेखरन
विभागाध्यक्ष, यॉत्रिक अभियांत्रिकी | - सदस्य |
| 52. आचार्य टी. कारलो
विभागाध्यक्ष, भौतिकी | - सदस्य |
| 53 आचार्य ए. के. गुप्ता
विभागाध्यक्ष, रसायन | - सदस्य |
| 54. आचार्य एल. के. आरोड़ा
विभागाध्यक्ष, गणित | - सदस्य |

55. आचार्य (श्रीमती) के. श्रीवास्तव
विभागाध्यक्ष, वानिकी - सदस्य
57. श्री रानेन्द्र प्रशाद
विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं समाज शास्त्र विभाग - सदस्य
58. डॉ. एस चौधरी
केंद्र अध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन केंद्र - सदस्य
59. आचार्य एस. के. श्रीवास्तव
केंद्र अध्यक्ष, सी.ए.टी.ए.आर.डी - सदस्य
61. श्री रानेन्द्र प्रशाद, सह आचार्य, मानविकी एवं समाज शास्त्र विभाग - सदस्य
62. डॉ. एस. सामन्ता, सह आचार्य, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग - सदस्य
63. डॉ. अजय भारती, सह आचार्य, सिविल अभियांत्रिकी विभाग - सदस्य
- 64 श्री जी. पांगिंग, सहायक आचार्य, वानिकी विभाग - सदस्य
65. डॉ. अशोक कुमार रे. सहायक आचार्य, इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी विभाग - सदस्य
66. आचार्य एस. गावो, परीक्षा नियंत्रक आमंत्रित सदस्य
67. श्री एम के कामदीर, कुलसचिव, नेरिस्ट असदस्य सचिव

परिशिष्ट - V

भवन एवं निर्माण कार्य समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2019

1. आचार्य एच. एल. यादव, निदेशक, नेरिस्ट - अध्यक्ष
2. सचिव (शिक्षा), अरूणाचल प्रदेश - सदस्य
3. मुख्य अभियन्ता (पश्चिमी क्षेत्र) अ.प्र. सा.नि.वि, अरूणाचल प्रदेश - सदस्य
4. संकायाध्यक्ष (योजना एवं विकास) - सदस्य
5. विभागाध्यक्ष (सिविल अभियांत्रिकी) - सदस्य
6. वरिष्ठ शिल्पकार, अ.प्र.सा.नि.वि. अरूणाचल प्रदेश, ईटानगर - सदस्य
7. विभागाध्यक्ष, विद्युत अभियांत्रिकी, नेरिस्ट - सदस्य
8. उप-कुलसचिव (वित्त), नेरिस्ट - सदस्य
9. कुलसचिव, नेरिस्ट - सदस्य
10. अधिशासी अभियन्ता (सिविल), नेरिस्ट - असदस्य सचिव

परिशिष्ट - VI

संस्थान प्रशासन की सूची, दिनांक 31-3-2019

1. निदेशक	आचार्य एच. एस. यादव
2. संकायाध्यक्ष गण	
प्रशासन	आचार्य के. एन. देवागन
शैक्षिक	आचार्य पी. आर. परीदा
विद्यार्थी मामले	आचार्य एम. लिग्फा
योजना एवं विकास	आचार्य आर. के. प्रसाद
3. समूह ए अधिकारी	
कुलसचिव	श्री एम. के. कामदीर
उप कुलसचिव (वित्त व स्थापना)	श्री एम के कामदीर
सहायक कुलसचिव	
शैक्षिक	श्री के. के. राजेश
परीक्षा	श्री गौतम कुमार राँय
भण्डार एवं क्रय	श्री टोको शांमा
छात्रावास प्रबन्धन परिषद	श्री अनिमेश बासू
चिकित्सा अधिकारीगण	डा. पोपी कमदीर टोक
	डा. सुसमिता पी. तागू
	डा. ग्यामर इन्जा
तकनीकी अधिकारी	श्री पी बाल्मिकी
	श्रीमती जी. जे. लक्ष्मी
वैज्ञानिक अधिकारी	डॉ. एच एस गंगवार
	श्री टी घोस
सहायक कार्यशाला अधीक्षक	श्री हर्षेद्र मिश्रा
नेटवर्क प्रशासक	श्री डेवन रसिद्वुल आलम
अधिसाशी अभियन्ता	श्री टोको लेन्टो (प्रभारी)

4. समूह बी अधिकारी
 सुरक्षा अधिकारी
 अनुभाग अधिकारी
 स्थापना
 भण्डार एव क्रय
 वित्त
 छात्रावास प्रबन्धन परिषद
 परीक्षा
 शैक्षिक
- श्री टोको शांमा (प्रभारी)
 श्री दोजी कामदुक
 श्री रबिन्दर देव
 श्री पी. गोस्वामी
 श्रीमती प्रतिभा सैकिया
 श्री एस. चटर्जी
 श्री राधे तादू
5. सतर्कता अधिकारी
 6. संपदा अधिकारी
 7. सम्पर्क अधिकारी (एस.सी. एवं एस.टी.)
 8. हिन्दी अधिकारी
- आचार्य के. एन. देवागन
 श्री टोको शामा
 श्री गोबिन्दा पांगिंग
 श्री रतन सिंह
9. विभागाध्यक्ष
 कृषि अभियांत्रिकी
 सिविल अभियांत्रिकी
 कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
 विद्युत अभियांत्रिकी
 इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
 यांत्रिक अभियांत्रिकी
 वानिकी
 भौतिक विज्ञान
 रसायन विज्ञान
 गणित
 मानविकी व समाज विज्ञान
 प्रबंधन अध्ययन केंद्र
- आचार्य एस. के. श्रीवास्तव
 आचार्य एस. मिश्रा
 डॉ. (श्रीमती) एम. काथिंग
 आचार्य एस. के. भगत
 डा. राजेश कुमार
 आचार्य एम. चन्द्रशेखरन
 डॉ. (श्रीमती) के. श्रीवास्तव
 डॉ. ए. पाण्डे
 आचार्य ए. के. गुप्ता
 आचार्य एल. के. आरोड़ा
 श्री आर. प्रशाद
 डॉ. एस. चौधरी
10. केंद्राध्यक्ष (सी ए टी आर डी)
- डॉ. एस के श्रीवास्तव
11. अध्यक्ष गण
 नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा
 छात्रावास प्रबन्ध समिति
 केन्द्रीय समय सारिणी समिति
 व्यायामशाला
 दूरभाष
- डॉ. मुकेश उपाध्याय
 डॉ. संदीप सिंह
 आचार्य ए. के. सिंह
 डॉ. एल. बी. सिंघा
 डा. राजेश कुमार

यातायात
पुस्तकालय
आवास आवंटन समिति
सुरक्षा

आचार्य एस. महतो
श्री एन जी सोरूम
डा. ओ. पी. त्रिपाठी
आचार्य पी. लिग्फा

12. प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रभारी

डॉ. ए बंदोपाध्याय

13. शिक्षा प्रौद्योगिकी कक्ष प्रभारी

श्री अमर तागु

14. संयोजक

औद्योगिक सलाहकार सेवा कक्ष
राष्ट्रीय सेवा योजना
नियंत्रित शिक्षा कार्यक्रम
केन्द्रीय अनुसंधान सुविधा
केन्द्रीय उन्नत कम्प्यूटर सुविधा

डा. अरविन्द पाँडे
डा. ए. दिनामनी सिंह
डा. पंकज कुमार पाँडे
डॉ. जगन्नाथ भुयॉन
डा. अमर तागू

15. परीक्षा नियंत्रक

आचार्य एस. गावो

16. सचिव, नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा समिति

डॉ. के के राजेश

17. राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिकारी

श्री अनुभव पाल

परिशिष्ट - VII

पुस्तकालय समिति के सदस्य, दिनांक 31-3-2019

श्री एन जी सोरूम, सिविल अभियांत्रिकी	-	अध्यक्ष
डॉ. श्रीमती एस.एल. भारती, रसायन विभाग	-	सदस्य
डा. के. सहरिया, भौतिकी	-	सदस्य
सुश्री पियाली दास, विद्युत अभियांत्रिकी	-	सदस्य
श्री एस. एम. खान, यांत्रिक अभियांत्रिकी	-	सदस्य
डा. के. एच. सिंह, गणित	-	सदस्य
श्री राजू बरठाकुर, मानविकी व सामाजिक विज्ञान	-	सदस्य
श्री एस. चौदरी, प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	-	सदस्य
डॉ. पी. के. पाण्डे, कृषि अभियांत्रिकी	-	सदस्य
डा. अबदेश कुमार, वानिकी	-	सदस्य
डा. आर. के. मंगांग, इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	-	सदस्य
श्री ए. के. सिंह यादव, कम्प्युटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-	सदस्य
श्री डी. एम. साहू	-	सदस्य सचिव

परिशिष्ट - VIII

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा समिति के सदस्य, दिनांक 31-3-2019

डॉ. मुकेश उपाध्याय, एसोसियट प्रोफेसर	-	अध्यक्ष
डॉ. एम, मर्जित सिंह, सहायक प्रोफेसर	-	सदस्य
डॉ. पंकज कुमार पांडे, सहायक प्रोफेसर	-	सदस्य
डॉ. जगन्नाथ भुंयान, सहायक प्रोफेसर	-	सदस्य
डॉ. ए. पाल, सहायक प्रोफेसर	-	सदस्य
डॉ. के के राजेश, सहायक कुलसचिव (शिक्षा)	-	सदस्य सचिव

परिशिष्ट - IX

छात्रावास प्रबन्ध परिषद के सदस्य, दिनांक 31-3-2018

अध्यक्ष / मुख्य वार्डन	डॉ रडक ब्लांगे, एसोसिएट प्रोफेसर, विद्युत अभियंत्रिकी विभाग
सहायक कुलसचिव	श्री अनिमेश बसु
अनुभाग अधिकारी	श्रीमती प्रतिभा सैकिया
कार्यालय सहायक	श्रीमती ए. अधिकारी,
कार्यालय सहायक	श्री थॉमस मैथ्यू
एल.डी.सी.	श्री बी. पातिर
चपरासी	श्री जे. मिली, श्री एन. बी. थापा, श्रीमती एल रोनिया तथा श्रीमती बी हजारिका

छात्रावास	आवास संख्या	संरक्षक	देखरेख कर्ता सह खानपान प्रबंधक
ए	124	डॉ. केएच हेरा चंद्र सिंह	श्री दोरजी संगमु
बी	124	डॉ. एम. हसन	
सी	124	श्री ए. के. चौधरी	श्री बी. पातिर
डी	124	श्री अजित कुमार सिंह यादव	
ई	250	डॉ. डी. बोरा	श्री ए. गौगोई
एफ	250	श्री अखिलेश शर्मा	श्री ई. एन. वी. नायर
जी	250	सुश्री पियाली दास	श्रीमती मौसुमी राँय चौधुरी
एच	250	श्री एम. एम. माल	श्री टी. मैथ्यु
ब्रह्मपुत्र	416	डॉ. एम उपाध्याय	
सुवनसिरी	250	डा. दीपिका देवी	श्रीमती एन सियुम

परिशिष्ट - X
नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा

1. प्रवेश सूचना :

संस्थान में प्रवेश के लिए सूचना को निम्नलिखित समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी -

क्र.सं.	समाचार पत्रों का नाम
1	अरुणाचल टाइम्स, ईटानगर
2	असम ट्रिब्यून, गुवाहाटी
8	दैनिक साम्बद, त्रिपुरा
4	ईको ऑफ अरुणाचल प्रदेश
9	मिजोरम टाइम्स
7	नागालैंड पोस्ट
10	संगई एक्सप्रेस, इंपाल
5	शिलॉन्ग टाइम्स
6	सिक्किम एक्सप्रेस
3	द टेलीग्राफ: उड़ीसा और बिहार सहित सभी संस्करण

प्रवेश परीक्षा तिथि : एन ई ई - II व III - 22.04.2018

एन ई ई - I - 23.04.2018

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा - 2018 में भाग लेने वाले छात्रों का राज्य-वार विवरण

राज्य का नाम	मॉड्यूल						कुल
	एन ई ई -I		एन ई ई -II		एन ई ई -III		
	आवेदन	सामिल	आवेदन	सामिल	आवेदन	सामिल	आवेदन
अरुणाचल	1617	1231	1055	1095	136	45	5179
असम	404	183	470	224	128	72	1481
मणिपुर	159	66	244	213	10	05	697
मेघालय	79	31	121	153	26	29	439
मिजोरम	25	06	22	08	10	01	72
नागालैंड	84	36	242	208	31	25	626
सिक्किम	06	02	14	11	14	08	55
त्रिपुरा	245	118	63	27	63	33	549
अखिल भारत	112	41	61	26	22	03	265
दिव्यांग	03	01	07	01	02	00	14
कुल	2734	1715	2299	1966	442	221	9377

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा-III, 2018 में केंद्र वार आवेदन कर्ताओं का विवरण

राज्य का नाम	कृषि अभि.		सिविल अभि.		यांत्रिक अभि.		इले.संचार अभि.		कम्प्यूटर अभि.		विद्युत अभि.	
	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
अरुणाचल	03	00	104	37	09	00	02	00	07	04	11	04
असम	05	06	69	37	16	01	09	05	14	14	15	09
मणिपुर	00	00	07	00	00	00	00	03	02	02	01	00
मेघालय	01	00	07	11	07	04	01	04	08	05	02	05
मिजोरम	00	00	03	01	02	00	01	00	02	00	02	00
नागालैंड	00	00	19	19	07	01	01	00	00	00	04	05
सिक्किम	00	01	07	03	00	00	01	00	02	03	04	01
त्रिपुरा	01	00	20	09	16	00	10	04	03	13	13	07
अखिल भारत	00	00	09	01	04	00	02	01	00	00	07	01
दिव्यांग	00	00	02	00	00	00	00	00	00	00	00	00
कुल	10	07	247	118	61	6	27	17	38	41	59	32

परीक्षा परीणाम की घोषणा, नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा, 2018

परीक्षा परीणाम का अनुमोदन, नेरिस्ट वेब साईट तथा सूचना पट्ट पर परिणाम 08-05-2018 को कर दिया गया था।

चयनित छात्रों का राज्य अनुसार विवरण, एनईई -2018

राज्य का नाम व वर्ग	परीक्षा				कुल संख्या
	एनईई -I	एनईई -II		एनईई -III	
		प्रौद्योगिकी	वानिकी		
पूर्वोत्तर के स्थाई निवासी	16	05	02	06	29
दिव्यांग	04	03	01	01	09
अरुणाचल प्रदेश	20	08	03	06	37
असम	20	08	03	07	38
मणिपुर	20	08	03	04	35
मेघालय	20	08	03	04	35
मिजोरम	20	08	03	06	37
नागालैंड	20	08	03	05	36
सिक्किम	04	04	03	05	16
त्रिपुरा	20	08	03	06	37
अखिल भारत	20	08	03	05	36
चलायमान	00	00	00	02	02
कुल	184	76	30	57	347

प्रतिक्षा सूची छात्रों का राज्य अनुसार विवरण, एनईई -2018

राज्य का नाम व वर्ग	परीक्षा				कुल संख्या
	एनईई -I	एनईई -II		एनईई -III	
		प्रौद्योगिकी	वानिकी		
पूर्वोत्तर के स्थाई निवासी	40	12	06	13	71
दिव्यांग	00	04	00	01	05
अरुणाचल प्रदेश	40	16	06	10	72
असम	40	15	05	10	70
मणिपुर	40	16	06	03	65
मेघालय	40	16	06	04	66
मिजोरम	07	11	06	04	28
नागालैंड	40	16	06	07	69
सिक्किम	02	04	04	03	13
त्रिपुरा	40	16	06	12	74
अखिल भारत	37	14	06	06	63
चलायमान	-	-	-	04	04
कुल	326	140	57	77	600

प्रवेश सलाह तिथियाँ

1	18.07.2018	चयनित सूची एनईई - I (प्रमाण पत्र) (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
2	19.07.2018	प्रतीक्षा सूची एनईई - I (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
3	20.07.2018	चयनित व प्रतीक्षा सूची एनईई - I (अरुणाचल प्रदेश राज्य कोटे के विद्यार्थियों के लिए)
4	21.07.2018	चयनित सूची एनईई -II एवं III (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
5	23.07.2018	प्रतीक्षा सूची एनईई -II एवं III (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
6	24.07.2018	चयनित व प्रतीक्षा सूची एनईई - II एवं III (अरुणाचल प्रदेश राज्य कोटे के विद्यार्थियों के लिए)

प्रवेश प्राप्त छात्रों का राज्य अनुसार विवरण, एनईई -2018

राज्य का नाम व व	परीक्षा				कुल संख्या
	एनईई -I	एनईई -II		एनईई -III	
		प्रौद्योगिकी	वानिकी		
स्थाई निवासी	15	06	01	08	30
अन्यत्र सक्षम	05	02	01	01	09
अरुणाचल प्रदेश	20	07	00	09	36
असम	20	07	02	08	37
मणिपुर	20	07	02	05	34
मेघालय	20	07	03	06	36
मिजोरम	20	06	01	05	32
नागालैंड	20	06	02	06	34
सिक्किम	20	03	01	05	29
त्रिपुरा	18	05	03	07	33
अखिल भारत	18	07	01	05	31
कुल	196	63	17	65	341

प्रवेश प्राप्त छात्रों का शाखा अनुसार विवरण, एन ई ई -I, 2018

शाखा	पी डी	पी आर सी	अ.प्र.	आसाम	मणिपुर	मेघालय	मिजोरम	नागालैंड	सिक्किम	त्रिपुरा	अ.भ.	कुल
कृषि अभि.	01	03	04	04	04	04	04	04	04	02	02	36
सिविल अभि.	01	03	04	04	04	04	04	04	04	04	04	40
इले. संचार अभि.	01	03	04	04	04	04	04	04	04	04	04	40
विद्युत अभि.	01	03	04	04	04	04	04	04	04	04	04	40
यांत्रिक अभि.	01	03	04	04	04	04	04	04	04	04	04	40
कुल	05	15	20	20	20	20	20	20	20	18	18	196

प्रवेश प्राप्त छात्रों का शाखा अनुसार विवरण, एन ई ई -II, 2018

शाखा	पी डी	पी आर सी	अ.प्र.	आसाम	मणिपुर	मेघालय	मिजोरम	नागालैंड	सिक्किम	त्रिपुरा	अ.भ.	कुल
कृषि अभि.	00	01	00	00	01	01	01	01	00	00	00	05
सिविल अभि.	01	00	01	01	01	01	01	01	01	01	01	10
कम्प्युटर	01	02	03	03	02	02	01	01	00	02	03	20
इले. संचार अभि.	00	01	01	01	01	01	01	01	00	00	01	08
विद्युत अभि.	00	01	01	01	01	01	01	01	01	01	01	10
यांत्रिक अभि.	00	01	01	01	01	01	01	01	01	01	01	10
वानिकी	00	01	00	02	02	03	01	02	01	03	01	17
कुल	03	07	07	09	09	10	07	08	04	08	08	80

प्रवेश प्राप्त छात्रों का शाखा अनुसार विवरण, एन ई ई -III, 2018

शाखा	पी डी	पी आर सी	अ.प्र.	आसाम	मणिपुर	मेघालय	मिजोरम	नागालैंड	सिक्किम	त्रिपुरा	अ.भ.	कुल
कृषि अभि.	00	01	01	01	00	01	00	00	00	00	00	04
सिविल अभि.	01	02	02	01	01	01	01	01	01	01	01	13
कम्प्युटर	00	01	02	01	01	01	01	01	01	01	00	11
इले. संचार अभि.	00	01	02	01	01	01	01	01	01	02	01	12
विद्युत अभि.	00	02	01	02	01	01	01	01	01	02	01	13
यॉंत्रिक अभि.	00	01	01	02	01	01	01	02	01	01	01	12
कुल	01	08	09	08	05	06	05	06	05	07	05	65

इन-सर्विस उम्मीदवार - 01

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा (एन.ई.ई.) 2018 - एक झलक

स्थिति	एनईई -I	एनईई -II	एनईई -III	कुल
प्राप्त आवेदनों की संख्या	4449	4265	663	9377
परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों की संख्या	184	76	57	317
चयनित विद्यार्थियों की संख्या (प्रौद्योगिकी)	00	30	00	30
चयनित विद्यार्थियों की संख्या (वानिकी)	326	140	77	543
प्रतीक्षा सूची में रखे गए विद्यार्थियों की संख्या (प्रौद्योगिकी)	00	77	00	77
प्रतीक्षा सूची में रखे गए विद्यार्थियों की संख्या (वानिकी)	4449	4265	663	9377

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा (एनईई) 2018 एक तुलनात्मक विवरण

क्र.सं	विवरण	2017	2018	अभ्युक्तियाँ
02.	परीक्षा में बैठे	9367	9377	10 अधिक
03.	प्रवेश सलाह के माध्यम से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी	एनईई -I 152 एनईई-II 69 एनईई -III 53 कुल 274	एनईई -I 196 एनईई -II 80 एनईई -III 65 कुल 341	67 अधिक
04.	पहली पसंद शाखा	63 सिविल अभि	63 सिविल व विद्युत अभि	--
05.	कम पसंद शाखा (कम्प्युटर विज्ञान व अभि.)	20	31	11 अधिक

परीक्षा में ऑन लाईन neeonline.ac.in पंजीकरण प्रक्रिया अपनाई गयी थी, तथा ओ.एम.आर. उत्तर पुस्तिकाओं का प्रयोग किया गया था, जिससे परीक्षा परीणाम यथासमय घोषित करने में सुविधा हुई। प्रवेश परीक्षा में शुल्क प्राप्त करने के कार्य के लिए एक्सीस बैंक के चालान के माध्यम से देश के सभी प्रमुख शहरों की शाखाओं की सेवा ली गई थी। डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई थी। प्रवेश परीक्षा संबंधी सभी सूचना जन साधारण को नेरिस्ट वेबसाइट के माध्यम से प्रदान की गई थी।

इस प्रकार प्रवेश परीक्षा - **2018** सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

परिशिष्ट - X
संकाय सदस्यों की सूची, 31-3-2019

वानिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
1	1	डा. बिनय सिंह	प्रोफेसर (सीएएस)
2	2	डा. सी. एल. शर्मा	प्रोफेसर (सीएएस)
3	3	डॉ. एम. शर्मा	प्रोफेसर (सीएएस)
4	4	डा. के. श्रीवास्तव	प्रोफेसर (सीएएस)
5	5	डॉ एसएस सुरेश के सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
6	6	डॉ अवधेश कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर
7	7	डा पी. आर. गुजरेल	एसोसिएट प्रोफेसर
8	8	डॉ ओ. पी. त्रिपाठी	एसोसिएट प्रोफेसर
9	9	डॉ एल. बी. सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
10	10	श्री गोबिंद पांगिंग	सहायक प्रोफेसर
11	11	डॉ आशीष पॉल	सहायक प्रोफेसर
12	12	डॉ मधु कामले	सहायक प्रोफेसर
13	13	डॉ प्रदीप कुमार	सहायक प्रोफेसर
कृषि अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
14	1	डॉ पी. पी. डबराल	प्रोफेसर
15	2	डॉ के. एन. दिवांगम	प्रोफेसर (सीएएस)
16	3	डॉ एस. के. श्रीवास्तव	प्रोफेसर (सीएएस)
17	4	श्री डी. के. श्यामल	एसोसिएट प्रोफेसर
18	5	डॉ अदिति भद्र	एसोसिएट प्रोफेसर
19	6	डा अर्नब बंदोपाध्याय	एसोसिएट प्रोफेसर
20	7	डॉ पी. के. प्रणव	सहायक प्रोफेसर
21	8	श्री पंकज कुमार पांडे	सहायक प्रोफेसर
22	9	डॉ थानेश्वर पटेल	सहायक प्रोफेसर
23	10	श्री उकिल सिंह	सहायक प्रोफेसर
24	11	श्री अरुण कुमार चौधरी	सहायक प्रोफेसर
25	12	श्री अनुपम पाल	सहायक प्रोफेसर
26	13	श्री तागे तपांग	सहायक प्रोफेसर
27	14	श्रीमती वनिता पांडे	सहायक प्रोफेसर

सिविल अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
28	1	डा. एस. के. सिंह	प्रोफेसर
29	2	डॉ आर. के. प्रसाद	प्रोफेसर (सीएएस)
30	3	डॉ एस बेश्य	प्रोफेसर (सीएएस)
31	4	डॉ एस मीश्रा	प्रोफेसर (सीएएस)
32	5	श्री एस. के. साहू	एसोसिएट प्रोफेसर
33	6	डॉ अजय भारती	एसोसिएट प्रोफेसर
34	7	डा दीपाका देवी	एसोसिएट प्रोफेसर
35	8	सुश्री वाई विद्यालक्ष्मी देवी	सहायक प्रोफेसर
36	9	सुश्री मुडो पुमिंग	सहायक प्रोफेसर
37	10	सुश्री यमीन तामट	सहायक प्रोफेसर
38	11	श्री नीरो गुमोसर सॉरम	सहायक प्रोफेसर
39	12	श्री के जेम्स सिंह	सहायक प्रोफेसर
40	13	डॉ अजंता कलिता	सहायक प्रोफेसर
41	14	डॉ दिवेंदू पाल	सहायक प्रोफेसर

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
42	1	डॉ एन. मारचांग	एसोसिएट प्रोफेसर
43	2	सुश्री एम काथिंग	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
44	3	श्री एस. जे. बोरा	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
45	4	श्री के. लिगोह	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
46	5	श्री मारजीत सिंह	सहायक प्रोफेसर
47	6	श्री आस्विनी कुमार पात्रा	सहायक प्रोफेसर
48	7	श्री मंजुल सैकिया	सहायक प्रोफेसर
49	8	श्री अमर तागु	सहायक प्रोफेसर
50	9	श्री अजित कुमार सिंह यादव	सहायक प्रोफेसर
51	10	श्री योगेंद्र मोहन	सहायक प्रोफेसर
52	11	श्री प्रदीप कमबोज	सहायक प्रोफेसर

विद्युत अभियंत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
53	1	डॉ एस. चटर्जी	प्रोफेसर (सीएएस)
54	2	डॉ आर. के. मेहता	प्रोफेसर (सीएएस)
55	3	डॉ ओ पी राय	प्रोफेसर (सीएएस)
56	4	डा सरसिंग गाओ	प्रोफेसर (सीएएस)
57	5	डॉ एस. के. भगत	प्रोफेसर (सीएएस)
58	6	डॉ. ए.के. सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
59	7	श्री आर. ब्लेंगे	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
60	8	श्री टी. वी. पी. सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
61	9	श्री आदिकांता परिदा	सहायक प्रोफेसर
62	10	श्री देबेन सिंह	सहायक प्रोफेसर
63	11	श्री अनु कुमार दास	सहायक प्रोफेसर
64	12	श्री एन.एल. मेथेई	सहायक प्रोफेसर
65	13	सुश्री सोमिलिया हथुनो	सहायक प्रोफेसर
66	14	श्री अखिलेश शर्मा	सहायक प्रोफेसर
67	15	सुश्री पियाली दास	सहायक प्रोफेसर
68	16	श्री पी देवचंद्र सिंह	सहायक प्रोफेसर

इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियंत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
69	1	डा अनवर हुसैन	प्रोफेसर (सीएएस)
70	2	डा अहीबिम दीनामानी सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
71	3	डॉ राजेश कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर
72	4	डॉ टी शरण	सहायक प्रोफेसर
73	5	श्री मधुसूदन मिश्रा	सहायक प्रोफेसर
74	6	डॉ प्रणब किशोर दत्ता	सहायक प्रोफेसर
75	7	डॉ जायत्री बोरा	सहायक प्रोफेसर
76	8	डॉ स्वनिर्भर मजूमदार	सहायक प्रोफेसर
77	9	श्री अशोक कुमार राय	सहायक प्रोफेसर
78	10	श्री रुस्नी कीमा मंगांग	सहायक प्रोफेसर
79	11	श्री अको जॉन रिचा	सहायक प्रोफेसर
80	12	श्री अनिल कुमार गौतम	सहायक प्रोफेसर
81	13	श्री एम एडीसन सिंह	सहायक प्रोफेसर

यांत्रिक अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
82	1	डॉ एम मुरलीधर	प्रोफेसर (सीएएस)
83	2	डॉ आसिस गिरि	प्रोफेसर (सीएएस)
84	3	डॉ प्रदीप लिंगफा	प्रोफेसर (सीएएस)
85	4	डॉ एम. चन्द्रशेखरन	प्रोफेसर (सीएएस)
86	5	डॉ एस महतो	प्रोफेसर (सीएएस)
87	6	डॉ एस सामंता	एसोसिएट प्रोफेसर
88	7	डॉ सत्यम शिवम गौतम	एसोसिएट प्रोफेसर
89	8	डॉ संदीप सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
90	9	श्री के के मंडल	सहायक प्रोफेसर
91	10	डा एम पी थड्यूस	सहायक प्रोफेसर
92	11	श्री मरियम दाबी	सहायक प्रोफेसर
93	12	श्री नरेंद्र कुमार राणा	सहायक प्रोफेसर
94	13	श्री नबाम तेयई	सहायक प्रोफेसर
95	14	श्री संतोष कुमार तमांग	सहायक प्रोफेसर
96	15	मोहम्मद एस मुजाहिद खान	सहायक प्रोफेसर
97	16	डॉ यदायाह निसारमेटला	सहायक प्रोफेसर

रसायन विज्ञान			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
98	1	डॉ एच एस यादव	प्रोफेसर (सीएएस)
99	2	डा पी के त्रिपाठी	प्रोफेसर (सीएएस)
100	3	डॉ एम एफ हुसैन	प्रोफेसर (सीएएस)
101	4	डॉ एन देब	प्रोफेसर (सीएएस)
102	5	डॉ ए के गुप्ता	प्रोफेसर (सीएएस)
103	6	श्री एन घनश्याम सिंह	सहायक प्रोफेसर
104	7	डॉ शशि लता भारती	सहायक प्रोफेसर
105	8	डॉ मीरा यादव	सहायक प्रोफेसर
106	9	डॉ जगन्नाथ भूयान	सहायक प्रोफेसर
107	10	डॉ ए. मुरुगन	सहायक प्रोफेसर
108	11	डॉ नागेंद्र नाथ यादव	सहायक प्रोफेसर

मानवीकी व सामाजिक विज्ञान			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
109	1	डॉ बी.डी.नायक	प्रोफेसर (सीएएस)
110	2	डा पी परिदा	प्रोफेसर (सीएएस)
111	3	डॉ. सुश्री एस सिन्हा	एसोसिएट प्रोफेसर(सीएएस)
112	4	श्री आर प्रसाद	एसोसिएट प्रोफेसर(सीएएस)
113	5	श्री राजू बरठाकुर	एसोसिएट प्रोफेसर(सीएएस)
गणित			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
114	1	डॉ एल के अरोड़ा	प्रोफेसर (सीएएस)
115	2	डॉ बी के सिंह	प्रोफेसर (सीएएस)
116	3	डॉ एम एम दीक्षित	एसोसिएट प्रोफेसर
117	4	श्री जयंता बोरा	सहायक प्रोफेसर
118	5	डॉ हरचंद्र सिंह	सहायक प्रोफेसर
119	6	डॉ प्रदीप देबनाथ	सहायक प्रोफेसर
120	7	डॉ मोहम्मद हसन	सहायक प्रोफेसर
121	8	डॉ चंद्र प्रकाश पांडे	सहायक प्रोफेसर
भौतिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
122	1	डॉ पी आर अलपाती	प्रोफेसर (सीएएस)
123	2	डॉ टाडो कार्लो	प्रोफेसर (सीएएस)
124	3	डॉ एम सैनगुप्ता	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
125	4	डॉ अरविंद पांडे	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
126	5	डॉ (श्रीमती) थ. गोमती देवी	एसोसिएट प्रोफेसर
127	6	डॉ मुकेश उपाध्याय	एसोसिएट प्रोफेसर
128	7	डॉ राजेश कुमार यादव	एसोसिएट प्रोफेसर
129	8	डॉ कमल सहारिया	सहायक प्रोफेसर
130	9	डॉ सानूजम धीरेन मीतीई	सहायक प्रोफेसर
131	10	डॉ.(सुश्री) अकबरी जहां	सहायक प्रोफेसर
132	11	डॉ कुणाल बोहरा	सहायक प्रोफेसर
प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
133	1	डॉ आर एम पंत	प्रोफेसर (सीएएस)
134	2	श्री शिवाब्रत चौधरी	सहायक प्रोफेसर
135	3	सुश्री बिजलक्ष्मी शर्मा	सहायक प्रोफेसर
136	4	डॉ मनमोहन मॉल	सहायक प्रोफेसर

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
निर्जुली-791 109, अरुणाचल प्रदेश

के 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष

के लेखाओं पर



सत्यमेव जयते

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रस्तुत
पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन
वर्ष 2018-19

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (नेरिस्ट), निर्जुली-791 109, अरुणाचल प्रदेश के 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रस्तुत पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

1. हमने, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, नेरिस्ट, निर्जुली के 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष के तुलन पत्र, तथा उक्त तिथि को आय व व्यय लेखा तथा प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा का नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ तथा सेवा शर्तें) नियम, 1971 के अनुभाग 20(1)-सह-नेरिस्ट सहभागिता ज्ञापन (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के अनुभाग-3) के नियम 5(अ)(iv) तथा नियम 33(v) के तहत लेखा परीक्षण कर लिया है। लेखाओं में व्यक्त लेन-देन की जिम्मेदारी नेरिस्ट प्रबन्धन की है, तथा हमारा दायित्व इन वित्त लेखाओं पर हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर अपनी राय व्यक्त करने की है।
2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में संस्थान के लेखाओं के वर्गीकरण एवं उत्कृष्ट लेखा प्रचलनों, लेखा गुणवत्ता एवं प्रकटीकरण नियमों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ प्रस्तुत की गई हैं। वित्त आलेखों के नियमों, विनियमों व परम्पराओं (एकाधिकृत व विधिनुसार) के पालन तथा निपुणता-सह-कार्यक्षमता सम्बन्धी टिप्पणियों को, यदि आवश्यक हुआ, तो अलग से निरीक्षण प्रतिवेदन/ नियंत्रक तथा महा लेखापरीक्षक प्रतिवेदन के माध्यम से भेजा जायेगा।
3. हमने भारत में प्रचलित सामान्य लेखा स्तर के आधार पर अपना लेखा परीक्षण कर लिया है। इन लेखा प्रविधियों में यह आवश्यक है, कि हम लेखा परीक्षण को योजना बद्ध करते हुए सुनिश्चित करें कि लेखाओं में किसी प्रकार के अनिष्ट तथ्य तो सामिल नहीं हैं। हमारे लेखा परीक्षण में निरीक्षण सत्य परख एवं वित्त आलेखों के साथ संलग्न प्रमाणों के परीक्षण का प्रावधान है। लेखा परीक्षण में लेखा सिद्धान्तों के पालन एवं प्रबन्धन द्वारा निर्धारित किये गये वित्त पूर्व अनुमानों तथा वित्त लेनदेन के स्पष्ट प्रतिरूपण को भी सामिल किया गया है। हमें विश्वास है, कि हमारा लेखा परीक्षण, हमारे द्वारा व्यक्त राय को समुचित आधार प्रदान कर रहा है।
4. **हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर हम प्रतिवेदित करते हैं, कि**
 - (i) हमने, हमारे ज्ञान एवं विश्वास के आधार पर लेखा परीक्षण के लिए आवश्यक सभी सूचनायें व स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं, परन्तु स्थाई परिसम्पत्तियों का सत्यापन नहीं किया जा सका, क्योंकि परिसम्पत्तियों को सोंपने सम्बन्धी विवरण हमें उपलब्ध नहीं कराया गया था।
 - (ii) संस्थान का तुलन पत्र, आय व व्यय लेखा तथा प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार आदेश संख्या 29-4/2012-एफ डी दिनांक 17 अप्रैल, 2015 के अनुरूप तैयार किया गया है।
 - (iii) हमारी राय में संस्थान ने नेरिस्ट के नियम-33 के अनुरूप अपनी लेखा बहियों को तैयार किया है। तथा ये बहियों के निरीक्षण से प्रतित हो रहा है।
 - (iv) हम तथापि प्रतिवेदित करते हैं, कि

क. तुलन पत्र**समग्र/पूँजीगत निधि एवं देनदारियाँ****1. समग्र/अक्षय निधि (अनुसूची 2) - ₹83.77 लाख**

उपरोक्त में ₹17.08 करोड़ सामिल है। संस्थान ने वर्ष 2018-19 के दौरान ₹17.08 लाख समग्र/अक्षय निधि (विशिष्ट अनुदान) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त किया था। हालांकि इस धनराशि को समग्र निधि दर्शाया गया है, जबकि यह समग्र/अक्षय निधि दर्शाया जाना इसके परिणाम स्वरूप समग्र निधि में ₹17.08 लाख का अधिक, तथा समान धनराशि का अक्षय निधि में कम उल्लेख हुआ था।

2. वर्तमान देनदारियाँ तथा प्रावधान (अनुसूची 3) - ₹727.50 लाख

लेखाओं के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पैरा-10 के अनुसार, व्यय नहीं की गयी राशि का उल्लेख तुलन पत्र में वर्तमान देनदारियों में किया जाना चाहिए। संस्थान ने व्यय नहीं की गयी धनराशि ₹1717.69 लाख को वर्तमान देनदारियाँ व प्रावधान में सामिल नहीं किया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के प्ररूप-10 का अनुपालन नहीं करने पर परिणाम स्वरूप वर्तमान देनदारियाँ व प्रावधान का ₹1717.69 लाख का कम एवं अक्षय निधि धनराशि का अधिक उल्लेख हुआ था।

3. वर्तमान देनदारियाँ तथा प्रावधान (अनुसूची 3) - ₹7.27 करोड़

उपरोक्त में मार्च 2019 को तुलन पत्र में प्रायोजित परियोजना धनराशि ₹5.99 करोड़ सामिल नहीं है।

लेखाओं के सामान्य प्रारूप के पैरा 11 के अनुसार, प्रायोजित परियोजना हेतु प्राप्त धनराशि को वर्तमान देनदारियाँ व प्रावधान - संचालित परियोजना प्राप्तियाँ दर्शाया जाना चाहिए। जब परियोजना हेतु व्यय/अग्रिम दिया जाये, तो सम्बन्धित परियोजना राशि से इसे देनदारियाँ लेखा नामें कर देना चाहिए।

संस्थान ने उपरोक्त परियोजना धनराशि का उल्लेख नहीं किया था और मार्च 2019 को तुलन पत्र में प्रायोजित परियोजना धनराशि ₹5.99 करोड़ सामिल नहीं की गई है। इसके परिणाम स्वरूप वर्तमान देनदारियाँ व परिसम्पतियाँ में ₹5.99 करोड़ का कम उल्लेख हुआ था।

ख. आय एवं व्यय लेखा**आय****1. मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त तदर्थ अनुदान (अनुसूची 7) - ₹9015.09 लाख**

उपरोक्त में ₹8155.78 लाख राजस्व व्यय सामिल है, जो वर्ष के दौरान आय एवं व्यय लेखा में आय के रूप में दर्शाया जाना चाहिए था।

लेखाओं के सामान्य प्रारूप के पैरा 10 के अनुसार, राजस्व व्यय की राशि को आय एवं व्यय लेखा में आय के रूप में व्यक्त होगी। संस्थान ने अपने आय एवं व्यय लेखा में ₹8155.78 लाख का राजस्व व्यय व्यक्त किया है। हालांकि लेखाओं के सामान्य प्रारूप का अनुपालन नहीं करते हुए संस्थान ने कुल प्राप्त तदर्थ अनुदान ₹9015.09 लाख को आय एवं व्यय लेखा में आय दर्शाया है। इसके परिणाम आय में ₹859.31 लाख (₹9015.09 - ₹8155.78 लाख) का अधिक उल्लेख हुआ था, तथा आय पर व्यय व समग्र धनराशि का ₹186.75 लाख अधिक उल्लेख हुआ था।

ग. सामान्य

1. वार्षिक लेखाओं में लेखाओं के सामान्य प्रारूप का पालन नहीं करना

लेखाओं के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के लेखा प्रारूप के अनुसार, भेंट/दान का प्राप्ति पर मुल्यांकन होना चाहिए, यदि वास्तविक मुल्य नहीं पता हो, तो इसका वर्तमान बाजार भाव पर वस्तुस्थिति अनुसार अनुमान लगाया जा सकता है। तदपश्चात भेंट/दान को संस्थान की स्थाई सम्पत्तियों में सामिल किया जा सकता है।

लेखा परीक्षा में यह पाया गया कि संस्थान के पास 515.27 एकड़ दान में प्राप्त भूमि है। संस्थान ने इस भूमि का अभी तक मुल्यांकन नहीं किया था और न ही इसे लेखाओं में सामिल किया था। यह भी, कि राजस्व व पूजीगत व्यय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के लेखा प्रारूप के अनुसार निष्पादित करना है, जो अभी तक नहीं हो सका है।

घ. तदर्थ अनुदान

संस्थान के पास कुल वित्त ₹ 12030.46 लाख उपलब्ध था, जिसमें लेखा शेष ₹ 858.06 लाख, वर्ष के दौरान प्राप्त तदर्थ अनुदान ₹ 10723.09 लाख, अन्य संसाधनों से प्राप्त ₹ 449.31 लाख सामिल है। इसमें से संस्थान ने ₹ 9949.48 लाख का उपयोग कर लिया था, तथा दिनांक 31 मार्च, 2019 को ₹ 2080.98 लाख लेखा में उपलब्ध था।

v. उपरोक्त प्रस्तुत विवेचना के निहित, हम प्रतिवेदित करते हैं, कि संस्थान का तुलन पत्र, आय व व्यय लेखा तथा प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा प्रस्तुतिकरण प्रावधानों के अनुरूप तैयार किये गये हैं।

vi. हमारी राय में, हमें प्रदान की गई सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों के आधार पर लेखाओं में अंकित वित्त उल्लेख, अन्य व्यापक उद्धोषणायें एवं लेखाओं में प्रस्तुत अभिव्यक्तियों से इंगित होता है, कि संस्थान के लेखा भारत में प्रचलित सामान्य लेखा सिद्धान्तों के अनुरूप तैयार किये गये हैं।

(अ) अब तक यह 31 मार्च, 2019 को नेरिस्ट के तुलन पत्र से सम्बधित हैं, तथा

(आ) अब तक यह संस्थान के आय व व्यय लेखा तथा वर्ष के अन्तिम दिन लेखा शेष से सम्बधित है।

स्थान - ईटानगर

दिनांक- 18 नवम्बर, 2019

कृते भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक

ह/-

महालेखाकार

अरुणाचल प्रदेश

परिशिष्ट

1. आन्तरिक लेखा परीक्षण की यथार्थता

संस्थान में आन्तरिक लेखा परीक्षण के दायित्व का निर्वहन एक अनुभाग अधिकारी द्वारा किया जा रहा है, जो कि समय-समय पर संस्थान के दस्तावेजों का निरीक्षण करते हैं।

2. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली

संस्थान में प्रभावी आन्तरिक आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली है।

3. संस्थान की स्थाई परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की यथार्थता

संस्थान की स्थाई परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन वर्ष 2018-19 के लिए किया गया था।

4. सांविधिक देनदारियों के भुगतान में विनियामक

संस्थान द्वारा सांविधिक देनदारियों का नियमित भुगतान किया जा रहा है।

स्थान - ईटानगर

दिनांक- 18 नवम्बर, 2019

कृते भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक

ह/-

वरिष्ठ उप महालेखाकार (लेखा परीक्षा)

अरुणाचल प्रदेश

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित है। यह पृथक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है, तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

वार्षिक लेखा
Annual Accounts

वर्ष 2018-19



पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
North Eastern Regional Institute of Science and Technology

(मानक विश्वविद्यालय)

(Deemed to be University)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत
Under the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India

निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश - 791 109
Nirjuli, Arunachal Pradesh


पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
निर्जुली :: ईटानगर :: अरुणाचल प्रदेश :: 791 109

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र

राशि ₹ में

निर्धारित / पूंजीगत निधि और देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
निर्धारित / पूंजीगत निधि	1	2843811362.26	2654336043.18
उद्दिष्ट / अक्षय निधि	2	8376809.00	8264276.00
वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान	3	72750131.75	66642078.75
कुल		2924938303.01	2729242397.93

परिसंपत्तियां	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अचल संपत्तियां	4	2709131938.09	2633781908.76
उद्दिष्ट / अक्षय निधियों से निवेश	5	663864.00	653121.00
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	6	215142500.92	94807368.17
कुल		2924938303.01	2729242397.93


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh


पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश- 791109

तुलन पत्र के भाग को निर्मित करती अनुसूचियाँ, दिनांक 31 मार्च 2019

अनुसूची -1 कॉर्पस निधि / पूंजीगत निधि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वर्ष के आरंभ में लेखा शेष	2654336043.18	2095704870.56
जोड़ : निर्धारित / पूंजीगत निधि में अंशदान		
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार से प्राप्त अनुदान, संस्वीकृति आदेश संख्या... ओएच-35, (पूंजीगत)		
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	87 77 000.00	1 19 67 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	8 11 28 000.00	9 17 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट)दिनांक 21.08.2018	54 95 000.00	4 50 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट)दिनांक 21.08.2018	1 50 52 000.00	16 90 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट)दिनांक 21.08.2018	16 28 000.00	4 48 75 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	10 20 000.00	34 35 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	3 20 60 000.00	4 48 75 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	34 68 000.00	1 49 58 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 28.03.2019	21 72 000.00	11 48 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 28.03.2019	12 10 000.00	5 60 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 28.03.2019	1 85 00 000.00	16 94 000.00
	2 90 000.00	34 32 000.00
	.00	22 53 000.00
	.00	5 98 32 000.00
	.00	45 80 000.00
	.00	9 02 000.00
	.00	4 45 000.00
	.00	1 19 77 000.00
	.00	6 28 16 000.00
	.00	48 50 000.00
	.00	23 34 000.00
	.00	1 35 00 000.00
	.00	17 95 00 000.00
	.00	70 00 000.00
	.00	7 18 00 000.00
	.00	54 50 000.00
	.00	27 50 000.00
कुल	.00	2 26 71 000.00
	170800000.00	582661000.00
जोड़/घटाव:नेट का शेष (आय व व्यय लेखा से आय व व्यय)	87 77 000.00	1 19 67 000.00
कुल	2843811362.26	2654336043.18

अनुसूची - 2 उद्दिष्ट / अक्षय निधियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा दान दी गई निधियों का प्रारम्भिक शेष	339030.00	338323.00
स्वर्ण पदक: डिप्लोमा प्रथम स्थान	127954.00	127954.00
छात्र कल्याण निधि	1712945.00	1611155.00
सृष्टि के लिए दान - 2009	196880.00	186844.00
समग्र निधि	1500000.00	1500000.00
संकाय विकास निधि लेखा	1500000.00	1500000.00
उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा	1500000.00	1500000.00
अनुरक्षण निधि लेखा	1500000.00	1500000.00
कुल	8376809.00	8264276.00

अनुसूची -3 मौजूदा देनदारियां एवं प्रावधान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ए. वर्तमान देनदारियाँ		
1. विद्यार्थियों की धरोहर राशि	21652085.00	21273780.00
2. सुरक्षा जमा एवं अन्य	18781459.75	18253280.75
कुल (ए)	40433544.75	39527060.75
बी. प्रावधान: बकाया खर्च, कुल (बी)	32316587.00	27115018.00
कुल (ए+बी)	72750131.75	66642078.75


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश


तुलन पत्र के भाग को निर्मित करती अनुसूचियाँ, दिनांक 31 मार्च 2019

अनुसूची-4 अचल संपत्तियाँ

क्र. सं.	विवरण	सम्पूर्ण परिसंपत्तियाँ				अवमूल्ययन				वर्तमान परिसंपत्तियाँ	
		वर्ष के प्रारम्भ में मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़ा गया	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारम्भ में	वर्ष के दौरान जोड़ा गया	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
	ए. अचल संपत्तियाँ										
1.	भवन	6 71 95 773.00	0.00	2 06 58 60 491.00	39 90 58 318.25	4 13 17 209.82	0.00	440375528.07	1625484962.93	1599606399.75	6 71 95 773.00
2.	प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	.00	0.00	36 38 93 497.86	28 43 97 762.90	2 91 11 479.83	0.00	313509242.73	50384255.13	79495734.96	.00
3.	फर्नीचर और साज-सज्जा	1 30 72 725.00	0.00	13 25 57 923.43	5 45 68 604.11	99 41 844.26	0.00	64510448.37	68047475.06	64916594.32	1 30 72 725.00
4.	वाहन	.00	3 16 775.00	1 54 04 802.82	1 14 51 399.50	15 40 480.28	0.00	12991879.78	2412923.04	4270178.32	.00
5.	कार्यालय उपकरण	64 660.00	0.00	4 44 32 076.23	2 37 62 951.76	33 32 405.72	0.00	27095357.48	17336718.75	20604464.47	64 660.00
6.	खेल उपकरण	0.00	0.00	14 39 921.00	3 45 581.04	1 15 193.68	0.00	460774.72	979146.28	1094339.96	0.00
7.	चिकित्सा उपकरण	0.00	0.00	16 97 595.79	13 73 933.62	1 35 807.66	0.00	1509741.29	187854.50	323662.17	0.00
8.	छात्रावास उपकरण	0.00	0.00	5 32 381.08	6 06 914.43		0.00	606914.4312	-74533.35	-74533.35	0.00
9.	पुस्तकालय उपकरण	0.00	0.00	9 95 263.00	11 34 599.82		0.00	1134599.82	-139336.82	-139336.82	0.00
10.	कंप्यूटर सह उपस्कर	12 07 407.00	0.00	92 20 368.00	31 29 908.01	18 44 073.60	0.00	4973981.61	4246386.39	4883052.99	12 07 407.00
11.	अतिथि गृह उपकरण	0.00	0.00	1 06 705.00	1 21 643.70		0.00	121643.7	-14938.70	-14938.70	0.00
12.	संगीत वाद्ययंत्र	0.00	0.00	63 593.00	72 496.02		0.00	72496.02	-8903.02	-8903.02	0.00
13.	विद्युत उपकरण	.00	0.00	42 48 067.00	2 86 505.95	2 12 403.35	0.00	498909.30	3749157.70	3961561.05	.00
14.	पुस्तकालय की पुस्तकें	2 21 539.00	0.00	6 95 39 695.26	5 79 99 821.51	69 53 969.53	0.00	64953791.04	4585904.22	11318334.75	2 21 539.00
15.	संयंत्र और मशीनरी	.00	0.00	99 56 792.14	19 66 654.78	4 97 839.61	0.00	2464494.39	7492297.75	7990137.36	.00
16.	नलकूप व जल आपूर्ति	.00	0.00	2 07 79 617.00	5 43 280.55	4 15 592.34	0.00	958872.89	19820744.12	20236336.46	.00
17.	कैटीन बर्तन	0.00	0.00	25 842.00	28 426.20		0.00	28426.2	-2584.20	-2584.20	0.00
18.	छात्रावास बर्तन	0.00	0.00	55 090.00	62 802.60		0.00	62802.6	-7712.60	-7712.60	0.00
19.	अन्य अचल संपत्तियाँ	0.00	0.00	.00	0.00	.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
20.	क्लब उपकरण	0.00	0.00	90 200.60	1 02 828.68		0.00	102828.684	-12628.08	-12628.08	0.00
	चालू वर्ष का कुल	8 17 62 104.00	316775.00	2 74 08 99 922.21	84 10 14 433.45	9 54 18 299.67	0.00	93 64 32 733.12	1804467189.09	1 81 84 40 159.76	8 17 62 104.00
	बी. भवन निर्माणाधीन	15 65 18 773.00	6 71 95 773.00	90 46 64 749.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	.00	15 65 18 773.00
	कुल	23 82 80 877.00	6 75 12 548.00	3 64 55 64 671.21	84 10 14 433.45	0.00	0.00	93 64 32 733.12	2 70 91 31 938.09	1 81 84 40 159.76	23 82 80 877.00
	पिछला वर्ष	1 20 98 16 805.32	62 58 58 352.93	3 47 47 96 342.21	76 60 29 335.21	7 49 85 098.21	0.00	84 10 14 433.45	2 63 37 81 908.76	2 12 48 08 554.61	1 20 98 16 805.32

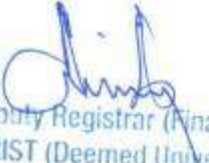
अनुसूची -5 उद्दिष्ट/ अक्षय निधि से निवेश	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. एस बी आई निर्जुली में निवेश, अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल से दान - स्वर्ण पदक, डिप्लोमा में प्रथम स्थान	339030.00	338323.00
2. एस बी आई निरजुलि में निवेश, संस्थान का स्वर्ण पदक	127954.00	127954.00
3 सृष्टि के लिए दान	196880.00	186844.00
कुल	663864.00	653121.00

अनुसूची - 6 वर्तमान परिसंपत्तियाँ, अग्रिम ऋण आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
ए: वर्तमान परिसंपत्तियाँ		
1) नकद	0.27	0.27
2) अति आवश्यक धनराशि	613948.00	433650.00
कुल	613948.27	433650.27
अनुसूचित बैंकों के साथ बैंक बैलेंस		
क) एस बी आई निरजुली के चालू लेखा में (नेरिस्ट सोसाइटी)	27444659.63	5125085.63
ख) नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा / लेखा	179765715.75	72474389.00
ग) एक्सिक बैंक	12707.50	12707.50
घ) नेरिस्ट शैक्षिक लेखा	122368.87	7622368.87
इ) समग्र निधि लेखा	98079.90	98079.90
च) संकाय विकास निधि लेखा	10000.00	10000.00
छ) उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा	10000.00	10000.00
ज) अनुरक्षण निधि लेखा	10000.00	10000.00
कुल	10000.00	10000.00
कुल (ए)	207483531.65	85372630.90


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

बी: ऋण, अग्रिम और अन्य	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) ऋण / अग्रिम		
ए) स्टाफ	842425.00	2798491.00
2) प्राप्त समान मूल्य के लिए नकद अन्य प्रकार से वसूली जाने वाली अग्रिम राशि		
ए) चालू खाते पर		
I) दुकान किराया बकाया	259148.00	259148.00
II) संस्थान की ओर से अधिशासी अभियंता (विद्युत), ऊर्जा विभाग, अ. प्रदेश, नाहरलगन को दी गई जमानत राशि	5433448.00	5433448.00
III) भारतीय तेल निगम, गुवहाटी को सुरक्षा जमा	500000.00	500000.00
IV) नेरिस्ट सोसाईटी आयकर लेखा	10000.00	10000.00
कुल (बी)	7045021.00	9001087.00
कुल (ए+बी)	215142500.92	94807368.17


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh



 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

राशि ₹ में

ए. आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
तदर्थ अनुदान	7	901509000.00	717500000.00
छात्रों से शुल्क	8	5570502.00	24960787.00
अर्जित ब्याज	9	5495762.00	2203941.00
अन्य आय	10	22297443.00	7884296.00
कुल (ए)		934872707.00	752549024.00
बी. व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
स्थापना व्यय	11	647457483.00	570500560.00
अन्य प्रशासनिक व्यय	12	173321605.25	130323599.21
बट्टे खाते में डाली गई अचल संपत्ति		0.00	769593.93
अवमुल्यन		95418299.67	74985098.24
कुल (बी)		916197387.92	776578851.38
आय से अधिक व्यय के कारण शेष में अधिकता/घाटा (ए-बी)		18675319.08	-24029827.38
निर्धारित निधि में अंतरित घाटा/अधिकता		18675319.08	-24029827.38


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखों के भाग को निर्मित करती अनुसूचियाँ

राशि ₹ में

अनुसूची 7 - अनुदान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
ओएच-31, (सामान्य) तथा ओएच-36, (वेतन)		
संस्वीकृति आदेश संख्या ... द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग से प्राप्त राशि		
संख्या. 9-4/2018-टीएस-VII दिनांक 25.05.2018	8 32 02 000.00	4 87 33 000.00
संख्या. 9-4/2018-टीएस-VII दिनांक 25.05.2018	62 83 000.00	37 00 000.00
संख्या. 9-4/2018-टीएस-VII दिनांक 25.05.2018	31 78 000.00	18 50 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	1 10 87 000.00	31 66 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	14 68 30 000.00	15 84 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	56 09 000.00	4 16 74 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	10 11 05 000.00	68 06 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 17.12.2018	76 33 000.00	8 95 91 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 17.12.2018	38 62 000.00	34 03 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 17.12.2018	5 05 51 000.00	33 07 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 17.12.2018	38 18 000.00	16 53 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 17.12.2018	19 31 000.00	4 35 34 000.00
संख्या. 9-4/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	15 89 000.00	16 54 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	28 04 000.00	33 08 000.00
संख्या. 9-4/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	31 41 000.00	4 35 34 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	55 43 000.00	6 15 80 000.00
संख्या. 9-4/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	4 16 01 000.00	23 25 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	7 34 14 000.00	46 70 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	3 67 31 000.00	9 62 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	27 74 000.00	19 23 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	14 03 000.00	15 00 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	27 73 000.00	29 94 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	3 67 30 000.00	3 93 14 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	2 61 77 000.00	41 00 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	19 88 000.00	28 00 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	9 04 000.00	4 81 00 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	27 73 000.00	4 26 41 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	14 03 000.00	32 39 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	2 61 77 000.00	16 20 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	9 04 000.00	5 50 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	19 88 000.00	73 67 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	3 67 29 000.00	3 00 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	35 22 000.00	2 76 15 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	4 75 20 000.00	11 24 000.00

संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	17 58 000.00	20 61 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	2 37 60 000.00	1 58 53 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	17 61 000.00	6 11 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	8 79 000.00	12 11 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	1 18 80 000.00	3 75 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	8 80 000.00	92 20 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	4 40 000.00	6 88 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	2 37 60 000.00	1 33 43 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	17 61 000.00	9 75 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	8 79 000.00	5 66 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	58 80 000.00	4 88 000.00
संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	1 37 20 000.00	66 70 000.00
	.00	2 83 000.00
कुल(7)	901509000.00	717500000.00

अनुसूची-8 छात्रों से शुल्क	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
(ए) शैक्षणिक		
1 शैक्षणिक शुल्क	1875492.00	9281499.00
2 प्रवेश शुल्क	114800.00	136990.00
3 पंजीकरण शुल्क	240280.00	188830.00
4 पाठ्यक्रम शुल्क	58140.00	100640.00
कुल(ए)	2288712.00	9707959.00

बी) परीक्षा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 वार्षिक परीक्षा शुल्क	297570.00	1370335.00
2 अंक तालिका, प्रमाण पत्र शुल्क	73850.00	621540.00
3 दीक्षान्त समारोह शुल्क	0.00	142000.00
कुल (बी)	371420.00	2133875.00

सी) अन्य शुल्क	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 पहचान पत्र शुल्क	36460.00	52840.00
2 दण्ड व विविध शुल्क	34170.00	60500.00
3 चिकित्सा शुल्क	50580.00	278820.00
4 शैक्षिक साँस्कृतिक गतिविधियाँ शुल्क	187610.00	1070270.00
5 अन्य शुल्क	2601550.00	4079323.00
कुल(सी)	2910370.00	5541753.00


डी) प्रकाशनों का विक्रय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. विवरणीका सह प्रवेश आवेदन पत्र विक्रय	0.00	7577200.00
कुल(डी)	0.00	7577200.00
कुल(ए से डी)	5570502.00	24960787.00

अनुसूची-9 अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नेरिस्ट समिति लेखा (बचत लेखा)	4494745.00	2099730.00
नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा लेखा	0.00	104211.00
संवहन अग्रिम पर ब्याज	591578.00	0.00
निवास भवन अग्रिम पर ब्याज	409439.00	0.00
कुल	5495762.00	2203941.00

अनुसूची-10 विविध आय (अन्य आय)

क. भूमि और भवन से आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. छात्रावास व अतिथि ग्रह कमरों का किराया	2583000.00	2835000.00
2. सभागार, खेल मैदान व दीक्षान्त स्थल से प्राप्त किराया	0.00	665458.00
3 जल व विद्युत अधिभार	2218949.00	2483960.00
4 भवन किराया	327164.00	177062.00
कुल (क)	5129113.00	6161480.00

ख. अन्य आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 सलाहकार सेवार्यें	51888.00	175000.00
2 सूचना का अधिकार शुल्क	3035.00	3880.00
3 आवेदन पत्रों का विक्रय (नियोजन)	9000.00	1133400.00
4 विविध(निविदा परिपत्र व खराब कागजों का विक्रय	5281680.00	247430.00
5 बस किराया व वाहन किराया	130843.00	163106.00
6 परियोजना उपरी लागत	11691884.00	0.00
कुल (ख)	17168330.00	1722816.00
कुल (क से ख)	22297443.00	7884296.00


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh

अनुसूची 11-स्थापना व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	वेतन तथा मजदूरी	443344744.00	367086279.00
2	भविष्य निधि में अंशदान	51149723.00	69362594.00
3	एन पी एस	24308980.00	23319076.00
4	ई पी एफ	5377772.00	3838758.00
5	सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ आदि	27917133.00	19734795.00
6	एल टी सी सुविधा	3465049.00	4291734.00
7	चिकित्सा सुविधा	17423295.00	19899588.00
8	बाल शिक्षा भत्ता	3748024.00	4214977.00
9	मानदेय	801936.00	2177606.00
10	सी पी एफ, संस्थान अंशदान	29175355.00	11901774.00
11	छुट्टी नकदीकरण	10752156.00	7727958.00
12	वेतन की शेषधनराशि	0.00	36714352.00
13	संकाय के लिए पेशेवर विकास भत्ता	5949244.00	4068226.00
14	केन्द्रीय विद्यालय के लिए वेतन और मजदूरी	24044072.00	14310449.00
	कुल	647457483.00	588648166.00

अनुसूची 12 - अन्य प्रशासनिक / शैक्षणिक व्यय आदि

अनुसूची 12 ए - शैक्षणिक व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	प्रयोगशाला व्यय	3468074.00	2010031.00
ii)	अखिल भारतीय तकनिकी शिक्षा परिषद	177302.00	0.00
iii)	एन बी ए	981000.00	0.00
iv)	परीक्षा	309579.00	777933.00
v)	छात्र कल्याण व्यय	4867410.00	4548308.00
vi)	प्रवेश व्यय	380080.00	604286.00
vii)	दीक्षांत समारोह व्यय	2367581.00	2211459.00
viii)	छात्रवृत्ति / साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति (45वीं वित्त सभा के निर्णय अनुसार छात्रवृत्ति योजना (सामान्य) से	25693562.00	28127212.00
ix)	अंशदान व्यय	25000.00	0.00
x)	अन्य, एन सी सी / एन एस एस	275369.00	207382.00
xi)	सदस्यता शुल्क	50000.00	0.00
	कुल	38594957.00	38486611.00


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 12 (बी) - अन्य प्रशासनिक व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	प्रवेश परीक्षा	3692945.00	3816312.00
ii)	छपाई और स्टेशनरी	2208644.00	2520800.00
iii)	यात्रा भत्ता	4403374.00	4603829.00
iv)	विज्ञापन / प्रचार	1760622.00	1317900.00
v)	डाक और टेलीफोन	440208.00	486570.00
vi)	टेलीग्राम और इंटरनेट व्यय	1595242.00	1229088.00
vii)	बिजली और ऊर्जा	10541948.00	11119399.00
viii)	जल शुल्क	412900.00	464750.00
ix)	लेखा परीक्षक पारीश्रमिक	0.00	156628.00
x)	कार्यालय व्यय/ विविध व्यय	5864732.35	5432037.00
xi)	कानूनी शुल्क / पेशेवाराना प्रभार	1230000.00	974785.00
xii)	वर्दियाँ	825390.00	474580.00
xiii)	छुट्टी वेतन	0.00	22740.00
xiv)	केन्द्रीय विद्यालय के शिर्ष भुगतान	2207000.00	1791000.00
	कुल	35183005.35	34410418.00

अनुसूची 12 (सी) - परिवहन खर्च		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i) वाहन (शैक्षिक संस्थान के स्वामित्व वाले)			
ए)	नियमित व्यय	0.00	312502.00
बी)	मरम्मत एवं रखरखाव	518258.00	339784.00
सी)	बीमा खर्च	347497.00	283825.00
डी)	तेल पर व्यय	2209221.00	2291188.00
2. किराए पर / लीज पर लिए गए वाहन			
ए)	किराए/लीज व्यय	0.00	75500.00
	कुल	3074976.00	3302799.00

अनुसूची 12 (डी) मरम्मत और रखरखाव		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i)	भवन	60628501.00	14151416.00
ii)	फर्नीचर और साज-सज्जा	0.00	37000.00
iii)	संयंत्र और मशीनरी	1539572.00	613750.00
iv)	कार्यालय उपकरण	627235.00	790971.00
v)	सफाई सामग्री और सेवाएँ	1572043.00	563443.00
vi)	परिसर सुरक्षा (बाह्य स्रोत सेवा)	11015259.90	10501814.00
vii)	मजदूरी (बाह्य स्रोत सेवा)	5712849.00	3897388.00

viii)	कम्प्युटर-सह-उपकरणों का अनुरक्षण	11800.00	0.00
ix)	प्रयोगशाला उपकरणों का अनुरक्षण	349949.00	0.00
x)	लॉन/वॉन का अनुरक्षण	4586681.00	0.00
xi)	सॉफ्टवेयर का अनुरक्षण	3620889.50	0.00
	कुल	89664779.40	30555782.00

अनुसूची 12 (ई) - वित्त लागत		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i)	बैंक प्रभार	14661.5	19732.21
ii)	बैंक प्रभार, एन.ई.ई. लेखा	0.00	651.00
	कुल	14661.50	20383.21

अनुसूची 12 (एफ)		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	पेंशन तथा पेंशन से संबंधित खातों में अंतरित	0.00	5400000.00
ii)	निक्युप को अंतरित	6789226.00	0.00
	कुल	6789226.00	5400000.00
	कुल 12 (ए+बी+सी+डी+ई+एफ)	173321605.25	112175993.21

स्थाई परिसम्पत्तियों का निस्तारण	0	769593.93
अवमुल्यन	95418299.67	74985098.24
कुल योग	95418299.67	75754692.17


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान, निरजुलि, अरुणाचल प्रदेश -791109

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के प्राप्ति एवं भुगतान लेखे (धनापूर्ति विवरण)

प्रारंभिक जमा		चालू वर्ष	पिछला वर्ष			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
लेखा शेष				1ए. स्थापना व्यय	16	642255 914.00	55 23 02 356.00
क)नकद		0.27	0.27	1बी. प्रशासनिक व्यय	17	173321 605.25	13 06 96 358.21
ख)आवश्यक अग्रदाय		4 33 650.00	4 33 650.00				
ग) बैंक लेखा में राशि	13	8 53 32 630.90	34 56 499.43				
घ) समग्र निधि, संकाय विकास, उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा		40 000.00	60 00 000.00	2. अचल सम्पत्तियों और निर्माणाधीन मुख्य कार्यों में व्यय ए) अचल सम्पत्तियों की खरीद बी) मुख्य कार्यों में व्यय	18	170768329.00	584728046.32
				3. अन्य भुगतान	19	8602732.00	42773963.00
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त तदर्थ सहायता				लेखा शेष	20		
ओ एच 36 (वेतन)		76 31 09 000.00	628 00 000.00	क)नकद		.27	0.27
ओ एच 31 (सामान्य)		13 84 00 000.00	8 93 00 000.00	ख)आवश्यक अग्रदाय		613948.00	433650.00
ओ एच 35 (पूँजीगत)		17 08 00 000.00	582661 000.00	ग) बैंक लेखा में राशि (चालू लेखा)		207443531.65	85332630.90
				घ) निर्धारित वित्त, संकाय विकास, उपकरण अनुरक्षण		40000.00	40000.00
3 एस बी आई/एक्सीस बैंक में लधु अवधी निवेश से अर्जित ब्याज	14	54 95 762.00	2203 941.00	बैंक लेखा में जमा राशि का विवरण			
4. अन्य आय				ओएच35 (पूँजीगत)		-335291.32	
5. अन्य प्राप्तियाँ	15	2 78 67 945.00	32784 079.00	ओएच 36 (वेतन)		150833219.91	
				ओएच31 (सामान्य)		1720524.68	
				छात्र धरोहर राशि		21652084.00	
				टिक्युप वित्त		5960000.00	
				सुरक्षा जमा व अन्य		27612994.38	
				8 53 52 630.90			
कुल योग		1203046060.17	1396307004.70	कुल योग		1203046060.17	1396307004.70


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्त एवं भुगतान लेखों के भाग को निर्मित करती अनुसूचियाँ

राशि ₹ में


अनुसूची 13 ए - आदि शेष		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i.	नकद	.27	.27
ii.	अति आवश्यक राशि	4 33 650.00	4 33 650.00
iii.	एक्सिस बैंक खाता	76 22 368.87	45 168.87
iv.	भारतीय स्टेट बैंक (एन ई ई खाता)	12 707.50	13 358.50
v.	भारतीय स्टेट बैंक (नेरिस्ट सोसायटी खाता)	7 75 99 474.63	33 65 065.16
vi.	नेरिस्ट शैक्षिक लेखा	98 079.90	32 906.90
vii.	समग्र निधि लेखा में	10 000.00	15 00 000.00
viii.	संकाय विकास निधि लेखा	10 000.00	15 00 000.00
ix.	उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा	10 000.00	15 00 000.00
x.	अनुरक्षण निधि लेखा	10 000.00	15 00 000.00
कुल		8 58 06 281.17	98 90 149.70


अनुसूची 13 बी- मानव संसाधन विकास मंत्रालय से अनुदान		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) ओएच-31, (सामान्य)			
i.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	35 22 000.00	5 50 000.00
ii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	4 75 20 000.00	73 67 000.00
iii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	17 58 000.00	3 00 000.00
iv.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	2 37 60 000.00	2 76 15 000.00
v.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	17 61 000.00	11 24 000.00
vi.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	8 79 000.00	20 61 000.00
vii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	1 18 80 000.00	1 58 53 000.00
viii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	8 80 000.00	6 11 000.00
ix.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	4 40 000.00	12 11 000.00
x.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	2 37 60 000.00	3 75 000.00
xi.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	17 61 000.00	92 20 000.00
xii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	8 79 000.00	6 88 000.00
xiii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	58 80 000.00	1 33 43 000.00
xiv.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 12.02.2019	1 37 20 000.00	9 75 000.00
		0.00	5 66 000.00
		0.00	4 88 000.00
		0.00	66 70 000.00
		0.00	2 83 000.00
कुल (ए)		13 84 00 000.00	8 93 00 000.00


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh

ख)ओएच-35, (पूजीगत)		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	87 77 000.00	1 19 67 000.00
ii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	8 11 28 000.00	9 17 000.00
iii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	54 95 000.00	4 50 000.00
iv.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	1 50 52 000.00	16 90 000.00
v.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	16 28 000.00	4 48 75 000.00
vi.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	10 20 000.00	34 35 000.00
vii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	3 20 60 000.00	4 48 75 000.00
viii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	34 68 000.00	1 49 58 000.00
ix.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	21 72 000.00	11 48 000.00
x.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 28.03.2019	12 10 000.00	5 60 000.00
xi.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 28.03.2019	1 85 00 000.00	16 94 000.00
xii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 28.03.2019	2 90 000.00	34 32 000.00
		0.00	22 53 000.00
		0.00	5 98 32 000.00
		0.00	45 80 000.00
		0.00	9 02 000.00
		0.00	4 45 000.00
		0.00	1 19 77 000.00
		0.00	6 28 16 000.00
		0.00	48 50 000.00
		0.00	23 34 000.00
		0.00	1 35 00 000.00
		0.00	17 95 00 000.00
		0.00	70 00 000.00
		0.00	7 18 00 000.00
		0.00	54 50 000.00
		0.00	27 50 000.00
		0.00	2 26 71 000.00
	कुल (ए)	17 08 00 000.00	58 26 61 000.00


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

ग)ओएच-36, (वेतन)		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i.	संख्या. 9-4/2018-टीएस-VII दिनांक 25.05.2018	8 32 02 000.00	4 87 33 000.00
ii.	संख्या. 9-4/2018-टीएस-VII दिनांक 25.05.2018	62 83 000.00	37 00 000.00
iii.	संख्या. 9-4/2018-टीएस-VII दिनांक 25.05.2018	31 78 000.00	18 50 000.00
Iv	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	1 10 87 000.00	31 66 000.00
v.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	14 68 30 000.00	15 84 000.00
vi.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 21.08.2018	56 09 000.00	4 16 74 000.00
vii.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 27.11.2018	10 11 05 000.00	68 06 000.00
viii	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 17.12.2018	76 33 000.00	8 95 91 000.00
ix.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 17.12.2018	38 62 000.00	34 03 000.00
x.	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 17.12.2018	5 05 51 000.00	33 07 000.00
xi	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 17.12.2018	38 18 000.00	16 53 000.00
xii	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII(पार्ट) दिनांक 17.12.2018	19 31 000.00	4 35 34 000.00
xiii	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	15 89 000.00	16 54 000.00
xix	संख्या. 9-4/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	28 04 000.00	33 08 000.00
xv	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	31 41 000.00	4 35 34 000.00
xvi	संख्या. 9-4/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	55 43 000.00	6 15 80 000.00
xvii	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	4 16 01 000.00	23 25 000.00
xviii	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 31.12.2018	7 34 14 000.00	46 70 000.00
xix	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	3 67 31 000.00	9 62 000.00
xx	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	27 74 000.00	19 23 000.00
xxi	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	14 03 000.00	2 53 18 000.00
xxii	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	2 61 78 000.00	7 86 27 000.00
xxiii	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	19 89 000.00	59 89 000.00
xxiv	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 23.01.2019	9 04 000.00	30 01 000.00
xxv	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 12.02.2019	14 03 000.00	15 00 000.00
xxvi	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 12.02.2019	27 73 000.00	29 94 000.00
xxvii	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 12.02.2019	3 67 30 000.00	3 93 14 000.00
xxviii	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 12.02.2019	2 61 77 000.00	41 00 000.00
xxix	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 12.02.2019	19 88 000.00	28 00 000.00
xxx	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 12.02.2019	9 04 000.00	4 81 00 000.00
xxxi	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	27 73 000.00	4 26 41 000.00
xxxii	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	14 03 000.00	32 39 000.00
xxxiii	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	2 61 77 000.00	16 20 000.00
xxxiv	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	9 04 000.00	0.00
xxxv	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	19 88 000.00	0.00
xxxvi	संख्या. 17-7/2018-टीएस-VII दिनांक 11.03.2019	3 67 29 000.00	0.00
	कुल (सी)	76 31 09 000.00	62 82 00 000.00
	कुल (ए से सी)	107 23 09 000.00	130 01 61 000.00

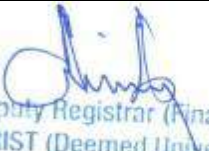
अनुसूची 14 ए - (शैक्षणिक प्राप्तियां) अन्य आय


छात्रों से शुल्क	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
(ए) शैक्षणिक		
1 शैक्षणिक शुल्क	1875492.00	9281499.00
2 प्रवेश शुल्क	114800.00	136990.00
3 पंजीकरण शुल्क	240280.00	188830.00
4 पाठ्यक्रम शुल्क	58140.00	100640.00
कुल(ए)	2288712.00	9707959.00

बी) परीक्षा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 वार्षिक परीक्षा शुल्क	297570.00	1370335.00
2 अंक तालिका, प्रमाण पत्र शुल्क	73850.00	621540.00
3 दीक्षान्त समारोह शुल्क	0.00	142000.00
कुल (बी)	371420.00	2133875.00

सी) अन्य शुल्क	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 पहचान पत्र शुल्क	36460.00	52840.00
2 दण्ड व विविध शुल्क	34170.00	60500.00
3 चिकित्सा शुल्क	50580.00	278820.00
4 शैक्षिक सांस्कृतिक गतिविधियाँ शुल्क	187610.00	1070270.00
5 अन्य शुल्क	2601550.00	4079323.00
कुल(सी)	2910370.00	5541753.00

डी) प्रकाशनों का विक्रय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. विवरणीका सह प्रवेश आवेदन पत्र विक्रय	0.00	7577200.00
कुल(डी)	0.00	7577200.00
कुल(ए से डी)	5570502.00	24960787.00


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


अनुसूची 14 बी - (विविध प्राप्तियां) अन्य आय

क. भूमि और भवन से आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. छात्रावास व अतिथि ग्रह कमरों का किराया	2583000.00	2835000.00
2. सभागार, खेल मैदान व दीक्षान्त स्थल से प्राप्त किराया	0.00	665458.00
3 जल व विद्युत अधिभार	2218949.00	2483960.00
4 भवन किराया	327164.00	177062.00
कुल (क)	5129113.00	6161480.00

ख. अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नेरिस्ट समिति लेखा (बचत लेखा)	4494745.00	2099730.00
नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा लेखा	0.00	104211.00
संवहन अग्रिम पर ब्याज	591578.00	0.00
निवास भवन अग्रिम पर ब्याज	409439.00	0.00
कुल	5495762.00	2203941.00

ग. अन्य आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 सलाहकार सेवायें	51888.00	175000.00
2 सूचना का अधिकार शुल्क	3035.00	3880.00
3 आवेदन पत्रों का विक्रय (नियोजन)	9000.00	1133400.00
4 विविध(निविदा परिपत्र व खराब कागजों का विक्रय	5281680.00	247430.00
5 बस किराया व वाहन किराया	130843.00	163106.00
6 परियोजना उपरी लागत	11691884.00	0.00
कुल (ग)	17168330.00	1722816.00
कुल (क से ग)	27793205.00	10027233.00


कुल 14 ए + 14बी	33363707.00	34988020.00
------------------------	--------------------	--------------------


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 15 --- कोई अन्य प्राप्ति		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	विद्यार्थियों की धरोहर राशि	2955430.00	4275095.00
ii)	कर्मचारियों से प्राप्त अग्रिम	1956066.00	3567898.00
iii)	सुरक्षा जमा राशि	2656620.00	3248162.00
iv)	बयाना राशि जमाराशि	188588.00	0.00
iv)	विद्यार्थी कल्याण निधि	101790.00	301490.00
v)	पूर्व छात्र संघ आदि	238610.00	246070.00
vi)	परियोजना लेखा	1800975.00	36758850.00
viii)	अन्य विविध अग्रिम	0.00	60500.00
ix)	निवेश	0.00	2799770.00
	नया नेरिस्ट समिति लेखा(बचत) खोला गया	0.00	10000.00
x)	जी एस टी पर टी डी एस	1668993.00	0.00
	कुल	11567072.00	51267835.00


अनुसूची 16 - स्थापना व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	वेतन तथा मजदूरी	443344744.00	367086279.00
2	भविष्य निधि में अंशदान	51149723.00	69362594.00
3	एन पी एस	24308980.00	23319076.00
4	ई पी एफ	5377772.00	3838758.00
5	सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ आदि	27917133.00	19734795.00
6	एल टी सी सुविधा	3465049.00	4291734.00
7	चिकित्सा सुविधा	17423295.00	19899588.00
8	बाल शिक्षा भत्ता	3748024.00	4214977.00
9	मानदेय	801936.00	2177606.00
10	सी पी एफ, संस्थान अंशदान	29175355.00	11901774.00
11	छुट्टी नकदीकरण	10752156.00	7727958.00
12	वेतन की शेषधनराशि	0.00	36714352.00
13	संकाय के लिए पेशेवर विकास भत्ता	5949244.00	4068226.00
14	केन्द्रीय विद्यालय के लिए वेतन और मजदूरी	24044072.00	14310449.00
	कुल	642255914.00	570449962.00


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 17 (ए)- शैक्षणिक व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	प्रयोगशाला व्यय	3468074.00	2010031.00
ii)	अखिल भारतीय तकनिकी शिक्षा परिषद	177302.00	0.00
iii)	एन बी ए	981000.00	0.00
iv)	परीक्षा	309579.00	777933.00
v)	छात्र कल्याण व्यय	4867410.00	4548308.00
vi)	प्रवेश व्यय	380080.00	604286.00
vii)	दीक्षांत समारोह व्यय	2367581.00	2211459.00
viii)	छात्रवृत्ति / साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति (45वी वित्त सभा के निर्णय अनुसार छात्रवृत्ति योजना (सामान्य) से	25693562.00	28127212.00
ix)	अंशदान व्यय	25000.00	0.00
x)	अन्य, एन सी सी / एन एस एस	275369.00	207382.00
xi)	सदस्यता शुल्क	50000.00	0.00
कुल		38594957.00	3848611.00

अनुसूची 17 (बी) - अन्य प्रशासनिक व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	प्रवेश परीक्षा	3692945.00	3816312.00
ii)	छपाई और स्टेशनरी	2208644.00	2520800.00
iii)	यात्रा भत्ता	4403374.00	4603829.00
iv)	विज्ञापन / प्रचार	1760622.00	1317900.00
v)	डाक और टेलीफोन	440208.00	486570.00
vi)	टेलीग्राम और इंटरनेट व्यय	1595242.00	1229088.00
vii)	बिजली और ऊर्जा	10541948.00	11119399.00
viii)	जल शुल्क	412900.00	464750.00
ix)	लेखा परीक्षक पारीश्रमिक	0.00	156628.00
x)	कार्यालय व्यय/ विविध व्यय	5864732.35	5432037.00
xi)	कानूनी शुल्क / पेशेवाराना प्रभार	1230000.00	974785.00
xii)	वर्दियाँ	825390.00	474580.00
xiii)	छुट्टी वेतन	0.00	22740.00
xiv)	केन्द्रीय विद्यालय के शिर्ष भुगतान	2207000.00	1791000.00
कुल		35183005.35	34783177.00


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 17 (सी) - परिवहन खर्च		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i) वाहन (शैक्षिक संस्थान के स्वामित्व वाले)			
ए)	नियमित व्यय	0.00	312502.00
बी)	मरम्मत एवं रखरखाव	518258.00	339784.00
सी)	बीमा खर्च	347497.00	283825.00
डी)	तेल पर व्यय	2209221.00	2291188.00
2. किराए पर / लीज पर लिए गए वाहन			
ए)	किराए/लीज व्यय	0.00	75500.00
कुल		3074976.00	3302799.00

अनुसूची 12 (डी) मरम्मत और रखरखाव		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i)	भवन	60628501.00	14151416.00
ii)	फर्नीचर और साज-सज्जा	0.00	37000.00
iii)	संयंत्र और मशीनरी	1539572.00	613750.00
iv)	कार्यालय उपकरण	627235.00	790971.00
v)	सफाई सामग्री और सेवाएँ	1572043.00	563443.00
vi)	परिसर सुरक्षा (बाह्य स्रोत सेवा)	11015259.90	10501814.00
vii)	मजदुरी (बाह्य स्रोत सेवा)	5712849.00	3897388.00
viii)	कम्प्यूटर-सह-उपकरणों का अनुरक्षण	11800.00	0.00
ix)	प्रयोगशाला उपकरणों का अनुरक्षण	349949.00	0.00
x)	लॉन/वॉन का अनुरक्षण	4586681.00	0.00
xi)	सॉफ्टवेयर का अनुरक्षण	3620889.50	0.00
कुल		89664779.40	30555782.00

अनुसूची 17 (ई) - वित्त लागत		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i)	बैंक प्रभार	14661.5	19732.21
ii)	बैंक प्रभार, एन.ई.ई. लेखा	0.00	651.00
कुल		14661.50	20383.21

अनुसूची 17 (एफ)		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	पेंशन तथा पेंशन से संबंधित खातों में अंतरित	0.00	5400000.00
ii)	निक्युप को अंतरित	6789226.00	0.00
कुल		6789226.00	5400000.00
कुल 12 (ए+बी+सी+डी+ई+एफ)		173321605.25	112548752.21


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 18-ए निर्माणाधीन / पूर्ण मुख्य कार्यों में व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	ए) योजना (पूँजीगत) कार्य		
i)	सड़क निर्माण	0.00	3433968.00
ii)	24 कक्षा गृहों का निर्माण	1178417.00	15000000.00
iii)	सी ई पी भवन का द्वितीय तल निर्माण	0.00	2659000.00
iv)	रजत जयन्ति हॉल का निर्माण	0.00	20000000.00
v)	कन्या छात्रावास द्वितीय तल का निर्माण	0.00	11300000.00
vi)	छात्रावास का निर्माण (375 छात्र)	0.00	60699249.00
vii)	उपयोगिता केंद्र का निर्माण	10000000.00	30000000.00
viii)	बाढ़ सुरक्षा कार्यों का निर्माण	25000000.00	80000000.00
ix)	स्थायी प्रशासनिक भवन का निर्माण	0.00	50838323.00
x)	आवासीय भवनों/कुल सचिव आवास का निर्माण	51900000.00	125000000.00
xi)	केन्द्रीय कार्यशाला का निर्माण	0.00	8050352.00
xii)	सीमा दीवार का निर्माण	2423000.00	25000000.00
xiii)	नये अतिथि गृह का विस्तार	36416702.00	21192624.00
xiv)	अन्य निर्माण कार्य	0.00	13686819.00
xv)	पुस्तकालय का सौंदर्यकरण	0.00	3498558.00
xvi)	शिल्पकार शुल्क	0.00	30000000.00
xvii)	छात्रावास (375 छात्र) स्थल विकास	0.00	30000000.00
xviii)	24 कक्षा गृहों का स्थल विकास	253038.00	922910.00
xix)	मार्फत संस्थान अभियन्ता	0.00	3881142.00
xx)	सीमा खम्बों का निर्माण	0.00	8444257.00
xxi)	जल निकास नाली निर्माण	9965298.00	1443828.00
xxii)	सहारा दीवार निर्माण	19382318.00	0.00
	कुल	156518773.00	545051030.00

अनुसूची 18 बी - प्रयोगशाला/ कार्यशाला/ कार्यालय उपकरणों की खरीद पर व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	0.00	757050.00
ii)	अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग	0.00	294060.00
iii)	विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	0.00	389803.00
iv)	रसायन विज्ञान विभाग	0.00	554870.00
v)	ईलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग	0.00	312277.00
vi)	सिविल अभियांत्रिकी विभाग	0.00	1133154.00
vii)	लॉन /वॉन	0.00	4310403.40
viii)	कंप्यूटर सहायक उपकरण	1207407.00	2168550.00
ix)	बिजली उपकरण	0.00	1204842.00

x)	संयंत्र और मशीनरी	0.00	981914.92
xi)	कार्यालय उपकरण	64660.00	209499.00
xii)	विद्युत अधिष्ठापन	0.00	2670357.00
xiii)	नलकूप व जल आपूर्ति प्रणाली	0.00	9745932.00
xiv)	इ.पी.बी.ए.एक्स. का आधुनिकरण	0.00	3386281.00
	कुल	1272067.00	28118993.32

अनुसूची 18 सी		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
पुस्तकालय पुस्तकें/ जर्नल्स			
i)	पुस्तकालय पुस्तकें/ जर्नल्स	221539.00	215137.00

अनुसूची 18 डी		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
फर्नीचर व साज सज्जा		13072725.00	10521804.00

अनुसूची -18 ई		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वाहन		-316775.00	821082.00

अनुसूची 18एफ		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
योजना (सामान्य) गतिविधियां व्यय		0.00	0.00
सी सी नाली का निर्माण		0.00	0.00
भवनों के नवीकरण कार्य		0.00	0.00
सड़क की रिकार्पेटिंग		0.00	0.00
कुल		0.00	0.00


कुल 18 (ए से एफ तक)	170768329.00	584728046.32
----------------------------	---------------------	---------------------

अनुसूची 19 - अन्य भुगतान		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	कर्मचारी व अन्य लोगों को अग्रिम	0.00	168073.00
ii)	ठेकेदारों को दी गई जमानत राशि	3802343.00	2957205.00
iii)	विद्यार्थियों की धरोहर राशि	2577125.00	2809335.00
iv)	परियोजना खातों को ऋण	1725975.00	3675885.00
v)	अग्रदाय राशि जमा	179100.00	0.00
vi)	अन्य विविध अग्रिम	0.00	60500.00
vii)	निरेस्ट सोसाईटी लेखा(बचल लेखा)	0.00	10000.00
viii)	निरेस्ट सोसाईटी लेखा(आयकर लेखा)	0.00	10000.00
ix)	जी एस टी पर टी डी एस	318189.00	0.00
	कुल	8602732.00	42773963.00


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh

अनुसूची - 20 अंत लेखा शेष (क्लोजिंग बेलेन्स)		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	नकद	0.27	0.27
ii)	अग्रदाय	613948.00	433650.00
iii)	एक्सिस बैंक	122368.87	7622368.87
iv)	भारतीय स्टेट बैंक (एन ई ई खाता)	12707.50	12707.50
vi)	भारतीय स्टेट बैंक ,निरेस्ट सोसाईटी लेखा)चालू लेखा(27444659.63	5125085.63
vii)	भारतीय स्टेट बैंक, निरेस्ट सोसाईटी लेखा(बचल लेखा)	179765715.75	72474389.00
viii)	भारतीय स्टेट बैंक नेरिस्ट शैक्षिक लेखा	98079.90	98079.90
ix)	समग्र निधि लेखा	10000.00	10000.00
x)	संकाय विकास निधि लेखा	10000.00	10000.00
xi)	उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा	10000.00	10000.00
xii)	अनुरक्षण निधि लेखा	10000.00	10000.00
	कुल	208097479.92	85806281.17

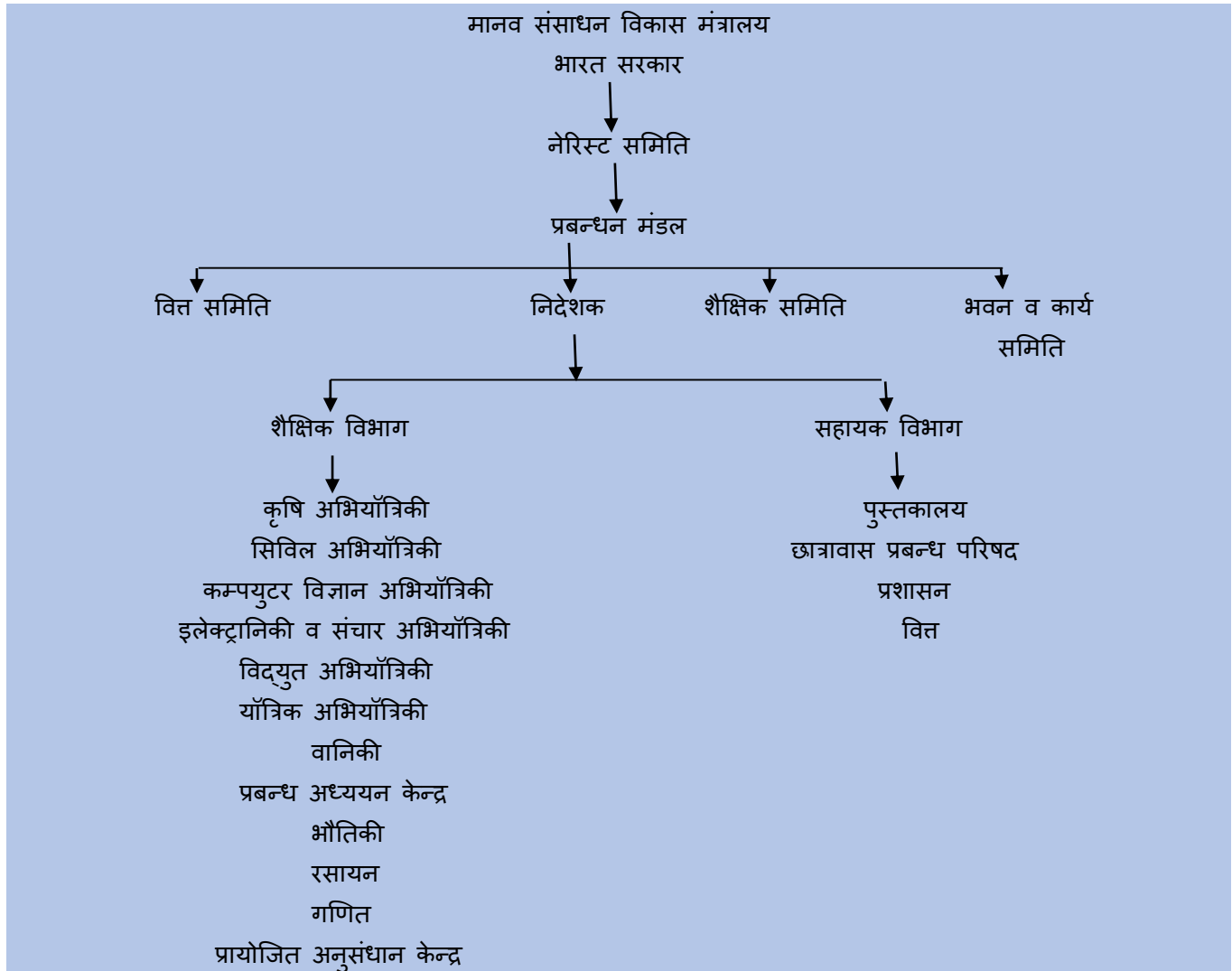

 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

लेखांकन नीति और टिप्पणियाँ

पूर्वोत्तर क्षेत्रिय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना भारत सरकार द्वारा आरम्भ में उत्तर पूर्वी परिषद के माध्यम से की गई थी। इसकी स्थापना का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिये विविध स्तर पर तकनीकी श्रम शक्ति का निष्पादन सह प्रशिक्षण था। संस्थान का शिलोन््यास भारत गणराज्य के तत्कालिन महामहिम राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने 4 मार्च, 1984 को किया था। छात्रों के प्रथम समुह को प्रवेश प्रमाण पत्र कार्यक्रम में अगस्त, 1986 में प्रदान किया गया था। तदुपश्चात इन्हे डिप्लोमा व उपाधि कार्यक्रमों में क्रमबद्ध प्रवेश प्रदान किया गया था। संस्थान का वित्त एवं प्रशासनिक नियंत्रण 1994 से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सिधे नियंत्रण में है। जुलाई, 2018 तक संस्थान ने 27 समुहों को कृषि अभियांत्रिकी, भवन निर्माण अभियांत्रिकी, कम्प्युटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, यंत्रिक अभियांत्रिकी तथा वानिकी में स्नातक उपाधियाँ प्रदान की हैं। संस्थान ने शैक्षिक सत्र 2006-07 से एम. टेक. (नियमित), एम बी ए तथा पीएच.डी.(सामयिक) का अध्यापन आरम्भ कर दिया था।

संस्थान को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के नियम 3 के तहत अधिसूचना संख्या एफ.9-15/2005-यू-3, दिनांक 31 मई, 2005 द्वारा मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्रदान किया था।



सामान्य

संस्थान के लेखाओं का लेखांकन तीन भागों (1) प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा, (2) आय व व्यय लेखा तथा (3) तुलन पत्र में किया गया है।

लेखांकन नीति में, हमने निम्न पद्धति का अनुसरण किया है :-

1. ए) संस्थान ने अपने लेखा के रखरखाव में संग्रहण आधार को अपनाया है। शैक्षणिक संस्थानों में कार्यान्वित संशोधित लेखांकन मानकों के अनुरूप कई उप शीर्ष शामिल किए गए हैं।

बी) संस्थान के बैंक खाते निम्नवत हैं :

- i. नेरिस्ट सोसाइटी लेखा (चालू खाता)
- ii. नेरिस्ट परियोजना लेखा
- iii. एन ए आई पी परियोजना (भा कृ अ प) लेखा
- iv. नेरिस्ट अंशदायी पेंशन लेखा
- v. नेरिस्ट अंशदायी भविष्य निधि लेखा
- vi. नेरिस्ट की छात्रवृत्ति लेखा
- vii. नेरिस्ट पेंशन और पेंशन संबंधी लेखा
- viii. एक पृथक एन ई ई खाता/एक्सिस बैंक लेखा भी चलाया जा रहा है, लेकिन यह नेरिस्ट सोसाइटी लेखा का पूरक है।
- ix. शैक्षिक लेखा
- x. समय निधि लेखा
- xi. संकाय विकास लेखा
- xii. उपकरण अनुरक्षण लेखा
- xiii. अनुरक्षण लेखा
- xiv. नेरिस्ट सोसाइटी लेखा (बचत खाता)
- xv. नेरिस्ट सोसाइटी लेखा (आयकर खाता)

सी) संस्थान का लेखों को जी एफ आर/सी सी एस/सी टी आर तथा भारत सरकार के अन्य नियमों/ दिशानिर्देशों के आधार पर तैयार किया जाता है।

2. बकाया व्यय / बकाया देनदारियों का प्रावधान

आय और व्यय लेखों के तहत बकाया व्यय / बकाया देनदारियों का प्रावधान निम्नवत है:

क्र.सं	शीर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	टिप्पणियाँ
1	दवा	00.00	6481465.00	बकाया व्यय, 2017-18
2	बिजली	00.00	650408.00	बकाया व्यय, 2017-18
3	प्रशासनिक व्यय (लेखा परीक्षा शुल्क)	00.00	150000.00	बकाया व्यय, 2017-18
4	सेवानिवृत्ति लाभ	3832529.00	12060545.00	वित्तीय वर्ष 2017-18 व 2018-19 के लिए प्रावधान
5	छुट्टी नकदीकरण	1369040.00	7772600.00	वित्तीय वर्ष 2017-18 व 2018-19 के लिए प्रावधान
6	दुकानों का किराया	00.00	259148.00	बकाया देनदारियाँ, 2017-18

3. वित्त समायोजन

1. संस्थान का वित्त पोषण मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। यह तदर्थ अनुदान मुख्य रूप से दो मदों यानि योजना व गैर-योजना में दिया जा रहा है। भारत सरकार से प्राप्त वित्त को उसी वर्ष में लेखांकित किया जाता है, जिस वर्ष में वित्त यह अनुमोदित होता है।

2. आन्तरिक वित्त प्राप्ति का मुख्य स्रोत वित्त वर्ष के दौरान विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क, बैंक में निवेश की गई धनराशि पर ब्याज तथा कुछ विविध हैं।

4. स्थाई परिसंम्पत्तियाँ व अवमुल्यन

स्थाई परिसंम्पत्तियों का अवमुल्यन सीधा-सीधा मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा शैक्षिक संस्थानों को दिशानिर्देशित निम्नलिखित दर पर किया जा रहा है -

स्थाई परिसंम्पत्ति	दर (प्रतिशत)
भवन, सड़क व पुल	2
जल नल कुप व जल आपूर्ति	2
संयंत्र व मशीनें	5
वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	8
कार्यालय उपकरण	7.5
कम्प्यूटर सह उपस्कर	20
फर्निचर व साज-सज्जा	7.5
वाहन	10
पुस्तकालय की पुस्तकें	10

प्रगति पर पूंजीकृत कार्यो का अवमुल्यन नहीं किया गया।

5. क) नेरिस्ट के आय व व्यय लेखा का बजट प्रावधान (₹ लाख में)

वर्ष	बजट प्रावधान	पूर्व लेखा शेष	वित्त प्राप्त	अन्य आय	कुल (3 से 5)	व्यय	लेखा शेष (6-7)
1	2	3	4	5	6	7	8
2018-19	27316.79	858.06	10723.09	449.31	12030.46	9949.48	2080.98

*इस धनराशि में अन्तिम लेखा शेष ₹ 6000000.00, समग्र निधि लेखा, संकाय विकास लेखा, उपकरण अनुरक्षण लेखा तथा अनुरक्षण लेखा (₹ 1500000.00 प्रत्येक) सामिल है।

5. ख) नेरिस्ट के आय व व्यय लेखा का बजट प्रावधान (₹ लाख में)

मद	बजट प्रावधान	पूर्व लेखा शेष	वित्त प्राप्त	अन्य आय	कुल (3 से 5)	व्यय	लेखा शेष (6-7)
1	2	3	4	5	6	7	8
ओ एच-31	3656.00	32.79	1384.00	333.63	1550.42	1733.32	17.20
ओ एच-31	6536.79	-3.67	1708.00	00.00	1704.33	1707.68	-3.35
ओ एच-31	7124.00	299.81	7631.09	00.00	7930.90	6422.56	1508.34
कुलयोग	27316.79	328.93	10723.09	333.63	11385.65	9863.46	1522.19

- 6(क) तुलन पत्र को अनुसूची 1 से 6 तक में लेखांकित किया गया है।
 (ख) आय व व्यय लेखा को अनुसूची 7 से 12 तक में लेखांकित किया गया है।
 (ग) प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा को अनुसूची 13 से 20 तक में लेखांकित किया गया है।
 (घ) धनराशि ₹ 6000000.00 (रूपया साठ लाख) का स्थानान्तरण समग्र निधि लेखा, संकाय विकास लेखा, उपकरण अनुरक्षण लेखा तथा अनुरक्षण लेखा (₹ 1500000.00 प्रत्येक) में किया गया था। इन सभी लेखाओं को आरम्भिक लेखा शेष (अनुसूची-13), अन्तिम लेखा शेष (अनुसूची-20) तथा निर्धारित वित्त(अनुसूची-2) में दर्शाया गया है।

7. श्रीमान महा लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत अ-योजना लेखाओं व्यय को तीन मदों में ओएच-31 (सामान्य), ओएच-35 (पूँजीगत) तथा ओएच-36 (वेतन) में दर्शाया गया है।

1. ओएच-31 (सामान्य)
2. ओएच-35 (पूँजीगत)
3. ओएच-36 (वेतन)

8. क) वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान के प्रमुख

क्र.सं.	संस्थान के प्रमुख	दिनांक से	तक
1	आचार्य एच. एस. यादव	01.04.2018	31.03.2019

ख) वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान के डी.डी.ओ.

क्र.सं.	संस्थान के डी.डी.ओ.	दिनांक से	तक
1	डॉ. आर. पी. भट्टाचार्या	01.04.2018	30.04.2018
2.	श्री एम. के. कामदीर	01.05.2018	31.03.2019

9. क) दिनांक 31-3-2019 को संस्थान में स्नातक विद्यार्थियों की संख्या - 1238
 ख) दिनांक 31-3-2019 को संस्थान में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की संख्या - 329
 ग) दिनांक 31-3-2019 को संस्थान में पीएच.डी. विद्यार्थियों की संख्या - 276
कुल - 1843
10. क) दिनांक 31-3-2019 को संस्थान में संकाय सदस्यों की संख्या - 133
 ख) दिनांक 31-3-2019 को संस्थान में अ-शैक्षिक कर्मचारियों की संख्या - 385

Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित है। यह पृथक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है, तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।